

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47 ] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 24, 1979 (अग्रहायण 3, 1901)  
No. 47 ] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 24, 1979 (AGRAHAYANA 3, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 26 अक्तूबर 1979

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 अक्तूबर 1979

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा०-III-इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10 दिसम्बर, 1979 में आगिक आशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग में के० स० स्टे० से संवर्ग के श्री ए० गोपालकृष्णन को राष्ट्रपति द्वारा 16 अक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10-10-79 द्वारा श्री बी० बी० मुर्मू को डेस्क अधिकारी के पद पर 10-10-79 से की गई नियुक्ति को रद्द कर दिया गया है।

3. कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-सी० एस० (I) दिनांक 11-12-75 की शर्तों के अनुसार श्री ए० गोपालकृष्णन को रु० 75/- प्र० मा० विशेष वेतन मिलेगा।

सं० ए० 12022/1/79-प्रशा०-I(i)—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में कार्यरत उप सचिव एवं भारतीय डाक सेवा के अधिकारी श्री बी० एन० सोम को 24 अगस्त, 1979 से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग में संयुक्त सचिव (रु० 2000-125/2-2250) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 12022/1/79-प्रशा०-I (ii)—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० से० के चयन ग्रेड अधिकारी एवं उप सचिव सर्वश्री एम० एम० प्रुथी और आर० एस० गोयला को 24 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में रु० 2000-125/2-2250 के वेतनमान में संयुक्त सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 29 अक्तूबर 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा०-I--संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायकों (ग्रेड-ग) वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) को राष्ट्रपति द्वारा नीचे लिखी तारीख में उसी संवर्ग में पूर्णतः अन्तिम, अस्थाई और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड-ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :--

क्रम सं०	नाम	धारित नियमित पद	पद जिस पर तदर्थ नियुक्ति की गई है	अवधि जिस पर तदर्थ नियुक्ति की गई है
1	2	3	4	5
1. श्री एस० पी० मेहरा 2. श्री ओ० पी० देवरा	}	ग्रेड ग स्टेनोग्राफर का स्थानापन्न चयन ग्रेड तथा स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड-ख)	1-11-79 से 31-12-79 तक अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो।
3. श्री हुकम चन्द 4. श्री एच० सी० कटोच 5. श्री टी० आर० शर्मा	}	ग्रेड ग स्टेनोग्राफर का स्थानापन्न चयन ग्रेड तथा स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख)	19-10-79 से 31-12-79 तक अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो)
6. श्री के० एस० भूटानी	}	स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग)	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख)	

2. उपर्युक्त व्यक्तियों को यह अवगत कर लेना चाहिए कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा। के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख के पद पर उनकी तदर्थ नियुक्तियाँ इस आधार पर की गई हैं कि इनका अनुमोदन कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा कर दिया जाएगा।

एस० बालचन्द्रन,  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय  
कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1979

सं० ए०-31013/1/78-प्रशा०-1--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से आन्ध्र प्रदेश राज्य पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्त स्थानापन्न पुलिस अधीक्षक श्री आई० वी० रत्ना राव को स्थाई समाह्वति हो जाने पर दिनांक 1-10-79 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में मूल रूप से पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-31013/1/78-प्रशा०-1--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना के निम्नलिखित स्थानापन्न पुलिस अधीक्षकों को दिनांक 1-10-79 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में मूल रूप से पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं :--

श्री तजीनवर सिंह

श्री एम० डी० अघरकर

श्री के० ए० राजागोपालन

श्री वेस राज।

दिनांक 3 नवम्बर 1979

सं० ए०-19035/4/79-प्रशा०-5—निवेशक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री तिलक राज, अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 6 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ओवर,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 अक्तूबर 1979

सं० ओ० दो-1032/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सना माई नायक को 9-7-79 से 28-8-79 तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो-1446/79-स्थापना—राष्ट्रपति श्री टी० त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश संघर्ष के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री त्रिपाठी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप महानिरीक्षक अजमेर के पद का कार्यभार दिनांक 8 अक्तूबर, के पूर्वाह्न से सम्भाला।

दिनांक 5 नवम्बर 1979

सं० ओ० दो-1100/78-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) मंगला राजन को 18-10-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय  
सहायक निवेशक (प्रशासन)

समन्वय निदेशालय

(पुलिस बेतार)

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1979

सं० ए० 12012/1/79-प्रशासन—निवेशक, पुलिस दूर-संचार, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त निदेशालय में अगले आदेशों तक स्थानापन्न अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर वेतनमान

में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- नियुक्त करते हैं।

1. श्री एस० के० मल्होत्रा 10-10-79 (पूर्वाह्न)
2. श्री एस० डी० फौजदार 10-10-79 (पूर्वाह्न)

छत्रपति जोशी  
निदेशक,  
पुलिस, दूर-संचार।

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 29 अक्तूबर 1979

सं० ई०-38013(3)/5/79-कार्मिक—दिल्ली में स्थानान्तरित होने पर श्री चंदगी राम ने 21 अगस्त, 1979 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, जी० ओ० एफ० गाजीपुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 24 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट एच० आई० एल० नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/5/79-कार्मिक—गाजीपुर में स्थानान्तरित होने पर श्री एन० के० आनन्द ने 31 अगस्त, 1979 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० पी० सी० एल० बड़ौदा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 4 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट जी० ओ० एफ० गाजीपुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ह०/-अपठनीय  
महानिरीक्षक  
के० ओ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 अक्तूबर 1979

सं० 11/29/78-प्रशा-1-22246—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्री जय कुमार वर्मा को तारीख 9 अक्तूबर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक सीधी भर्ती द्वारा, अस्थाई क्षमता में सहायक निदेशक (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री जय कुमार वर्मा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा

दिनांक 30 अक्तूबर 1979

सं० 10/27/78-प्रशा०-1-22377—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्री सवाराम प्रभास को तारीख 6 अक्तूबर 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक सीधी

भर्ती द्वारा अस्थायी क्षमता में सहायक निदेशक (आंकड़े उपयोगी-करण) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सदाराम प्रभास का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ  
महापंजीकार

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 3 नवम्बर 1979

सं० 15011/6/79-स्थापना—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के० अ० व्यू०/वि० अ० से०, नई दिल्ली के श्री एल० बी० राव ने वहाँ से भार मुक्त होकर सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में 22 अक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्न से अपराध अनुदेशक (पुलिस उप-अधीक्षक) का कार्यभार ग्रहण किया। प्रथमतः वे अकादमी में कार्यग्रहण के समय से 3 वर्षों की अवधि तक प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे तथा उनको रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० -40-1200 रुपये के वेतनमान में वेतन तथा भत्ते मिलेंगे। साथ ही उन्हें 100 रुपये प्रतिमास विशेष वेतन तथा केन्द्रीय सरकार के नियमानुसार मान्य भत्ते भी मिलेंगे।

एम० आई० एस० अय्यर,  
कार्यकारी निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग  
कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1979

सं० 3678/ए०/प्रशासन/13/79—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं अधीनस्थ, लेखा सेवा के स्थायी श्री जे० सी० भाटिया, को, संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, पूर्वी कमान, पटना, में दिनांक 15-10-79 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में, अगले आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

के० बी० दास भौमिक  
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा  
रक्षा सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 31 अक्तूबर 1979

सं० 28012(12)/78/प्रशा०-1(कप्रग्रे)—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा के निम्नलिखित अधिकारी को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपये 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के समक्ष दृष्टांशी गई तारीख से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री लाल जारलिघाना 26-9-1979 (पूर्वाह्न)।

आर० एल० बग्गी  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

सरकारी व्यय आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर, 1979

सं० 1(4)-ए० (3)/सी० पी० ई०/79—रक्षा लेखा विभाग के लेखा अधिकारी और वर्तमान में वित्त मंत्रालय के सरकारी व्यय आयोग में प्रतिनियुक्ति पर अनुसंधान अधिकारी, श्री आर० एल० बग्गा, अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने के फलस्वरूप 30 सितम्बर, 1979 दोपहर बाद से सेवा-निवृत्त होंगे।

दिनांक 5 अक्तूबर 1979

सं० 1(3)-ए० (1)/सी० पी० ई०/79—सरकारी व्यय आयोग में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, श्री के० सी० भट्टाचार्य की सेवाएं वित्त मंत्रालय व्यय विभाग को पुनः सौंप दिए जाने पर, उनका नाम 15-7-79 दोपहरपूर्व से इस आयोग के कर्मचारियों की सूची में से निकाल दिया गया है।

दिनांक 11 अक्तूबर 1979

सं० 1(4)-ए०/सी० पी० ई०/79—राष्ट्रपति जी ने सैनिक रक्षा विभाग के सेवा निवृत्त लेखा अधिकारी श्री आर० एल० बग्गा को दोपहरपूर्व 1 अक्तूबर, 1979 से 31 मई, 1980 तक वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के अंतर्गत सरकारी व्यय आयोग में 700-1300 रु० के वेतनमान में अनुसंधान अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

सं० 1(8)-ए०/सी० पी० ई०/79—विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से स्थानांतरण होने पर, उक्त मंत्रालय के (केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड 'बी') वरिष्ठ व्यक्ति सह्यक, श्री बी० पी० ढींगरा को 25 सितम्बर, 1979 के दोपहरपूर्व से अगले आदेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 650-1040 रुपये के वेतनमान में सरकारी व्यय आयोग में वरिष्ठ व्यक्ति सह्यक (केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा का 'बी' ग्रेड) नियुक्त किया गया है।

जे० एन० कौल  
अवर सचिव (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय

आर्डनैन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 25 अक्तूबर 1979

सं० 52/79/जी०—वार्षिक नियुक्ति आयु (88 वर्ष), प्राप्त कर, श्री एस० पी० सिन्हा स्थानापन्न जी० एम०

(एस० जी०) लेवल-I मौलिक एवं अस्थायी जी० एम०-ग्रेड-I दिनांक 31-8-79 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,  
सहायक महानिदेशक, आईनैस फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1979

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1294/79-प्रशासन (राज०)/7186—मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एतद्द्वारा अधीनस्थ अधिसूचना ब्यूरो, कलकत्ता में श्री एस० के० भट्टाचार्य, ए० सी० आई० ओ०-को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में नियंत्रक आयात-निर्यात (श्रेणी-ख) के रूप में 27 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

नियंत्रक के रूप में श्री भट्टाचार्य 650-30-740-35-810- द० रो० 880-40-1000- द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

सी० एस० आर्य,  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11/18 अक्टूबर 1979

सं० ए०-19018/2/218/75-प्रशासन (राजपत्रित)—उड़ीसा शासन में प्रत्यावर्तन होने पर श्री जी० पी० भट्टाचार्य भारतीय प्रशासनिक सेवा (उड़ीसा-1964) में दिनांक 5 सितम्बर, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के निदेशक, ग्रेड 1 (सामान्य प्रशासनिक प्रभाग) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 15/17 अक्टूबर 1979

सं० 12 (751)/72-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के उप निदेशक (निर्यात संवर्द्धन) श्री एम० सम्पंगी को दिनांक 30 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में निदेशक, ग्रेड-1 (निर्यात संवर्द्धन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17/19 अक्टूबर, 1979

सं० ए०-19018/359/78-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपतिजी, राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, जमशेदपुर के वैज्ञानिक “ग”

डा० मनजीत सिंह को दिनांक 11 अक्टूबर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18/19 अक्टूबर 1979

सं० 12 (153)/61-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम में प्रतिनियुक्त होने पर श्री एन० आर० सोध ने दिनांक 24 सितम्बर, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर के निदेशक, ग्रेड-2 (चर्म/पादुका) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018 (410)/79-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, श्री शम्भु नाथ दास को दिनांक 27 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, कलकत्ता में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23/24 अक्टूबर 1979

सं० ए० 19018 (416)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपतिजी, श्री एस० सी० सकलेचा को दिनांक 17 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, इम्फाल में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23/26 अक्टूबर 1979

सं० 12 (21)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इंदौर के श्री बी० बी० गुंडुराव, उप निदेशक (यांत्रिक) को दिनांक 24 सितम्बर, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर में निदेशक, ग्रेड-II (यांत्रिक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त,  
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा पुनर्वास मंत्रालय

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1979

सं० प्र०-15/28 (671)/79—राष्ट्रपति, भारतीय राजस्व सेवा के श्री एम० एफ० आलम को दिनांक 3 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (पंजीयन) (केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

प्रशासन अनुभाग-I

दिनांक 30 अक्टूबर 1979

सं० प्र०-1/1 (1144)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा श्री पाल जबियर, अधीक्षक को दिनांक 3-10-79 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में श्री के० वी० सिवराम कुण्णु जो छुट्टी पर

गये हैं के स्थान पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, प्रति तथा निपटान

पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में की जाती है।

के० एल० खोसला  
मेजर जनरल  
महासर्वेक्षक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 अक्तूबर 1979

सं० 7097बी० ए०-32014 (9-पुस्तकाध्यक्ष)/79-19-ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ सहायक पुस्तकाध्यक्ष श्री टी० कामेश्वर राव को, पुस्तकाध्यक्ष के रूप में, उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, हैदराबाद के पुस्तकाध्यक्ष श्री ए० आर० चक्रवर्ती, जो 11 मई, 79 के अपराह्न से 21 जून, 79 के अपराह्न तक छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर अवकाश रिक्ति में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7106बी० ए०-32014 (11-आर्टिस्ट)/79-19-ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक (डी० ओ०) श्री जी० वेंकटरामुलू को आर्टिस्ट के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आर्टिस्ट श्री आर० एम० भट्टाचार्य, जो 23-4-1979 के पूर्वाह्न से 12-6-1979 के अपराह्न तक छुट्टी पर गए हैं, की अवकाश रिक्ति में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी  
महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 29 अक्तूबर 1979

सं० सी०-5570/718-ए०—श्री जे० पी० शर्मा, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, की नियुक्ति, 3 अक्तूबर, 1979 पूर्वाह्न से श्री एन० आर० बोस, स्थापना एवं लेखा अधिकारी (तदर्थ आधार पर) जो 30 सितम्बर, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर मध्य सकल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग जबलपुर में, स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० के० से० ग्रुप 'बी') के

भारतीय प्राणि शास्त्र सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक 17 अक्तूबर 1979

सं० एफ०-70-2/79-स्थापना/18631—श्री जे० टी० जोतीनायक, वरिष्ठ, प्राणि विज्ञान सहायक, समुद्रीय जीव वैज्ञानिकी शाखा, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग, मद्रास को, सहायक प्राणि वैज्ञानिक (राजपत्रित, द्वितीय श्रेणी) के रूप में अस्थायी तदर्थ आधार पर 650-1200 रु० के वेतन क्रम में उसी विभाग के समुद्रीय जीव वैज्ञानिकी शाखा, मद्रास में ही 1 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक नियुक्त किया जा रहा है।

डा० टी० एन० अनन्तकृष्णन्  
निदेशक  
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन

कलकत्ता-700019, दिनांक 27 अक्तूबर 1979

सं० 35-2/78-स्था०—सर्वश्री ए० के० सरकार और दुर्गावास साहा ने राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण संगठन में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी (तदर्थरूप में स्थानापन्न) का पद क्रमशः 17 और 11 अक्तूबर, 1979 को मध्याह्न पूर्व में खाली किया। सर्वश्री ए० के० सरकार और दुर्गावास साहा को उसी संगठन में शुद्ध अस्थायी और तदर्थ रूप में क्रमशः 17 और 11 अक्तूबर, 1979 के मध्याह्न पूर्व से वैज्ञानिक अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं।

दिनांक 31 अक्तूबर 1979

सं० 35-2/78-स्था०—श्री पी० के० अधिकारी, जो वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में स्थानापन्न थे, राष्ट्रीय एटलस और थिमैटिक मानचित्रण, संगठन में विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा पर भावी आदेश होने तक 29-10-79 से उसी पद पर पदोन्नत किए जाते हैं।

एस० पी० वासुगुप्ता  
निदेशक

## राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर, 1979

सं० एफ०-11-9-79-ए०-1—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतत् द्वारा श्री बी० सी० सैन, सहायक अभिलेखाधिकारी (ग्रेड-1) (सामान्य) को तदर्थ आधार पर दिनांक 24-10-79 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

बी० एस० कालड़ा  
प्रशासन अधिकारी  
राष्ट्रीय अभिलेखागार  
कृते अभिलेख निदेशक

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर, 1979

सं० 6 (110)/62-एस० एक—सेवा निवृत्ति की आयु पर पहुँच जाने के कारण, श्री एन० एन० प्रधान, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, कटक, 30 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिए गए।

दिनांक 2 नवम्बर, 1979

सं० 4 (82)/77-एस०-1—श्री आर० पी० मीणा का त्यागपत्र स्वीकार हो जाने पर उन्होंने दिनांक 12 अक्तूबर, 1979 (अपराह्न) से आकाशवाणी बीकानेर में कार्यक्रम निष्पादक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

नन्द किशोर भारद्वाज  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महानिदेशक

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

## विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979

सं० ए०-12025/1/77-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री समर कुमार घोष को सिनियर आर्टिस्ट के पद पर अस्थायी रूप से 25 अक्तूबर, 1979 से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर, 1979

सं० ए०-35019/1/78-(आर० एम० एल० एच०)  
प्रशासन-I—श्री बी० पी० पाण्डे ने 3 अक्तूबर, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक डा० राम मनोहर लोहिया

अस्पताल नई दिल्ली में कल्याण अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

शाम लाल कुठियाला  
उप निदेशक प्रशासन (ओ० एंड एम०)

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 79

सं० ए० 19019/10/79 के० स्वा० से०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० ईश्वर दास को 3 अक्तूबर, 1979 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य, दिल्ली में होम्योपैथिक काय चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष  
उप निदेशक प्रशासन (के० स० स्वा० से०)

## परमाणु ऊर्जा विभाग

## क्रय और भंडार निदेशालय

मद्रास-6, दिनांक 11 अक्तूबर, 1979

सं०-एम० आर० पी० यू०/200(20)/79—प्रशासन-परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक, श्री गंगाधरन देवसिगमणि, भंडारक को क्रय और भंडार निदेशालय के मद्रास परमाणु बिजलीघर—भंडार यूनिट में दिनांक 3-9-79 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए 650-30-740-35-810 ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री एम० ए० शेख, सहायक भंडार अधिकारी के स्थान पर की जा रही है, जिनका तबादला तारापुर परमाणु बिजलीघर को हो गया है।

सं० एम० आर० पी० यू०/200 (223)/79-प्रशासन—निदेशक, क्रय और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री नेडुन्गाड प्रभाकरन, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न क्रय सहायक को दिनांक 30-7-79 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए क्रय और भंडार निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट में, रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में अस्थायी रूप से सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी  
क्रय अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 22 अक्तूबर, 1979

सं० डी० पी०-एम०/2/1(5)/77-प्रशासन/30780—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21 अगस्त 1978 के तारतम्य में निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री एस० आर० वैद्य अस्थाई भंडारी को

स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी पद पर, इसी निदेशालय में अग्रिम समय 30 जून 1978 तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सी० बी० गोपाल कृष्णन  
सहायक कार्मिक अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना  
कोटा, दिनांक 30 अक्टूबर 1979

सं० रापविप/भर्ती/7(9)/79/स्थ/681—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री आर० के० शर्मा को राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में जुलाई 12, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक अस्थायी तौर से सहायक लेखाधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह  
प्रगतनित्त अधिकारी (स्थापना)  
वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद 500016, दिनांक 29 अक्टूबर 1979

सं० प० ख० प्र-1/7/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा रक्षा लेखा महानियंत्रक के कार्यालय के एक अनुभाग अधिकारी, श्री जी० डी० बंसल, को परमाणु खनिज प्रभाग में 12 अक्टूबर 1979 की पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अक्टूबर 1979

सं० प० ख० प्र-1/7/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा रक्षा लेखा महानियंत्रक के कार्यालय के एक अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री एस० बी० बैनरजी को परमाणु खनिज प्रभाग में 6 अक्टूबर 1979 की अपराह्न से लेकर अगले आदेश होने तक प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 31 अक्टूबर, 1979

सं० ए०-32014/3/78-ई०-I—मौसम विज्ञान के महानिदेशक निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के सामने लिखी गई तारीखों से अगले आदेशों तक स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्ति की तारीख	तैनाती-कार्यालय
1.	श्री सिस्टा विश्वनाथम	8-9-1979 (अपराह्न)	गोहाटी (प्रा० मी० के० कलकत्ता के अधीन)
2.	श्री भरुण कुमार मेहरा (पहले ही दिनांक 4-5-79 से अल्पावधि रिक्ति पर स्थानापन्न रूप में कार्यरत हैं)	21-5-1979	प्रा० मी० केन्द्र, बम्बई

दिनांक 31 अक्टूबर 1979

सं० प० ख० प्र-1/6/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशुलिपिक तथा मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न अधीक्षक श्री आर० सुब्रमण्यन को परमाणु खनिज प्रभाग में 15 अक्टूबर 1979 की पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, 31, अक्टूबर 1979

सं० भापाप/स्था०/1/वि-88/6165—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री शिवचरण हेरमा बिरवा, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग के अस्थायी अवर श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (तलचर) के स्थानापन्न उच्च श्रेणी लिपिक को, उसी परियोजना में श्री पी० सी० मथिव, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर 23 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से 13 जुलाई, 1979 (अपराह्न) तक के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० भापाप/स्था०/1/म-110/6166—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री डी० पी० माधुर, स्थायी लिपिक प्रथम श्रेणी तथा स्थानापन्न (लेखा) अनुभाग अधिकारी, पश्चिम रेलवे, जो इस समय भारी पानी परियोजना (बडौदा) में सहायक लेखा अधिकारी प्रतिनियुक्त हैं, को उसी परियोजना में अस्थायी तौर पर तदर्थ आधार पर 14 मई, 1979 से 23 जून, 1979 तक के लिए श्री आर० बी० कुलकर्णी के स्थान पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० सी० कोटियनकर  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

1	2	3	4
3. श्री कृष्ण लाल कपूर	.	18-6-1979	प्रा० मौ० केन्द्र, नई दिल्ली
4. श्री राधे श्याम पारीक	.	27-9-1979	प्रा० मौ० केन्द्र, बम्बई
5. श्री ए० ए० फारुकी	.	27-7-1979	गोवा, (प्रा० मौ० केन्द्र बम्बई के अधीन)
6. श्री किशोरी लाल भारद्वाज	.	8-10-1979	उपमहानिदेशक (उप-करण) नई दिल्ली
7. श्री सत्य शरण अग्रवस्थी	.	4-7-1979	ग्रहमदावाद (प्रा० मौ० केन्द्र बम्बई के अधीन)

मुख्य राम भुक्ता

निदेशक

कृते मोहम विज्ञान के महानिदेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर, 1979

सं० ए० 32013/9/78-ई० सी०—डैम विभाग की दिनांक 12-9-1979 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/78-ई० सी० के आश्रित संशोधन में क्रम सं० 2 के मामले दिए गए उद्देश्यों का संशोधन करते हुए निम्न प्रकार पढ़ा जाय:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	तदर्थ नियुक्ति की अवधि
2.	श्री एच० ए० जेटी	वैमानिक संचार स्टेशन बेलगाँव	20-11-79 के बाद और 31-12-79 तक

आर० एन० दास

सहायक निदेशक प्रणामन

कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1979

सं० ए० 32013/1/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री बी० डी. गेकर, तकनीकी अधिकारी को जो इस समय मानदीय सरकार के पास विदेशी सेवा में कार्यरत हैं, दिनांक 26-9-79 (पूर्वाह्न) से प्रोकार्मा पदोन्नति की स्वीकृति दे दी है।

2. वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी को उच्चतर पदोन्नति के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/वरिष्ठ संचार अधि-

कारी की संयुक्त पात्रता सूची में ग्रेड में नियमित नियुक्ति की तारीख के अनुसार स्थान दिया जाएगा बशर्ते कि वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड की परस्पर वरिष्ठता सूची बनाई जाती है और साथ यह भी शर्त है कि इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर नागर विमानन विभाग में नियुक्त अधिकारियों के मामले में उक्त परीक्षा में उनकी परस्पर वरिष्ठता तकनीकी अधिकारी/संचार अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए भी संघारित की जाएगी।

सं० ए०-32013/8/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन सहायक तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः माह के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है:—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री एस० के० शर्मा	वै० सं० स्टेशन, अमरतल्ला	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	29-8-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एच० एस० गहले	वै० सं० स्टेशन, लखनऊ	वै० सं० स्टेशन, लखनऊ	10-9-79 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एच० एस० सी० राय	रेडियो निर्माण तथा विकास एकाद, नई दिल्ली	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	19-9-79 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32014/4/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन, वैमानिक संचार स्टेशन अहमदाबाद के संचार सहायक, श्री वी० वी० पटनाकर को दिनांक 27-9-79 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई में तैनात करते हैं।

लं० ए० 38015/79-ईसी—गृह मंत्रालय, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के दिनांक 23-5-78 के का० जा० सं० 13/1/76 ई० डी० पी० के पैरा 4 की शर्तों के अनुसार स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के फलस्वरूप श्री एम० ए० वेणुगोपाल, तकनीकी अधिकारी, निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक का कार्यालय, सफरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली ने दिनांक 9-7-1979 (पूर्वाह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 2 नवम्बर 1979

सं० ए० 32013/6/78-ई० सी०—राष्ट्रपति श्री पी० अनिल कुमार, संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन

नई दिल्ली को दिनांक 28-9-79 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) के कार्यालय में तैनात करते हैं।

श्री पी० अनिल कुमार को उच्चतर पदोन्नति के लिए वरिष्ठ संचार अधिकारी वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी की संयुक्त पात्रता सूची में स्थानग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति के अनुसार दिया जाएगा, बशर्ते कि वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में परस्पर वरिष्ठता कायम रखी जाती है और इसके साथ यह भी शर्त होगी कि इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर नागर विमानन विभाग में नियुक्त अधिकारियों के मामले में उपरोक्त परीक्षा में उनकी परस्पर वरिष्ठता तकनीकी अधिकारी/संचार अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए भी मानी जाएगी।

सं० ए० 32013/1/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो तकनीकी अधिकारियों को दिनांक 26-9-79 (पूर्वाह्न) से वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित रूप में नियुक्त करते हैं और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात करते हैं।

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन
1. श्री डी० अनाबलगत		निदेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली	निदेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, का कार्यालय, नई दिल्ली
2. श्री ए० पी० कोनार		निदेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली।	—वही—

2. इन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों को उच्चतर पदोन्नति के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/वरिष्ठ संचार अधिकारी की संयुक्त पात्रता सूची में स्थान ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति की तारीख के अनुसार दिया जाएगा बशर्ते कि वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में परस्पर वरिष्ठता कायम रखी जाती है और इसके साथ यह भी शर्त होगी कि इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर नागर विमानन विभाग में नियुक्त अधिकारियों के मामले में उक्त परीक्षा में उनकी परस्पर वरिष्ठता तकनीकी अधिकारी/संचार अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए भी मानी जाएगी।

सं० ए०-32013/4/78-ई० सी०—इस कार्यालय की दिनांक 30-6-79 की अधिसूचना सं० ए०-32013/4/78-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो वरिष्ठ संचार अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई अवधि के लिए और आगे जारी रखने की अनुमति दे दी है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	तदर्थ नियुक्ति जारी रखने की अवधि
1. श्री आर० सी० चित्तारा		क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, नागर विमानन विभाग, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई	30-6-79 के बाद और 17-7-79 तक
2. श्री एन० वी० माथुर		क्षेत्रीय संचार नियंत्रक, कलकत्ता।	26-7-79 के बाद और 2-9-79 तक

दिनांक 3 नवम्बर, 1979

सं० ए०-32014/3/79-ई० सी० (भाग)—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित तकनीकी सहायकों की प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किए गए	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री ओ० पी० जुनेजा	वै० सं० स्टेशन, पालम	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम	3-9-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री डी० डब्ल्यू० जैकब	वै० सं० स्टेशन, पालम	वै० सं० स्टेशन, पालम	5-9-79 ,,
3.	श्री एस० के० सेठ	वै० सं० स्टेशन, मंदसौर	वै० सं० स्टेशन, मंदसौर	5-9-79 ,,
4.	श्री एम० शिवानुग्रमण्यम	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	5-9-79 ,,
5.	श्री आर० जयरामन	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	5-9-79 ,,
6.	श्री पी० वाई० जोसफ	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	5-9-79 ,,
7.	श्री एच० डी० वाशिया	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	6-9-79 ,,
8.	श्री डी० आर० खाडिलकर	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	6-9-79 ,,

आर० एन० दास  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर, 1979

सं० ए० 32014/1/78 ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति और 6 मास की अवधि के लिए अर्थात् प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक या पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी है :—

क्रम सं०	नाम	अवधि	तैनाती स्टेशन
1.	श्री एम० एम० भारद्वाज	9-4-80	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
2.	श्री के० सी० विश्वास	8-4-80	बमदम
3.	श्री वी० वी० देवेकर	8-4-80	अहमदाबाद
4.	श्री एस० मण्यन	12-4-80	तिरुचिरापल्ली
5.	श्री एस० एल० विश्वास	8-4-80	दम दम

सं० ए० 32014/4/79-ई० ए०—महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि तारीख

31-3-1980 तक या पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी दे दी है ।

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री सी० बी० यदनायक	बम्बई (सांताक्रुज)
2.	श्री ए० सी० दास	मंगलूर
3.	श्री इंदरजीत सिंह	कानपुर
4.	श्री जी० बी० सिंह	सांताक्रुज
5.	श्री जे० पी० कपूर	पालम
6.	श्री ए० एफ० हेरबर्ट	सांताक्रुज
7.	श्री पी० एम० धनराज	सांताक्रुज

वि० वि० जोहरी  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1979

सं० ए० 32013/3/79-ई० 1—राष्ट्रपति, इस विभाग के श्री बी० के० जोशी, वैज्ञानिक अधिकारी को 16-10-1979 (पूर्वाह्न) से छः मास की अवधि के लिए या पद

के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० के० वत्स  
सहायक निदेशक, प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादक शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तलिय

इन्दौर, 452001, दिनांक 25 अक्टूबर 1979

सं० 11/79—मध्य प्रदेश केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय इन्दौर के धार में तैनात श्री आर० डी० मल्होत्रा, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' ने निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-9-1979 के अपराह्न से सेवामुक्त कर दिए गए।

शिवन किशिन धर  
समाहर्ता

कानपुर, दिनांक 30 अक्टूबर 1979

सं० 14/79—अधीक्षक/प्रशासन अधिकारी/सहायक मुख्य लेखा अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" में निम्नलिखित अधिकारियों ने अधिवर्षता की आयु प्राप्त होने पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए :—

क्रम सं०	सेवानिवृत्ति के समय अधिकारी का नाम व पद	दिनांक
1	2	3
	सर्व श्री	
1.	अजीज अहमद शेखवानी अधीक्षक वर्ग "ख" एम० ओ० आर० कायमगंज	31-12-78 अपराह्न
2.	सी० पी० अनन्द, अधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कानपुर	30-4-79 अपराह्न
3.	दमन सिंह, प्रशासन अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मण्डल-I कानपुर	30-4-79 अपराह्न
4.	ओ० पी० मोहन, अधीक्षक, वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पादक शुल्क मुख्यालय कानपुर	30-6-79 अपराह्न

1	2	3
5.	टी० एम० विमारीया, अधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मण्डल-II कानपुर	30-6-79 अपराह्न
6.	एच० एम० मिश्रा, अधीक्षक वर्ग केन्द्रीय उत्पादक शुल्क, आगरा	30-6-79 अपराह्न
7.	राजपाल सिंह, अधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पादक शुल्क एम० ओ० आर०-I अलीगंज	31-7-79 अपराह्न
8.	एस० एस० लहरी, सहायक मुख्य लेखाधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, कानपुर	31-7-79 अपराह्न
9.	पी० एच० एम० चीहान, अधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, कानपुर	31-8-79 अपराह्न
10.	पी० एन० बनर्जी, अधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० ओ० आर० छिबरामऊ	31-8-79 अपराह्न
11.	एम० एम० एल० मक्केना, अधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क फर्रुखाबाद	31-8-79 अपराह्न

कु० रेखी

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-110012 दिनांक 29 अक्टूबर 1979

सं० 2/1979—श्री यू० सी० में, सहायक रसायन परीक्षक, अफीम एवं अलकालायड कारखाना, गाजीपुर, का दिनांक 10-10-1979 को (अपराह्न) देहान्त हो गया है।

दि० सा० गुप्ता  
मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

## केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली 22, दिनांक 29 अक्टूबर 1979

सं० ए-19012/617/76-प्रशा० पांच—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग को श्री बृटा सिंह, अतिरिक्त महायक निदेशक, केन्द्रीय जल आयोग, की 5 अक्टूबर, 1979 को हुई मृत्यु की सूचना देते हुए खेद है।

ज० के० माहा  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

## केन्द्रीय भूमिजल परिषद

फरीदाबाद, दिनांक 29 अक्टूबर 1979

सं० 27-17/79-ई० एम०—श्री टी० एम० नरसिम्हन को दिनांक 22-10-79 (पूर्वाह्न) में महायक प्रशामन अधिकारी वर्ग व (राजपत्रित) के तदर्थ श्री अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमि जल परिषद में उन के मुख्यवास फरीदाबाद के साथ खेतनमान 650-30-740-35-810 ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अगल आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

वी० के० बवेजा,  
मुख्य जल भू विज्ञ

## निर्माण महानिदेशालय

## केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1979

सं० 27(1)/आर० 71-ई० सी०-9 (खण्ड-2)—इस विभाग के निदेशक, श्री जी० एम० रन्धावा वार्धक्य की आशु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा में दिनांक 31-10-79 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए।

हर्ष देव सिन्हा,  
प्रशामन उपनिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1979

सं० 27-ई/(1)/69-बी०सी०-2—सेवा निवृत्त होने के नोटिस की स्वीकृति होने पर श्री टी० एम० वजाज कार्यपालक इंजीनियर (मिविल) के० लो० नि० वि० 8-11-79 (पूर्वाह्न) को सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सु० सू० प्रकाश राव,  
प्रशामन उपनिदेशक  
कृते निर्माण महानिदेशक

## दक्षिण मध्य रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 2 नवम्बर 9979

सं० पी० (जी० ए० ज०) 185/लज्जा—इस रेलवे के लेखा विभाग की श्रेणी 11 सेवा में स्थानापन्न अधिकारियों को

उसी विभाग की श्रेणी II सेवा में उनके नामों के सानने दी गई तारीखों से स्थायी किया गया है :—

क्रम सं०	नाम	किस तारीख से स्थायी किए गए
1.	श्री बी० चेंगया	27-3-1978
2.	श्री जी० रंगाचारी	10-5-1979
3.	श्री आर० एम० मणि	1-7-1979

एन० नीलकंठ शर्मा  
महाप्रबंधक

## विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

## (कम्पनी कार्य विभाग)

## कम्पनी विधि बोर्ड

## कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हनुमंतनगर कन्स्ट्रक्शन कंपनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 31 अक्टूबर 1979

सं० 1794/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हनुमंतनगर कन्स्ट्रक्शन कंपनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजबानी  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
कर्नाटक

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स इंजी ट्रेडिंग एण्ड फाइनान्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1979

सं०/560/1594—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स इंजी ट्रेडिंग एण्ड फाइनान्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० गो० गाथा,  
प्रमडल पंजीयक, गुजरात राज्य  
अहमदाबाद

## कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

## आयकर

सं० जुरि-दिल्ली-1/79-80/24360—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 125-ए की उपधारा (i)

द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आंशिक परिवर्तन करते हुए, आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, निदेश देते हैं कि किसी भी क्षेत्र, या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में वेतन सकिन्स के आयकर अधिकारियों (अतिरिक्त वेतन सकिन्स समेत) को प्रदत्त या सौंपी गई सभी या किसी शक्ति या कार्य का प्रयोग या निष्पादन समवर्ती रूप से निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-I-बी, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा।

2. कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 आयकर अधिनियम 1961 की धारा 125-ए की उपधारा (2) में अवैधित आदेशों को पास करने के लिए भी निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त-रेंज-I-बी को प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 1-11-79 को लागू होगी।

सं० जुरि-दिल्ली-1/79-80/24521—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 125-ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचना में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 निदेश देते हैं कि किसी भी क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में प्राईवेट वेतन सकिन्स के आयकर अधिकारियों को प्रदत्त या सौंपी गई सभी या किसी शक्ति या कार्य का प्रयोग या निष्पादन समवर्ती रूप से निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-I-सी, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा।

2. कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 125-ए की उपधारा (2) में अवैधित आदेशों को पास करने के

लिए भी निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-I-सी को प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 1-11-79 से लागू होगी।

एम० डब्ल्यू० ए० खान,  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1979

सं० जुरि-दिल्ली/5/79-80/25954—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 123 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय पर पहले के आदेशों में परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5 ए, अन्य अधिनियम के अन्तर्गत, निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-5-सी, नई दिल्ली के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रों, या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य भी करेंगे।

यह अधिसूचना 29-10-1979 से लागू होगी।

के० आर० राघवन  
आयकर आयुक्त, दिल्ली-5, नई दिल्ली

कोच्चिन-682016, दिनांक 24 अक्टूबर 1979

सं० 1 (209)/जि० एल०/79-80—मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं आयकर आयुक्त, केरल-II, एरणाकुलम, एतद्द्वारा 1-11-1979 के पूर्वार्द्ध से ई० वाई० कन्नूर के आयकर अधिकारी का प्रभार समाप्त करता हूँ।

बी० जे० चाक्को  
आयकर आयुक्त, केरल-II

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-1/एस० आर०-III(1)

(21) 1014/78-79—अतः मुझे, कु० अर्जन्ती ओजा प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी संख्या एस-23 है तथा जो पंचशीला पार्क नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5 फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बादा उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 263-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थों, अर्थात् :—

1. श्री बलवंत सिंह नाग

निवासी एम्-23 पंचशील पार्क नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री के० डी० सोमईया करता (भापा)

श्री के० डी० सोमईया निवासी आर/आ० III/बी ग्रेटर कैलाश नं०-1 नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्तारी के पाल लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान नं० 23, पंचशील पार्क नई दिल्ली सहित नौकरों के क्वार्टर और गैरज ज़िम का क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है ।

कु० अर्जन्ती ओजा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 29 अक्टूबर 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-I एस० आर०-III/II (7)/1048/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 5 है तथा जो फैंडस कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान को प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरितों (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, परांतः :—

1. श्री एस० एल० नायर और श्रीमती विद्या वत्सी नायर 179 सेंटर 11-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
2. श्री सर्वजीत सिंह 5 फैंडस कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त परामर्श के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान सं० 5, फैंडस कालोनी नई दिल्ली जिस का क्षेत्रफल 2090 वर्ग गज है।

कु० अंजनी ओजा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 29 अक्टूबर 1979

मोहर :

## प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-I/एस०आर०-III/II

(9) 1050/78-79—अतः मुझे कु० अर्जनी ओजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थायी न्याय, विपदा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी संख्या एम-44 है तथा जो प्लॉट नं० एम-44  
ग्रेटर कैलाश में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
II नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 21 फरवरी, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए सम्पत्ति को गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की श्रावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमा करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; धोरे/सा

(ख) ऐसी निम्न धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

3-336G1/79

1. श्रीमती सावित्री निवासी 2/31 दरया गंज दिल्ली-6  
(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र कुमार चौधरी मारफत 5670 कुचा खान  
चंद नई सड़क, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आई सी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवरोहनाक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एम-44 जिसका क्षेत्रफल 277.5 वर्ग गज  
है और जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है।

कु० अर्जनी ओजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 7 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III कलकत्ता-16

कलकत्ता 16, दिनांक 29 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 619/ए०सी०एम्०आर०-III/79-80/कल०—  
अतः मुझे आई० वि० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो शरत  
बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 फरवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती/शकुन्तला देवी किल्ला (अन्तरक)
2. अमरदीप कोअपारेटिव सोसाइटी लिमि० (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

करीब 5 कट्ठा 9 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया  
स्ट्रक्चरस जो 1 शरत बोस रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० वि० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

तारीख : 29 अक्टूबर 1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

कायदों अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता 16, दिनांक 29 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 620/ए०सी०क्यू०आर० III/79-80/कल०—

अतः मुझे आई० वि० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 1 है तथा जो शरत बोस  
रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

अधीन तारीख 22 फरवरी, 1979  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचाव :—

1. श्री बन्नीनारायण आगरवाल
2. गौरी शंकर आगरवाल
3. द्वारका प्रसाद आगरवाल
4. कैलाश बाजारिया
5. सुभाष बाजारिया
6. राम नागिना सि० (अन्तरक)
2. अरम दीप को-अपारेटिव हाउस सोसाइटी लिमि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
हीना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 5 कठ्ठा 9 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया  
स्ट्रक्चरस जो 1 शरत बोस रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० वि० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 29 अक्टूबर 1979।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री बसंत कुमार तिवरेवाल और अशोक कुमार तिवरे-  
वाल (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना2. अमर दीप कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 621/एसीक्यू/अर्जन-III/79-80/कल-यतः,  
मुझे, आई० बि० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1 है तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
22-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

करीब 5 कट्ठा 9 छटांक जमीन साथ उसपर बना  
स्ट्रक्चर्स जो 1, शरत बोस रोड, कलकत्ता पर अवस्थित ।

आई बि० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 29-10-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, गिलांग

गिलांग, दिनांक 24 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० ए-241/गौहाटी/78-79—अतः मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दाग सं० 27 और के० पी० पट्टा सं० 12 है तथा जो भरालुमुख टाउन, सालुक बारी, मौजा, कामरूप जिला गौहाटी में स्थित है (और इससे उपवाङ्ग अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अब्दुल बाहेद, स्व० अब्दुल कादर का पुत्र,  
चान्दमारी, गौहाटी। (अन्तरक)

(2) 1. श्री अली अहमद  
2. श्री अलताफ बीन अहमद  
3. श्री रफीक बीन अहमद  
4. श्री मसताफा बीन अहमद  
5. श्रीमती हुसैन नेसा श्री अली अहमद की पत्नी।  
के० आफ० मैसर्स जनता बाईडिंग सेन्टर, पानवाजार,  
गौहाटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 1100 स्क्वायर फीट, एक दो तल्ला आर०  
सी० सी० मकान जो शान्तिपुर कामरूप जिला गौहाटी (असम)  
में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, गिलांग

तारीख: 24-10-79  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० ए-240/गौहाटी/78-79/700—अतः मुझे, राजेन्द्र  
नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये  
और जिसकी सं० दाग संख्या 27 और के० पी० पट्टा सं० 12 है  
तथा जो भरालुमुख टाउन शालुक बारी मौजा, कामरूप जिला  
गौहाटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में,  
रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 16-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविकता का सही प्रतिबिम्बित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्रायः को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्रायः या किसी धन या अन्य वास्तविकता को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

(1) श्री अब्दुल वाहेद, स्व० अब्दुल कादर का पुत्र, चान्द-  
मारी, गौहाटी। (अन्तरक)

(2) 1. श्री अली अहमद  
2. श्री अलताफ बीन अहमद  
3. श्री रफीक बीन अहमद  
4. श्री मसताफा बीन अहमद  
5. श्रीमती हुरातन नीसा  
के० आफ० मैसर्स जनता वाइडिंग सेन्टर, पान बाजार,  
गौहाटी (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) बीघा जो शान्तिपुर कामरूप जिला  
गौहाटी, असम में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, शिलांग

तारीख : 24-10-79  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० ए-239/गौहाटी/78-79/704—अतः मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जमकी सं० दाग सं० 215 और के० पी० पट्टा सं० 33 है तथा जो जतीया गांव, बेलतोला मौजा, कामरूप जिला गौहाटी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री हरेन्द्र कुमार धर, पान बाजार, गौहाटी।  
(अन्तरिती)
2. मैसर्स अपर असम प्लाइवुड प्राइवेट लिमिटेड,  
सी० आर० बिल्डिंग, डिब्रूगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) बीघा 1 (एक) कट्टा 4 (चार) बरसा जो जतीया गांव, बेलतोला मौजा, कामरूप जिला असम गौहाटी में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 24-10-79  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० ए-238/Jan/78-79/708—अतः मुझे, राजेंद्र नाथ बरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी दाग सं० 215 और के सी० पट्टा सं० 33 है तथा जो गांव जतिया बेलतोला मौजा, कामरूप जिला गौहाटी असम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिरेंद्र कुमार धर, पान बाजार, गौहाटी।

(अन्तरक)

2. अपर असम प्लाइवुड प्रोडक्ट प्राईवेट लिमिटेड सी० आर० वििल्डिंग, डिब्रूगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) बीघा जो जतिया गांव, बेलतोला मौजा, कामरूप जिला, असम गौहाटी में स्थित है।

राजेंद्र नाथ बरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 24 अक्तूबर, 1979

गोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० ए-712/Jan/78-79-712-अतः, मुझे, राजेन्द्र

नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 215 और के० पी० पट्टा सं० 33 है तथा जो जतीया गांव, बेनतोला मौजा, कामरूप जिला, गौहाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-2-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-336G1/79

1. श्री अमरेंद्र धर, पान बाजार, गौहाटी ।

(अन्तरक)

2. अपर असम प्लाइवुड प्रोडक्ट, प्राइवेट लिमिटेड सी० आर० बिल्डिंग, डिब्रुगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) बिघा जो जतीया गांव, बेनतोला मौजा, कामरूप जिला, असम गौहाटी में स्थित है ।

राजेन्द्र नाथ बरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 24-10-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० ए-236/Jan/78-79/716—अतः, मुझे, राजेंद्र सिंह बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी दाग सं० 215 और के० पी० पट्टा सं० 33 है तथा जो जतीया गांव, बेलतोला मौजा, कामरूप जिला, गौहाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचिन नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण व हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री निरेंद्र कुमार धर, पान बाजार, गौहाटी। (अन्तरक)
2. अपर असम प्लाईवुड प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड, सी० आर० बिल्डिंग, डिब्रूगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का मारप 1 (एक) बिघा जो जतीया गांव, बेलतोला मौजा, कामरूप जिला, गौहाटी असम में स्थित है।

राजेंद्र नाथ बरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 24-10-79  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निदेश सं० सीएचडी/292/78—79—अतः मुझे, आर० के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मकान नं० 2321 है तथा जो सैक्टर 35-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. कैप्टन परमात्मा सिंह सोधी पुत्र राम रामसिंह सोधी वासी गांव नीलेवाला, डा० किशाना तहसील जीरा, जिला फिरोजपुर (अन्तरक)

2. श्री ओ० पी० भाटीया पुत्र श्री राम दत्ता मल भाटीया वासी मकान नं० 1427, सैक्टर 20-बी, चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2321 सैक्टर 35-सी, चन्डीगढ़।

(जायबद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 958, फरवरी, 1979 में दर्ज है )।

आर० के० मल्होत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० सीएचडी/303/78—79-अतः मुझे, आर०  
के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या टिम्बर बिलडिंग नं० 27 है तथा जो दिसम्बर  
मार्केट, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निर्म्मात्रित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरविन्दर सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह वासी मकान  
नं० 109 सैक्टर 28-ए, चन्डीगढ़ द्वारा जनरल अटारनी  
श्री माधो सिंह पुत्र देवा सिंह वासी मकान नं० 201,  
सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्रीमति हरचरन कौर पति श्री माधो सिंह वासी  
मकान नं० 201, सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

3. मैसर्स नैसनल टिम्बरज, नं० 28, टिम्बरज मार्केट,  
चन्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में लिए  
आयबाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोक्षतापूर्वक  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

टिम्बर डिपो बिलडिंग नं० 27 टिम्बर मार्केट, चन्डी-  
गढ़ ।

(जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या 986, फरवरी, 1979 में दर्ज  
है) ।

आर० के० मल्होत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निदेश सं० सीएचडी० 316/78—79—अतः मुझे आर०

के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि बाजार मूल्य निर्धारण उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2.1/2 मंजिल शाप-कम-प्लेट नं० 52, है तथा जो सैक्टर 29-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और उससे उपावद्ध भवनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी/मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य वास्तियों को जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुवर्णन में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति दर्शन पाठक पत्नी श्री सोहन लाल पाठक वासी मकान नं० 2120, सैक्टर 22-सी, चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री हुकम चन्द, श्रीमति कृष्णा कुमारी पत्नी श्री ओम प्रकाश वासी एस० सी० एफ० 52, सैक्टर 29-डी, चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 206 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2.1/2 मंजिल शाप-कम-प्लेट नं० 52, जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 114 वर्ग गज है और जो सैक्टर 29-डी चन्डीगढ़।  
(जायेदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1074, फरवरी/मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मल्होत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11 अक्टूबर, 1979।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० सीएचडी/307/78—79—अतः मुझे, आर० के० मल्होत्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 10 मरले है तथा जो गांव मलोया, यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979 को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) का बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जा रहा है :—

(क) अन्तरण में हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कोई गलती या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय का किसी सन या अन्य आस्तियों को; ऐसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नरिन्दर सिंह पुत्र श्री रिपूदमन सिंह गांव सोहाना, तहसील खरड़, लां रोपड़ (अन्तरक)
2. श्री दयाल सिंह, रूलदा सिंह पुत्र फत्तू श्री दाल सिंह, बलदेव सिंह, पुत्र बाबू सिंह श्री रणधीर सिंह, रणवीर सिंह, रणजोध सिंह, भूमि सिंह, जससीर सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह सारेहवासी गांव मलोया, यू० टी० चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी प्रश्नः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही भयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 10 मरले है और जो गांव मलोया यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1002, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मल्होत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० सीएचडी/287/78—79—अतः मुझे आर०  
के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/2 भाग तीन मंजिल एस० सी० ओ०  
नं० 144, है तथा जो सैक्टर 28-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य माम  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायिज्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य 1922  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र जय सिंह वासी मकान नं०  
210, सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़ व

श्री सेवक सिंह पुत्र श्री खजान सिंह वासी मकान नं० 206  
सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़

2. श्री गुरमोहन सिंह पुत्र हरमनाम सिंह (अन्तरक)  
श्रीमति दलीप कौर पत्नी गुरमोहन सिंह  
श्री इन्दर पाल सिंह पुत्र गुरमोहन सिंह  
श्री मनतेज सिंह पु गुरमोहन सिंह  
सारे वासी मकान नं० 3015, सैक्टर 28डी,  
चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

3. श्री रोशन लाल पुत्र श्री जे० एन० मदान, मैनेजिंग  
डायरेक्टर, मैसर्स इलेक्ट्रो सेल्ज, एस० सी० ओ० नं०  
144, सैक्टर 28 डी, चन्डीगढ़

प्रिंसिपल, कोआपरेटिव ट्रेनिंग कालज नेशनल कोनसिल  
फार कोआपरेटिव ट्रेनिंग साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र जय सिंह श्री सेवक सिंह पुत्र  
खजान सिंह वासी 206, सैक्टर 16ए, चन्डीगढ़ (वह  
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति हितबद्ध है)।

गो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायदवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तन्मन्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग तीन मंजिला विलिंग एस० सी० ओ०  
नं० 144, सैक्टर 27 डी चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़  
के कार्यालय विलेख संख्या 939, फरवरी, 1979 में दर्ज  
है)।

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 11 अक्टूबर, 1979।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनह रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० सीएचडी/296/78—79—अतः मुझे आर०  
के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 57 है तथा जो सैक्टर 9-ए  
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 15) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए  
गए हैं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-  
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ल० क० अजैव सिंह पुत्र स्व० श्री सुन्दर सिंह वासी  
मकान नं० 106, सैक्टर 10-ए चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्रीमति बिन्दू चौधरी पत्नी श्री जगदीश चन्दर चौधरी,  
मकान नं० 57, सैक्टर 9-क चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 5  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

साप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 57, सैक्टर 9-ए चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़  
के कार्यालय के विनियम संख्या 969, फरवरी, 1979 में दर्ज  
है)।

आर० के० मल्होत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना,

दिनांक 11 अक्टूबर 1979।

मोहर :

प्रारूप आर्डी० सी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निवेश सं० सीएचडी/297/78—79—अतः मुझे आर० के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० 2.1/2 मंजिल बिल्डिंग जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 220.998 वर्ग गज है तथा जो नं० 3302 सैक्टर 28-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (पन्चरत्नी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण ने हुई किमो आय का बाधा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उल्लेख (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री तेज बहादुर, श्री देव राज थापर, श्री जोगिन्दर नाथ थापर पुत्र स्व० श्री अमृत शाह थापर, श्रीमति गोरान देवी बनाम श्रीमति गुर देवी विधवा श्री अमृत शाह थापर, द्वारा स्पेशल अटारनी श्री तेज बहादुर थापर, श्रीमति कान्ता रानी, पत्नी श्री वाशदेव मेहता, श्रीमति वेद कुमारी पत्नी श्री

श्री अक्षय लाल बोहरा द्वारा जनरल अटारनी श्री तेज बहादुर थापर व श्रीमति वेद कुमारी बनाम श्रीमति सुनिता कुमारी पत्नी श्री कृष्णा लाल कोचर द्वारा जनरल अटारनी श्री जोगिन्दर नाथ थापर सारे बासी मकान नं० 1270, सैक्टर 22-डी, चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री राम लाल पुत्र चरनजी लाल व श्रीमति जीतो पति श्री राम लाल बावी मकान नं० 3302, सैक्टर 27-डी चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

3. 1. श्री रावत मिहू जनरल मरचेंट (ग्रैंड फ्लोर)

2. श्री अनन्द वर्मा (ग्रैंड फ्लोर)

3. श्री विजय पाल शर्मा (ग्रैंड फ्लोर)

4. श्री राम इशर भगत (पहली मंजिल)

5. श्री हरि कृष्ण (पहली मंजिल)

6. श्री माधव प्रकाश (पहली मंजिल)

7. श्रीमति बोरो कौर (पहली मंजिल)

8. मोहिन्दर नाथ शर्मा (बरसाती)

सारे बासी मकान नं० 3302, सैक्टर 27-डी चन्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाभा सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों कराए हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2.1/2 मंजिल मकान नं० 3302 सैक्टर 27-डी चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 970, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मल्होत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

दिनांक 11 अक्टूबर, 1979।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक, 11 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० सीएचडी/94/78—79—प्रतः मझे आर०  
के० मल्होत्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी मकान नं० 3142 है तथा जो सैक्टर 27-डी  
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व में कमी  
करने या उससे बचने में सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
रक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-  
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धनार्थ :—

1. श्री सुखदेव राज भासीन पुत्र श्री गनपत राय भासीन  
भासी मकान नं० 3142 सैक्टर, 27 डी चन्डीगढ़  
(अन्तरक)

2. श्रीमति परमजीत कौर गरेवाल पत्नी श्री मनजीतन्दर  
सिंह गरेवाल, मकान नं० 256, सैक्टर 21-ए चन्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

3. 1. श्री मनजीत सिंह पटानिया  
2. श्री डी० पी० गोयल,  
3. श्री बी० के० शर्मा,  
4. श्री लछ्मा राम,  
5. श्री राधे श्याम,  
6. श्री कपूर सिंह

सारे वासी मकान नं० 3142, सैक्टर 27-डी चन्डीगढ़  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी शिकायत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3142 सैक्टर 27 डी चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या 965, फरवरी, 1979 में दर्ज  
है)।

आर० के० मल्होत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 11 अक्टूबर, 1979।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० सी० च० डी०/304/78-79—अतः मुझे आर०  
के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक

और जिसकी सं० मकान नं० 99 है तथा जो सैक्टर 28-ए,  
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चन्डीगढ़, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
6) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमति रतन प्रभा पत्नी श्री एस० पी० गुप्ता,  
वासी मकान नं० 910, सैक्टर 18 बी, चन्डीगढ़  
(अन्तरक)

2. श्री असूल सुन्दरा व अनूज सुन्दरा (माईनर) पुत्र  
श्री सुधीर सुन्दरा द्वारा श्रीमति प्रभा सुन्दरा वासी 98-  
सैक्टर 28-ए चन्डीगढ़  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 99, सैक्टर 28-ए, चन्डीगढ़।

(जायेदादा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या 988, फरवरी, 1979 में दर्ज  
है)।

आर० के० मल्होत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11 अक्टूबर, 1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० सी० ए० डी०/11/79-80—अतः मुझे  
आर० के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनैकसी नं० 67 (प्लॉट नं० 41) सैक्टर  
8-ए, (1/2 भाग), है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और  
संक्षेप उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1979  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदियाल सिंह बराड़ पुत्र श्री जीवन सिंह  
160, सैक्टर 11-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री जवाहर लाल पुत्र श्री बाबू राम  
ए० सी० ओ० नं० 18-सैक्टर 22-डी, चन्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

3. श्री जवाहर लाल पुत्र श्री बाबू राम कर्ता जवाहर लाल  
(एच० यू० एफ०), ए० सी० ओ० नं० 18,  
सैक्टर 22-डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अनैकसी नं० 67. (प्लॉट नं० 41). सैक्टर 8-ए, चन्डीगढ़  
(1/2 भाग)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख सं० 41, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11 अक्तूबर, 1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० सी० एच० डी०/286/78-79--अन: मुझे आर० के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3279 सैक्टर 15-डी, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रत्यक्ष निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्यातः—

1. श्री राम सरन सेठी पुत्र श्री देस राज सेठी

वासी मकान नं० 466, सैक्टर 37-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश चन्दर पुत्र श्री राम सरन दाम वासी 157 द्वातेन रोड, बीरमिंगहम (यू० के०) द्वारा जनरल अटारनी श्री राम सरन दाम पुत्र श्री गुरबक्स राम वासी मकान नं० 3279, सैक्टर 15-डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री आर० के० नन्दा आफ इंडियन इकमपोसीवज लि० श्री बी० पी० मुन्जज आफ बरदमा आफ इंडिया, श्री राम सरन दाम,

गारे वासी मकान नं० 3279, सैक्टर, 15-डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3279, सैक्टर 15-डी, चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय, के विलेख संख्या 938, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 11 अक्टूबर, 1979

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० सी० एच० डी०/298/78-79--अतः मुझे  
आर० के० मल्होत्रा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनेकसी विल्डिंग न० 67, (1/2 भाग), है  
तथा जो सैक्टर 8-ए, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः--

1. श्री गुरबियाल सिंह बराड़ पुत्र श्री जीवन सिंह बराड़  
बासी मकान नं० 160, सैक्टर 11-ए, चन्डीगढ़।  
(अन्तरक)

2. श्री जवाहर लाल पुत्र स्व० श्री बाबू राम, कर्ता  
जवाहरलाल (एच० यू० एफ०) बासी एम० सी० ओ०  
नं० 18, सैक्टर 22-डी, चन्डीगढ़।  
(अन्तरितों)

3. श्री जवाहर लाल पुत्र स्व० श्री बाबू राम बासी  
एम० सी० ओ० नं० 18, सैक्टर, 22-डी, चन्डीगढ़।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्म के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संरति के अर्जन के मंत्र में कोई भी प्राप्ति :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनेकसी नं० 67, (प्लॉट नं० 41) (1/2 भाग) सैक्टर  
8 ए, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 976 फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11 अक्टूबर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/261/78-79:—अतः मुझे, आर० के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० शाप बिल्डिंग नं० 1664/5, है तथा जो भूपिन्दरा रोड, पटियाला, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हिम्मत सिंह गुरवाल पुत्र स्व० श्री गुरबक्स सिंह गुरवाल (स्वयं) व जनरल अटारनी आफ श्रीमती गोविन्दर कौर परनी स्व० गुरबक्स सिंह। श्रीमती

मनोरंजन कौर श्रीमती, अमृत कौर पुष्पीया, स्व० श्री गुरबक्स सिंह गुरवाल, बायीं 14 गीलीन लाईन, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्रीमती राम मूर्ती पत्नी श्री शाम लाल, श्रीमती चन्दन गर्ग पत्नी श्री पवन कुमार, वासी अजीत नगर, पटियाला। (अन्तरिती)

3. कोआपरेटिव कन्ज्यूमर स्टोर, श्री जगत राम होटल वाला, श्री मोहम्मद हाफिज, बायीं 1664/5, नजदीक फाटक, नं० 22, भूपिन्दरा रोड, पटियाला।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 1664/5 भूपिन्दरा रोड, पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विनोद संख्या 5633, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 अक्टूबर, 1979

मोहर:

प्रस्ताव आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० पी०टी०ए०/272/78-79—अतः मुझे आर०

के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 15 मरले, है तथा जो त्रिपट्टी सार्ईदां, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् '—

1. श्रीमती जसबन्त कौर पत्नी श्री हरिन्दर सिंह, द्वारा जनरल प्रटारनी श्री हरदेव सिंह गरेवाल, पुत्र श्री हरचन्दन सिंह वासी बीवरीयां रोड लाहोरो, गेट, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सवित्री देवी पत्नी प्यारा लाल, वासी गांव सेरो, तहसील मुनाम, जिला संगरूर ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामोल के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सा बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

सादरकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 15 मरले है, और जो त्रिपट्टी, सार्ईदां, पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5744, फरवरी, 1979 में दर्ज है )

आर० के० मल्होत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 11 अक्तूबर, 1979

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० ए० एस० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/247/78-79—अतः मुझे आर० के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7, नीरोला कालोनी, है तथा जो पंजाबी बाग पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6—336GI/79

1. श्री हुकम सिंह घालीवाल पुत्र श्री हरचन्द सिंह, वासी गांव सलाबतपुरा तहसील, रामपुरा, कूल, जिला भटिन्डा।

(अन्तरक)

2. श्री जगरूप सिंह सिधू, पुत्र श्री चूहार सिंह वासी गांव बिगड़वाल तहसील मुनाम, जिला संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 7, निरोला कालोनी, नजदीक पंजाबी बाग, पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5559, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मल्होत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 11 अक्तूबर, 1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/262/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 7957/5 है तथा जो रघवीर सिंह मार्ग, नजदीक माडल टाउन, पटियाला, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिबन्ध निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पृथीपाल सिंह बसूर, पुत्र श्री जसबन्त सिंह बसूर, वासी रघवीर सिंह मार्ग, भूपिन्दरा रोड, पटियाला। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सीता देवी पत्नी बृजलाल पुत्र मीरीमल
- (2) श्री अशोक कुमार
- || (3) श्री पवन कुमार
- (4) श्री राकेश कुमार पुत्र श्री बृजलाल वासी 7957/5, रघवीर सिंह मार्ग, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची,

कोठी नं० 7957/5; रघवीर सिंह मार्ग, नजदीक माडल टाउन, पटियाला

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5640, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11 अक्टूबर 1979।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० पी०टी० ए०/244/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 98 है, तथा जो न्यू ग्रीन मार्किट, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह व स्पेशल अटारनी आफ श्री जयसिंह पुत्र श्री हीरा सिंह, श्री अमर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, पुत्र श्री गुरदर्शन सिंह पुत्र हुकम सिंह वासी बाजार सीताराम, दिल्ली-6,।

श्रीमती दलीप कौर विधवा श्री हुकम सिंह, गुरबक्स कौर पुत्री श्री हुकम सिंह, कम्बलजीत कौर पुत्री श्री हुकम सिंह, पुष्पईन्दर सिंह पुत्र हुकम सिंह, वासी सीता राम बाजार, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

(2) मैसर्स जीन्वल इन्टरप्राइजर्स मारफत मैसर्स बलायती राम प्रकाश चन्द, शाप नं० 98, न्यू ग्रीन मार्किट, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 98, जो न्यू अनाज मंडी, सरहिन्द रोड, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के बिलेख संख्या 5507, फरवरी, 1979 में दर्ज है) :

आर० के० मल्होत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11 अक्तूबर, 1979

मोहर :

प्रकृष आई०टी० एन० एस०—

प्राथमिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, सहायक प्राथमिक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निवेश सं० पी०टी० ए०/270/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा,

प्राथमिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 2 मरल है तथा जो लिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राथमिक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरिन्दर सिंह पुत्र हरचरण सिंह, वासी बीवरीयां रोड, मोहरी रोड, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष कुमार बंसल पुत्र श्री गम्हार राम, 1553, पुरगाना, डाखाना, आर्य समाज, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

राश्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 2 मरल है और जो लिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5742, फरवरी, 1979 में दर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्राथमिक आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 27-11-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० पी०टी०ए०/271/78-79—अन: मुझे आर० के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है तथा जो त्रिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 गा 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जसबन्त कौर पत्नी हरिन्दर सिंह वासी नीबरिमा हौड, लौहरी गेट, पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलेश बंसल पत्नी श्री सुभाष कुमार बंसल वासी 1553, पुराना गड्डा, खाना, आर्य समाज, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है तथा और जो त्रिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है ) ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5743, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 अक्तूबर, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० पी०टी० ए०/236/79-79—अतः मुझे आर० के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा है तथा जो अलीपुर एरिया, तहसील पटियाला में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. सर्वश्री रणवीर सिंह सुखबन्त सिंह पुत्र श्री करतार सिंह बासी अलीपुर एरिया, तहसील पटियाला ।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स घुना राम एण्ड सन्ज, न्यू गार्डन मारकीट, सरहिन्द रोड, पटियाला, (डारा बजीर चन्द पार्टनर) ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा है और जो गांव अलीपुर अराइया, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5414, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11 अक्तूबर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० डी०आर०एस०/ 45/78-79—अतः मुझे  
आर० के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल 15 मरले  
है तथा जो गाँई लोहगढ़, सब तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बस्सी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
रीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
दिया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री नरिन्दर सिंह व स्पेशल  
अटार्नी आफ सर्व श्री : मुरिन्दर सिंह, मोहिन्दर सिंह,  
सुखिन्दर सिंह, राजिन्दर सिंह, जातिन्दर सिंह व तेजइन्दर  
सिंहपुत्र नरिन्दर सिंह वासी गांव कौली, सब-तहसील  
डेरा बस्सी, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री जसपाल सिंह सेठी पुत्र श्री सन्त सिंह  
मकान नं० 211 सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल 15 मरले है जो गांव  
लोहगढ़, सब तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1021 फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मल्होत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11 अक्तूबर, 1978

मोहर :

प्रकृष धार्डि० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० एस०आर० डी०/205/78-79—अतः मुझे  
आर० के० मल्होत्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269B के अधीन मसम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा है तथा जो  
गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सरहिन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979  
को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरमीत सिंह पुत्र श्री लखमन सिंह,  
श्री प्रीतम सिंह, पुत्र श्री हरमीत सिंह,  
गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।  
(अन्तरक)
2. श्री नख्छत्र सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह, गांव अजनाली,  
तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।  
(अन्तरिती),

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रशोद्धताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा है और जो गांव अजनाली  
तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के  
कार्यालय के विलेख संख्या 3453, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा,

मसम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 अक्तूबर, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० एन० बी० ए०/104/78-79—अतः मुझे आर०  
के० मलहोत्रा,

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 6 मरले है  
तथा जो थूही रोड, नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

7—336 GI/79

1. श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री मित वासी नाभा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स अमर राईस मिल्स, नामा द्वारा पार्टनर  
श्री अमर नाथ पुत्र श्री मोती राम,  
अनाज मंडी, नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल, 4 कनाल 6 मरले है, और जो वही  
रोड, नाभा में स्थित है।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के  
कार्यालय के विलख संख्या 2401 फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 11 अक्तूबर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० एन०बी०ए०/112/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 40 जिसका क्षेत्रफल 277.7/9 वर्ग गज है तथा जो न्यू अनाज मण्डी, नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और यह कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित रूप में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देसराज पुत्र श्री बली राम,  
मोहल्ला दोजीयां वाला, नाभा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कुन्दन लाल उधोराम, कमीशन एजेंट्स,  
द्वारा श्री धर्मपाल पुत्र श्री कुन्दन लाल (पार्टनर),  
वासी भवानीगढ़, तहसील व जिला संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 40, जो न्यू अनाज मण्डी, नाभा में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विवेक संख्या 2587, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 11 अक्तूबर, 1979

मोहर :

## प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० ए०एम०एल०/126/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बीघा है तथा जो गांव जसड़ा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बलजीत सिंह पुत्र श्री मसतु  
वासी गांव नसराली, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री तारा सिंह, लाभ सिंह, जसबन्त सिंह पुत्र श्री अमर सिंह वासी गांव कुकड़, माजरा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बीघा है और जो गांव जसड़ा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के बिलेख संख्या 1884, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 11 अक्तूबर, 1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० ए० एम० एल०/129/78-79—अतः मुझे  
आर० के० मलहोत्रा,  
जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा 2 बिस्वा है  
तथा जो जसड़ा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है  
(और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 79  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) कोई किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्त-  
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलजीत सिंह पुत्र मसतु  
वासी गांव नसराली, सब-तहसील अमलोह, जिला  
पटियाला ।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री : तारा सिंह, लाभ सिंह, जसबन्त सिंह पुत्र श्री  
अमर सिंह, वासी गांव कुकड़ माजरा, सब-तहसील  
अमलोह, जिला पटियाला ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी श्रावण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा 2 बिस्वा है और जो गांव  
जसड़ा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है )

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1946, मार्च, 1979 में दर्ज है )

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 11 अक्टूबर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० ए०एम० एल०/130/78-79—अतः मुझे  
भार० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 बीघा 18 बिस्वा है  
तथा जो गांव जसड़ा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
गणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री नेतर सिंह पुत्र मसतू  
वासी नसराली तहसील अमलोह,  
जिला पटियाला ।

(अन्तरक)

2. सर्वे श्री : तारा सिंह, लाभ सिंह, जसबत सिंह पुत्र श्री  
अमर सिंह वासी गांव कुकड़, माजरा, सब-तहसील  
अमलोह, जिला पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 बीघा 18 बिस्वा है और जो गांव  
जसड़ा, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1947 मार्च, 1979 में दर्ज है ।)

भार० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 11 अक्तूबर, 1979  
मोहर :

प्रारूप आर्टी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० एल० डी० एन०/234/78-79—अतः मुझे  
आर० के० मलहोत्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/3 भाग, मकान नं० बी-20-13, जिसका  
क्षेत्रफल 331.2/3 वर्ग गज है तथा जो गौ० कालज रोड,  
सिविल लाईन, लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बलवीर कौर पत्नी बीरपाल सिंह  
वासी मच्छीबारा, तहसील, समराला जिला लुधियाना  
(अन्तरक)
2. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी बेद प्रकाश  
वासी बी-6-120, चौक, माधोपुरी, लुधियाना ।  
(अन्तरिती)
3. श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री जगन नाथ  
वासी बी-20-13, गौ० कालज, रोड, सिविल ला  
लुधियाना ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है ।

अनुसूची

1/3 भाग, मकान नं० बी-20-13, जिसका क्षेत्रफल  
331.2/3 वर्ग गज है और जो गौ० कालज रोड, सिविल लाईन,  
लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना, के  
कार्यालय के विलेख संख्या 4240, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 11 अक्तूबर, 1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/224/78-79—अतः मुझे  
आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयम करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 भाग मकान नं० बी-20-13, जिसका  
क्षेत्रफल 331.2/3 वर्ग गज है तथा जो गौ० कालेज रोड  
मिडिल लाईन, लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269.ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री अमरपाल सिंह  
वासी मच्छीबारा, तहसील समराला, जिला लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. श्री पदम कुमार पुत्र श्री जगन नाथ  
वासी बॉ 6-120-माधोपुरी, चौक लुधियाना।  
(अन्तरिती)

3. श्री जगदीश चन्दर पुत्र श्री जगन नाथ  
वासी मकान नं० बी-20-13, गौ० कालेज रोड,  
मिडिल लाईन, लुधियाना।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20 क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

1/3 भाग, मकान नं० बी-20-13 जिसका क्षेत्रफल  
331.2/3 वर्ग गज है और जो गौ० कालेज रोड, मिडिल लाईन  
लुधियाना में स्थित है।

(जायेंदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना, के  
कार्यालय के विलेख संख्या 4217, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 अक्तूबर, 1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/275/77-79—अतः मुझे  
आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें;  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/6 भाग मकान जिसका क्षेत्रफल 165.5/6  
वर्ग गज, है तथा जो गौ० कालज रोड, मिजिल लाईन, लुधियाना  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में  
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किश जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सूरजीत कौर पत्नी श्री अमरपाल सिंह  
वासी मच्छीबाग, तहसील ममराला, जिला लुधियाना।  
(अन्तरक)

2. श्री हरबन्स लाल पुत्र श्री लाला जगन नाथ  
वासी बी-6-120 चौक माधोपुरी, लुधियाना।  
(अन्तरिति)

3. श्री जगदीश चन्दर पुत्र श्री जगन नाथ  
वासी मकान नं० बी-20-13, गौ० कालज रोड  
मिजिल लाईन, लुधियाना।  
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/6 भाग मकान जिसका क्षेत्रफल 165.5/6 वर्ग गज है  
और जो गौ० कालज रोड, मिजिल लाईन, लुधियाना में स्थित है।

जायेंदाद जैसा कि रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी, लुधियाना के  
कार्यालय बिलेख संख्या 4561, मार्च, 1979 में दर्ज है।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11 अक्टूबर 1979

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० एल०डी० एच०/7/79-80—अतः मुझे आर०  
के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन मन्त्रिमन्त्रि को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 1/6 भाग मकान नं० बी-20-13, जिसका  
क्षेत्रफल 165.5/6 वर्ग गज है तथा जो गौ० कालेज रोड,  
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकांश के कार्यालय  
लुधियाना में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त  
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आवधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बावत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात् अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धाय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8—336 GI/79

1. श्रीमती बलवीर कौर पत्नी वीरपाल सिंह,  
बासी माछीबारा, तहसील समराला, जिला लुधियाना  
(अन्तरक)

2. श्री हरदत्त लाल पुत्र श्री जगन नाथ  
बासी बी-6-120, माछीपुरी चौक, लुधियाना।

अन्तरिती

3. श्री जगदीश चन्वर पुत्र श्री जगन नाथ  
बासी बी-6 -120 माछीपुरी, लुधियाना।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, धावेपः के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 भाग मकान नं० बी-20-13, जिसका क्षेत्रफल  
165.5/6 वर्ग गज है और जो गौ० कालेज रोड, सिविल  
लाइन, लुधियाना में स्थित है।

(आयदाव जैसा कि रजिस्ट्रार अधिकांश, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 70, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11 अक्तूबर, 1979

मोहर :

प्रकट आई० डी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/217/78-79—अतः मुझे  
आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है और

जिसकी भूमि का सं० प्लॉट है तथा जो तरफ कारा बारा गुरदेव  
नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रारकी अधिकारों के कार्यालय  
लुधियाना में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तवियों  
को जिन्हें वास्तविक आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादि—

1. श्रीमती गुरचरन कौर विधवा निभवन सिंह  
गांव हुसैनपुरा, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सतीश बाला पत्नी श्री मुखदेव सिंह  
गांव जसोवाल, तहसील लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट 522 ब० गज जो तरफ कारा, बारा, गुरदेव  
नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रारकी अधिकारी, लुधियाना के  
कार्यालय के विलेख संख्या 4168, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11 अक्तूबर, 1979

मोहर :

प्रकृष पार्सि. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० एल० डी० एच०/218/78-79—अतः मुझे  
आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक है

और जिसकी स० भूमि का प्लॉट है तथा जो तरफकारा बारा,  
गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के  
कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1967 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा—

1. श्री जगविन्दर सिंह पुत्र श्री त्रिभूवन सिंह  
वासों गांव हुसैनपुरा, तहसाल लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजरानी पत्नी हरनेक मोद गिल  
वासों गांव जसोवाल, तहसाल, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त उम्मीद के प्रबन्त के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोद्देश्यकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट 528 वर्ग गज जो तरफकारा बारा, गुरदेव  
नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रार अधिकाारी लुधियाना के  
विलेख संख्या 4169 फरवरी, 1979 में वर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-10 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० एल०एल०यू०/6/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 9 बीघा 20 बिस्वा 10 बिस्वान्सी, तीन मंजिला मकान के साथ है तथा जो धावा कोठी नगर, कुल्लू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुल्लू में रजिस्ट्रारकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ताराख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आतियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. संत पाल पुत्र श्री सवामी ब्याल उर्फ करम चन्द, वासी ठावा नगर, तहसील ब जिला कुल्लू। (अन्तरक)
2. श्रीमती इन्दिरा कुमारी, उवा सरूप पुर्वीयां, श्री एच० जी० कटयान, मारफत हरन्या गेमा कुतबाई, कुतबाई नगर, ईस्टेट, डा० नगर, कुल्लू (हि० प्र०)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क; परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बीघा 2 बिस्वा 10 बिस्वान्सी, तीन मंजिला मकान के साथ जो कोठी नगर, तहसील ब जिला कुल्लू में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रारकर्ता अधिकारी, कुल्लू के कार्यालय के विलेख संख्या 240, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 12-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1061 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० पीटीए/249/78-79—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 13 मरले है तथा जो त्रिपट्टी साईदां, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिधारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरजीत सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, श्रीवरीयां रोड़, लाहौरी गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री इन्दर मल पुत्र श्री प्रताप मल, श्री अवतार सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह, वासी पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 13 मरले है और जो त्रिपट्टी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जापेदाद जैनाति रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5566, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० पीटीए/246/78-79—यतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा है तथा जो गांव अलीपुर राईयां, तहसील पटियाला में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में स्थित है पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था : छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री गुलजार सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह  
श्री बिलदर सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह,  
श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी श्री अजीतपाल सिंह,  
श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री इशर सिंह,  
श्री रणविजय सिंह पुत्र श्री अजीतपाल सिंह,  
श्रीमती तेजपाल कौर पत्नी श्री बरिन्दरपाल सिंह,  
वासी गांव अलीपुर, तहसील पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृपाल कौर पत्नी श्री राज कृष्ण पुत्र श्री शारदा राम,  
श्री राजिन्दर कुमार पुत्र श्री राज कृष्ण पुत्र श्री शारदा राम  
श्रीमती राम मुर्ती पत्नी श्री शाम लाल वासी गोदाम बिलडिंग अजीपुर राईयां, तहसील पटियाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा है और जो गांव अलीपुर राईयां, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदेद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5537, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० सीएचडी/300/78-79—यतः मुझे, आर०  
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्तका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नं० 2169, सेक्टर 15-सी  
है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी वन या अन्य मास्तिबों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मिस शान्ती कमरोन पुत्री श्री डी० केमरीन, द्वारा  
अटारनी श्रीमती मेनेली लाल, मकान नं० 41 सेक्टर  
9, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. डा० रणजीत राय चौधरी, मकान नं० 78 सेक्टर  
24-ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2169, सेक्टर 15-सी, चन्डीगढ़।

(जायेदाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 983, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० एएमजेड/113/78-79—यतः मुझे, आर० के०  
मलहोत्रा,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके तत्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के प्रथम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० हुकान है तथा जो लोहा बाजार, मण्डी  
गोविन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के  
वन्दु रजिशन से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और  
प्रन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण,  
निम्नलिखित वास्तविक और वे कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
से, वे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थन:—

1. सर्वश्री शेर सिंह, हरदेव सिंह, पुत्र श्री सेवा सिंह  
वासी मण्डी गोविन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह,  
जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री अमर चन्द मारफत  
मैसर्स अमर चन्द अग्रवाल एण्ड सन्ज,  
अमलोह।

(अन्तरित)

3. मैसर्स दी अमलोह अग्रवाल स्टोर, लोहा बाजार, मण्डी  
गोविन्दगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्धताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हुकान जो लोहा बाजार, मण्डी गोविन्दगढ़ सब-तहसील  
अमलोह में स्थित है।

(जानेदाद जाता कि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, अमलोह के  
कार्यालय के विलेख संख्या 1769, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आरम के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना:

तारीख: 12-10-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० डीबीएस/33/78-79—यतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 29 बिघा 13 बिसवा है तथा जो गांव किशनपुरा, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बस्ती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की भारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ यास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किन्हीं आना चाहिए, ठिगानों में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  
9-436GI/79

1. श्री नरन्जन सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह (स्वयं) व जनरल अटारनी श्री स्वरूप सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह वासी गांव किशनपुरा, तहसील, राजपुरा (पटियाला) ।  
(अन्तरक)

2. सर्वश्री करनैल सिंह, दिलबाग सिंह, सविन्दर सिंह, बलदेव सिंह, पुत्र श्री हरनाम सिंह वासी मकान नं० 3746, सेक्टर 22-डी, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बांध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 29 बिघा 13 बिसवा है और जो गांव किशनपुरा, सब-तहसील डेरा बस्ती, जिला पटियाला में स्थित है ।

(जयदेव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्ती के कार्यालय के विलेख संख्या 1058, फरवरी 1979 में वर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० पीटीए/233/78-79—यतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आधा भाग भूमि व कोठी है तथा जो सनौर रोड़, पटियाला में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री देव भारत, वासी सनौर रोड़, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह कोहली पुत्र श्री सरदार सिंह कोहली, मारफत न्यू सूरज ट्रांसपोर्ट, साफावादी गेट, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग भूमि व कोठी जो सनौर रोड़, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5354, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 12-10-1979

मोहर:

प्ररूप धार्द० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० सीएमडी/301/78-79—यतः मुझे, धार० के०

मलहोत्रा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 118 स्ट्रीट क्यू० (अब नं० 53)  
है तथा वे सैक्टर 15बए, चन्डीगढ़ 1 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अजीत सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, वासी मका  
नं० 19 ए० टी० एम० रोड़, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्री नर सिंह देव कौशल पुत्र श्री देवत राम कौशल  
वासी मकान नं० 295, सैक्टर 15ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्व  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोदनादारी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 118, स्ट्रीट क्यू० सैक्टर 15बए, चन्डीगढ़  
(अब नं० 53)।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के  
कार्यालय के विलेख संख्या 984, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

धार० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० पीटीए/226/78ब79—यतः मुझे आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल है तथा जो जो गांव गलहोरी, तहसील ब जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:

1. महारानी दलीप कौर विधवा महाराज भूपिन्दर सिंह पटियाला जनरल आटारनी आफ श्री सोम राज सिंह पुत्र पृथ्वीराज सिंह आफ पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह, 23बी, माडल टाऊन, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में पमान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में केति बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ह पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लिष्टकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल है और जो गांव गलहोरी तहसील ब जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5319, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना,

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० पीटीए/227/78-79—यतः मुझे, आर० के०  
मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 14 मरले  
है तथा जो गांव मलहोरी तहसील व जिला पटियाला में स्थित  
है (और इससे उपारद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) के  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय और  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पाया  
गया वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. महारानी दलीप कौर विधवा महाराजा भूपिन्दर सिंह  
आफ पटियाला, जनरल अटारनी आफ श्री सीम  
राज सिंह पुत्र श्री पृथ्वी राज सिंह आफ पटियाला।  
(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह गरेवाल पुत्र श्री गुरदियाल सिंह  
वासी 23 बी, माडल टाऊन, पटियाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 14 मरले है और जो  
गांव मलहोरी, तहसील व जिला पटियाला।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के  
कार्यालय के विलेख संख्या 5320, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० टी-19/अर्जन—यतः मुझे अमर सिंह बिसेन  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 134/229 है तथा जो मोहल्ला दुविजयगंज  
वशीरतगंज लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 5-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्त-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री रघुराज प्रसाद।

(अन्तरक)

2. सरदार त्रिलोक सिंह।

(अन्तरिती)

3. विक्रेता (उपरोक्त)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
ममान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 134/229 जो मो० दुविजयगंज  
वशीरतगंज लखनऊ में स्थित है सम्पत्ति का पूर्ण विवरण जो फार्म  
37 जी संख्या 1174 एवं सेली में वर्णित है जोकि सब रजिस्ट्रार  
लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 5ब2ब79 की पंजीकृत हुआ है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लखनऊ।

तारवेख : 18-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आर० 137/अर्जन 79-80—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, जहा गया है'), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 416 है तथा जो जवाहर लाल नेहरू रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 24-2-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यह है कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जितेन्द्र कुमार मुखर्जी, कु० निमला मुखर्जी, कु० प्रभा मुखर्जी,।  
(अन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र वर्मा  
(अन्तरिती)

3. उपरोक्त विक्रेता  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. उपरोक्त  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लगभग 558 वर्गमीटर खुली भूमि जो बंगला नं० 4/6 जवाहर लाल नेहरू रोड इलाहाबाद की एक भाग है तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 24-2-1979 को दर्ज हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 20-9-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 अप्रैल 1979

निर्देश सं० केएलके/5/78-79—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 31 बिघा 3 बिघवा है तथा जो गांव जुड़ीला तहसील कालका में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स स्नोकम होटलज (प्रा०) लि० 329, सैक्टर 21-डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री अमे राम पुत्र श्री प्यारे लाल मार्फत स्नोकम होटलज (प्रा०) लि० 329, सैक्टर 21-डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 बिघा 3 बिघवा और जो गांव जुड़ीला तहसील कालका में स्थित है और जिसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 858 में दिया है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कालका के कार्यालय में 26-2-1979 को लिखा गया।

रविन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 19-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 जून 1979

निर्देश नं० जो० प्रार० जो०/30/78-79--प्रन: मुंबे,  
रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 107-आर है तथा जो न्यू कालोनी  
गुडगांव में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गुडगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख फरवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
10—336GI/79

1. श्री प्रेम दत्त शाखीर पुत्र श्री मलिक नन्द लाल 1168  
सैक्टर-21-बी चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री हेमन्त कुमार कोकया पुत्र डा० श्री हर नारायण  
17/62 थान सिंह नगर अश्रद पर्वत, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

मकान नं० 107-आर स्थित न्यू कालोनी गुडगांव और  
जैसे कि सम्पत्ति रजिस्ट्रेशन नं० 3957 में दी गई है जो  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गुडगांव के कार्यालय में 23-2  
1979 को लिखा गया।

रवीन्द्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 1-6-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० के० एल० के०/7/78-79—यतः सुते, ई० के० कोशी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 162/7, रकबा 420 वर्ग मीटर है तथा जो पंचकुला में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (i) श्रीमती हरदेव कौर सन्धु, पत्नी श्री जे० एस० सन्धु।

(ii) श्री अमरदीप सन्धु, पुत्र श्री जे० एम० सन्धु, निवासी मकान नं० 3356/15 डी०-चन्डी-गढ़।

(अन्तरक)

2. कैप्टन गुरवियाल सिंह सन्धु, पुत्र श्री अत्तर सिंह सन्धु, निवासी मकान नं० 3356/15-डी चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 162/7 जोकि पंचकुला में स्थित है तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 816 तिथि 14-2-79 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 3-10-1979

मोहर :

यू.पी.सी.टी.ए.ए.ए.ए.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० बी० डब्ल्यू० एन०/5/78-79—यतः मुझे ई० के० कोशी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी-2 हिस्सा मकान नं० 412 है तथा जो एम० सी० सर्कुलर रोड, भिवानी में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भिवानी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में आस्तित्व में ले रूचि नही दिया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री सवन्त कुमार गुप्ता पुत्र श्री जुगल किशोर, मारफत मुख्त्यार ।
- (ii) श्री भरत लाल गुप्ता पुत्र श्री जुगल किशोर गुप्ता निवासी मकान नं० 903, आशादीप 9 हेली रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. (i) श्री भागीरथ मल
- (ii) श्री पवन कुमार मार्फत मै० भागीरथ मल, पवन कुमार बिजला बाजार, भिवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भाग बी-2 कुल मकान नं० 412 जोकि एम० सी० सर्कुलर रोड भिवानी (निकट) हांसी रोड, भिवानी पर स्थित है, तथा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता गेट भिवानी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2352 तिथि 7-2-1979 पर दर्ज है।

ई० के० कोशी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 249/79-80—यतः मुझे,

के० के० बीर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० विभागी 6-3-111 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि गया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री वै० मल्लीकारजुना प्रसाद चेली पल्ली घर बेगम-पेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री तकीयीवीन हैदर पिता शोकमैबूब घर 16-8-932/1 मलकपेट—हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-3-1111 और खुली जमीन क्षेत्र 2670 वर्ग यार्ड बेगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 708/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 27-9-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269घ (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर०ए० सी० नं० 250/79 80—यतः मुझे,  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-672 है, जो मनजागुटा हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
करवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को;  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री एस० निजामुद्दीन अहमद

(2) कुमारी सानीया अहमद

(3) कुमारी सालमा अहमद दोनों नाबालिक अपने  
पिता श्री एस० निजामुद्दीन अहमद घर नं०  
6-3-248/3/ए-4 काकातीया नगर हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. (1) डा० गजनपर हुसेन

(2) डा० अमीना घर नं० 11-5-297 रेड हिल्स  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूचि

घर नं० 6-3-672 मनजागुटा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 1130/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-79

मोहर :

प्रकट आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० ये० सी० नं० 251/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 3-2 1/1 ता० 3 काचीगुडा में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री टी० के० एम० चेटर्जी पीता टी० रतगय्या घर नं० 5-9-22/42 प्लॉट नं० 10 अदर्शनगर हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार अग्रवाल (पार्टनर मैसर्स कुमार ब्रदर्स कम्पनी घर नं० 3-4-829/1 बरकतपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाँपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन कीस्त नं० 786 वर्ग यार्ड घर नं० 3-2-1/1 और 3-2-1/1/1 ता० 3 काचीगुडा स्टेशन रास्ता, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1138/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 8-10-1979

मोहर :

प्राकर आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० ए० सी० नं० 252/79-80—यतः मुझे के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-674/2/बी है, जो रास्ता नं० 13 बनजारा  
हीलस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरता-  
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती वे० बनाव्वाकमी

(2) श्रीमती आर० राधीका

(3) कुमारी प्रवीणा

(4) कुमारी प्रमीद

(5) मास्टर पनकज तमाम का घर 5-8-342  
घीरागली लेन हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एल० जयाप्राडा रेड्डी घर नं० 3-6-235  
हीमायत नगर हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मर्यादित के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 8-2-674/2/बी रास्ता नं० 13 बनजारा हीलस  
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 414/79 ऊप रजिस्ट्री कार्यालय  
कैरताबाद में ।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 8-10-1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० ए० सी० नं० 253/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 और 8 है, जो 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व में आई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कबो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए धोरण

(ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा दी जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. श्री वी० मल्लीकारजुना प्रसाद चेलापली घर बेगमपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री महमद जबरदस्त कान मैसर्स कादकनीसा 5-9-160 पब्लिक गार्डन नामपली हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संगति के अर्जन के संबंध में कोई भी शक्यता :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें सूचना संबंधी धोरणों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7 और 8 घर नं० 6-3-1111 बेगमपेट हैदराबाद बीस्टन 800 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 500/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 8-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 254/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 18 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु० में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—  
11—336GII79

1. श्री वी० मलीकारजुना प्रसाद, चेल्लापली घर बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डा० वी० सुर्य नारायण राजू घर नं० 1-2-217/1 गगन महल, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषोद्घातकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 18, वीस्टन 415 वर्ग यार्ड, घर नं० 6-3-1111, बेगमपेट, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 536/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 8-10-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 255/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5 और 4 है, जो बेगमपेट  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए  
तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तिर्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वैमल्लिकार्जुना प्रसाद, चेल्लापनी, घर बेगमपेट  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सखहशीमा, घर नं० 5-4-86 एम० जी०  
रास्ता, सीकिन्दाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घोषोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4 और 5 बीस्टन 988 वर्ग यार्ड, घर नं०  
6-3-1111-बैगमपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 673/  
79, उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्तूबर 1979]

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 256/79-80—यतः सुझे,  
के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ।

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 292, 293, 308, 309,  
289/8 303 व 306 है जो कैरताबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी  
11 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पट्टा प्रतिशन से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी उन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री जी० हरनादा राऊ  
(2) श्रीमती बी० रानी  
(5) श्रीमती बी० लोहरी  
(4) श्रीमती जी० देवीका  
(5) श्रीमती के० मानीकयाम्मा  
(6) श्रीमती बी० कालपना  
12-2-716 बेरबन हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. ई० ए० जी० कार्यालय कोपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड सैफाबाद, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 292, 293, 308, 309, 289/8, 303  
व 306 बीस्टन 16.10 एकड़ गुडीमलकापुर हैदराबाद,  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 704/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरता-  
बाद में ।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-1979  
मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० ए० सी० नं० 257/79-80—यतः मुझे के०  
के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1-10-77 है, जो बेगमपेट सिकन्द्राबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती जे० कुमवुनी देवी

(2) श्री जे० राम देव राऊ, घर नं० 1-10-77  
बेगमपेट, सीकीन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. महिलाध्यान बीध्यापीठ सेक्रेटरी है मिस सरोज पानडे,  
घर नं० 1-8-702/19 नल्लाकुनटा, हैदराबाद

(अन्तरि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-10-77 खुली जमीन के साथ 11597 वर्ग  
मीटर, बेगमपेट, सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 458/79  
उप रजिस्ट्री कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

[हैदराबाद, दिनांक 8 अक्टूबर 1979]

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 258/79-80—यतः मुझे, के०  
के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-10-76 है, जो बेगमपेट सीकीन्द्राबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख फरवरी 1979]

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री जे० रामदेव राऊ घर नं० 1-10-77 बेगमपेट  
सीकीन्द्राबाद।

(अन्तरक)

2. महलाध्यान बीध्यापीठ इसके अदीपती मिस सरोज  
पानडे 1-8-702/19 नलाकुनटा, हैदराबाद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोधस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सामने वाली घर नं० 1-10-76 बेगमपेट सीकीन्द्राबाद  
में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 458/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
सीकीन्द्राबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-10-79

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एम० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 260/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 4 है, जो 6-1-85 सैफाबाद में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती राणी शनकरम्मा पत्नि बी० सी० प्रताफरेड्डी, 6-1-85 सैफाबाद, हैदराबाद । (अन्तरक)
- (2) श्री फी० किशना चौधरी फीता अपय्या में 39 सरममजिल कालोनी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

ब्लाक नं० 4 घर नं० 6-1-85 बीस्टन 500 बर्गयार्ड सैफाबाद, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 337/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में ।

के० के० वीर  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-10-79  
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 79

निर्देश सं० आ० एस० सी० नं० 26/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० XVI 8-9-10-11 है, जो 1/4 भाग अदोनी स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अदोनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती धरमी भाई पती मगनलाल, भादावरम रास्ता  
अदोनी, करनूल जिला। (अन्तरिक)

(2) श्री बी० हुमैन साहिब (2) बी० महबूब साहिब (3)  
बी० काजा हुमैन साहिब एस०  
के० डी० अडवानी कालोनी अदोनी, करनूल  
जिला। (अन्तरिक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/4 वां भाग है सम्पत्ति में घर नं० गीनरीव फाटरी नं० XVI 8-9-10, 11 वेतगाला पुरम में है सरखे नं० 126-में आदोनी कारनूल जीना रजिस्ट्री दस्तावेज ने 250/79 ऊपर रजिस्ट्री कार्यालय अदोनी में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-10-79।

11/11

प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 262/79-80—अतः मुझे,  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सीनीनम कारखाना है है, जो अदोनी में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अदोनी में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आधार पर में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
धोर/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—336GI/79

(1) श्री भूरमल पिता मंगनलाल मादवरम रास्ता  
अदोनी । (अन्तरक)

(2) श्री बी० हुसैन माहित पिता रघम मयैब श्रीकिशण  
दीवराया नगर अदोनी (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धौलवी बीभाग बीनीम फैक्टरी नं० XVI 8-9-10-11  
बेनमलपुरम सर्वे नं० 126-ए० अदोनी करनूल जिला रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 251/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय अदोनी में ।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 10-10-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 10 अक्टूबर 79

आर० ये० सी० नं० 263/79-80—यन: मुझे, के० के०

वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 विभागी है जो जीनीका कारखाना अदोनी में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अदोनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सीता लाल पिता मंगल लाल वीरधेनन्द अदवानी  
मादावरम रास्ता अदोनी

(अन्तःकर)

(2) श्री बी० महबूब साहिब श्रीकृष्ण देवगया नगर-  
अदोनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 विभागी जिनीका कारखाना नं० XVI 8-9-10-11 बेनगनापुरम अदोनी रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 252/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय अदोनी में।

के० के०वीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 10-10-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

आर० ए० सी० नं० 264/79-80—अतः मुझे के० के०

वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 विभाग है, जो जीनींग कारखाना अदोनी स्थित है, (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अदोनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री चन्द्राकुमार पिता मगनलालबीर मादावरम रास्ता अदोनी ।

(अन्तरक)

2. श्री बी० काजा हसन एस० के० डी० कालोनी अदोनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 विभाग जीनींग कारखाना नं० XVI-8-9-10-11 बेगलापुरम अदोनी करनूल जीला, रजिस्ट्री दस्ता वेज नं० 253/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय अदोनी में ।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक : 10-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 265/79-80—अतः मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भाग 5-9-94 है, जो चापल रास्ता हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमति शायनाप्रताप वर नं० 5-9-92 घाफल रास्ता हैदराबाद ।

2 डाक्टर वेदप्रकाश बीगलकुन्टा हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर का बीभागी नं० 5-9-94 घाफल रास्ता हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1251/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ।

के० के० वीर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आ० ये० सी० 226/79-80—अनः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10-2-315/317 है, जो बाजार गेट हैदराबाद में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

16) के अधीन फरवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. श्री शीराज येन पीर मुहमद 2. जीमा पीर मुहमद  
(3) श्रीमती सीसीयाना रजा पति मुहमद रजा 11-5-397  
रेड हीलिंग हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री दौलत खान 15-8-513 दौलत मेन्शन बगम बाजार  
हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

“जिया दाकीम” मकान फरनीवर बीजीली ननसीब और खुली जमीन बाजारगट हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 429/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-10-1979

मोहर :

प्रत्यक्ष आई० टी० एन० एम०----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० 267/79-80--अतः मुझे, के० के० वीर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और ज़िम्मे सं० ब्लाक नं० 1 है, जो 6-1-85 सैफाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी राश या किसी वस्तु या अंग साक्षिओं को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वस्तु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री बी० बी० प्रताप रेडी पिता श्रीनिवास रेडी 6-1-85 सैफाबाद, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री य० वेनकटेश्वरलु घर नं० 3-6-361/6 हीमायत-नगर, हैदराबाद । (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और घर नं० 6-1-85 ब्लाक नं० 1 वेस्टर्न 400 वर्ग यार्ड सैफाबाद हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 338/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० के० वीर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-10-1979 ।

मोहर :

प्रा.सू.आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० आ.र० ए० सी० नं० 268/79-80—अतः मुझे  
 के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
 मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मलगीनं० 8 है जो 227-269/8 दीवानदेवडी  
 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आजमपुरा में  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
 तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे  
 यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
 का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
 प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
 लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 निम्नलिखित में सांख्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(5) अन्तरण में हुई किसी प्राप जो वास्तव में उक्त अधि-  
 नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना संदिग्ध था, ज्ञान में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स शाहबुलडर्स 22-7-269/3 दीवानदेवडी  
 हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमति हलीमाबी पत्नि गफारभाई 22-7-439  
 पुरानी हवेली हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्यवाहियां :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि की भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती है, के बीच पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सर्वोद्वेष्टाकारी  
 पास निम्नलिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और तर्कों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
 भाषित हैं, वही शब्द होगा जो उक्त अध्याय  
 में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 8 घर नं० 227-269 दीवानदेवडी हैदराबाद  
 में रजिस्ट्री दस्तावेज डी० 381/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय  
 आजमपुरा ।

के० के० बीर,  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 11-10-1979  
 मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 269/79-80 :—अतः मुझे के० के० बी०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-22/42/5 है, जो आदर्शनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति भारती राज 8-2-3-50/5ए बनजारा हिल्स हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) मेजर दीमत देसाई एण्ड कम्पनी 3-6-369/ए०/5— गली नं० 1 हीमायन नगर हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट-पहलीमता के संपत्ति पर घर नं० 5-9-22/42/5 आदर्शनगर हैदराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 800/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बी०,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 270/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और ज़िमकी सं० 5-9-22/42/6 है, जो आदर्शनगर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
परन्तु प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नष्ट पारा गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—336GI/79

1. श्री जीनेन्द्र राऊ, 8-2-350/5ए, बनजारा हिल्स,  
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती भुषीला हरीलाल शाह, 5-9-22/42/6,  
आदर्शनगर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट और मोटरखाना, पहली सला पर, घर नं० 5-9-  
42/6, आदर्शनगर, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
667/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 11-10-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० 271/79-80—अतः, मुझे,  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3-2-1/1 है, जो काचीगुडा  
रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरा-  
बाद में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रवीन्द्र नाथ पुत्र रामकोटेश्वराराऊ विजयवाड़ा-4 ।  
(अन्तरक)

2. श्री जैकुमार अग्रवाल पुत्र कालीराम अग्रवाल,  
3-4-829/1, बरकनपुरा, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोद्घातकरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन प्लॉट 500 वर्ग गज, घर नं० 3-2-1/1,  
3-2-1/1/1 से 3, काचीगुडा, स्टेशन रास्ता, हैदराबाद,  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1139/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय,  
हैदराबाद में ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० 272/79-80—अतः, मुझे,  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/आर-16-17 है, जो कृष्णा कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. (1) मैसर्स कृष्णा कानस्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612, आबिद रास्ता, हैदराबाद।

(2) श्री राजकुमार, 3-2-350, चेपल बाजार, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती टी० विजयलक्ष्मी पत्नी टी० जनारदन, 7-1-67/13, अमीरपेट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाल और घर नं० 4-1-938/आर-16 और 17-4-1-938/आर से 20, कृष्णा काम्पलेक्स तिलक रास्ता, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 643/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० 273/79-89—अन०, मुझे,  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० ग्रां० नं० 17 आर० सी० है, जो दोमलगुडा  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रबन्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

( ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्स स्वास्तीक बिल्डर्स, 1-2-524/3, दोमलगुडा  
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री हरि किशन सोनी, घर नं० 14-2-332/1,  
भ्यान बाग कालोनी, हैदराबाद-12। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

ग्रां० नं० आर० सी० 17, नईबाना में सागरबू  
मकान, दोमलगुडा, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
1210/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11-10-1979  
मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० 274/79-80—अन०, मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० सी० 16 है, जो सागर व्यू मकान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दोमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धन: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारता 1:—

1. मैसर्स स्वास्तिक विल्डर्स 1-2-524/3, सागर व्यू मकान, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री हरी किशन सोनी, वकील, 14-2-332/1 ज्ञान बाग कालोनी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रभाव 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रभाव में दिया गया है।

अनुसूची

शॉप प्रिमिसिस नं० आर० सी०-16 सेलर फ्लोर में, सागर व्यू मकान में दोमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज सं० 1209/79 उप रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 11 अक्टूबर 1979  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 275/79-80—अतः, मुझे,  
के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन उक्त अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और सिकी सं० खुली जमीन है, जो दोमलगुड़ा स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या क्रिया अथवा अन्य प्राप्तिओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहम्मद शाबुदीन घर नं० 1-2-482 दोमलगुड़ा  
हैदराबाद (अन्तरक)

2. मैसर्स सागर कन्स्ट्रक्शनस कम्पनी, 14 सी० सागर व्यु,  
मकान दोमलगुड़ा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के संबंध में  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 350 वर्ग यार्ड पुराना घर नं० 1-2-510 से  
1-2-523 दोमलगुड़ा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
776/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 11 अक्टूबर 1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 276/79-80—अतः, मुझे, के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० है, जो 755, 756, उपलकला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16 के अधीन फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगमे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री पी० विवेकानन्द राव धर नं० 6-1-69/4 सेफाबाद हैदराबाद । (अन्तरक)

2. भारत सरकार कर्मचारी कोआपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड श्री बी० रामास्वामी उदीपनि के ध्यवार में हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) या सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन है सर्वे नं० 755, और 756 उपलकला हैदराबाद में है जुमला विस्तार—3 एकर्स 32 गुनटास रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1908/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में ।

(के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-10-1979  
मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 277/79-80—अतः,  
मुझे, के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है और जिसकी

सं० जमीन सर्वे नं० है, जो 116 टोकटा गांव सिकन्दराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) डाक्टर एम० चेशारेडु (2) श्री एम० रवीन्द्र  
रेड्डी (3) एम० शशीधर रेड्डी तमाम का घर बथकम्माकुन्टा,  
सिकन्दराबाद में है। (अन्तरक)

2. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स पावर प्रोजेक्टम् डिवीजन,  
इम्प्लार्मेंट को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सरोजनी-  
देवी रोड, सिकन्दराबाद में। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके (जो इन संपत्ति के धर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करना हैं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
याद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखत  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तार—13 एकड़ 30 गुनटास है सर्वे नं०  
116 में टोकटा गाँव सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
365/79 में उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-10-79  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 278/79-80—अतः,  
मुझे, के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 16/371, 16/379 है, जो किला रास्ता  
वारंगल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वारं-  
गल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाब की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी घाब या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
निम्नलिखित व्यक्तियों अवगतः—

1. (1) पीगल इन्डस्ट्रीज कम्पनी उसके डायरेक्टर पीगल  
विजयपाल रेड्डी, वछेपल्ली गाँव वारंगल (2) श्री पी० जगदीश  
रेड्डी सुपुत्र पी० मधुसूदन रेड्डी, बेगमपेट, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. मैसर्स श्री लक्ष्मी विलास राइम और आइल मिल्स, किला  
रास्ता, वारंगल जिम के पार्टनर हैं :

(1) सर्वश्री चेरुकुरु जयारामा राव मेनतेना में रहता है (2)  
पोटलूरी सत्याकुमार (3) पोटलूरी चिन्नाबाबू (4) कनेगंटी विजया-  
लक्ष्मी (5) बीपनाभासकरमबा किला रास्ता वारंगल में  
है। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वाितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
बड़ी धर्य होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

चावल और तेल की मील है, किला रास्ता वारंगल के  
बास में जिसका सर्वे नं० है : 2025 और 2026 और नं०  
16/371 से 16/379 में है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 382/79  
उप रजिस्ट्री कार्यालय, वारंगल में।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15 अक्टूबर, 1979

मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० 279/79-80—अतः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिमकी सं० 11-1-84 ता 117 है, जो सीताफल मन्डी, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के बिना प्रदर्शित की गई है और मुझे यह विश्वास है कि पर्याप्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मकमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रस्ताव :—

1. गोपालाकृष्ण दत्तार घर नं० 5-1-8640 सुलतान बाजार, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्रीमती ऐस० धरमय्या घर 11-1-84 ता० 117 सीताफलमन्डी, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हस्ताक्षर :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 11-1-84 ता० 117 सीताफल मन्डी सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 813/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० 280/79-80-अतः, मुझे, के०  
के०, वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 10-3-806 है, जो विजयनगर कालोनी  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरता-  
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निर्भरनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री जी० रामपुरेड्डी पिता शोरी रेड्डी, हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. श्री जी० धीमापु रेड्डी पिता रायपुरेड्डी बरसाराऊ  
पेट, तालुका गुनटूर जिला। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति सं० 10-3-806 /27/2 आर० टी०)  
विजय नगर कालोनी में हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज सं०  
3402/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, कैरताबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-10-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 15 अक्टूबर 1979

आर० ये० सी० नं० 281/79-80—अतः, मुझे, के० के०

वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 11 है जो सरखे नं० 32/1 सोमाजीगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जीतेन्द्र राज नीमित किया गया है उच्च न्यायालय आन्ध्रा प्रदेश के तरफ से घर नं० 6-3-1238 सोमाजीगुडा, हैदराबाद (अन्तरक)

2. मैसर्स इन्टरफूड लिमिटेड, बी-4 इन्डस्ट्रीज निवासी हैदराबाद में (2) धन लक्ष्मी को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी हैदराबाद में (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध अर्जन के में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11 बीस्टेन 934 वर्ग गज सरखे नं० 32/1 और घर का नं० 6-3-1238 राज भवन रास्ता सोमाजीगुडा हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 478/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 15-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

आर० ये० सी० नं० 282/79-80—अतः, मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट नं० 12 है, जो सरवे नं० 32/1 सोमाजी-गुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवहारा, पञ्चायत :—

1. श्री जीतेदर राज अधिकारी नियुक्त किया गया है आन्ध्रा प्रदेश न्यायालय कार्यालय के तरफ से 6-3-1238 सोमाजी गुडा हैदराबाद में (अन्तरक)

2. श्रीमती बीमलादेवी सीकारिया पत्नी आर० ए० सीकारिया, 1-2-412/2बी गगनमहल रास्ता हैदराबाद में (2) धनलक्ष्मी क्वापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 12 वेस्टर्न 1166 वर्ग यार्ड सरवे नं० 32/1 में है घर का नं० 6-3-1238 राज भवन रास्ता सोमाजी-गुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 413/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-10-1979  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

आर० ये० सी० नं० 283/79-80—अतः, मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुल जमीन है, जो पी० जी० रास्ता, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री आर० एच० चेनाय (2) जे० एच० चेनाय (3) ई० एच० चेनाय घर नं० 134 पेन्डरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में (अन्तरक)

2. श्री वीकास पी० देसपानडे 2-4-83/1 रामगोपाल-पेट सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका वेस्टर्न 838 वर्ग गज है घर नं० 134 के पीछे में पेन्डर घास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 303/79 है उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 15-10-1979

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ये० सी० 284/79-80—अतः, मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 882 वर्ग गज पी० जी० रास्ता स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः :—

1. श्री आर० एच० चेनाय (2) जे० एच० चेनाय (3) ई० एच० चेनाय घर नं० 134 पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद । (अन्तरक)

2. श्री बी० नलीनी कानत 5-2-309 हैदरबस्ती सिकन्दराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन वेस्टर्न 882 वर्ग यार्ड घर नं० 134 में है पेनडरघास्ट सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 304/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० एन० टी० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ये० सी० 285/79-80—अतः,

मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लॉट नं० है, जो 134 पी० जी० रास्ता स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० एच० चेनाई (2 जे० एच० चेनाई (3) ई० एच० चेनाई 134-पेनडर घास्ट रास्ता सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्री पी० दीपक 62/ए०—एम० जी० रास्ता, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यख्याकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वेस्टर्न 834.33 वर्ग गज पर नं० 134 के पीछे में पेनडर घास्ट रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 297/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० 286/79-80—यतः, मुझे, के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 134 पीछे के सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए'।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15—336GI/79

(1) श्री आर० एच० चेनाई, 2. जे० एच० चेनाई डी० एच० चेनाई, घर नं० 134 पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती अंगूरी देवी अग्रवाल, 46-कृष्णानगर कालोनी, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन वेस्टर्न 326 वर्ग गज है, घर नं० 134 के पीछे में पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 298/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 15-10-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० 287/79-80—यतः,  
मुझे, के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट जमीन है, जो 134 के पीछे सिकन्द-  
राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल  
का यथार्थ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और  
अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
समाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) सर्वश्री 1. जे० एच० चेनाई, (2) आर० एच०  
चेनाई, 3. ई० एच० चेनाई, 134-पेनडरघास्ट  
रास्ता, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

(2) श्री टी० श्रीनिवासुलु और एन० रत्नगय्या, 5-2-  
363, हैदरबस्ती, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और उदां का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वेस्टर्न 574 वर्ग गज, घर नं० 134  
पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज में  
299/79 में उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-10-1979  
मोहर :

प्रकाश पाई० डी० एच० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
बारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 288/79-80—यतः

मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 134 वेनडरगस्ट  
रास्ता स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धातुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ब की उपबारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बाद :—

(1) श्री आर० एच० चेनार्ई, 2. जे० एच० चेनार्ई,  
ई० एच० चेनार्ई, घर नं० 134 पेनडरगस्ट  
रास्ता, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री हीमनशु राय परीक, 1-1-530, - गोलकन्डा  
क्रास रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कानून  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जिसका वेस्टर्न 332 वर्ग गज, घर नं०  
134 पेनडरगस्ट रास्ता, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 300/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-10-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 289/79-80—यतः  
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो 134 पेनडरवास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माधु:—

(1) सर्वश्री 1. आर० एच० चेनाई, 2. जे० एच० चेनाई, 3. ई० एच० चेनाई, घर नं० 134 पेनडरवास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरमल वीरनीदास, नं० 7112/35 कालासीगुडा, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 257 वर्ग गज घर नं० 134-पेनडरवास्ट के पीछे में सिकन्दराबाद। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 301/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 15-10-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 290/79-80—यतः

मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट खुली जमीन है, जो 134 पेनडर  
घास्ट रास्ता के पिछले में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री 1. आर० एच० चेनार्ई, 2. जे० एच०  
चेनार्ई, 3. डी० एच० चेनार्ई, घर नं० 134  
पेनडरघास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नजमा अजीज 250/बी०, रामगोपालपेट,  
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 278 वर्ग यार्ड है, घर नं० 134  
पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद के पीछले में रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 302/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-10-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 301/79-80—यतः  
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जिरायती जमीन है, जो सर्वे नं० 200  
ता० 203, नाचरम गांव में स्थित है (और इससे उपबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सैयद आजम, 2-2-22 अम्बरपेट, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स रामकृष्णा सिने स्टूडियो, बाकारम, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जिरायती जमीन सर्वे नं० 200 ता० 203, 197/1,  
198, 199, 204, 206/1, 206/2 जुमला विस्तीर्ण  
7 एकड़ 29 गुन्टास नाचरम गांव, हैदराबाद । रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 1109/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद ।  
के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रकृत्य आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 302/79-80—यतः  
मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक

और जिसकी सं० जमीन सर्वे सं० है, जो 67 पीरजादीगुडा  
हैदराबाद में स्थित है (और उसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री ऑफ अधिकासी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के दृश्यमान  
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकर से ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पी० एन० विजयलक्ष्मीदेवी, 1-294 तार-  
नाका, सिकन्दराबाद-17।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० रवीन्द्रा रेड्डी, (2) एम० अशीधर  
रेड्डी, पिता डाक्टर एम० चेन्नारेड्डी, सिकन्दराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे सं० 67 पीरजादीगुडा गांव हैदराबाद ई०  
विस्तीर्ण 7 एकड़ 35 गुन्टास, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1203/  
79, उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर:

प्रकरण आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 303/79-80—यतः  
मुखे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 64, 63 पीरजादी है जो  
गुडा गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धातियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावतः—

(1) श्री टी० रामय्या चौधरी, सारनाका, सिकन्दरा-  
बाद।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. गड्डे सुरय्या वेन्कटा सत्यानारायणा, 2.  
गड्डे वीरे वेन्कटा सत्यानगीश्वर राउ, ईस्ट  
गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन 6 एकड़ सर्वे नं० 64 और 63  
पीरजादी गुडा गांव, हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
1204/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वी  
सख्त प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-79  
मोहरः

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 304/79-80—यतः

मुझे के० के० बीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 63 है, जो पीरजादी रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

16—336 GI/79

(1) श्री टी० राम्मा चौधरी, तारनाका, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कामेश्वरी वी० पती वी० आर० के० परमाहानमा, हिमायतनगर, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जिरायती जमीन 5 एकड़ सर्वे नं० 63 में है, पीरजादी गुडा, हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1205/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-79  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 305/79-80---यतः  
मुझे के० के० वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 61 है, जो पीरजादी गुडा  
गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्राप्ति-  
यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री टी० रामय्या चौधरी, सारनाका, हैदरा-  
बाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० सावित्री देवी पनि डाक्टर एम०  
चेवारेडु, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध।  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन 4 एक्स सर्वे नं० 61 में पीरजादी  
गुडा गांव हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1266/  
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 306/79-80—यतः

मुझे के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1-80 है, जो हबसीगुडा ग्राम पंचायत में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पी० पद्मनाभा राउ, 496, हरडीकर बाग, हैदराबाद-29।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० नलिनी देवी, 1-84 तारनाका सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**शब्दोक्ति :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-69 हबसीगुडा, ग्राम पंचायत सर्वे नं० 19/जी० विस्तीर्ण 677.25 वर्गगज रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2011/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 307/79-80—यतः  
मुझे के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 10-2-262/263 है, जो एस० पी०  
रास्ता, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारियों के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
फरवरी, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए।

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा  
के (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री यादगार फरीदुन सोहराबजी बेनार्ई, 26-  
भारेडपली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मैडम कृष्ण राऊ 10-2-262/263, ईस्ट  
भारेडपली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 2790 वर्ग मीटर घर नं० 10-2-  
262/262 सरदार पटेल रास्ता, सिकन्दराबाद रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 251/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद  
में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 308/79-80—यतः

मुझे के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० 9-40-44, 44/1, 44/2 हैं, जो सिकन्दराबाद में स्थित हैं और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रार अधिकांश के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामाराऊ माचेरला घर नं० 6-3-1218/6 बेगमपेट सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नेशनल लाज सिकन्दराबाद रेल नीलयम के सामने।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रार:—इनमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5601 (नया नं० 9-4-44, 44/1 और 44/2) सिकन्दराबाद रेल नीलयम के सामने सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 311/79 उप रजिस्ट्रार कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रकरण बाईं टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 309/79-80 यतः  
मुख्य के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-153/1 है, जो पी० जी० रास्ता सिकन्दराबाद से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकरण अधिनियम में अतिरिक्त रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करके या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या संपत्ति या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, से उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री जे० विक्रमदेव राऊ मकान नं० 1-5-127  
बेगमपेट, हैदराबाद । (अन्तरक)

(2) श्रीमती शशी रेखा बेनु घर नं० 1-5-127  
कनदोजी बजार, सिकन्दराबाद । (अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तावरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तुर्पचीभाग घर का नं० 18-153/1 प्लॉट नं० 142/  
ए विस्तोर्ण 306 वर्ग मीटर पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 452/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
सिकन्दराबाद में ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रारूप अ.ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सो० नं० 310/79-80—यतः  
मुझे के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसका सं० 1-7-264 है, जो एम० डी० रास्ता  
मिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के  
कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोतोचर एच० चेनारी, घर नं० 1-7-264  
एम० डी० रास्ता, मिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एमराल्ड बुल्डर्स मैसर्स शारदा तोताराम  
सागरमल और सन्स के द्वार में आर्कोड रास्ता,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-7-264 सरोजनी देवी रास्ता मिकन्दराबाद  
में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 327/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

- (1) श्री आर० एच० चेनाई, 2. जे० एच० चेनाई,  
3. ई० एच० चेनाई, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 291/79-80—यतः  
मुझे, के० के० वीर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो पी० जी० रास्ता सिकन्दराबाद  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

धतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (2) श्री गोविन्द राम 7-394/1 मोरवी गली,  
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 377 वर्ग गज घर नं० 134 के  
पीछे में पी० जी० रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
305/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 292/79-80—यतः

मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है जो पी० जी० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शक्ति. उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वास्तव में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पंथ्य प्राप्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

17—336GI/79

(1) श्री आर० एच० चेनाई, (2) जे० एच० चेनाई, (3) ई० एच० चेनाई, 134-पेनडरवास्ट रास्ता सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यानारायणा अग्रवाल, 48-कृष्णानगर कालोनी, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वाितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रचोईस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 330 वर्ग गज घर नं० 134 क पीछे में पेनडरवास्ट रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 306/79, उप-रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रकृष भाई० टी० एन० एच०—

(1) सर्वश्री (1) आर० एच० चेनाई, (2) जे० एच० चेनाई, (3) ई० एच० चेनाई, 134 पेनडरवास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 293/79-80—

यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो पी० घास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जहां जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री आर० सुदा 5-2-361 हैवरवस्ती, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओव :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

खुली जमीन विस्तीर्ण 581 वर्ग गज घर नं० 134 के पीछे में है पेनडरवास्ट रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 336/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 294/79-80—यतः मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो पेनडरघास्ट रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० एच० चेनार्, (2) जे० एच० चेनार्  
(3) ई० एच० चेनार्, 134 पेनडरघास्ट रास्ता  
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप भाई गगलानी, 5-2-365/1 हैदरबस्ती  
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रकीर्तुताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 486.8 वर्ग मीटर घर नं० 134 के पीछे में पेनडरघास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 337/79, उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 295/79-80—यतः  
मुझे, के० के० वीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो पेनडर जास्ट रास्ता  
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, इसके वृक्षमान प्रतिफल से ऐसे  
वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
वृक्षमान से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कबित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययिष्य में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री\* (1) आर० एच० चेनाई, (2) जे०  
एच० चेनाई, (3) ई० एच० चेनाई, 134-  
पेनडरजास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरला जी० गहा, लालजी मेघजी कम-  
फौपुड जीरा, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं;  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन घर नं० 134 पेनडर जास्ट रास्ता, सिकन्दरा-  
बाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 338/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-79  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० ए० ए० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 296/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खुली जमीन है, तथा जो पेनडरवास्ट रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्व श्री आर० एच० चेनाई 2. जे० एच० चेनाई 3. ई० एच० चेनाई 134-पेनडरवास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद । (अन्तरक)

2. डी० जे० पारीक 12-पैगाह अपार्टमेंट सरदार पटेल रास्ता, सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेप/आक्षेप के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन घर नं० 134 के पिछले साइड में है पेनडरवास्ट रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 340/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979  
मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 297/79-80—यतः,  
मुझे, के० के० वीर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जीरायती जमीन है, तथा जो तीकटा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० ईश्वर रेड्डी 157/7 तीकटा सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्री ई० राघव क्वापरेट्टु हीज बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड नं० 68, प्रेसीडेंट जी० एन० बालरेड्डी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक एकड़ जीरायती जमीन का सर्वे नं० 157/7 तीकटा हैदराबाद अरबन तालूक रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 384/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 298/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्याबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 603 है, तथा जो एच० ई० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजा राम करन मैसर्स ऊषा करन तेजकरन 8-2-547 बनजारा हाउस हैदराबाद (अन्तरक)

2. मैसर्स दुर्गारामानातन और आर० नारायण प्लाट नं० 603 कालामेनशन सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना दाने करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्याबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 603, कालामेनशन एस० ई० रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 388/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 299/79-80—यतः,  
मुझे, के० के० बीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मुलगी नं० 63 है, तथा जो एस० डी० रास्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० राजमौली रामकोट, हैदराबाद  
(अन्तरक)
2. श्रीमती आई०-अम्बामा मारुति गली सिकन्दराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुलगी नं० 63 (जमीन की सतहपर) 30 वर्ग यार्ड एस०  
डी० रास्ता सिकन्दराबाद में, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 433/79  
उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० बीर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० -----

भारत सरकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 300/79-80—यतः,  
मुझे, के० के० धीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है और जिसकी  
सं० प्लॉट नं० 8 है, तथा जो एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद  
में स्थित है और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख फरवरी 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति  
को, जिन्हें धायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूचक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचाई :-

18-336 GI/79

1. श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री उजागर सिंह बाटा  
के सामने, सिकन्दराबाद।

क

(अन्तरक)

2. श्री एस० यूसुफ मोहिउद्दीन खादरी पिता मीर खादरी  
घर नं० 97 मारेडपली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 8-355 वर्ग यार्ड है 43 एस० डी० रास्ते  
के पास में है सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3400/  
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० धीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा

269 घ (I) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० 311/79-80—यतः,  
मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, तथा जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० कालण धर नं० 3-5-872 हैदरगुडा हैदराबाद  
'(अन्तरक)

2. श्रीमती रेखा रेकरा और दूसरे लोग बेगमपेट  
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन बीस्तेन 680 वर्ग यार्ड बेगमपेट हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 242/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद  
में ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रकट आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 312/79-80—यतः, मुझे,  
के० के० धीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० है, तथा जो 145 और 162  
मलकाजगीरी में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र प्रतियोगिता से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठर पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसे किने आय या क्रिया धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या दिया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकाशित :—

1. (1) श्री मनदा लक्ष्मैया  
(2) मनदा पेदामलैया  
(3) मनदा श्रीमन्नामल्लैया  
(4) मनदा नरसीम्मा  
(5) एम० शंकरलैया  
(6) एम० श्रीरामुत्तु  
(7) गोटेला राजलैया तमाम रहते हैं मलकाजगीरी  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलम्मा पुत्री पुलारेड्डी मलकाजगीरी हैदराबाद  
जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 145 और 162 मलकाजगीरी गांव अरबन  
तालुक हैदराबाद जिला, 3 एक्स 30 गुंटाज रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 705/79-उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

के० के० धीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख 16-10-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

विदेश सं० आर० ए० सी० नं० 313/79-80—यतः,  
मुझे, के० के० बी०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जीरायती जमीन है, तथा जो आचमेली गांव  
मंडल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडचल में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने;  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री लल्लू नारान पिता नारान पटेल  
(2) श्रीमती मनी बेन पत्नी लल्लू नारान  
(3) मनुभाई एल० नारान,  
(4) नारान गोविन्द पटेल 102-मारेडपल्ली  
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. (1) मिसेज जमा शाहा (2) परबेज शाहा  
(3) मुनवर शाह 1-10-72/10, बेगमपेट हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में; प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

जरायती जमीन सर्वे नं० 313-बी 7 एकर्स 16 गुन्टे  
आचमेली गांव में मंडल सर्वे नं० 313-ए 7 एकर्स 16 गुन्टे  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 306/79 सर्वे नं० 313/1 5 एकर्स 23 गुन्टे  
उप रजिस्ट्री कार्यालय मेडचल 313/1 1 एकर्स 00 गुन्टे

योग 21 एकर्स 14 गुन्टे

के० के० बी०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई टी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 314/79-80—यतः,  
मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० खुली जमीन है, तथा जो मारेडपल्ली सिकन्दराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. यादगार फरीदुद्दीन सोहराबजी चेन्नाई 26-मारेडपल्ली  
सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. एम्प्रो चैरिटी ट्रस्ट ओसमानशाई रास्ता हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होत हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन क्षेत्रफल 6593 वर्ग मीटर घर नं० 10-2-  
262/263 मारेडपल्ली सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
360/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-10-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 315/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-6-69 है, तथा जो बाकारम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ए० अमानम्मा पत्नी श्री ए० रंगारेड्डी घर नं० 16/1600 राममूर्ती नगर नेल्लूर।

(अन्तरक)

2. श्री वाई एस० रवीन्द्रनाथ रेड्डी पुलीवेंडला कुड्डापा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विभाग घर नं० 1-1-69 बाकारम, मुणीराबाद में स्थित है 800 वर्ग गार्ड हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 689/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में है।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 316/79-80-—यतः,  
मु०, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-1-68 है, तथा जो बाजारम हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती ए० भारती रेड्डी पत्नी श्री गोपाल कृष्ण रेड्डी घर नं० 16/1600 राममूर्ती नगर नेलूर।  
(अन्तरक)2. श्री वाई० ए० विवेकानन्द रेड्डी पुलीवेन्डला कुड्डप्पा जिना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर का विभाग नं० 1-1-68 बाजारम मुशीराबाद में हैदराबाद, क्षेत्रफल 736 वर्ग गज रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 688/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 317/79-80—यतः,  
मुझे, के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1-1-61 से 67 है, तथा जो बाकारम  
मुणीराबाद में स्थित है (और जिससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. ए० गोपाला कृष्ण रेड्डी कापु स्ट्रीट, नेलोर।  
(अन्तरक)
2. श्री वाई० राजेशेखर रेड्डी, 23-सी एस० आर० पली  
स्टेशन रास्ता, कुड्डाप।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में किया  
गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन और खन्डर घर और नं० 1-1-61 ता०  
1-1-67 (805 वर्ग मीटर चारमीनार क्रॉस रास्ता बाकारम  
हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 687/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-10-1979  
रेंज :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 318/79-80—यतः, मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जिरायती जमीन है, जो सर्वे नं० 9/1/I सकुनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 6) के अधीन, तारीख फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तिगों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--  
19-336G1/79

1. श्रीमती अजीज फातिमा घर नं० 22-1-320 अजीज बाग, मुलतानपुरा, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)

2. श्री ए० पी० एस० ई० बी० उद्योग को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी प्रादीपती के० गंगाधर सैफा बाद, हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन धार्याय में दिया गया है ।

अ.सूची

जिरायती जमीन सर्वे नं० 9/1/I सकुनगर गांव, हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1459/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में बीर्स्टन 6 एकड़ ।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 17-10-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 319/79-80—यसः,  
मुझे, के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिवका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1/6-3-76.4/1 है, जो  
बेगमपेट रास्ता पनजागुडा में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का  
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तब पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अर्थ प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकाशः:—

श्री प्रेमजी लालजी पिता लालजी मेकजी पनजागुडा,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री सन्तोषलाल पिता मातादीन 3-4-856/1  
बेगमपेट रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1 म्यूनिसिपल नं० 6-3-674/1 बीस्टिन  
1000 बर्ग गज बेगमपेट रास्ता पनजागुडा हैदराबाद रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 779/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-10-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० धार० ए० सी० नं० 320/79-80—यतः,

मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० जमीन है, जो हुमायूँ नगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्रीमती साई कुमारी घर नं० 10-5-64/12/2  
श्रीराम नगर मासाब टैंक, हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. डाक्टर कमर हुसेनी अन्सारी घर नं० 10-5-576  
रैड होल्स हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भारत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बीर्स्तन नं० 927 अर्ग मीडर हुमायूँ नगर हैदराबाद में है घर नं० 10-4-35/2, 2/ए, 2/बी, हुमायूँ नगर हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज बी० 583/79 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1810-1979  
मोहर :

प्रकाश ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 321/79-80—यतः,  
मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12-2-713 है, तथा जो नानल नगर हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979 को पवर्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के शक्ति में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बत वा अन्य प्राप्तिवां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात्त :-

1. श्री एन० रेनुकाराऊ प्लाट नं० 37 रास्ता नं० 10,  
बन्जारा हील्स हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. (1) श्री गजानन्द गुप्ता,  
(2) नन्द किशोर गोयल,  
(3) विजय कुमार गोयल,  
(4) निर्मल कुमार गुप्ता घर नं० 12-2-713,  
नानलनगर हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रेय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 12-2-713, खुली-जमीन नानलनगर हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1174/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-10-1979  
मोहरी :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 322/79-80:—यतः,  
मुझे, के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-696/697 है, जो बनजारा हिल्स  
रास्ता नं० 12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन फरवरी, 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती मनीदरा चेनाई 8-2-696/697 रास्ता नं०  
12—बनजारा हिल्स हैदराबाद। (मुरती और  
कम्पनी के द्वारा)।

(अन्तरक)

(2) श्री दोडला गेशा रेड्डी और दूसरे लोग, राममूरती-  
नगर, नेल्लूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आज्ञा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन और घर नं० 8-2-696/697, रास्ता नं० 12—  
बनजारा हिल्स हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 419/79 उप-  
रजिस्ट्री कार्यालय, खैरताबाद में।

के० के० बीर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 323/79-90:--यतः मुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-696/697 है, जो बनजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :--

(1) श्रीमती मनीदारा चेनाई घर नं० 8-2-696/697 रास्ता नं० 12 बनजारा हिल्स हैदराबाद (भूरती और कम्पनी हैदराबाद)।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० चेतचूरामी रेड्डी और दूसरे लोग 8-2-696/697, बनजारा हिल्स रास्ता नं० 12, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

घर नं० 8-2-696, 697 रास्ता नं० 12 बनजारा हिल्स हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 420/79 उन रजिस्ट्री कार्यालय, खैरताबाद में।

के० के० वीर,  
सक्षम, अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18 अक्तूबर, 1979।  
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 324/79-80:—यतः;  
मुझे, के० के० बीर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 3-4-760/1 है, जो बरकतपुरा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्त-बिक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

- (ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री नरोत्तम नेनसी, पीता श्री नेनसी घर नं० 141-142 बलाभ अपारमेन्ट बरडेन रास्ता बम्बई। (अन्तरक)
- (2) श्री कीमजी नेनसी पीता नेनसी श्रीमती शान्ति पति कीमजी घर नं० 3-4-760/1, बरकतपुरा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-4-760/1 बरकतपुरा हैदराबाद, बीस्टन 997 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 893/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18 अक्तूबर, 1979।  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 325/79-80:—यतः मुझे, के० के० वीर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-8-580 है, जो आजामाबाद हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पदार्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बनकनलाल अग्रवाल पिता मीरजामालजी (2) राधाकिशन अग्रवाल पिता बनकनलाल अग्रवाल 1-8-580 आजामाबाद-हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अग्रवाल इंडस्ट्रीज श्री अनीमुदा परशद के अनुधीन म 1-8-526 आजामाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

औ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्तल और घर नं० 1-8-580 आजामाबाद हैदराबाद बीस्टन 2638 वर्ग मीटर है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 934/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 18 अक्तूबर, 1979।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 326/79-80—यतः  
मुझे, के० के० वीर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है और

जिसकी सं० 3-3-44, 45 है, तथा जो काचीगुडा हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),  
के अधीन, फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिनी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तात्पर्यता प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विधि में वास्तविक करने कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी वन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
20—336GI/79

(1) डाक्टर के० हनुमन्ताराऊ, 3-5-1141, रामकोट,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री हरलाल पवर, (2) रतनलाल पवर, (3)  
बजरंगलाल (4) डाक्टर भीमराज पवर (5)  
पुनमचन्द पवर, (6) श्रीनिवास पवर, (7) श्रीमति  
बली बाई पवर, (8) चतुर्भुज पवर '4-2-323  
मोती सिंह गली मुलतान बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रीमसीस नं० 3-3-44 और 3-3-45 काचीगुडा हैदरा-  
बाद में है वीस्तेन 1959 बर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज 1046/  
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में है।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-10-1979  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 327/79-80—यत मुझे,  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पीरशन 1-1-389 है, जो बाकारम हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तु :—

(1) मैसर्स श्यामला इंडस्ट्रीस कारपोरेशन लिमिटे  
मेनेजिंग डायरेक्टर श्री के० अपाराऊ 1-1-385  
गांधी नगर बाकारम, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० गोपालदास पिता टीमकदास घर नं० 1-1-  
385/4 ए गांधीनगर बाकारम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर का भाग नं० 1-1-385 बाकारम हैदराबाद में है  
बीस्टेन 620 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1093/79 उप  
रजिस्ट्रार कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18 अक्टूबर 1979  
मोहर :

प्रस्ताव आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 328/79-80—यतः  
मुक्त, के० के० बीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 3-6-758 है, जो हीमायत नगर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1909 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख फरवरी, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आई० नरेन्द्र राव 3-6-758, 13वां गली  
हीमायतनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती ए सत्याम्मा पति पुरशोत्तम राव, 2.  
श्रीमती ए स्वर्णमाला पति दयानन्द राव 3. श्रीमती  
ए० प्रेमला पति मधुसूदन, 4. ए वेनकाटेश्वर राव  
तमाम का घर नं० 3-6-758, हिमायत नगर,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-758 13वां गली हिमायत नगर, हैदराबाद  
में बीस्तेन 956 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1090/  
79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० बीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18 अक्टूबर 1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 329/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 8-2-780 है, जो बनजारा हिल्स हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),  
के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोध ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री मोहसीन बीन मुहम्मद, 2. सुलतानीसा बेगम,  
3. उमर बीन मुहम्मद, 10-2-6, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती डी० सुकन्या कमलाकर पति डी० कमलाकर  
रेड्डी 8-2-700 बनजारा हिल्स, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 8-2-700 रास्ता नं० 12 बनजारा हिल्स  
हैदराबाद में है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 394/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय कैरताबाद हैदराबाद में।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18 अक्तूबर 1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 330/79-80—यतः

मुझे, के० के० बीर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 3-6-433 का भाग है, जो हिमायत नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, अधीन, फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मरीयम बेगम पति मौलवी सैयद 3-6-433, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री दयालाल एस भाडा पिता नमजी भाडा 3-6-433, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 3-6-433 का भाग हिमायत नगर हैदराबाद में है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1180/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० के० बीर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18 अक्टूबर, 1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस० —

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 331/79-80:—यतः

मुझे, के० के० वीर,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-433 का है, जो विभाग हिमायतनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना; धोर/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, घायकर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्रीमती मरीयम बेराम घर नं० 3-6-433 हिमायतनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री नवीनचन्द्रा शाम जी भाड़ा 3-6-433, हिमायतनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 3-6-433 का विभाग है हिमायत नगर हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1179/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 18 अक्टूबर 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 332/79-80—यतः

भुझे, के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-1236/2/1 है, जो किंग कोटी रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 6) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ये हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हाजीमोहमद बशीरुद्दीन, 1-1-299, अशोकनगर हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अकतरुनीसा रफत मुलताना पति ताहर अली घर नं० 4-1-1236/2/1 किंग कोटी रास्ता, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 4-1-1236/2/1 किंग कोटी रास्ता हैदराबाद में बीस्तेन 186 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 882/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18 अक्तूबर 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 333/79-80—यतः मुझे,  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 5-8-81 है, जो फतेह मुलतान लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवर्णन उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) मैसर्स कमरसीयल कन्ट्रैक्ट कारपोरेशन 20-4-1183-लाड बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० राधा देवी पति टी० नागेश्वर राव 12-2-458/10, मेहदीपटनम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोधुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-81 फतेह मुलतान लेन नामपल्ली हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 676/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

के० के० वीर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18 अक्टूबर 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 334/79-80:--यतः मुझे, के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-4-759/2 है, जो बरकतपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धनस्तर्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धनस्तर्षक (अन्तरकों) और धनस्तर्षिणी (धनस्तर्षितियों) के बीच ऐसे धनस्तर्षण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धनस्तर्षण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देन क धनस्तर्षक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री बी० बी० सुरेश पिता रागवेन्दर राव 5-8-52, नामवली स्टेशन रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० बी० आर० अय्यानगर 3-4-759/2, सखोधया घर बरकतपुरा, हैदराबाद।

(धनस्तर्षिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हिसबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ध्येय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ध्येय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली सभा का प्लॉट नं० 3-4-759/2 बरकतपुरा हैदराबाद बीस्टन 146 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 635/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० के० बीर  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18 अक्तूबर 1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० 335/79-80:—यतः मुझे, के० के० बीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4-3-51 है, जो रघुनाथ बाग मुलतान बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विद्यागौरी मेहता पति मूलचन्द मेहता 5-1-896/14, पुतली बोली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रामीला बेन सनगवी पति अरवीन्द भाई सनगवी 4-1-10 तीलक रोड, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप:—

(क) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन नं० 5 घर नं० 4-3-51 के पीछे 66 से 72 रघुनाथ बाग, मुलतान बाजार, हैदराबाद। विस्तृत 382 वर्ग गार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 647/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० के० बीर  
सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18 अक्टूबर 1979

मोहर:

प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 336/79-80:—यतः मुझे,  
के० के० वीर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिमकी सं० 4-1-117/117/1 है, जो करीमनगर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीमनगर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती  
(घन्तरिस्त्रियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिय तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्त्रियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) (1) Smt. Badarunnisa w/o Hameed Hussian,  
25-Eadibarazar, Kumarwadi, Hyderabad.
- (2) Atya T alaf w/o Syed Shah Noorulhuq,  
House hold.  
Chatta Bazar, Hyderabad, (H. No. 22-8-582).
- (2) Shri Ranga Rao s/o Shri Venkat Subbaiah,  
r/o Karimnagar.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्ट्याभरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-1-117 और 4-1-117/1 समारम मोहल्ला,  
करीमनगर बीस्टन 860 वर्ग मीटर रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
589/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, करीमनगर।

के० के० वीर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18 अक्तूबर 1979  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 337/79-80:—यतः मुझे, के० के० बीए,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसमें पदार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-4-101 है, जो गौलीगुडा गली बांसवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांसवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,

1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किया आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधुन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन व्यक्तिगत, अर्थातः—

1. (1) श्री यु० गनगप्पा, नैजामाबाद, (2) नागानाथ राव, (3) भीम शास्त्री, (4) डी० रामलु, (5) बी० रामकिशन (6) बी० हनुमानडलु, (7) एन० रत्ना कुमार, (8) राम चन्दर, (9) आर० लीनगा रेडी, (10) एस० सूर्यानारायणा, (11) ज० सुन्दर रामय्या, (12) टी० गंगाराम ।

(अन्तरक)

2. (1) मैसर्स न० प्रेमीला बाई, (2) के० एस० नरेनवर नाथ (3) के० विद्यासागर बांसवाडा, निजामाबाद, जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचलन के लिए आवश्यकियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के प्रचलन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्या 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस धार्या में दिया गया है ।

अनुसूची

"श्री राजा राजेश्वरी टाकीज" घर न० 1-4-101, बीस्टन 17558 वर्ग फीट । मनजलेपर 4 ब्लाक गौलीगुडा गली बांसवाडा, नैजामाबाद जिला रजिस्ट्री दस्तावेज न० 206/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय बांसवाडा में ।

के० के० बीए  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18 अक्टूबर 1979  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एन०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 338/79-80---यस: मुझे,  
के० के० बीर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० राईसमील है, जो येलारेडी नैजामाबाद में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, येलारेडी में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के नि-  
म्न पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक कर न लगाने का किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किंमतों का को बादा उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किंमतों का किंमत धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-

1. (1) श्री नागुलम्मा गोरमय्या, पिता गुनडय्या वांसवाडा  
नैजामाबाद, जिला (2) नागुलम्मा बालराजय्या  
पिता वेंकय्या, नैजामाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० रामलीनगम पिता राजय्या मैसर्स विजय मिल्स  
के० पाटनर है घर नं० 2-5-81 येलारेडी, नैजामा-  
बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रव्यबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन और घर नं० 2-5-81 "मैसर्स श्री वेंकाटेश्वर  
राईस मील" येलारेडी गुड्डा नैजामाबाद जिला रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 209/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय येलारेडी में।

के० के० बीर  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18 अक्तूबर 1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/1340/79-80

—यतः मुझे, के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-2-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
यह कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डीसा भाई पुत्र श्री महरवान जी खम्बाल  
भाटापरारा जिला—रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रजनीश सागर पत्नि सरदार सागर सिंह,  
साहू सा मिल के पास, पंडरी तराय, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान साथ भूमि स्थित पांडरी तराय, जिला—रायपुर।

के० के० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3 अक्टूबर 1979

मोहर :

प्रकाशित श्री ० एन० एन० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्तूबर 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोप /-80/ 134  
यतः मुझे, के० के० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बराबर प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए.से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कलावती पत्ति स्व० श्री राज गोपाल यादव मकान नं० 1189, मदन महल, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम मिह कपूर पुत्र स्व० श्री करतार मिह, 855, मदन महल, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला बिल्डिंग बियरिंग मकान नं० 855/सी०-1, से 6 सी० 8 तक, मदन महल, बार्ड नं० 30, जबलपुर। (खसरा नं० 73 का भाग, प्लॉट नं० 5/2, माप 3250 वर्ग फुट)।

के० के० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 3 अक्तूबर, 1979।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी०/एक्वी/भीपाल/79-80/1342—  
यतः मुझे, क० का० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है किसे स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरत से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :—

(1) श्री चुन्नी लाल पुत्र श्री शिवजी शाह नेपियर टाउन, जबलपुर द्वारा श्री भवन जी शाह पुत्र श्री राव जी शाह, नेपियर, टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) एस० आर० एम० फाउन्डेशन आफ इन्डिया, शंकराचार्य नगर ऋषिकेश द्वारा श्री आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव पुत्र श्री जे० पी० श्रीवास्तव, राम निवास, ब्योहार बाग, जबलपुर।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम मंगली एन० बी० नं० 666 पी० एच० नं० 44, माप 13.860 हेक्टेयर्स तह० व जिला—जबलपुर।

क० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल,

तारीख : 3 अक्तूबर, 1979।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/1343—अतः मुझे, कृ० का० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि, है तथा जो मंगेली, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 मई, 1979)।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

12-336G1/79

(1) श्री चन्द्रकान्त पुत्र श्री श्याम जी शाह द्वारा श्री भवान जी शाह पुत्र श्री रावजी शाह नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) सन्स्था एस० आर० एम० फाउन्डेशन आफ इन्डिया शंकराचार्या नगर, रिषीकेश नगर द्वारा श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव राम निवास न्यूहार बाग, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एन० बी० 666, पी० एच० नं० 88, स्थित ग्राम मंगेली तह० व जिला जबलपुर रकबा 7.823 हेक्टेयर्स।

कृ० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 3 अक्तूबर, 1979।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्टूबर 1979

निदेश सं० आईएसी/एवबी/भोपाल/79-80/1344:-  
अतः मुझे, कु० कां० राय,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो मंगेली जबलपुर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4  
मई, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री भवन जी शाह पुत्र श्री राव जी शाह नेपियर  
टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) संस्था एस० आर० एम० फाउन्डेशन आफ इन्डिया,  
शंकराचार्य नगर, रिषी केश द्वारा सैकट्री आनन्द  
प्रकाश श्री वास्तव पुत्र श्री जे० पी० श्रीवास्तव  
राम निवास, ब्यौहार बाग, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माफ़ेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोदस्ताअरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रकबा 8.143 हेक्टरस एन० बी० नं० 666 पी० एच०  
नं० 44 स्थित ग्राम मंगेली तह० व जिला, जबलपुर।

कु० कां० राय,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 3 अक्टूबर, 1979।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० आई ए सी/एकवी/भोपाल/79-80/1345:—

अतः मुझे, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो मंगेसी, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 मई 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुलाब चन्द पुत्र श्री भवन जी शाह, 281, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(2) संस्था एस० आर० एम० फाउन्डेशन आफ इन्डिया, शंकराचार्य नगर, रिषी केश द्वारा सेक्रेटरी आनन्द प्रकाश श्रीवास्तव पुत्र श्री जे० पी० श्रीवास्तव, राम निवास, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त-स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 45.07 एकड़ एन० बी० नं० 666 पी० एच० नं० 44 स्थित ग्राम मंगेसी तह० व जिला—जबलपुर।

कृ० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3 अक्टूबर, 1979।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० आई ए सी/एक्वी/भोपाल/79-80/1346:—  
अतः, मुझे, क० का० राय,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायी सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रुपये  
से अधिक है,  
और जिसकी सं० बिल्डिंग व. भूमि है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21  
फरवरी, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न लिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में  
में उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन;  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमति कमला देवी गोसालिया राजकोट, (2)  
गुनवन्त लाल आर० पारीख 66 जावरा कम्पाउंड 1  
इन्दौर । (3) श्री गिरधारी लाल शर्मा बोजनकत  
मार्केट, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) एफ० एस० खैर एंड कं० प्रा० लि० 127, एम० जी०  
रोड, बाम्बे, (2) चौधरी इन्डस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट  
(म० प्र०) प्रा० लि०, ए० बी० रोड, इन्दौर ।  
(अन्तर्स्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

बिल्डिंग, "सुवाशन कृपा", से प्रसिद्ध बियरिंग नं० 12/2  
रवीन्द्र नाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर साथ खुली भूमि एरिया 25298  
वर्ग फुट ।

क० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3 अक्टूबर, 1979 ।  
मोहर :।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० आई ए सी/एक्वी/भोपाल/79-80/1347:—

अतः, मुझे, क० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिथों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र लालाराम प्रसादराम सूद, (2) डा० दया कृष्ण सूद पुत्र मुस्ताक राम सूद 4, प्रताप नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती ईश्वरी बाई पत्नि दयाल दास जी, (2) श्रीमति भगवानी बाई पत्नि श्री चांद जी 161, पालसीकर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी 'अवधि' बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3-4 ए, ऐरिया 9300 वर्ग फुट स्थित प्रताप नगर, इन्दौर।

क० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 3 अक्टूबर, 1979।  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० आई ए सी/एक्वी/भोपाल/79-80/1348:—

यतः, मुझे, क० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24 मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्रीमती मनहर कुंवर पत्नि श्री ठाकुर साहब महेन्द्र सिंह ग्राम सरखन जिला—रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजेन्द्र कुमार पुत्र श्री सुन्दर सिंह जैन, त्रिपोलिया दरवाजा, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि ऐरिया 18,887.50 वर्ग फुट स्थित स्टेट हाई वे नं० 31, नीमच महु रोड़, रतलाम ।

(क० कां० राय)

सक्षम प्राधिकारी,

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त);

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 3 अक्टूबर, 1979 ।

मोहर :

प्ररूप आई० सी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर, 1979

निवेश सं० आई ए सी/एकवी/भोपाल/79-80/1349:—

अतः, मुझे, क० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिबल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती रानी शर्मा पति श्री ओम प्रकाश शर्मा  
प्रेम नगर कालोनी रोड़, ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) श्री धन श्याम दास पुत्र श्री गोपी चन्द कुकरेजा  
(2) श्रीमति पूनम पति श्री धन श्याम दास कुकरेजा  
65, प्रेम नगर कालोनी, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 65 रकबा 2960 वर्गफुट प्रेम नगर कालोनी, ग्वालियर।

क० का० राय,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6 अक्टूबर, 1979।

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० आई ए सी/एक्वी/भोपाल/79-80/1350:—

अतः, मुझे, कृ० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मबापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री रवी कुमार पुत्र वर्धमान जी डपुरिया रामबाग रीतुवन, रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री सीरुमल जी मेहता, 17, राम बाग रीतुवन, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोद्धस्वाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 17 रकबा 5005 वर्ग फुट राम बाग रीतुवन, रतलाम ।

कृ० का० राय,

सक्षम प्राधिकारी,

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त),

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6 अक्टूबर, 1979 ।

भोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्तूबर, 1979

निदेश सं० आई ए सी/एक्वी/भोपाल/79-80/1351:—

अतः, मुझे, कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

23—336GI/79

(1) श्रीमती हरिप्रिया पति श्री वी० के० पंडित "भारती भवन" 79, एस० बी० रोड़, खार बाम्बे द्वारा, श्री गिरधारी लाल पुत्र डाल चन्द्र शर्मा "बसन्त निवास" रेस कोर्स रोड़, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री मांगी लाल 20 साठा बाजार, इन्दौर वर्तमान निवासी 8/8, न्यू पलासिया (II सी), इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट नं० 814 रकबा 4210 वर्ग फुट II सी० 8/8, न्यू पलासिया, इन्दौर।

कृ० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 6 अक्तूबर, 1979।

मोहर :।

प्रकृष आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/1352—यतः मुझे : कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धस्तर्जित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धस्तर्जित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) धस्तर्जित से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

(1) श्री भंवर लाल जी पुत्र श्री बलदेव जी धगदी 50, राधा नगर कालोती, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) श्री रामलाल पुत्र श्री फिरन्दमल जी मेघाणी, 117, जयरामपुर, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला पक्का मकान स्थित प्लॉट नं० 105 रकबा 2600 वर्गफुट गोपाल बाग, कालोती, इन्दौर।

कृ० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-10-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भारकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80/1353—अतः मुझे कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', गृह्य गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-2-1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुमताज हुसैन पुत्र श्री जठवार हुसैन, (2) श्री अहमद अली पुत्र श्री कुरबान हुसैन, अलीगंज, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री

(1) प्रवीप कुमार

(2) संजय कुमार

(3) जीतेन्द्र कुमार

(4) संजीव कुमार

पुत्र श्री जवाहर लाल साहू द्वारा अभिभावक श्रीमती सरस्वती देवी (मां) बरखेड़ी वार्ड नं० 25, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घो मंजिला मकान रकबा 1024 वर्गफुट वार्ड नं० 25 बरखेड़ी, बजरिया, भोपाल।

कृ० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/  
1354—अतः मुझे, कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान व प्लॉट है, तथा जो भोपाल में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 29-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यदि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारकों:—

(1) श्री विट्ठल जी पुत्र श्री टुन्डिरान जावलीकर  
सेवा निवृत्त ज्वाइंट डाइरेक्टर आर्थिक एवं  
सांख्यिकीय संचालनालय, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री जगत प्रकाश पुत्र श्री पंजाबी लाल जैन,  
कार्यपालन मंत्री, एरीगेशन, 93/67, 4250  
क्वार्टर्स, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त समानि के प्रश्न के संबंध में कोई भी धायेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
आमोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के माध्यम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 117 साथ एक निर्मित मकान रकबा 4000  
वर्ग फुट स्थित ई-5 शाहपुरा, भोपाल।

कृ० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/

1355—यतः मुझे क० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए धोरण

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:—

(1) श्री बसंतीलाल पुत्र श्री फूलचन्द जी मानावत  
14, लाड कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम कुंवर बाई पत्नी श्री राम पाल जी  
बहेती, 3, पीपली बाजार, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संरति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार मंजिला मकान रकबा 618 वर्ग फुट 206,  
एम० जी० मार्ग, (शीराकुण्ड), इन्दौर।

क० का० राय

सक्षम प्राधिकारी,

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80—

1356—यतः मुझे कृ० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो कल्याणपुर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्ररूप प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिदियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सैय्यर हसन अली पुत्र श्री इब्राहिम पीर गेट, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती खेमाबाई विधवा पत्नी श्री बलदेव सिंह।

(2) श्री माया राम,

(3) श्री मोहन लाल

(4) श्री मन्मूलाल पुत्र श्री बलदेव सिंह

(5) श्री भंवरलाल (अवयस्क) पुत्र श्री मन्मूलाल

(6) श्री दीपचन्द पुत्र श्री मोहनलाल

(7) श्रीमती जानकीबाई पत्नी श्री खजेराव

(8) श्री कमल सिंह पुत्र मोहनलाल, कोतरा, सुल्तानाबाद, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 34/2, 36, 37, 38, 60 व 237/31 कुल रकबा 50 एकड़ 72 डेसीमल, स्थित ग्राम कल्याणपुर, तहसील ईजूर।

कृ० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्तूबर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80/  
1357--अतः मुझे कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि व मकान है, तथा जो बिलासपुर  
में स्थित है (और इसमें उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 6-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:--

(1) मैसर्स चौधरी राम बिमनलाल खापरगंज, बिलास-  
पुर द्वारा पार्टनर्स:--

- (1) अनन्व
- (2) श्री अशोक कुमार पुत्र बिमनलाल,
- (2) श्रीमती समरावा देवी विधवा पत्नी स्व०  
श्री बिमनलाल,
- (4) श्री मुकेश कुमार पुत्र श्री रामसरनदास  
पंजाबी।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स श्री किशन सुभाषचन्द एंड कं० तोरवां,  
बिलासपुर द्वारा पार्टनर श्री सुभाष चन्द अग्रवाल  
पुत्र श्री किशन जी तोरवां, बिलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5 माप 0.129 हेक्टेयर्स हल्का नं० 109  
साथ निर्मित गोदाम, दो कमरे स्थित सरकंडा, बिलासपुर।

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राष्ट्रीय आयकर प्रायुक्त (निरिक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए०/भोपाल/79-80/

1358—अतः मुझे कु० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 8-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बलवंत कौर पत्नी स्व० श्री सरदार  
बुध सिंह, नेपियर टाउन, जबलपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना देवी राय पत्नी श्री के० आर०  
राय, 738, नेपियर टाउन, जबलपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान बियरिंग नं० 237/ए०-4 प्लॉट  
नं० 897 स्थित सुभाष नगर, जबलपुर।

कु० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
निरिक्षो सहायक आयकर प्रायुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-10-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/

2359-अतः, मुझे कु० का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-2-1979 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती बलवंत कौर पत्नी स्व० सरदार वृद्ध सिंह  
नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप गोडवले पुत्र श्री सीताराम बालकृष्ण  
गोडवले, वेस्ट निर्माण गंज बाई, जबलपुर।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा प्रयोद्घनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

तीन मंजिला मकान विवरण नं० 237/ए०-प्लॉट नं० 897 का भाग स्थित मुभाप नगर, जबलपुर।

कु० का० राय

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती बलवंत कौर पत्नी स्व० सरदार बृध सिंह नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्बी०/भोपाल/79-80/1360-अतः मुझे कृ० कां० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० सकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में रुचि के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकांश :—

(2) श्रीमती मालती माला पेटिया पुत्री श्री बाला प्रसाद जी पेटिया साईखेड़ा तहसील गजुरवाड़ा, जिला नरसिंहरपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याह्वान करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांड नं० धा०पे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, असोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नीत संजिला सकान नं० 237/ग०-1 प्लॉट नं० 807 का भाग स्थित सुभाष नगर, जबलपुर।

कृ० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-10-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/

1361--अतः मुझे कु० का० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान भाग) है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 12-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बौस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री भरत कुमार व गिरीश कुमार पुत्र श्री हीरा भाई व श्रीमती ललिताबाई पत्नी श्री हीराबाई निवासी सूरत (गुजरात)

(अन्तरक)

- (2) श्री प्रकाश चन्द पुत्र श्री राजमल जैन निवासी 173, लक्ष्मी बाई नगर, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/936, खिखड़ाकर मार्ग, उज्जैन।

कु० का० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/

1362—अतः मुझे कृ० कां० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रार अधीन अधिकारी के कार्यालय कुल्लू में रजिस्ट्रार-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आतियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भरत कुमार व गिरीश कुमार पुत्र श्री हीराभाई व श्रीमती ललिता बाई पत्नी श्री हीराभाई निवासी सूरत (गुजरात)।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री बाबलाल जैन निवासी दौलतगंज, उज्जैन।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क; परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/936 का भाग, खिखाडकर मार्ग, उज्जैन।

कृ० कां० राय

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18-10-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 अक्तूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्वी०/भोपाल/79-80/  
.1363 अतः मुझे कु० कां० राय  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है  
और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो उज्जैन में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख

12-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरण को गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वक सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भरत कुमार, व गिरीश कुमार पुत्र श्री  
हीराभाई व श्रीमती ललिता बाई पत्नी श्री  
हीराभाई निवासी सूरत (गुजरात)  
(अन्तरक)

(2) श्री मनोज कुमार पुत्र श्री बाबूलाल जैन निवासी  
माधव नगर, उज्जैन।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्वटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/936 का भाग स्थित खिखाड़कर मार्ग,  
उज्जैन।

कु० कां० राय  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18-10-1979  
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० 896—यतः मुझे बी० वी० सुब्बाराव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो दुगिराला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुगिराला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

(1) श्री निम्मगढा पद्मावती, पति हनुमन्तराव, 2. निम्मगढा सुधाकर, 3. निम्मगढा शैलजा पिता हनुमन्तराव, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री कमबमपाटि नागेश्वरराव पिता सांबय्य दुगिराला।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुगिराला रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-2-79 में पंजीकृत नं० 61/79 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बी० वी० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 अगस्त 1979

निर्देश सं० 904—यतः मुझे के० सुब्बाराव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० (भूमि) है, जो मुनगडा (पूरब) गोदावरी  
जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अंबाजीपेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-2-1979

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से अंकित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बच्चू वेंकटनायणमूर्ति, पु० मल्लूया, उधिल,  
कोतापेट, तालुका।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमपदला वीर वेंकट सत्यनारायणा, पु०  
सुब्बाराव, मुंजवरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अंबाजीपेट रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 29-2-79  
में पंजीकृत दस्तवेज नं० 237 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-8-1979

मोरह :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 अगस्त 1979

निर्देश सं० 905—यतः मुझे के० सुब्बाराव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इनमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० है, जो मुनगुडा, कोत्तपेट तालुका  
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अंबाजी  
पेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 24-2-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बच्चु वेंकटरायणा मूर्ति पु० मल्लय्या  
उधिलि, कोत्तपेट, तालुका।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमपटला नाग प्रसादराव पु० मुब्बाराव,  
मुंजवरम, पूरव गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अंबाजीपेट रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 29-2-79  
में पंजीकृत दस्तावेज न० 235 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7 अगस्त 1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अगस्त 1979

निर्देश सं० 911—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो गांधीनगर विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 फरवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

25—336Gii79

1. वेमूर सुन्दर लक्ष्मी नरसिम्हा राव 3-6-547/211, हिमायतनगर, हैदराबाद-27

(अन्तरक)

2. अन्नपूर्ण एंटरप्राइस 5-4-730, स्टेशन रोड, नामपल्ली हैदराबाद-1

(अन्तरिती)

3. बेजवाड़ा मेडिकल स्टोर्स, गांधीनगर विजयवाड़ा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 15-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 759 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 31-8-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 912---यतः, मुझे, के० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वैजाग है, तथा जो 49-11-4-ए में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैजाग में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
24 फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री पी० जगदीश्वर राम प्रसाद  
(2) श्री पी० सुधाकर, न्यू कालोनी, वैजाग  
(अन्तरक)
2. श्रीमती वी० बंगारू तल्ली 49-11-4-ए, ललितानगर,  
वैजाग  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तात्पर्य से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विवद किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योद्विस्नाभगे के पाय निश्चित  
में प्राप्त हो सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
'नियम', के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं, वही  
प्रयुक्त हैं, जो उक्त अधिनियम में दिये गये हैं ।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 790/79 में निगमित अनुसूची  
सम्पत्ति ।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-9-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 913—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 49-11-4-ए है, तथा जो विशाखापत्तनम  
में स्थित है (और इससे उपावख अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापत्तनम  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) की वीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयुक्त नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री पी० जगदीश्वर प्रसाद  
(2) श्री पी० सुधाकर, न्यू कालोनी, वैजाग  
(अन्तरक)

2. (1) श्री वी० अण्णा राव  
(2) श्री वी० वेंकटराव  
(3) श्री वी० नारायण मूर्ती, ललिता नगरम  
वैजाग-4  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में नमाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

वाक्योत्तरः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 917/79 में नियमित अनुसूची  
सम्पत्ति ।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-9-1979  
मोहर :

प्रकृष घाई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 914—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वाड नं० 8 है, तथा जो पिठापुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई क्रिी पाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० वी० जगन्नाथराव पिठापुरम

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती एम० सत्यवती

(2) एम० सोमराज पेन्नापुरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79 से तंजीकृत दस्तावेज नं० 158/79 से निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 915—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० वाई नं० 8 है, तथा जो पिठापुरम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री डी० वी० के० सूर्यराव, पिठापुरम

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० सत्यवती, एम० सोमराजू, पेद्दापुरम

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 15-2-79  
में पंजीकृत दस्तावेज सं० 149/79 में निगमित अनुसूची  
सम्पत्ति।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-9-1979

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 916—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी खं० वार्ड नं० 8 है, तथा जो पिठापुरम में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
7-2-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० माधवराव, पिठापुरम

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती एम० सत्यवती

(2) श्री एम० सोमराजू, पेढापुरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 148/79 में निर्णयित अनुसूची  
सम्पत्ती।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-9-1979  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 917--यतः, मुझे, के० मुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० वार्ड नं० 8 है, तथा जो पिठापुरम में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
3-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उल्लेख करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. श्री डी० वी० जो० रामाराव गगन महल कालो नी  
दोमलगुडा हैदराबाद-29।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती एम० सत्यवती

(2) श्री एम० सोमराजु, पेढपुरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करती हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 93/79 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० मुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 922—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव,  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिपुला उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 14/121 है तथा जो चीशला में स्थित है  
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीशला में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
रन्द्ग प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० कृष्णमूर्ति ट्रंक रोड, आंगोले

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० महलक्षम्मा, चीशला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

चीशला रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 271/79 में निगमित अनुसूची  
सम्पत्ति ।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 923—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5-50-51 है, तथा जो आदीपेट, 6 लैन  
14 क्रॉस रोड, गुंटूर में

स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्री हर्त अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

26—336GI/79

नी 1. श्रीमती गोगिनेनी चिन्नम्मायी पत्नी जि० जि० चौधरी  
चैयरमैन, ए० पी० माहुनिग कारपोरेशन 6-3-569  
मोमाजिगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री एम० कुण्णाराव, पुत्र वेंकट सुब्बाराव ट्रस्टी, बैंक  
आफीसर्स एजुकेशन ट्रस्ट, गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेर—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 400/79 में निगमित अनुसूची  
सम्पत्ति।

के० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 924—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० ..... है, तथा जो ऐलूर रोड, गुंटूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
22-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सोम लक्ष्मी रामरत्नम रामकोटेश्वर राव,  
कोसपेट, गुंटूर
2. श्री जुलूरी पुल्लाराव, पुत्र वेंकटरत्नम, मेन्नेटरी,  
गुंटूर श्री मर्चेंट्स चलिबेद्र संघम, पाता गुंटूर, गुंटूर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 823/79 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति  
(22-2-79)।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 925--यतः, मुझे, के० सुब्बा राव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिनकी सं० ..... है, तथा जो आपोसित किण्व  
मार्केट, गुंटूर में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 22 फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए, या, छिपावे में सुविधा के लिए;

मतः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्रीमती सोम लक्ष्मी रामरत्नम, पत्नी रामकोटेश्वर राव  
कोसापेट, गुंटूर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जूलूरि धनलक्ष्मी पत्नी पुल्लाराव, ऐलूरु,  
रोड पाता गुंटूर, गुंटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्वच्छकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पार्श्वक अन्त 28-2-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 822/79 में नियमित अनुसूची  
सम्पत्ती ।

के० सुब्बा राव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा,

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 926—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है, तथा जो म्युनिसिपल वार्ड नं० 18  
बीसेंट रोड, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 फरवरी 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स आंध्र प्रभा लिमिटेड पूर्णानन्दम स्ट्रीट, विजयवाड़ा  
(अन्तरक)

1. (1) श्री चिता बेंकटरन्म,  
पुत्र : वीरय्या, कालेश्वर राव मार्केट विजयवाड़ा
- (2) ऐलापुरपु वेंकय्या, पुत्र : रामय्या, अरंलडपेट  
विजयवाड़ा,
- (3) देविसेट्टी बेंकट दुर्गा प्रसाद पुत्र : नारायण राव,  
पुन्नम्मासोटा विजयवाड़ा-10
- (4) ताडूर बाला गौड, पुत्र : बाला गौड हिमायतनगर  
हैदराबाद
- (5) बूटा बियलराय, पुत्र : बालय्या हैवरगुडा,  
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी पाक्षिक अन्त 28-2-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1152/79 में निगमित अनुसूची  
सम्पत्ती।

के० सुब्बा राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री चागलमूडि गोधी पुत्र : पुन्नय्या, लक्ष्मी मोटर स्टोर्स, प्रकाशम रोड, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

2. श्रीमती उलमंचिलि शिव पंचाकक्षम्मा, पत्नी : लक्ष्मय्या गोडवरु गांव, विजयवाड़ा तालुक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-त में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० 927—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 32-2-10/15 है, तथा जो नम्मिचेट्टु के पास, मोगलराजपुरम विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1000/79 ; निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 928—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस परशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 32-2-10/15 है, तथा जो जम्मिचेट्टु के पास, भोगलराजपुरम, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दैनिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्याजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माहू—

1. श्री चागलमूडि गोधी पुत्र : पुत्रम्या, लक्ष्मी मोठर स्टोर्स प्रकाशम रोड, विजयवाड़ा (अन्तरक)
2. श्री ईडुगुंटी नावरराजु माईनर बें चाडिपन माता अरुण कुमारी पत्नी शिव मूर्ति, वकील, लब्बीपेट, विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज सं० 1038/79 में निगमित अनुसूची सम्पत्ती।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 929—यतः, मुझे, के० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 33-23-11 है, तथा जो कृष्णराव स्ट्रीट कस्तूरिबाय पेट विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यथार्थ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, या

- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या परा प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री गारपाटि विजय कुमार पुत्र : वेंकय्या, कस्तूरिबायपेट विजयवाड़ा

(अन्तरक)

2. श्री पोमानि पट्टाभिरामाराव, पुत्र : सुब्बाराव, कृष्णाराव स्ट्रीट, मस्तानबायपेट विजयवाड़ा-10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो 37 अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1055/79 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 931—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के प्रयोजन मध्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० . . . . . है, तथा जो आंध्र रत्ना रोड, गांधी नगर,  
विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 22-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की राशन उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किताब आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री ताडिकोंडा बेंकट श्री राम मूर्थी 8 कोडमवाकम  
हाई रोड, तुमगमवाकम, मद्रास-34

(अन्तरक)

2. श्री ऐकुगुरि संदिटि जार्ज रेड्डी, पुलिवेंडला पोस्ट,  
कडपा जिल्ला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्म के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरुद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 993/79 में निगमित अनुसूची  
सम्पत्ती।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 930—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 26-2-32 है, तथा जो आंध्र रत्ना रोड, गांधी नगर, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये प्रनरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रनरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में उल्लिखित करने के लिये नहीं किया गया है :—

(क) प्रनरण से हुई किसी धार की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें कटौती में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

27—336GI/79

1. श्री ताडिकोडा राधाकृष्णा राव 8-कोडवाक है रोड  
नृगमवाकम, मद्रास-34  
(अन्तरक)

2. श्री बोल्ल रेड्डी कुमार कोटि रेड्डी गडपवरम, मैलेवरम  
सब जिला विजयवाड़ा तालूका  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धारों के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, यथावस्थित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79 में दर्जित दस्तावेज नं० 992/79 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 932-; यतः, मुझे, के. सुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 29-30-4 है, तथा जो टुबेको बार्नेस, सूर्याराव पेट, विजयवाड़ा-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्रीमती शृंगवरपु, सेषम्मांना पत्नी : रामब्रह्मा, कोहिनूर आर्टिकल स्टोर्स सामारांगम चौक, विजयवाड़ा (अन्तरक)

2. श्रीमती चेस्कूर कुसुमकुमारी पत्नी राजा राव, 29-30-4 टुबेको बार्नेस स्ट्रीट सूर्याराव पेट, विजयवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 15-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 507/79 में निगमित अनुसूची सम्पत्ती।

के० सुब्बा राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्रकाश माई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 933—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 31-9-34 है, तथा जो काकानि रोड, मारुतिनगर विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूतः यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतविक का से उचित नहीं किम गया है :-

(अ) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री श्रीपति पद्मावती पत्नी : बराहा नरसिंहा राव  
चोडवरपुवारी गली, बकिगहाम पेट, विजयवाड़ा  
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कोसराजु विजयलक्ष्मी पत्नी : रामचंद्रा राव,

(2) श्रीमती कोसराजु बानी, पत्नी : सुबासचन्द्र बोस बाग्यलक्ष्मी इंडस्ट्रीस 31-9-34, मारुतिनगर, विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोदस्तावरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त सभ्यों और पयों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होना जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी] से पाक्षिक अन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1008/79 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० सुब्बा राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 934—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, तथा जो सांब मूर्ति रोड़ और आंध्र रत्ना रोड़ जंक्शन, विजयवाड़ा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मैसर्स श्री कृष्णा एंटर प्रैसिस नं० 21, न्यू डोर नं० 4 कानरोन स्मिथ रोड़, मद्रास-600086 (अन्तरक)

2. मैसर्स सुधाकर लिथो प्रिंटर्स, गांधी नगर, विजयवाड़ा-3 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 488/79 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० सुब्बा राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 938—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० ह, तथा जो बालेश्वर राव रोड और दासरीवारी स्ट्रीट जंक्शन विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाहास अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पोलवरपु वरलक्ष्मी पत्नी कृष्णमूर्ति, पुनादिपाडु  
विजयवाड़ा, तालूका  
(अन्तरक)

2. डाक्टर के० वसुमति पत्नी डाक्टर के० पट्टाभिरामय्या  
रामचन्द्रा राव रोड, सूर्या राव पेट, विजयवाड़ा ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना के तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

#### अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 143/79 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति

के० सुब्बा राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 937—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० ..... है, तथा जो बालेवर राव रोड,  
और विजयवाड़ा दासखिखी स्ट्रीट जंक्शन विजयवाड़ा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 28-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
कि गया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उत्पन्न बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती पोलवरपु बरलक्ष्मी पत्नी : कृष्ण मूर्ति,  
पुतादिपाडु विजयवाड़ा तालूका

(अन्तरक)

2. डाक्टर कामिनेनि पट्टाभिरामय्या पुत्रः सूर्य नारायणा,  
रामचन्द्रा राव रोड सूर्यराव पेठ, विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1089/79 में निगमित अनुसूची  
सम्पत्ती।

के० सुब्बा राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं 936—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 37-1-140 है तथा जो वार्ड नं० 5 ओंगोल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओंगोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कुन्जुला वेंकटेश्वर रेड्डी
- (2) के० वेंकटा रेड्डी
- (3) के० श्रीनिवासुल् रेड्डी
- (4) के० विजय भास्कर रेड्डी
- (5) श्रीमति राज्यलक्ष्मी

मैनर्स बें गाडियन वेंकटेश्वर रेड्डी, बंदर रोड, ओंगोल (अन्तरक)

2. श्री सामा आदिशेषा राव, पुत्र : भावनारायण, सौत बाजार, ओंगोल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अव्यक्त व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची।

ओंगोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 242/79 ; निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

के० सुब्बा राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 935—यतः, मुझे, के० सुब्बा राव, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० है, तथा जी नेहलाद्रिपुरम, हेम्लेट आफ कद्दीयदाम गाँव, ताडेपल्लिगूडेम तालूका में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ताडेपल्लिगूडेम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री वेनुमति विश्वनाथम पुत्र : रामनाथम  
(2) दुग्गिना वेंकटरामन्ना पुत्र वेंकटरामन्ना, अल्लमपुरम पोस्ट, ताडेपल्लिगूडेम तालूका वेस्ट गोदावरी जिला (अन्तरक)

2. श्री बालर्ला राम बाबू पुत्र : सवश्वर राव, कोमुगूडेम ताडेपल्लिगूडेम तालूका पोस्ट गोदावरी जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संज्ञीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20A में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

ताडेपल्लिगूडेम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 28-2-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 543/ में निगमित अनुसूची सम्पत्ती।

के० सुब्बा राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-9-1979  
मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा—मई, 1980

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1979

सं० फ० 8/5/79 प० I (ख)—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 4 मई, 1980 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जाएगी :—

पाठ्यक्रम का नाम रिक्तियों की संभावित सं०

भारतीय सेना अकादमी, देहरा- 120 [एन० सी० सी० 'ग'  
दून (जनवरी, 1981 में प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) प्राप्त  
प्रारम्भ होने वाला 70वाँ उम्मीदवारों के लिए आरक्षित  
पाठ्यक्रम) 32 रिक्तियाँ सम्मिलित हैं] ।

नौ सेना अकादमी, कोचीन 60 (नौ सेना विमानन के लिए  
(जनवरी, 1981 में प्रारम्भ होने वाला पाठ्यक्रम) 20 रिक्तियाँ सम्मिलित हैं)

अधिकारी प्रशिक्षणशाला, 160  
मद्रास (मई, 1981 में  
प्रारम्भ होने वाला 33वाँ  
पाठ्यक्रम)

नोट I.—एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवार नौसेना अकादमी तथा अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) पाठ्यक्रमों की रिक्तियों के लिये भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिये इन पाठ्यक्रमों में कोई आरक्षण नहीं है, अतः इन पाठ्यक्रमों में रिक्तियों को भरने के लिये उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी भी एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) परीक्षा अभी उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अन्यथा वे आरक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हों, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं, किन्तु उन्हें एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कंध) परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, जो कि आयोग के कार्यालय में 31 दिसम्बर, 1980 तक पहुँच जाए।

आरक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता की पात्रता के लिये उम्मीदवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर के सेना स्कंध के वरिष्ठ डिवीजन में सेवा का कम से कम 2 वर्ष का अनुभव होना चाहिये और आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तारीख को उम्मीदवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर से मुक्त हुए 12 महीने से अधिक न हों।

नोट II—भारतीय सेना अकादमी पाठ्यक्रमों में आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए परीक्षा परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों को अनारक्षित समझा

जाएगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यचर्या (ख) अकादमी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमतास्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के संबंध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट : परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर "उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका" में देखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र : अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बंबई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर, (मोहादी), हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोआ), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम।

## 3. पात्रता की शर्तें :

## (क) राष्ट्रिकता :

उम्मीदवार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) भूटान की प्रजा हो, या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iv) तिब्बती शरणार्थी जो स्थाई रूप से भारत में रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- (v) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थाई रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीन्या, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या ताम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया और वियतनाम से प्रव्रजन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) और (v) के यस्तर्गन आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

परनेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिये यह पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक न होगा।

जिस उम्मीदवार के लिये यह पात्रता-प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा, उसको इस गर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा

सहता है कि बाद में भारत सरकार द्वारा वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करे।

(ख) आयु सीमाएं, स्त्री या पुरुष या वैवाहिक स्थिति:—

- (i) भा० से० अकादमी और नौ सेना अकादमी के लिये : केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1959 से पहलू और पहली जनवरी, 1962 के बाद न हुआ हो।
- (ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये : केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं, जिनका जन्म 2 जनवरी, 1958 से पहले और पहली जनवरी, 1962 के बाद न हुआ हो।

नोट : जन्म की तारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिकुलेशन/हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में लिखी गई है/गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष। जो उम्मीदवार अभी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं परन्तु, उनको डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण नीचे की तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंचाना होगा अन्यथा उनकी उम्मीदवारी रद्द मानी जाएगी।

- (i) भा० से० अकादमी और नौ सेना अकादमी में प्रवेश के लिये—31 दिसम्बर, 1980 को या उससे पहले।
- (ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिये—4 अप्रैल, 1981 को या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यता प्राप्त हों वे भी परीक्षा में प्रवेश के लिये पात्र होंगे।

अनुवाद की परिस्थितियों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, आयोग के विचार से, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

नोट I—ऐसे उम्मीदवार, जिन्हें डिग्री परीक्षा में अभी अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट है। उन्हें डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बुनियादी अर्हक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किये जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से संबंध किसी भी अनुगोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट II—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमिशन से अयोजित हैं, वे इस परीक्षा

में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

नोट III—विशेष सेना अनाश्रुतों को छोड़कर बाकी अनाश्रुत नाविक (जिनमें किणोर और कारीगर, प्रशिक्षु सम्मिलित हैं), जिनको अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा अनाश्रुतों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके आवेदन पत्र तभी लिये जाएंगे जब वे उनके कमांडिंग अफसरों के द्वारा विधिवत् अनुशंसित हों।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क : रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिये रु० 7.00)। जिन आवेदन पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट : आयोग, यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) में वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-19764 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रजनन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अंतर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6. आवेदन कैसे किया जाए : केवल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा मई, 1980 के लिये निर्धारित पत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही लिये जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन पत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्थानों से प्राप्त किये जा सकते हैं :—

- (i) दो रुपये का मनीआर्डर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
- (ii) दो रुपये नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/मह एरिया मुख्यालय, एन० सी० सी० एकक तथा नौ सेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरों में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी

प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंच जाए तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्यभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिवचन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप में अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

मशस्त्र सेना में काम कर रहे उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग अफसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पृष्ठांकन (देखिये आवेदन प्रपत्र के भाग "ख") को भर करके आयोग को भेजेंगे।

## 7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख—

- (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 21 जनवरी, 1980।
- (ii) विदेश में या अंडमान निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 4 फरवरी, 1980।

## 8. प्रलेख जो आवेदन के साथ भेजे जाएं।

### (क) सभी उम्मीदवारों द्वारा :

- (i) रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली, प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्चायुक्त या राजदूत या विदेशी प्रति-निधि के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा आयोग-परीक्षा शुल्क" के खाते में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

- (ii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।

- (iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में दिए गए निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

- (i) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के बिना टिकट लगे तीन लिफाफे, जिन पर आपका पता लिखा हो।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा :—

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के होने के दावे के समर्थन में, जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिले के (किसी प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) सक्षम प्राधिकारी से परिशिष्ट IV में दिये गये प्रपत्र में लिये गये प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

### (ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा :—

- (i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संघ या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिये गये प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।
- (ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि :

### (क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति

- (i) वंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक।
- ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहाँ पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

अथवा

- (iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

- (iv) सब-डिवीजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब-डिवीजनल की सीमा तक।

अथवा

- (v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वासन) कलकत्ता।

### (ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित:—

श्रीलंका में भारत का उच्चायुक्त।

## (ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित

भारतीय दूतावास, रंगून या जहाँ का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट।

- (घ) भा० से० अ० पाठ्यक्रम में आरक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एन० सी० सी० सी०) प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध) प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा।

यह दिखाने के लिये कि उनके पास एन० सी० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध) है अथवा वह एन० सी० सी० सी० 'सी' प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध) परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रतिलिपि।

9. शुल्क की वापसी :—आवेदन के साथ आयोग को भ्रदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिये सुरक्षित रखा जा सकता है :—

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग में परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु० 15.00 (अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु यदि कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्री परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिये शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

(ii) जो उम्मीदवार नवम्बर, 1979 को सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिये उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उनके मामले में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि मई, 1980 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिये उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 अक्टूबर, 1980 को या उससे पहले पहुँच जाए।

10. आवेदन प्राप्ति की सूचना :—इस परीक्षा के लिये निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुँचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुँचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुँचने की अंतिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसकी प्राप्ति सूचना पाने के लिये तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम :—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिये आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ

तो, उम्मीदवार अपने मामले में विचार किये जाने के अधिकार से वंचित हो जाएगा।

12. परीक्षा में प्रवेश :—किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

13. कदाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई :— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रमुख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर बदल न करें और न ही फेर बदल किये गये/गढ़े हुए प्रलेख की वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है —

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत कराना—या
- (iv) जाल्मे प्रलेख या फेर बदल किये गये प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियत या अनुचित लाभ उठाने का प्रयोग करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका (ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार न किया हो;
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो, या
- (xi) ऊपर के पृष्ठों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार की ओर प्रवृत्त होना या आयोग को अस्तेजित कराना।

वह अपने को दंड-अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त :—

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा आयोज्य ठहराया जा सकता है ; अथवा

(ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिये ।

(ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ निश्चित अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है ; और

(ग) अगर वह पहले सरकार की नौकरियों में नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा ।

14. मूल प्रमाण-पत्र —प्रस्तुतीकरण :—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार के लिए योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको, लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता आदि के समर्थन में मूल प्रमाण-पत्र आयोग को प्रस्तुत करने को कहा जाएगा ।

15. आवेदन के संबंध में पत्र व्यवहार : आवेदन के संबंध में सभी पत्र व्यवहार, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिये, और उसमें निम्नांकित विवरण अवश्य होना चाहिए ।

(1) परीक्षा का नाम ।

(2) परीक्षा का वर्ष और महीना ।

(3) रोल नम्बर, या जन्म की तारीख (अगर रोल नम्बर नहीं मिला हो) ।

(4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ) ।

(5) पत्र व्यवहार का पता, जैसा आवेदन-पत्र में दिया है ।

ध्यान दें :—जिन पत्रों के साथ ऊपर का ब्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो ।

16. पते में परिवर्तन : उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में दिये पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उनके नए पते पर भिजवा दिये जायें । पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र सूचित कर देना चाहिए ।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये आयोग द्वारा अनु-गणित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिये आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिक्रूटिंग, 6 (एस० पी०) (ई) (ii) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए । जो उम्मीदवार इन आदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये सम्मन

पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जायेगा ।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा पूरा ध्यान देते हैं फिर भी इस संबंध में वह अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते ।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के संबंध में पूछताछ : जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये अनुगणित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिक्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ई) (ii), वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए ।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिये भेजे गये सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है । साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रख कर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा ।

विविध सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवार अपने साथ निम्नलिखित वस्तुएं लाएंगे :—

(क) सफेद कमीज में पासपोर्ट आकार के फोटो की 6 प्रतियां ।

(ख) बिस्तर और कमबल (मौसम के अनुसार)

(ग) सफेद कमीजों और हाफ पैंटों के दो जोड़े ।

(घ) एक जोड़ी, पी० टी० के सफेद जूते और दो जोड़े सफेद मोजे ।

(ङ) पैंटों और कमीजों के दो जोड़े ।

(च) फाउन्टेन पेन, स्प्याही और पेंसिल ।

(छ) बूट पालिश और सफेद ब्लैकों ।

(ज) एक मच्छरदानी ।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अंतिम परिणाम की घोषणा और अन्तिम रूप में योग्य पाए गए उम्मीदवारों का, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में, प्रवेश :—

संघ लोक सेवा आयोग लिखित परीक्षा में आयोग के निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा । ये उम्मीदवार उन सभी प्रविष्टियों के लिए जिनके लिये उन्होंने अर्हता प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे ।

जो उम्मीदवार आई० एस० ए० (डी० ई०) कोर्स/और या नेवी (एस० ई०) कोर्स की लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स

के लिये अर्हता प्राप्त करे या नहीं, उनको अगस्त, 1980 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जाएगा और जो उम्मीदवार केवल ए० ए० सी० (ए० टी०) कोर्स के लिये अर्हता प्राप्त करते हैं, उनको दिसम्बर, 1980/जनवरी, 1981 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जाएगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फल-स्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुँचती है तो उसके लिये सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में इस आशय के एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृत हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जोकि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार निश्चित किये जायेंगे। लिखित परीक्षा तथा से० च० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यता-क्रम में रखा जाएगा। अलग, अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जायें, इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षणशाला में जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अंतिम चयन शारीरिक क्षमता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के अतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये अनर्हताएं : जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी, वायु सेना उड्डयन महा-विद्यालय, नौसेना अकादमी, कोचिन और अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिये गये हैं उनका भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी या थल-सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी में वापस लिया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कैडेट्स के रूप में पहले चुन लिया गया हो, पर बाद में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से वापस लिया गया हो, वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षण-शाला, ए० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से वापस लिया गया हो, उनके बारे में थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को, एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण, ए० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से पहले वापस लिया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

20. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबंध : भारतीय सेना अकादमी और नौसेना अकादमी के पाठ्यक्रमों के उम्मीदवारों को इस बात का बचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जाएगा, चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण-काल में शादी कर लेगा उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जायगा। अल्पकालिक सेवा कमीशन (ए० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई भी उम्मीदवार :

- (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो जिसकी पहले से कोई जीवित पति है, या था
- (ख) जिसने, पहले से जीवित पति-पत्नी होते हुए भी, किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रवृत्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिये और शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के अन्य ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन से छूट दे सकती है।

21. भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबंध : भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना, रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने "सेवा चयन बोर्डों में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन" (ए स्टडी आफ इन्टेलीजेन्स टेस्ट कोर्स आफ कैडेट्स एट

सर्विभेज रिलेक्शन बोर्ड) शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के पौष्टिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव से परिचित हो जाएं।

यह समुच्चय पुस्तक प्रकाशन है और विक्री के लिये प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहां मिल सकती है। डाक द्वारा आदेश देकर या नकद भुगतान के द्वारा उनसे यह सीधे प्राप्त की जा सकती है। केवल नकद भुगतान के द्वारा यह (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग, सी० ब्लाक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) उद्योग भवन की प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन नई दिल्ली-110001 के विक्री केन्द्र पर तथा (iii) भारत सरकार पुस्तकालय 8 के० एम० राय रोड, कलकत्ता-700001 पर भी मिल सकती है।

23. जिन पुस्तकाओं में नियमावली तथा पिछली परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का ब्यौरा सम्मिलित होता है उसके बारे में सूचना।

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1978 में इस परीक्षा की योजना में सम्मिलित सभी प्रश्न-पत्रों के लिये वस्तुपूर्वक प्रश्न के लागू किये जाने पर इस परीक्षा के लिये नियमावली और प्रश्न-पत्रों सहित पुस्तिका का मुद्रण बन्द कर दिया गया है। किन्तु जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा नवम्बर, 1977 में हुई सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा तक पिछली परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का ब्यौरा सम्मिलित है, उनकी विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग 'बी' ब्लॉक, बाबा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का विक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001, और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एम० रोड, कलकत्ता-700001 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफकमिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से प्राप्त की जा सकती हैं।

आर० एस० अहलुवालिया,  
उप-सचिव

#### परिशिष्ट-I

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्य-विवरण)

##### क. परीक्षा की योजना

1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा:—

(क) नीचे के पैरा 2 में निर्दिष्ट रीति से लिखित परीक्षा

(ख) उन उम्मीदवारों का बुद्धि और व्यक्तित्व परीक्षण (इस परिशिष्ट के भाग 'ख' के अनुसार) के लिये साक्षात्कार जिन्हें निर्मा भी एक सर्विभेज रिलेक्शन सेंटर में साक्षात्कार के लिये बुलाया जाये।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिये नियत अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे:—

(क) — भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
अनिवार्य:—		
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घंटे	100

वैकल्पिक:—निम्नलिखित में से कोई एक विषय

विषय	कोड संख्या	नियत समय	अधिकतम अंक
भौतिकी	01	2 घंटे	150
रसायन विज्ञान	02	2 घंटे	150
गणित	03	2 घंटे	150
वनस्पति विज्ञान	04	2 घंटे	150
प्राणि विज्ञान	05	2 घंटे	150
भूविज्ञान	06	2 घंटे	150
भूगोल	07	2 घंटे	150
अंग्रेजी साहित्य	08	2 घंटे	150
भारत का इतिहास	09	2 घंटे	150
सामान्य अर्थशास्त्र	10	2 घंटे	150
राजनीतिक विज्ञान	11	2 घंटे	150
समाज शास्त्र	12	2 घंटे	150
मनोविज्ञान	13	2 घंटे	150

(ख) नौसेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
अनिवार्य:—		
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
वैकल्पिक		
* 3. प्रारम्भिक गणित या प्रारम्भिक भौतिकी	2 घंटे	100
* 4. गणित या भौतिकी	2 घंटे	150

\* जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्र में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्र में गणित विषय लेना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश के लिए।

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये जो अधिकतम अंक नियत किये गये हैं प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी नौ सेना अकादमी और अफसर ट्रेनिंग स्कूल से भर्ती के लिये लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियत अधिकतम अंक क्रमशः 450, 450 और 200 होंगे।

3. समस्त विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका में देखिये।

4. प्रश्न-पत्रों जहाँ भी आवश्यक होगा केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिये किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।

ख. परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

स्तर :

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न पत्रों का स्तर मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न पत्र का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

इनसे से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी

पाठ्य विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न पत्र इस प्रकार का होगा जिसमें उम्मीदवार की अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ला जा सके।

सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन देखे और अनुभव किये जाने वाले इसी तरह के

मामलों के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसे किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विशेष अध्ययन किये बिना, देना चाहिये।

प्रारम्भिक गणित

अंक गणित

संख्या पद्धतियाँ—घनपूर्ण संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्यायें, मूल संक्रियायें—जोड़ घटाता, गुणन, और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न।

ऐकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रति-शतता साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज से अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त—विभाजन की कलन विधि, भ्रमाज्य और भाज्य, संख्यायें, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गुणन खण्ड/गुणन खण्ड प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्तक, युक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, गणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

आधारभूत संक्रियाएं : साधारण गुणन खण्ड। जेष फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य सिद्धान्त। द्विघात समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणकों के बीच सम्बन्ध। (केवल वास्तविक भूल पर विचार किया जाए)। दो अज्ञात राशियों में युगपत रैखिक समीकरण—विश्लेषण और ग्राफ संबंधी हल। दो चरों में युगपत रैखिक असमिकाएं और उनके हल प्रयोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत रैखिक समीकरण या असमिकाएं बनती हैं या एक चर में द्विघात, समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा अप्रतिबन्ध तत्समक घातांक नियम।

त्रिकोणमिति :

ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा  $X$   $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$ ।

ज्या X, कोटिज्या, X, स्पर्श रेखा X का मान क्योंकि  $X=0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ , और  $90^\circ$ , सरल त्रिकोणमितिय तत्समक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

ऊँचाइयों और दूरियों के सरल कोण।

ज्यामिति :

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति : निम्न-लिखित पर प्रमेय—(i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण

धर्म, (ii) समांतर रेखाएं, (iii) किसी त्रिभुज की भुजाएं और कोण, (iv) त्रिभुजों की समवर्गसमता, (v) समरूप त्रिभुज, (vi) माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमन, (vii) समांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के िकणों के गुण धर्म, (viii) वृत्त और उसके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा, तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं, (ix) स्थानिक संघक।

#### विस्तार कलन :

वर्गों आयतों समान्तर चतुर्भुजों त्रिभुजों और वृत्तों क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवही) धानामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब वृत्तीय शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

#### सांख्यिकी :

सांख्यिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। आलेखी निरूपण-बारम्बारता बहुभुज आयत चित्र शलाका चार्ट पाई चार्ट आदि केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप रेखाओं के बीच कोण।

#### प्रारम्भिक भौतिकी

(क) विस्तार कलन :—मापन के मात्रक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मात्रक। आदेश और संदिश। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के अधीन ऋजुरेखीय गति। न्यूटन के गति नियम। बल की संकल्पना। बल के मात्रक। मात्रा और भार।

(ख) पिंड का बल विज्ञान :—गुरुत्व के अधीन/सामानांतर-रण बल। गुरुत्व केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मशीन/वेग अनुपात आनत समतल/पेंच और गियर सहित विभिन्न साधारण मशीनें/घर्षण, घर्षणकोण, घर्षण गुणांक कार्य, शक्ति, और ऊर्जा/स्थितिज और गतिज ऊर्जा।

(ग) तरल गुण धर्म :—दाब और प्रणोद/पास्कल का नियम आर्कमिडीज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व पिण्डों और द्रव्यों के विशिष्ट गुरुत्वों को निर्धारित करने के लिये आर्कमिडीज के नियम का अनुप्रयोग। प्लवन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाब का मापन। वायल नियम/वायु पम्प।

(घ) ताप—पिण्डों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का घनाकार विस्तार द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। द्रुचाल्स, नियम परमशून्य वायल और चाल्स नियम, पिण्डों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कैलो-रीमिति/ताप का संचरण, धातुओं की ताप संवाहकता। स्थिति परिवर्तन। संलयन और वाष्पन की गुप्त ऊष्मा। एस० वी० पी० नमी (आर्द्रता ओसांक और आपेक्षिक आर्द्रता)।

(ङ) प्रकाश :—ऋजुरेखीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय दर्पण, अपवर्तन, अपवर्तन के नियम, लैन्स, प्रकाशित संज्ञ कैमरा, प्रक्षेपित, पारापार चित्रदर्शी दूरबीन, सूक्ष्मदर्शी, 29—336 GI/79

वाइनीक्यूलर तथा परिवर्णी। पिज्ज, प्रकीर्ण के माध्यम से अपवर्तन।

(च) ध्वनि :—ध्वनि संचरण, ध्वनि परावर्तन, अनुनाद। ध्वनि दामी-फोन का अभिलेखन।

(छ) चुम्बकत्व तथा विद्युत :—चुम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र। चुम्बकीय बल रेखाएं, पार्थिक चुम्बकत्व। चालक और रोधी। ओमनियम, पी० डी० प्रतिरोधक विद्युत चुम्बकीय बल, श्रेणी पार्श्व में प्रतिरोधक। विभवमापी विद्युत चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत धारा का चुम्बकीय प्रभाव चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता। फ्लेमिंग का बायम हस्तनियम। मापक यंत्र—धारामापी ऐमीटर, बोल्ट मीटर, वाटमीटर, विद्युत धारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत्, लेपन, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण, फेराडे नियम, बेसिक ए० सी० तथा डी० सी० जनित्र।

#### भौतिकी (कोड 01)

##### 1. पदार्थ के सामान्य गुण और यांत्रिकी

यूनितें और विभाएं, स्केलर और वेक्टर, मात्राएँ, जड़त्व, आघूर्ण, कार्य ऊर्जा और संवेग। यांत्रिकी के मूल नियम, घूर्णी, गति; गुरुत्वाकर्षण। सरल आवर्त गति, सरल और असरल लोलक, प्रत्यास्थता; प्रणत तनाव, द्रव की श्यानता, रोटरी पम्प।

##### 2. ध्वनि

अवमंदित, प्रणोदित और मुक्त कम्पन, तरंग-गति, डाप्लर प्रभाव, ध्वनि तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेग पर दाब, तापमान और आर्द्रता का प्रभाव, डोरियों, झिल्लियों, और गैस स्तम्भों का कम्पन, अनुनाद विस्पंद, स्थिर तरंगें। ध्वनि का आवृत्ति वेग तथा तीव्रता। पराश्रव्य के मूल तत्व। ग्रामोफोन, टाकीज और लाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक सिद्धांत।

##### 3. ऊष्मा और ऊष्मा गति विज्ञान

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार, गैसों में सम-तापी तथा रुद्रोष्म परिवर्तन। विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा चालकता; द्रव्य के अनुगति सिद्धांत के तत्व; बोल्ट्समन के वितरण नियम का भौतिक बोध, बांडरवाल का अवस्था समीकरण, जूल थाम्पसन प्रभाव, गैसों का द्रवण; ऊष्मा इंजन; कार्नोट-प्रमेय, ऊष्मागति-विज्ञान के नियम और उनका सरल अनुप्रयोग। कृष्णिका विकिरण।

##### 4. प्रकाश

अ्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग समतल और गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में गोलीय और वर्णिक दोष और उनका निवारण नेत्र और अन्य प्रकाशिक यंत्र। प्रकाश का तरंग सिद्धान्त, व्यतिकरण।

##### 5. विद्युत और चुम्बकत्व

विद्युत-क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के वैद्युत और चुम्बकीय गुण धर्म, हिस्टेरिसिस चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत धारा से उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मूविंग मग्नेट एण्ड मूविंग क्वायल गैलवेनोमीटर; धारा और प्रतिरोध का मापन; रिफ्लेक्टिव

संकेत एन्विमेंट, के गुण धर्म और उनका निर्धारण; नापविद्युत प्रभाव, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन। ट्रांसफार्मर और मोटर: इलेक्ट्रानिक वाल्व और उनके सरल अनुप्रयोग।

#### 6. आधुनिक भौतिकी।

बोर के परमाणु सिद्धांत के तत्व, इलेक्ट्रॉन, गैसों द्वारा विद्युत का विसर्जन, कथोडर। रेडियोएक्टिवता, कृत्रिम रेडियो एक्टिवता, आइसोटोप, विखंडन और संलयन की प्रारम्भिक धारण।

#### रसायन विज्ञान (को 02)

##### 1. अकार्बनिक रसायन विज्ञान :

तत्वों का इलेक्ट्रानिक, विन्यास, आफवाउ सिद्धांत, तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण। परमाणु संक्रमांक। संक्रमण तत्व और उनके लक्षण।

परमाणु और आयनिक विज्याएं, आयनन विभव। इलेक्ट्रान बंधुता और विद्युत ऋणात्मकता।

प्राकृतिक और कृत्रिम विघटनात्मकता। नाभिकीय विखण्डन और संलयन।

संयोजकता का इलेक्ट्रानिक सिद्धांत, सिग्म और पाई बन्ध के बारे में प्रारम्भिक विचार, सहसंयोजी आबन्ध की संकरण और दिशिक प्रकृति।

बारनेर का समन्वय मिश्रण सिद्धान्त। उभेयनिष्ठ धातुकर्मिय तथा विप्लेवीय प्रचालनों में निहित सम्मिश्रों का इलेक्ट्रानिक विन्यास।

आक्सीकरण स्थितियां और आक्सीकरण संख्या। सामान्य उपचायक तथा अपचायक आक्सीकारक। आयनिक समीकरण।

ल्यूइस और ब्रन्स्टेड के अम्ल क्षार सिद्धांत।

सामान्य तत्वों का रसायन विज्ञान और उनके आमिश्र जिनकी विशेष रूप से आवर्ती वर्गीकरण की दृष्टि से अभिक्रिया की गई हो। निष्कर्षण के सिद्धांत। महत्वपूर्ण तत्वों का नियोजन (और धातुकी)।

हाइड्रोजन परआक्साइड की संरचना, डाईबोरेन, एलमिनियम क्लोराइड तथा नाइट्रोजन, फास्फोरस क्लोरीन और गन्धक के महत्वपूर्ण आक्सी एसिड।

अक्रिय गैस : वियोजन तथा रसायन।

अकार्बनिक रसायन विश्लेषण के सिद्धांत।

सोडियम कार्बोनेट सोडियम हाईड्रोक्साइड, अमोनिया, नाइट्रिक अम्ल, गन्धकीय अम्ल, सीमेंट, ग्लास और कृत्रिम उर्वरकों के निर्माण की रूप रेखा।

##### 2. कार्बनिक रसायन विज्ञान :

संयोजी आवर्धन, की आधुनिक संकल्पनाएं। इलेक्ट्रान विस्थापन प्रेरणिक, मेसोमरी और अति संयुग्मन प्रभाव। अनुवाद और कार्बनिक रसायन में उसका अनुप्रयोग। नियोजन स्थिराक। (डिसोसिएशन क्रांस्टेट पर संरचना का प्रभाव।

एल्केत, ऐल्कीन और ऐल्काइन। कार्बनिक मिश्रण के स्रो के रूप में पेट्रोलियम। एलिकेटिक मिश्रणों के सरल व्युत्पन्न। ऐल्काहल ऐल्डी हाइड्रिस, कीटोन, अम्ल, हलाइड, एस्टर, ईथर, अम्ल एनीडाइड क्लोराइड और अमिड। एक्झारकी हाईड्रॉक्सी-कीटोनी और एमीनो अम्ल। कार्बोधात्विक मिश्रण और एसीटोए-सिटिक एस्टर। टाटरिक सिट्रिक मलेइक और फुमरिक अम्ल। आर्बोहाइड्रेड वर्गीकरण और सामान्य अभिक्रिया। ग्लूकोस, फल शर्करा और इक्षु शर्करा।

त्रिविम रसायन : प्रकाशकीय और ज्यामितीय समान्यता। संरूपण की संकल्पना।

बेन्जीन और इसके साधारण व्युत्पन्न, टालूईन, जाइलीन, फीनाल, हैलाइड, नाइट्रो और एमीनो मिश्रण। बेन्जाइक मैलिसिक, सिनेमिक, मडेलिक और ग्लूफोनिक अम्ल, एरोमेटिक ऐल्डीहाइड और कीटोन। इडाइजो, एजो और हाइड्रोजो मिश्रण, ऐरोमेटिक प्रतिस्थापन। नैपथलीन, पिरिडीन और क्यूनोलीन।

##### 3. भौतिक रसायन :

गैसों और गैस नियमों का गतिक सिद्धांत। मैक्सवेल का वेग वितरण नियम। वानडरवाल का ममीकरण। संगत अवस्थाओं का नियम। गैसों का द्रावण। गैसों की विशेष ऊष्मा। सी०पी०/सी० बी० का अनुपात।

##### ऊष्मागतिकी :

ऊष्मागतिकी का पहला नियम। समतापी और उद्घोष प्रसार/पूर्ण ऊष्मा। ऊष्मा धारिता। ऊष्मारसायन अभिक्रिया। ऊष्मा; विरचन, विलयन और दहन। आबन्ध ऊर्जा की गणना। किंगडोफ समीकरण।

स्वतः प्रवर्तित परिवर्तन का मानदण्ड। ऊष्मागतिकी का दूसरा नियम एन्ट्रापी। मुक्त ऊर्जा। रासायनिक संतुलन का मानदण्ड।

घोल—पारासरण दाब, वाष्प दाब का कम करना, वाष्प-हिमांक अवनयन, क्वथनांक बढ़ाना। घोल में अनभार निश्चित करना। विलयों का संगणन और वियोजन।

रासायनिक संतुलन। द्रव्यमान अनुपाती अभिक्रिया और समांगी तथा विपमांगी संतुलन। ला-शातेलिए नियम। रासायनिक संतुलन पर ताप का प्रभाव।

विद्युत रसायन : फेराडे विद्युत अपघटन नियम; विद्युत अपघटन की चालकता; तुल्यांकी चालकता और तनुता में उसका परिवर्तन, अल्प विलय लवणों की विलयता; विद्युत अपघटन वियोजन। ओस्टवाल्ड तनता नियम, प्रबल, विद्युत अपघटकी की असंगति विलयता, गुणनफल, अम्लों और क्षारकों की प्रबलता, लवणों का जल अपघटन; हाइड्रोजन आयन की सांद्रता, उभय प्रतिरोध क्रिया (बफर क्रिया) सूचक सिद्धांत।

उत्क्रमणीय सेल। मानक डाइड्रोजन और कलोमेल इलक्ट्रोड और रेडॉक्स विभव। सान्द्रता सेल। पी० एच० का निर्धारण। अभिगमनांक पानी का आयनी गुणनफल। विषय सूचक अनु-मापन।

रासायनिक बलगतिविज्ञान । अणुसंख्यता और अभिक्रिया की कोटि । प्रथम कोटि की अभिक्रिया और दूसरी कोटि की अभिक्रिया । तापमान अभिक्रिया की कोटि का निर्धारण, अप-कान्तिकता तापोंक और सक्रियण ऊर्जा । अभिक्रिया दरों पर संघट्ट सिद्धांत । सक्रियित संकुन सिद्धांत ।

प्रवस्थानियम : इसकी शब्दावलीयों की व्याख्या । एक और दो घटक तत्त्व का अनुप्रयोग । वितरण नियम ।

कोलाइड : कोलाइडी विलयन का सामान्य स्वरूप और उसका वर्गीकरण, कोलाइड के विरचन और गुणों की सामान्य रीति । स्कन्दनरक्षक क्रिया और स्वर्णीक । अधिशोषण ।

उत्प्रेरण : समांग और विषमांग उत्प्रेरण । विपाकनन वर्धन ।

प्रकाश रसायन : प्रकाश रसायन के नियम । सरल संख्यात्मक । गणित : (कोड : 03)

### 1. बीजगणित :

मन्त्रव्यो का बीजगणित, संबंध और फलन, फलन का प्रति-लोम, संयुक्त फलन, गुण्यता संबंध ; परिमेय सूचकांक के लिये दम्भीयवर का प्रमेय और उमका सरल अनुप्रयोग ।

2. मैट्रिसेस : मैट्रिसेस की बीजक्रिया, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गणनफल ; सहखंडज-आव्यूह ; मैट्रिसेसों का प्रतिलोभन, मैट्रिसेस की जाति । रैखिक समीकरण के हल निकालने के लिए मैट्रिसेसों का अनुप्रयोग (तीन अज्ञात संख्याओं में) ।

### 3. विश्लेषिक ज्यामिति :

द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति : सरल रेखाएं, सरल रेखाओं की जोड़ी, वृत्त, वृत्त निकष, परवलय, दीर्घवृत्त अतिपरि-कल्प (मुख्य अंशों के संदर्भ में) । द्वितीय अंग समीकरण का धानक रूप में लब्धकरण । स्पर्श रेखाएं और अभिलंब ।

### त्रिविम की विश्लेषिक ज्यामिति :

समतल, सीधी रेखाएं और गोलक (केवल कार्तीय निर्देश-शांक) ।

### 4. कलन (केल्कुलस) और विभिन्न समीकरण :

अवकल गणित : सीमान्त की संकल्पना, वास्तविक चर फलन का सांतत्व और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरोत्तर अवकलन । रोल का प्रमेय । मध्याधान प्रमेय ; मैक्सारिन और टेलर सीरिज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिमेय सूचकांकों के लिए द्विपदप्रसरण चर-धातांकी प्रसरण, लघुगणकीय त्रिकोण-वित्तीय और अति पर-कल्पिक फलन । अनिर्धारित रूप । एकल चर फलन का उच्चिष्ट और अल्पिष्ट, सांशरेखा, आंशलम्ब, अवः स्पर्शी अधोलम्ब, अनन्त-स्पर्शी वक्रता (केवल कार्तीय निर्देशांक) जैसे ज्यामितीय अनु-प्रयोग । एन्क्लेप, आंशिक अवकलन । समांगी फलनों से संबंधित आयलर प्रमेय ।

समाकलन-गणित : समाकलन की मानक प्रणाली । सतत फलन के निश्चित समाकलन की सीमान्त-परिभाषा : समाकलन गणित का पुनर्निर्माण । परिशोधन, शतकलन, आयतन और

परिक्रमण घनांकित का पृष्ठीय क्षेत्रफल । संख्यात्मक समाकलन के बारे में सिम्पसन का नियम ।

अवकल समीकरण : प्रथम कोटि के मानक अवकल समी-करण का हल निकालना । नियम गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रैखिक समीकरण का हल निकालना । वृद्धि और क्षय की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग, सरल हार्मोनिक रूपांतरण । साधारण पेन्डुलम और समीक्ष 5. सांख्यिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है) ।

विश्लेषिक विज्ञान : समतलीय तथा समामी बलों की साम्या-वस्था की स्थिति । साधारण तत्वों के गुरुत्व केन्द्र । स्थितिक घर्षण, साम्याघर्षण और सीमान्त घर्षण । घर्षण कोण । रूक्ष आनत समतल पर के कण की साम्यावस्था । कल्पित कार्य (दो आयामों में) ।

गतिविज्ञान : शुद्ध गति विज्ञान—कण का त्वरण, वेग, चाल और विस्थापन, अपेक्षित, वेग । निरन्तर त्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की गति । न्यूटन गति संबंधी सिद्धान्त । केन्द्र दक्षा । सरल प्रवक्ता गति : (निर्वात में) गुरुत्वावस्था में गति । आवेग कार्य और ऊर्जा, रैखिक संवेग और ऊर्जा का संरक्षण । समान वर्तुल गति ।

6. सांख्यिकी—प्रायिकता—प्रायिकता की शास्त्रीय और आधुनिक परिभाषा, पंक्तिसंज्ञ प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, योग एवं गणन प्रमेय, मप्रतिवध प्रायिकता । यादृच्छिक चर (विविक्त और अविरत), घनत्व फलन, गणितीय प्रत्याशा ।

मानक वितरण : द्विपद वितरण, परिभाषा, माध्य और प्रसरण, वैषम्य सीमान्त रूप सरल अनुप्रयोग । व्यासों वितरण परिभाषा माध्य और प्रसरण, योज्यता, उपलब्ध आंकड़ों में व्यासों बंटन का समानता । सामान्य वितरण, सरल समानुपात और सरल अनुप्रयोग, उपलब्ध आंकड़ों में सामान्य में प्रसामान्य बंटन का सामंजन ।

द्विचर वितरण—सह संबंध, दो चरों का रैखिक समाश्रयण, सीधी रेखा का समंजन, परवलयिक और चलघातांकी, वक्र, सह संबंधित गुणांक के गुण ।

सरल प्रतिदर्श वितरण और परिवर्त्यताओं का सरल परीक्षण यादृच्छिक प्रतिदर्श । सांख्यिकी, प्रतिदर्शी बंटन और मानक त्रुटि । मध्य पदों के अन्तर की अर्थवत्ता के परीक्षण में प्रसामान्य टी० टी० एच० आर्डी० (  $CH_2$  ) और एफ० का सरल वितरण ।

टिप्पणी : उम्मीदवारों को दो विषयों—सं० 5 सांख्यिकी और सं० 6 सांख्यिकी—में से किसी एक विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विकल्प होगा ।

### वनस्पति विज्ञान (कोड 04)

1. वनस्पति जगत का सर्वेक्षण—प्राणियों और पौधों में अन्तरः—जीवित जीव की विशेषताएं : एक कोशिक और बहु कोशिक जीव : वाइरस वनस्पति जगत के विभाजन का आधार ।

2. आकृति विज्ञान—(i) एक कोशिका पौधे—कोशिका, इसकी संरचना और अन्तर्वस्तु कोशिकाओं का विभाजन और संवर्धन  
(ii) बहुकोशिक पौधे—असंवहनी और संवहनी पौधों के कार्य में भेद : संवहनी पौधों का बाह्य और आंतरिक आकृति विज्ञान ।

3. जीवन वृत्त : दत्त पादप वर्गों के प्रत्येक वर्ष के कम से कम एक पौधे का जीवनवृत्त—बैक्टोरिया, नील रहित शेवाल वर्ग (साइनोफाइसी), क्लोरोफाइसी; भूरा शेवाल वर्ग, क्लोरोफाइसी (रोडोफाइसी), पाइकम्पासाइसिटीज, एस्कोमाइसिटीज बेसिडियमी, कवक, लिखरवर्टे; मासेस, टेरेडोफाइटो, जिम्नोस्पर्म और ऐन्जियोस्पर्म ।

4. वर्गीकरण—वर्गीकरण के नियम, ऐन्जियोस्पर्म के वर्गीकरण की मुख्य पद्धतियाँ :

निम्नलिखित कुलों के विशिष्ट लक्षण और आर्थिक महत्व :—  
ग्रामिनि मिटाग्रिन, पामेसी, लिलिएसी, आकिडसी, मोरेसी, लारेन्सेसी; मनोलिएसी, लारेसी; क्रुसिफेरी; लग्यमिनोसी, रुटेसी; मीलिएसी; यफोनियासी, एनाकार्डिएसी, मालवेसी; एस्कोइनेसी, एक्कलीपिएडेसी; डिप्टरोकैरमसी; मर्टेसी, अम्बोजीबेरी; तुजसीकज (लेबिएटी), सीलेनेसी; रुविएसी कुकरबिटेरिएसी, बर्तनिसी और कम्पोजिटी ।

5. पादप शरीर क्रियाविज्ञान—स्वपोषण, परपोषण, जल और पोषक तत्वों का अन्तर्ग्रहण, वाष्पोत्सर्जन, प्रकाश संश्लेषण खनिज पोषण; श्वसन, वृद्धि, जनन, पादप प्राणिसंबंध, सहजीवन, परजीवन, एन्जाइम; अक्किम हार्मोन; दीप्तिकालिता ।

6. पादप रोग विज्ञान—पौधों की बीमारियों के कारण और उनके विचार; रोग जीव, वाइरस, हीनत, जन्म रोग; प्रतिरोध ।

7. पादप परिस्थिति विज्ञान—विशेष रूप से भारतीय पड़-पौधों और भारत के वनस्पति क्षेत्रों के संदर्भ में परिस्थिति विज्ञान और पादप भूगोल से संबंधित आधारभूत तत्व ।

8. सामान्य जीव विज्ञान—कौशिका—विज्ञान, आनुवंशिक विज्ञान, पादप प्रजनन मण्डलवाद, संकरघ्नोज, उत्परिवर्तन, विकास ।

9. आर्थिक वनस्पति विज्ञान—पौधों का विशेषतः अनाजों, दालों, फलों, चीनी, स्टार्च, तिलहनों, मसालों, पेय पदार्थों, रेशों, लकड़ियों, रबर, औषधियों और वाष्पशील तेलों आदि वनस्पति उत्पादों से संबंधित पुष्प पादपों का मानन कल्याण के लिए लाभकारी उपयोग ।

10. वनस्पति विज्ञान का इतिहास—वनस्पति विज्ञान संबंधी विज्ञान के विकास की सामान्य जानकारी ।

#### प्राणि विज्ञान : (कोड 05)

प्राणि जगत का प्रमुख समूहों में वर्गीकरण विभिन्न वर्गों के विशिष्ट लक्षण ।

रज्जू रहित (नान काउट) किस्म के प्राणियों की बनावट, आदतें और जीवन वृत्त :

अमीबा, मलेरिया—परजीवी । स्पंज, हाइड्रा, लिखरप्लू, फीता कृमि; गोल कृमि; केंचुआ; जोक, तिलचट्टा; गृह मक्खी; बिच्छू; ताजे पानी का मसल, ताल घोंघा और स्टार-फिश (केवल बाह्य लक्षण) ।

कीटों का आर्थिक महत्व । निम्नलिखित कीटों की परिस्थिति और जीवन वृत्त :—

दीमक; टिड्डी; शहद की मक्खी और रेशम का कीड़ा ।

रज्जूकी—क्रम वर्गीकरण ।

निम्नलिखित प्रकार के रज्जुमान प्राणियों की बनावट और तुलनात्मक शरीर :—

ट्रैन्किओस्टोमा; स्कोलिओडान; मेंढक; यरोमस्टिक्स या कोई अन्य छिपकली (बेरनस का अस्थिपंजर); कबूतर (कुक्कुट का अस्थिपंजर); और खरगोश; चूहा या गिलहरी ।

मेंढक और खरगोश के संदर्भ में जन्तु कार्य के विभिन्न अंगों के उच्चविज्ञान और शरीर क्रिया विज्ञान की प्रारम्भिक जानकारी; अन्तःस्त्रावी ग्रंथियाँ और उनका कार्य ।

मेंढक और चूजे के विकास की रूपरेखा, स्तनी जन्तुओं की बनावट और कार्य ।

विकास के सामान्य नियम; विविधता; आनुवंशिकता; अनुकूलन; पुनरावर्तन परिकल्पना; मेडेलीय आनुवंशिकता; अलॉगक जनन और लैंगिक जनन की विधियाँ; अनिवेक जनन (पार्थेनोजेनेसिस); कार्यांतरण; पीढ़ी एकान्तरण ।

विशेष रूप से भारतीय जन्तु समूह के संदर्भ से जन्तुओं का परिस्थितिक और भूवैज्ञानिक वितरण ।

भारत के वन्य प्राणी जिनमें विषैले और विषहीन सांप भी शामिल हैं । शिकार पक्षी ।

#### भूविज्ञान : (कोड 06)

##### सामान्य भूविज्ञान :

पृथ्वी की उत्पत्ति, काल और आंतरिक भाग, विभिन्न भूवैज्ञानिक एजेंसियाँ और स्थलाकृति, अपक्षय और अपरदन (इरोजन) पर उनका प्रभाव मृदा के प्रकार, उनका वर्गीकरण और भारत के मृदा समूह, भारत के भू-आकृति उपभार, वनस्पति और स्थलाकृति, ज्वालामुखी, भूकम्प, पर्यंत पटलविरूपण (डायस्ट्रोफिज्म) ।

##### 2. संरचनात्मक भूविज्ञान :

आग्नेय, अवसादी और कायांतरित चट्टानें, नति, नतिलम्ब और ढलान बलन, अंश और विषम विन्यास और दृश्यांशों पर उनका प्रभाव, भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और मानचित्रण की विधियों के सम्बन्ध में प्रारम्भिक जानकारी ।

##### 3. क्रिस्टल विज्ञान और खनिज विज्ञान :

क्रिस्टल सममिति के बारे में प्रारम्भिक जानकारी । क्रिस्टल विज्ञान के नियम, क्रिस्टल की प्रकृति और यमलन (ट्रिवनिंग) ।

मुष्मय खनिजों, महत्वपूर्ण शैल-रचना, रासायनिक संश्लि-  
ठन, भौतिक गुण, प्रकाशित गुण धर्म, परिवर्तन प्राप्ति और  
वाणिज्यिक उपयोग संबंधी अध्ययन।

#### 4 आर्थिक भू विज्ञान :

भारत के महत्वपूर्ण खनिजों और उनकी उपस्थिति की  
अवस्था का अध्ययन। अयस्क निक्षेपों का उद्भव और  
वर्गीकरण।

#### 5 शैल विज्ञान :

आग्नेय, अवसादी और कायांतरित चट्टानों तथा उनके  
उद्भव और वर्गीकरण का प्रारम्भिक अध्ययन। चट्टानों के  
सामान्य प्रकारों का अध्ययन।

#### 6 स्तर क्रम विज्ञान

स्तर क्रम विज्ञान नियम : वैज्ञानिक अभिलेखों का अथवा  
वैज्ञानिक और कालानुक्रम उपविभाजन। भारतीय स्तर क्रम  
विज्ञान की महत्वपूर्ण विशेषताएं।

#### 7 जीवाश्म विज्ञान :

जीवाश्म विज्ञान सम्बन्धी आधार सामग्री का विकास  
के संबंध, जीवाश्म (फॉसिल) उनका स्वरूप और परिक्षण  
की विधि। प्राणी-जीवाश्मों और पादप-जीवाश्मों की निरूप  
आकृतियों के आकृति विज्ञान और विभाजन की प्रारम्भिक  
जानकारी।

#### भूगोल (कोड 07)

(i) प्रारम्भिक भू-आकृति विज्ञान : सौर मंडल और  
पृथ्वी का उद्भव, भू-आकृति, भू-लक्षण, प्रारम्भिक, भू-विज्ञान,  
चट्टानों और मिट्टी का बनाना।

(ii) जलवायु विज्ञान : जलवायु और इसके तत्व, ताप-  
मान, दाब आर्द्रता, पवन पद्धति, चक्रवात और प्रतिचक्रवात  
का प्रारम्भिक ज्ञान, दृष्टि पात के प्रकार।

(iii) समुद्र विज्ञान : भूमि और जल का वितरण,  
समुद्र जल का संचालन, ज्वार, धाराएँ, लवणता, समुद्रतल  
निक्षेप।

(iv) पादप भूगोल : वनस्पतियों के प्रकार, भौगोलिक  
पर्यावरण से उनका सम्बन्ध, वन, घास के मैदान, रेगिस्तान,  
प्रधान प्राकृतिक क्षेत्र।

(v) मानव भूगोल : पर्यावरण में मानव, मनुष्य की  
प्रजातियाँ, मनुष्य के कार्यकलाप और जनसंख्या का विभाजन।

(vi) आर्थिक भूगोल : मुख्य वनस्पतियाँ, पशु, खनिज,  
उत्पादन, उनका वितरण और भौगोलिक पृष्ठ भूमि, उद्योग  
और उनका स्थानीकरण, कच्चे माल, खाने और त्रिनिमित्त  
माल का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार।

(vii) क्षेत्रीय भूगोल :—भारत का विस्तार से और  
संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, जापान, दक्षिण  
पूर्वी एशिया, मध्य पूर्व, श्रीलंका, बर्मा और पाकिस्तान का  
सामान्य रूप से ज्ञान।

#### अंग्रेजी साहित्य (कोड 08)

उम्मीदवार को स्पेंसर काल से लेकर महारानी विक्टोरिया  
का शासन समाप्त होने तक के अंग्रेजी साहित्य के इतिहास  
का सामान्य और निम्नलिखित लेखकों की कृतियों का विशेष  
ज्ञान होना चाहिए :—

शेक्सपीयर, मिल्टन, जानसन, डिक्सन, बर्ड्सवर्थ, कीट्स,  
कार्लिबल, टेनिसन और हार्डी।

#### भारत का इतिहास (कोड 09)

1600 ई० से लेकर भारतीय गणराज्य की स्थापना  
तक का भारत तथा इस अवधि में घटित सांविधिक प्रगति।

टिप्पणी :—इस विषय में उम्मीदवारों को भूगोल के  
उस पक्ष का भी ज्ञान होना चाहिए जिसका संबंध इतिहास  
से होता है। किसी अवधि के प्रारम्भ होने की यदि कोई  
निश्चित तारीख दी जाए तो उम्मीदवारों को सामान्य रूप  
से यह भी जानना चाहिए कि हम प्रारम्भिक स्थिति तक  
किस प्रकार पहुंचे हैं।

#### सामान्य अर्थशास्त्र (कोड 10)

उम्मीदवारों को अर्थशास्त्र के सिद्धान्त का ज्ञान होना  
चाहिए और उनको तथ्यों की सहायता से सिद्धान्त का निरूपण  
करना और सिद्धान्त के आधार पर तथ्यों का विश्लेषण करना  
दोनों आना चाहिए। भारत और इंग्लैंड के आर्थिक इतिहास  
और उन देशों की आर्थिक स्थिति का कुछ ज्ञान भी होना  
चाहिए।

#### राजनीति विज्ञान (कोड 11)

उम्मीदवारों को राजनीति विज्ञान और उसके इतिहास  
का ज्ञान होना चाहिए। राजनीति विज्ञान का ज्ञान केवल  
विधि-निर्माण के सिद्धान्त के रूप में नहीं, बल्कि राज्य  
के सामान्य सिद्धान्त के रूप में भी होना चाहिए। सांविधिक  
शासक के प्रकारों (प्रतिनिधि सरकार, संघवाद आदि) और  
लोक प्रशासन—केन्द्रीय और स्थानीय—पर भी प्रश्न पूछे  
जाएँगे उम्मीदवार को वर्तमान संस्थाओं के उद्भव और  
विकास का भी ज्ञान होना चाहिए।

#### समाज विज्ञान (कोड 12)

समाज विज्ञान को प्रकृति और क्षेत्र : समाज का अध्ययन  
समाज विज्ञान और अन्य सामाजिक विज्ञानों से उनका संबंध।

मूल धारणाएँ : महत्व एवं कार्य, प्राथमिक एवं गौण  
वर्ग, सामाजिक संस्थाएँ, सामाजिक संरचना, सामाजिक  
नियंत्रण एवं अपवर्ती आचरण, सामाजिक ढाँचा, सामाजिक  
परिवर्तन :—

मूल सामाजिक संरचनाएँ एवं संस्थाएँ, विवाह, परिवार  
एवं गृहस्थेदारी, राजनीति संस्थाएँ, धार्मिक संस्थाएँ, सामाजिक  
स्तरण-जाति, वर्ग एवं वंश।

वातावरण, समाज एवं संस्कृति: भारतीय समाज विज्ञान, जाति एवं जातिवाद; परिवार एवं रिश्तेदारी, ग्राम समाज, आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन।

### मनोविज्ञान (कोड 13)

#### सामान्य मनोविज्ञान

मनोविज्ञान की परिभाषा/ और विषय-वस्तु, मनोविज्ञान की पद्धतियाँ, अनुकूलन एवं आचरण क्रियाविधि की अवधारण; आचरण का शरीर शास्त्रीय आधार।

(क) अभिप्राय, चाक्षुष, एवं श्रवण संबंधी, (ख) नाडी तन्त्र की सामान्य रूप रेखा;

(ग) कारण—मापदण्डियाँ एवं ग्रंथियाँ:—

मानव विकास के तत्व—आनुवंशिकता एवं पर्यावरण, परिपक्वता एवं शिक्षा प्राप्ति।

अभिप्रेक्षा एवं मनोवेग—उनकी प्रकृति, किस्म और विकास। प्रत्यक्ष ज्ञान एवं उनकी प्रकृति—रंग, रंग और स्थान।

अधिगम—उनकी प्रकृति, अनुकूलन, अन्तर्दृष्टि और प्रयत्न बुद्धि।

अधिगम तथा स्मरण शक्ति और विस्मरण प्रक्रियाओं की प्रभावित करने वा तत्व, स्मरण करने की सकल विधियाँ।

चिन्तन और तर्क।

प्रज्ञा और योग्यता—उनकी प्रकृति और मापन।

व्यक्तित्व—प्रकृति, निर्धारक और मापन।

#### असामान्य मनोविज्ञान

असामान्य आचरण—अवधारणा और कारण।

कुंठा और द्वन्द्व, रक्षात्मक युक्ति।

मनोवैज्ञानिक विचार—मनस्ताप एवं मनोविक्षिप्ति, व्यक्ति एवं मनो-शारीरिक विचार।

मानसिक विचार के उपचार का सामान्य ज्ञान-मनोरोग चिकित्सा।

#### सामाजिक मनोविज्ञान

समूह प्रक्रियाएँ—व्यक्ति और समूह नेतृत्व एवं भीड़ का व्यवहार।

प्रचार और मनोवैज्ञानिक युद्ध।

#### बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जाँच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेधाशक्ति की जाँच के लिए हैं। छोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों की जाँच के लिए हैं अपितु इससे उनकी

सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

#### परिणाम II

(अकादमी स्कूल प्रवेश के लिए स्वास्थ्य का मानक)

टिप्पणी—उम्मीदवारों को निर्धारित स्वास्थ्य मानक के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। स्वास्थ्य सम्बन्धी मानक नीचे बताए गए हैं।

बहुत से अर्हताप्राप्त उम्मीदवार बाद में अस्वस्थता के आधार पर अस्वीकृत कर दिये जाते हैं अतः उम्मीदवारों के अपने हित के लिये सलाह दी जाती है कि अन्त में निराशा से बचने के लिये उन्हें अपना आवेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जाँच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशासित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा सेवा के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जो उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसको अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेवा के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिये जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निहाला जाएगा कि उम्मीदवार अंतिम रूप से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुपयुक्त या अस्थायी रूप से अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रमाण पत्र तथा अपील प्रस्तुत करने की कार्यविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को अपने हित में परामर्श है कि यदि उनकी दृष्टि अशुद्ध स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार स्वास्थ्य परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें अपने साथ संशोधक ऐनक लानी चाहिए।

1. अकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिये उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. किन्तु निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तसल्ली कर ली जाएगी:

(क) कमजोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गंभीर कुरचना या स्थूलता तो नहीं है।

(ख) हृषियों और संधियों का कुविकास तो नहीं हुआ है और उनसे किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी 1—अल्पवर्धित ग्रेव पशुका वाले उम्मीदवारों को भी स्वस्थ माना जा सकता है यदि उनमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड का कार्यवाही में इस रोग का उल्लेख छोटी-पेटी अशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।

टिप्पणी 2—विकास में कमी न हो इसके लिये रीढ़ की हड्डी का एकपरे किया जाएगा।

- (ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।
- (घ) मिर की रचना में तो दोष नहीं है या खोपड़ी की हड्डी टूटने या दबने से विरूपता तो नहीं आ गई है।
- (ङ) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोगग्रस्त तो नहीं है। टिप्पणिक सम्बन्ध में कच्चा जह्म तो नहीं है। या उग्र या पुराना मध्य कर्ण शौघ के चिह्न तो नहीं हैं या आम्ल या मणोधिन् आम्ल कर्ण तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी—यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भरा गया हो, इसको और क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस अवस्था को थल सेवा के लिये उम्मीदवार को स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिये।

- (च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिपस तो नहीं है अथवा नासाग्रमनी या सहायक कोटरी का कोई रोग तो नहीं।

टिप्पणी—नास पट के छोटे अलक्षणी ऊबधातज छेद के कारण उम्मीदवार को एकदम अस्वीकृत नहीं किया जायेगा वरन् ऐसे मामलों की जांच और मत के लिये कर्ण विज्ञान मलाहकार के पास भेजा जायेगा।

- (छ) गर्दन या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथियां बड़ी हुई तो नहीं हैं और थाइराइड ग्रंथि सामान्य है।

टिप्पणी—तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिये किये गये आपरेषन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग न हुआ हो तो छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्सरे करने पर रोग मुक्त पाई जाये।

- (ज) गले, तालु, टोंसिल या मसूढ़ों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी चम्बकी संघियों को सामान्य क्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी—यदि बार बार टोंसिल शोध होने का कोई वक्त न हो तो टोंसिलों की अतिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

- (झ) हृदय तथा रक्त वाहिकाओं का क्रिया सम्बन्धी या अंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।
- (ग) फेफड़ों को तपेदिक या इस बीमारी का पूर्ववृत्त या फेफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

- (ट) जिगर और मिल्ली को किसी विलक्षणता मज्जित पाचक तन्त्र के किसी रोग के चिह्न तो नहीं हैं।

- (ठ) वंक्षण हनिया तो नहीं हैं या उसके होने की प्रवृत्ति तो नहीं है।

टिप्पणी—(i) वंक्षण हनिया (जिसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो), अस्वीकृति का कारण होगा।

(ii) जिनका हनिया का आपरेषन हो चुका है उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जायेगा बशर्ते कि :

- (i) आपरेषन हुए एक वर्ष व्यतीत हो गया हो। इसके लिये उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

- (ii) पेट की पेथी समूह सामान्यता ठीक है।

- (iii) हनिया की पुनरावृत्ति नहीं हुई है या इसकी शल्य चिकित्सा से संबंधित कोई उल्लेख पैदा नहीं हुई।

- (ड) हाइड्रोसिल या निश्चित बैंगिकोसिल या जनेन्द्रियों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।

ध्यान दें—(1) यदि हाइड्रोसिल के आपरेषन के बाद कोई रज्जु और अण्ड ग्रंथियों की विलक्षणतायें न हों और फाइलेरियासिस का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जायेगा।

- (ii) यदि एक ओर की अन्ततः उदरीय अण्डग्रंथि आरोही हो तो इस आधार पर उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जाता बशर्ते कि दूसरी अण्डग्रंथि असामान्य हो तथा इस आरोही अण्डग्रंथि के कारण शारीरिक या मनो वैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोही अण्डग्रंथि वंक्षण नलिका में अथवा उदरीय विलय में रुकी हो और आपरेषन से ठीक न हो सकती हो तो इस स्थिति में उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

- (ढ) फिस्टुला और या गुदा का बिंदर या बवासीर के मसं तो नहीं हैं।

- (ण) गुदों को कोई बीमारी तो नहीं है। ग्लुकोजमेह या ग्लूक्युमिन मेह के सभी रोगी अस्वीकृत कर दिए जायेंगे।

- (त) अस्थि अथवा मामूली क्षत चिह्नों को छोड़कर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके पचार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अक्षमता या बहुत अधिक कुप्रभाव आ गई हो या आने की संभावना हो। उस उम्मीदवार को इसी आधार पर अस्वीकार किया जायेगा।

- (थ) कोई सक्रिय गुप्त या जन्मजात रक्त रोग तो नहीं है।

- (द) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग होई का पूर्णतः या प्रमाण तो नहीं है। (i) उम्मीदवारों को भिर्गी आती हो, जिनका पभाव वैसे ही या नीचे में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- (घ) भेगापन या आख या पलकों की ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।
- (न) सक्रिय रोहे (टकोमा) या इसकी नटिलनाएं तथा अनुप्रभाव तो नहीं है।

टिप्पणी—इलाज के लिये आपरेशन प्रवेश से पूर्व करवाये जायें। अन्तिम रूप से स्वीकार किए जाने की गारण्टी नहीं दी जाती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिये कि क्या आपरेशन वांछनीय है या आवश्यक है इस बात का निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम अथवा किसी और खर्च का दायित्व सरकार अपने ऊपर नहीं लेगी।

कद, वजन, तथा छाती के भागों के लिये मानक

(क) कद :

- (i) उम्मीदवार के कद की नाप उसे मानदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जायेगी उस समय वजन पड़ियों पर होना चाहिये, पंजे पर या पांव के बाहरी पार्श्व पर नहीं। यह बिना अकड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी पड़ियां, पिंडलियां तितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे उसकी ठोड़ी नीचे की ओर रखी जायेगी ताकि शिर का स्तर आड़ी छड़ के नीचे आ जाये। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जायेगा। 0.5 सेंटीमीटर से कम दण्डसब भिन्न की अपेक्षा की जायेगी 0.5 सेंटीमीटर का इसी रूप में रिकार्ड किया जायेगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या उससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जायेगा।
- (ii) उम्मीदवार के लिये न्यूनतम स्वीकार्य 157.6 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 157 सेंटीमीटर) है, किन्तु गोरखा, नेपाली, असमिया, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिये नीचे (ख) (i) में दी गई उनसे संबंधित सारणी में दिये गये कद से 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, नेफा, मेघालय, त्रिपुरा मिजोरम और नागालैंड के नौसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

(ख) वजन :

- (i) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतरवा कर या केवल जांघिया के साथ किया जायेगा। वजन करते समय  $1/2$  किलोग्राम का रिकार्ड नहीं किया जायेगा। आयु, कद तथा श्रुत वजन विषय परस्पर सम्बन्धी सारणी मार्गदर्शन के लिये दी जा रही है।

विछले जन्म दिवस की आयु	बिना जूतों के ऊंचाई	वजन	
		श्रुत	
		न्यूनतम	अधिकतम
1	2	3	4
वर्ष	सेंटीमीटर	किलोग्राम	किलोग्राम
17 से 18 तक	157.5 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.5 से कम 172.5 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इस से अधिक	43.5 48.0 52.5 57.0	55.0 59.5 64.0 —
19	160.0 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.5 से कम 172.5 तथा 178.0 से कम 178.0 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इस से अधिक	44.5 49.0 53.5 58.0 62.5	56.0 60.5 65.0 69.5 —
20 तथा अधिक	160.0 तथा 165.0 से कम 165.0 तथा 172.5 से कम 172.5 तथा 178.0 से कम 178.0 तथा 183.0 से कम 183.0 तथा इस से अधिक	45.5 50.0 54.5 59.0 63.5	56.5 61.0 66.0 70.5 —

केवल नौसेना के लिये

## कद और वजन

सेंटीमीटरों की ऊँचाई	आयु		
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
	कि० ग्रा० में वजन		
157	47	59	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	49	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

(ii) कद तथा आयु के सम्बन्ध में वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चित करना संभव नहीं है। अतः परस्पर सम्बन्धी मारणी केवल निर्देशिका मात्र है तथा सभी मामलों में लागू नहीं की जा सकती है। मारणी में दिये गये औसत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना के मामले में 6 कि० ग्राम कम-ज्यादा) होने पर उसे वजन की सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपर्युक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से सभी प्रकार से योग्य हो सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पेशीय विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिसका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी मानकों के पूरी तरह पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनुवांशिक विकास की कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती :—छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होना चाहिए। उम्मीदवार की छाती का नाप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांच जुड़े हों और उसकी बांहें मिर के ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस प्रकार लाया जायेगा कि पीछे की ओर उसका ऊपरी किनारा असफलकों (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर ऐंगिल्स) के साथ लगा रहे और इसका निचला

किनारा सामने चूचकों उपरा भाग से लगा रहे। फिर बाहों को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे उठे या पीछे का ओर झुके न हों जिससे कि फीता हट जाए, जब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84/89, 86/91 इत्यादि।

नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर से कम दणमलव भिन्न की उपेक्षा की जाएगी तथा 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

नौसेना के लिए—छाती का एकसरे अनिवार्य है।

## 4. दांतों की हालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चबाने का काम अच्छी तरह करने के लिए प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में हों।

(क) स्वीकृत होने के लिए यह आवश्यक है कि उसने दांतों के लिए कम से कम 14 प्वाइंट प्राप्त किये हों। किसी भी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर अच्छी तरह मटे और दूसरे जबड़े के अनुरूप दांतों को निम्न प्रकार प्वाइंट दिये जाएंगे :—

(i) बीच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रदनक प्रथम तथा द्वितीय छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिए एक-एक प्वाइंट।

(ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिए दो-दो प्वाइंट।

पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्वाइंट दिए जाएंगे।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार मटे हुए हों कि उनमें अच्छी तरह काम लिया जा सके :—

(i) आगे के 6 में से कोई 4 दांत।

(ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांत।

टिप्पणी :—जिन उम्मीदवारों के नकली दांत अच्छी तरह लगे हों उन्हें कमीशन के लिए स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दांत अधिकांश की राय में दांत बिना निकाले अच्छा किया जा सकता है उसे स्वीकार किया जा सकता है।

## (5) दृष्टिमानक (धलसेना)

	अच्छी आंख	खराब आंख
दूर की नजर (चश्मा लगाकर)	6/6	6/18

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्ति अबिन्दुकता (एस्टिगमेटिज्म मैनीफ़स्ट) सम्मिलित— 3.5 डी० से अधिक नहीं। दीर्घ दृष्टि (हाइपरमेट्रोपिया) जिसमें अबिन्दुकता (एस्टिगमेटिज्म) सम्मिलित है +3.5 डी० से अधिक नहीं।

- टिप्पणी: 1. फेन्डम तथा मीडिया स्वस्थ तथा सामान्य सीमा में होना चाहिए।
2. वर्धन निकट दृष्टि के सूचक बिट्टिमस या कोरियोरेटिना के अनावश्यक न्यपगनन चिन्ह न हों।
3. दोनों आंखों में द्विनेत्रा (वाइनोकुलर) दृष्टि संयमित शक्ति और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए।
4. कोई ऐसा आंगिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन अथवा खराब होने का संभावना हो।

## निकट दृष्टि (मायोपिया)

किसी भी एक मेरेडियम में 0.5 डायोप्टर अधिक नहीं होना चाहिये।

द्विनेत्रा दृष्टि—उम्मीदवार की द्विनेत्रा दृष्टि ठीक होनी चाहिये। (दोनों आंखों में क्यूजन फैंकल्टी और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिये)। रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान।

जिन उम्मीदवारों को अधोपरिभाषित न्यूनतम वर्ण अवगम मानक सी० पी० 3 (सदोष सुरक्षा) न होता हो उन्हें अयोग्य माना जायेगा:—

सी० पी० 3 (सदी सुरक्षा)—उम्मीदवार इस योग्य न हों कि वे 1.5 मीटर की दूरी से सफेद, संकेत लाल और संकेत हरे रंगों को ठीक प्रकार से पहचान सकें जैसा कि माटिन लैटर्न में दिखाया गया है या इश्वारा बुक/टोकियो मैडिकल कालिज बुक की अपेक्षित प्लेटों को पढ़ सकें।

## दृष्टि मानक (नौसेना)

(क) दृष्टि तीक्ष्णता	मानक 1
दूर की नजर	अच्छी आंख खराब आंख
	बी० 6/6 बी० 6/9
	चश्मा सहित 6/6

## (i) नौसेना दृष्टिमानक :

कार्य पालक शाखा के उम्मीदवार चश्मा नहीं लगायेंगे लेकिन नौसेना मुख्यालय का अनुमति से इस मानक में ढील दी जा सकती है। इंजीनियरी और इलेक्ट्रिकल शाखा के सब प्रकार उपयुक्त उम्मीदवारों के मामले में 6/18, 6/36 तक ढील दी जाये बशर्ते कि चश्मा चढ़ाने पर दृष्टि 6/6 हो।

## (ii) विशेष अपेक्षाएँ :

सामान्यतः नौसेना की सभी शाखाओं के कैंडिडेट्स/शायरेक्ट ऐंट्री अप्सरों को रात्रि दृष्टि तीक्ष्णता के वास्ते डेलाकासा की जांच नहीं की जायेगी और स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनसे निम्नलिखित प्रमाण पत्र देने के लिये कहा जायेगा जो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ तथ्यी कर दिया जायेगा

“मैं प्रमाणित करता हूँ कि मुझे रतौंधी नहीं है और जहां तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रतौंधी नहीं है।”

चिकित्सा अधिकारी के प्रति  
हस्ताक्षर उम्मीदवार

## रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

नेत्र विचलन प्रवृत्ति मेडोक्स राड/विगटेस्ट के साथ (बशर्ते कि अभिसरण दोष तथा अन्य रोग नक्षण न हो) निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिये:—

## (क) 6 मीटर की दूरी से

एक्सोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
इसोफोरिया	8 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

## (ख) 30 सें० मी० की दूरी से

इसीफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर

कार्यान्वित स्तर  
(होमाट्रोपिया के अन्तर्गत)  
सही आंख

## दूरदृष्टिता की सीमा

दूरदृष्टिता	1.5 डायोप्टर
साधारण दीर्घ दृष्टिता वैषम्य	0.75
संयुक्त दीर्घ दृष्टिता वैषम्य	1.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए इसमें से 0.75 डायोप्टर से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिये। सबसे खराब आंख 2.5 डायोप्टर

साधारण दूरदृष्टिता वैषम्य	1.5 डायोप्ट्रेस
संयुक्त दूरदृष्टिता वैषम्य	दूरदृष्टिता वैषम्य दोष 2.5 डायोप्ट्रेस से अधिक नहीं होना चाहिये, इसमें से 1.00 डायोप्ट्रेस से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिये।

#### 6. श्रवण मानक

श्रवण परीक्षा वाक परीक्षण द्वारा की जायेगी। जहाँ आवश्यक होगा श्रव्यता मापी (आइसोमैट्रिक) रिकार्ड भी ले लिये जायेंगे।

(क) वाक् परीक्षा:—उम्मीदवार को जो कि एक उचित ढंग से शान्त कमरे में परीक्षण की ओर पीठ करके 609.5 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुसफुसाहट की आवाज सुनाई पड़नी चाहिये। परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुसफुसाना चाहिये वह साधारण निःश्वास अन्त में लेगा।

(ख) श्रव्यता मिति रिकार्ड:—उम्मीदवार को प्रत्येक कान से 128 से 4096 साइकल वृत्ति सैकिन्ड की आवृत्ति पर सुनना चाहिये। (श्रव्यता-मिति पाठ्यांक  $\times 10$  तथा  $-10$  के बीच होना चाहिये) (नी सेना के लिये लागू नहीं है।)

#### परिच्छि II

सेवा आदि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिये गये हैं:—

भारतीय सेना अकादमी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिये:—

1. भारतीय सेना अकादमी में भर्ती करने से पूर्व:—

(क) उसे इस आशय का प्रमाण पत्र देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई चोट लग जाये या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी सर्जिकल आपरेशन या संवेदना-हरण दावा के परिणामस्वरूप उसने कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) उसके माता पिता या संरक्षक को इस आशय के बन्ध-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण

में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र पर किये गये व्यय तथा दिये गये वेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होगी।

2. अन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन "जेन्टलमैन कैडेट" के रूप में दर्ज किये जायेंगे। जेन्टलमैन कैडेट पर साधारण अनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिये भारतीय सेना अकादमी के नियम और विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि, आवास, पुस्तकें, वर्दी, बोर्डिंग और चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार बहुत करेगी लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार अपना खर्च खुद बर्दाश्त करेंगे। भारतीय सेना अकादमी में (उम्मीदवार का न्यूनतम मासिक व्यय 55.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है)। यदि किसी कैडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय 450.00 रु० या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिये अचल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जायेगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें अपने पुत्र संरक्षित के भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन पत्र देना चाहिए जिसे जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुशान्ता सहित भारतीय सेना अकादमी देहरादून के कमांडेंट को आबेधित कर देगा।

4. भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमांडेंट के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी:—

(क) प्रतिमास 55.00 के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	275.00
(ख) वस्त्र तथा उत्स्कर की मदों के लिए	800.00
योग	1075.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर, उपर्युक्त राशि में नीचे लिखी राशि वापिस कर दी जाएगी:—

55.00 प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	275.00
---	--------

5. भारतीय सेना अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं :—

(1) परशुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति:—यह छात्रवृत्ति, महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है। इस छात्रवृत्ति की राशि अधिक से अधिक 500.00 रु० प्रति वर्ष है जो कि कैडेटों को भारतीय सेना अकादमी में रहने की अवधि के दौरान दी जाती है बशर्ते कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है। वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार न होंगे।

(2) कर्नल कैडल फ्रैंक मैमोरियल छात्रवृत्ति :—

इस छात्रवृत्ति की राशि 360/- रुपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पात्र मराठा कैडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाले किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।

6. भारतीय सेना अकादमी के प्रत्येक कैडेट के लिये सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय समय पर लागू होने वाली दरों के अनुसार परिधान भत्ता अकादमी के कमांडेंट को सौंप दिया जायेगा। इस भत्ते की जो रकम खर्च होगी वह

(क) कैडेट को कमीशन दिये जाने पर दे दी जायेगी।

(ख) यदि कैडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर दी जायेगी।

कमीशन प्रदान किये जाने पर इस भत्ते से खरीदे गये वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट त्याग पत्र दे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाये या वापस बुला लिया जाये तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जायेगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित का दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जायेगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जायेगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने वाले जेंटलमैन कैडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार होने तक पर जाने की आज्ञा दे दी जानी चाहिये। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बन्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च उनसे वसूल किया जायेगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उनके माता पिता अभिभावकों को इस आशय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जेंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा करने से योग्य नहीं समझा जायेगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति के प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को अपनी रेजिमेंट या कोर में वापस भेज दिया जायेगा।

8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर ही दिया जायेगा। कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख अगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थाई होगा।

9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के समान वेतन और भत्ते पेंशन और छुट्टी दी जायेगी तथा सेवा की अन्य शर्तें भी वही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

प्रशिक्षण :—

10. भारतीय सेना अकादमी में ग्राम कैडेट को "जेंटलमैन कैडेट" का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिये कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैंट्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपलब्ध जेंटलमैन कैडेटों को सैफिड सूपिटेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशर्ते कि एन० एम० ए० पी० ई० में शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

II सेवा की शर्तें :—

(i) वेतन :—

रैंक	वेतनमान
सैफिड लेफ्टिनेंट	750-790
लेफ्टिनेंट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
लेफ्टिनेंट-कर्नल (चयनद्वारा)	1750-1950
लेफ्टिनेंट कर्नल (समय वेतनमान)	1800 नियत
कर्नल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
लेफ्टिनेंट जनरल	3000 प्रतिमास

(ii) योग्यता वेतन और अनुदान

लेफ्टिनेंट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रु०, 2400 रु०, 4500 रु० अथवा 6000 रु० के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') रु० 70 की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

III भत्ते :—

(iii) वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

(क) सिविलियन राजपत्रिक अफसरों पर समय समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ते दिये जाते हैं।

(ख) 50 रु० प्रतिमास की दर से फिट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भत्ते की तदनुसूची एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।

(घ) नियुक्ति भत्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब वे अफसर 70/- रु० प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(ङ) सज्जा भत्ता:—प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 1400 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नये सज्जे भत्ते का दावा किया जा सकता है।

#### (iv) तैनाती

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

#### (v) पदोन्नति :

##### (क) स्थायी पदोन्नति :

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिये निम्नलिखित सेवा सीमायें हैं:—

##### समय वेतनमान से

लैफ्टिनेंट 3	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से लैफ्टिनेंट कर्नल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

##### चयन द्वारा

लैफ्टिनेंट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लैफ्टिनेंट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं

#### (ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिये पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों:—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	5 वर्ष
लैफ्टिनेंट कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लैफ्टिनेंट जनरल	25 वर्ष

(ख) नौसेना अकादमी कोचीन में भर्त होने वाले उम्मीदवारों के लिये:—

1. (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से चुन लिये जायेंगे, उन्हें नौसेना की कार्यकारी शाखा में कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी कोचीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन पत्र नहीं दिया हो:—

(i) 45.00 रुपये प्रतिमास की दर से पांच मास के लिये जेब खर्च	225.00 रु०
(ii) कपड़ों और सज्जा सामग्री के लिये	460.00 रु०
जोड़	685.00 रु०

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिये आवेदन-पत्र दिया हो :

(i) 45.00 रु० प्रति मास की दर से दो मास के लिये जेब खर्च	90.00 रु०
(ii) कपड़ों और सज्जा सामग्री के लिये	460.00 रु०
जोड़	550.00 रु०

(ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा:—

(क) कैडेट प्रशिक्षण तथा नौकाय प्रशिक्षण.	6 मास—1 वर्ष
(ख) मिडलशिपमैन नौकाय प्रशिक्षण.	6 मास
(ग) कार्यकारी सब लैफ्टिनेंट तकनीकी पाठ्यक्रम	8 मास

#### (घ) सब-लैफ्टिनेंट :

पहरा देने का प्रमाण-पत्र लेने के लिये 6 मास की न्यूनतम समुद्री सेवा आवश्यक है।

(ii) नौ-सेना अकादमी में कैडेटों के शिक्षण, आवास और सम्बन्ध सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी, भोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी। किन्तु कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों/को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैडेट के माता-पिता अभिभावकों की मासिक आय 450 रु० से कम हो और वह कैडेट का जेब खर्च पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो, सरकार कैडेट के लिये 55 रु० प्रतिमास वित्तीय सहायता स्वीकार कर

सकती है। वित्तीय सहायता लेने का इच्छुक उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद शीघ्र ही अपने जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन-पत्र दे सकता है। जिला मैजिस्ट्रेट उस आवेदन पत्र को अपनी अनुशंसा के साथ निदेशक, कामिक सेवा, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा।

यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के दो अथवा उससे अधिक पुत्र या आश्रित नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिये उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक आय 500/- रु० से अधिक न हो।

- (iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। अकादमी छोड़ने के बाद उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जायेगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिडशिपमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जायेगी और वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

- (iv) कैडेटों को सरकार से निःशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने और उनकी एकरूपता को सुनिश्चित करने के लिये, ये कपड़े नौसेना अकादमी में तैयार किये जायेंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिये आवेदन पत्र देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उधार दिये जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीदने होंगे।

- (v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैडेटों को अपने मूल रैंक के वही वेतन और वही भत्ते मिलेंगे जो वे कैडेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या अप्रेंटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उस रैंक में वेतन वृद्धि दी जानी हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भत्ते, सीधे भर्ती होने वाले कैडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पात्र

हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अन्तर की राशि भी मिलेगी।

- (vi) सामान्यतः किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जायेगी। जिस कैडेट को भारतीय नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जायेगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से वापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेट को उसकी मूल सर्विस पर वापस भेज दिया जायेगा। जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जायेगा या मूल सर्विस पर वापस भेजा जायेगा, वह परवर्ती कोर्स में दुबारा दाखिल होने का पात्र नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैडेटों को कुछ करुणाजन्य कारणों के आधार पर त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणावगुण के आधार पर विचार किया जाता है।

1. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता अभिभावक को:

- (क) इस आशय के प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भाँति समझता है कि यदि उसके पुत्र को या आश्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाये या शारीरिक दुर्बलता हो जाये या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारण से चोट लगने पर किये गए आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मूर्च्छित करने की औषधि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाये तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से मुआवजा मांगने के दावे का या सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।

- (ख) इस आशय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि कमीशन दिये जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, शुल्क, भोजन, वस्त्र, वेतन तथा भत्ते, जो कैडेटों ने प्राप्त किये हैं, उनका मूल्य या उनका वह श्रंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।

### 3. वेतन और भत्ते

#### (क) वेतन

रैंक	वेतनमान	
	सामान्य सेवा	
मिडशिपमैन	.	560.00 रुपये
एक्टिंग सब-लैफ्टिनेंट	.	750.00 रुपये

रैंक	वेतनमान सामान्य सेवा
सब-लेफ्टिनेंट	830-870 रुपये
लेफ्टिनेंट	1100-1450 रुपये
लेफ्टिनेंट-कमोडोर	1450-1800 रुपये
कमांडर (चयनमान द्वारा)	1750-1950 रुपये
कमांडर (समय वेतनमान द्वारा)	1900.00 रुपये (नियत)
कैप्टन	1950-2400 रुपये (कमोडोर वह वेतन प्राप्त करता है जिसके लिए वह कैप्टन के रूप में वरिष्ठता के आधार पर हकदार होता है)।
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750
वाइस एडमिरल	3600 रुपये

## (ख) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

- सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भत्ता मिलता है।
- 50/- रु० प्रति मास की दर से किट अनु-रक्षण भत्ता (कमोडोर रैंक के तथा उनसे नीचे के रैंक के अफसरों को)।
- जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के अनुसार 50/- रुपये से 250/- तक प्रतिमास प्रवास भत्ता।
- 70/- रु० प्रतिमास के हिसाब से इन अफसरों को नियमित भत्ता मिलेगा :—

- जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जायेगा जहाँ वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
- जिन विवाहित अफसरों को आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जायेगा अथवा जितनी अवधि के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
- जितनी अवधि के लिये बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उतनी अवधि के लिये उन्हें मुफ्त राशन मिलेगा।

टिप्पणी I :— उपर्युक्त के अलावा संकट के समय काम करने की राशि पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन, सर्वेक्षण आनुतोषिक/ग्रहंता वेतन/अनुदान तथा गोला खोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को दी जा सकती है।

टिप्पणी II :—अफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाओं के लिए अपनी सेवाएं अर्पित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिये चुने गए अफसर बढ़े हुए वेतन तथा भत्तों को पाने के हकदार होते हैं।

## 4. पदोन्नति

## (क) समय वेतनमान द्वारा

मिडशिपमैन से एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट तक 1/2 वर्ष  
एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट से सब-लेफ्टिनेंट तक 1 वर्ष  
सब-लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट तक एक्टिंग और स्थायी सब-लेफ्टिनेंट (वरिष्ठता के लाभ/समपहरण के अधीन) रूप में 3 वर्ष।

लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट कमोडोर तक लेफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठताएं  
लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर 24 वर्ष की संगणनीय तक (यदि चयन द्वारा कमीशन प्राप्त सेवा। पदोन्नति न हुई हो)

## (ख) चयन द्वारा

लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर तक लेफ्टिनेंट कमोडोर के रूप में 2—8 वर्ष की वरिष्ठता।  
कमोडोर से कैप्टन तक कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।  
कैप्टन से रियर एडमिरल और उससे ऊपर तक कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

## 5. तैनाती

अफसर भारत और विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

टिप्पणी :—यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह निदेशक कार्मिक सेवा नौसेना मुख्यालय नई दिल्ली, 110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए :

1. इससे पूर्व कि उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में भर्ती हो :—

(क) उसे इस आशय से प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली-भांति समझता है कि उसे या

उसके वैध वारिसों की सरकार से मुआवजे या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन या आपरेशन के दौरान मूर्च्छित करने की श्रौषधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।

- (ख) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा करने से पूर्व वापस जाना चाहे या यदि दिए जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण, प्राप्त करते हुए शादी कर ले तो उसे शिक्षा, खाना, वस्त्र और वेतन तथा भत्ते जो उसने प्राप्त किए हैं, उनकी लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेदार होंगे।

2. जो उम्मीदवार अंतिम रूप में चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को "सेना अधिनियम के अन्तर्गत जेंटलमैन कैडेट" के रूप में नामांकित किया जाएगा। सामान्य अनुशासन की दृष्टि से ये जेंटलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास पुस्तकें वहीं व भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है, सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्च स्वयं वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 55 रु० प्रतिमास से अधिक खर्च की संभावना नहीं है। किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरसपाटा इत्यादि का शौक रखता हो, तब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक रूप में वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि कैडेट और उसके माता-पिता/अभिभावक की आय 450 रु० प्रति मास से कम हो। वर्तमान आदेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपए प्रति मास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक हो, उसे प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रपत्र पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी मत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदन-पत्र को कमांडेंट, अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुने गए उम्मीदवारों को वहां पहुंचने पर कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी :—

(क) 55.00 रु० प्रतिमास की दर से दस महीने के लिए जेब खर्च	550.00 रु०
(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिए	500.00 रु०
योग	1050.00 रु०

यदि कैडेटों को वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती तो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने दी गई राशि वापस कर दी जाएगी।

5. समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र, तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएंगी। यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में त्याग-पत्र दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

5. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण प्रारंभ होने के बाद त्याग-पत्र देने वाले जेंटलमैन कैडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्याग-पत्र स्वीकृत होने तक घर जाने की आज्ञा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च बमूल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय का एक बांड भरना होगा।

7. जिस जेंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएगा जैसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को उसकी रेजिमेंट कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रदान कर दिए जाने के बाद वेतन तथा भत्ते, पेंशन, छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तें निम्न प्रकार होंगी।

#### 9. प्रशिक्षण

1. चुने गए उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जेंटलमैन कैडेटों के रूप में नामांकित किया जाएगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जेंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सैकंड लैफ्टिनेन्ट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

#### 10. सेवा की शर्तें :—

##### (क) परिवीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 मास की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिवीक्षा की

अवधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुपयुक्त बताया गया तब उसकी परीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

#### (ख) सैन्य

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

#### (ग) नियुक्त की अवधि तथा पदोन्नति

नियमित थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रदान किया जाएगा जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे वे, यदि हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त पाए गए, तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनको स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा। जो पांच वर्ष की अवधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने की ग्रहता प्राप्त नहीं कर पाएंगे, उन्हें पांच वर्ष की अवधि पूर होने पर निर्मुक्त कर दिया जाएगा।

#### (घ) वेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

सेक्रेटरी लेफ्टिनेंट और लेफ्टिनेंट के वेतन की दर इस प्रकार है:—

सेक्रेटरी लेफ्टिनेंट—750-790 रु० प्रति मास।

लेफ्टिनेंट—830-850 रु० प्रति मास।

तथा अन्य भत्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

#### (ङ) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिए, लागू नियमों से शासित होंगे जो सेना अवकाश नियमावली बंड-1 थल सेना, के अध्याय पांच में उल्लिखित हैं। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा ड्यूटी ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हकदार होंगे।

#### (च) कमीशन की समाप्ति

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है:—

(i) अवधार करने या असंतोषजनक रूप से या सेवा करने पर; या

(ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;

(iii) उसकी सेवाओं की और अधिक आवश्यकता होने पर; या

(iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में ग्रहता प्राप्त करने में असफल रहने पर।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर की करुणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णायक भारत सरकार ही होगी। करुणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई अफसर सेवांत उपदान पाने का पात्र नहीं होगा।

#### (छ) पेंशन लाभ

(i) ये अभी विचाराधीन है।

(ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000.00 रु० का सेवांत उपदान पाने के हकदार होंगे।

#### (ज) रिजर्व में रहने का वायित्व

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद वे 5 वर्ष की अवधि के लिए या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

#### (झ) विविध

सेवा संबंधी अन्य सभी शर्तें, जब तक उनका उपर्युक्त उपबंधों के साथ भेद नहीं होता है, वही होंगी जो नियमित अफसरों के लिए लागू हैं।

#### परिशिष्ट IV

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री.....  
 सुपुत्र श्री..... जो गांव/  
 कस्बा\* ..... जिला/  
 मंडल\* .....  
 .....  
 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\*..... के  
 निवासी हैं..... जाति/जन जाति\*  
 के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित  
 जनजाति\* के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950\*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)  
 आदेश, 1951\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र)  
 आदेश, 1951\*

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूचियां (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन-अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971, और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956\*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959\* अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली), अनुसूचित जन-जातियां आदेश, 1962\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश), आदेश, 1967\*

संविधान (गोआ, दमन और दीयू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (गोआ, दमन और दीयू) अनुसूचित जन-जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970\*।

2. श्री .....  
और/या\* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा\* ..... जिला/  
मण्डल\* .....  
राज्य/संघ\* राज्य-क्षेत्र ..... में  
रहता है।

हस्ताक्षर .....

\*\*पदनाम .....

(कार्यालय की मोहर के साथ  
राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र)

स्थान .....

तारीख .....

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां "आम तौर से रहता है" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

\*\*जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिप्सा मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलक्टर/ डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/ सिटी मजिस्ट्रेट \*सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट/ताल्लुक मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

\*(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर (लक्षद्वीप)।

#### परिशिष्ट V

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

#### क. वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फेलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

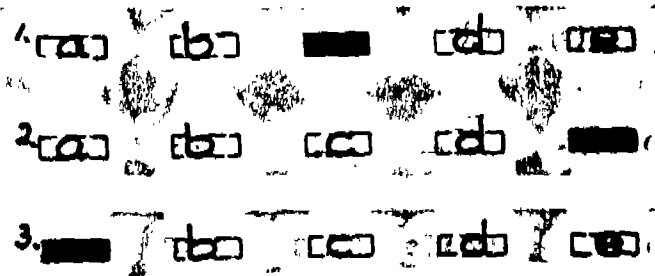
#### ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न-पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3, ..... के क्रम में प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको भवन में एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e... के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा सही प्रत्युत्तर या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



इसलिए यह जरूरी है कि:—

1. प्रश्नों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलों) ही लाएं और, उन्हीं का प्रयोग करें।
2. अगर आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जाएं और वह टेढ़ा हो जाए।

घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। (आप को परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति

नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर बड़ा दंड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ-साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हों जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक भलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

ङ. विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण पुस्तिका में हाशिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण पुस्तिका मिल जाए तुरंत आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबंध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

च. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं बड़े पर लापरवाही न हो।

अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के अंक नहीं काटे जाएंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा जानकारी, सूक्ष्मज्ञ और विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

#### छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें आप लिखना बन्द कर दें।

जब आप का उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठ रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक न ले जाएं और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

#### नमूने के प्रश्न

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।

(d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्येतर कार्यक्रम का मुख्य प्रयोजन

- (a) विकास को सुविधा प्रदान करना है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (c) नियत कक्षा कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है

- (a) शुक्र
- (b) मंगल
- (c) बृहस्पति
- (d) बुध

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है?

- (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं मिट्टी का क्षरण उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं नदियां उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 6th November 1979

No. F. 6/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Shri J. S. Bahri, Personal Assistant, Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting and lately on deputation to the Minorities Commission, as an Officiating Private Secretary to Hon'ble Judge Supreme Court of India with effect from the forenoon of 3rd November, 1979, until further orders.

MAHESH PRASAD

Deputy Registrar (Admn. J.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 16th October 1979

No. A. 11016/1/76-Admn. III.—In partial modification of this Office Notification of even number dated 10th October, 1979, the President is pleased to appoint Shri A. Gopalakrishnan of the C.S.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of

the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 16th October 1979 until further orders.

2. Further, the appointment of Shri B. B. Murmu as Desk Officer with effect from 10-10-79 made *vide* this Office Notification of even number dated 10-10-79 stands cancelled.

3. Shri A. Gopalakrishnan shall drawn Special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

The 26th October 1979

No. A. 12022/1/79-Adm. I(i).—Shri B. N. Som, an officer of the Indian Postal Service and working as Deputy Secretary in the office of Union Public Commission has been appointed to officiate as Joint Secretary, Union Public Service Commission (Rs. 2000—125/2—2250) w.e.f. 24th August, 1979 until further orders.

No. A. 12022/1/79. I(ii).—S/Shri M. S. Pruthi and R. S. Goela, Selection Grade officers of the CSS and Deputy Secretaries in the office of Union Public Service Commission have been appointed to officiate as Joint Secretaries in the scale of pay of Rs. 2000—125/2—2250 in the office of Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 24th August, 1979, until further orders.

The 29 Oct, 1979.

No. A 32014/1/79-Admn I.—The President is pleased to appoint the following Selection Grade Personal Assistants (Grade C)/Personal Assistants (Grade C of the CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of the CSSS) in the same cadre in a purely provisional, temporary and ad hoc capacity with effect from the dates mentioned below:

Sl. No.	Name	Regular post held	Post to which ad hoc appointment made.	Period for which ad hoc appointment made.
1	2	3	4	5
1.	Shri S. P. Mehra	Officiating Selection Grade for Grade C	Senior PA (Grade B of the CSSS)	1-11-79 to 31-12-79 or until further orders whichever is earlier.
2.	O. P. Deora.	Stenographers and Permanent P. As (Grade C of the CSSS)	Senior PA (Grade B of the CSSS)	19-10-79 to 31-12-79 or until further order whichever is earlier.
3.	Hukam Chand	Officiating Selection Grade for Grade C	Senior P. A. (Grade B of CSSS)	
4.	H. C. Katoch	Stenographers and Permanent Grade C of the CSSS)		
5.	T. R. Sharma	Permanent P.A. (Grade C of CSSS)		
6.	K. S. Bhutani			

(2) The above-mentioned persons should note that their appointment as Senior P. A. (Grade B of the CSSS) is purely temporary and on ad hoc basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Their ad hoc appointments to Grade B of the CSSS for the period mentioned against their names is further subject to the approval of the Department of Personnel & ARs.

S. BALACHANDRAN,  
Under Secy.  
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 31st October 1979

No. A-31013/1/78-AD-I.—The President is pleased to appoint Shri I. V. Ratna Rao, Officiating Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment on deputation from Andhra Pradesh State Police, as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment in a substantive capacity on permanent absorption with effect from 1-10-1979.

No. A-31013/1/78-AD-I.—The President is pleased to appoint the following Officiating Superintendents of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, as Superintendents of Police, Central Bureau of Investi-

gation/Special Police Establishment in a substantive capacity with effect from 1-10-1979 :—

1. Shri Tejinder Singh
2. Shri M. D. Agharkar
3. Shri K. A. Rajagopalan
4. Shri Des Raj.

The 3rd November 1979

No. A-19035/4/79-Ad. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Tilak Raj, Crime Assistant, C.B.I. to officiate as Office Superintendent in the C.B.I. with effect from the forenoon of 6th September, 1979 and until further orders..

Q. L. GROVER  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 30th October 1979

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamaj Nayak as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on *ad hoc* basis with effect from 9-7-79 to 28-8-79.

No. O.II-1446/79-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri T. Tripathi, an IPS officer of UP Cadre as D.I.G. in the CRP Force.

2. Shri Tripathi took over charge of the post of Deputy Inspector General of Police, CRPF, Ajmer on the forenoon of 8th October, 1979.

The 5th November 1979

No. O.II-1100/78-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Mangala Rajan as Junior Medical Officer on *ad hoc* basis with effect from 18-10-79 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm.)

## DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 3rd November 1979

No. A. 12012/1/79-Admn.—S/Shri S. K. Malhotra, and S. D. Phoujdar, temporary Senior Technical Assistant and Senior Supervising Officer respectively of the Directorate of Coordination (Police Wireless) have been promoted to officiate as Extra Assistant Director in Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of the 10th October, 1979, until further orders.

C. P. JOSHI  
Director  
Police Telecommunications

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 29th October 1979

No. E-38013(3)/5/79-Pers.—On transfer to Delhi, Shri Chandgi Ram, relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, GOF Ghazipur w.e.f. the afternoon of 21st August, 1979 and assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, HIL, New Delhi w.e.f. the forenoon of 24th August, 1979.

No. E-38013(3)/5/79-Pers.—On transfer to Ghazipur Shri N. K. Anand relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, IPCL Baroda w.e.f. the afternoon of 31st August, 1979 and assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, GOF, Ghazipur w.e.f. the forenoon of 4th September, 1979.

Sd./- ILLEGIBLE  
Inspector General/CISF

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 29th October 1979

No. 11/29/78 Ad. I-22246.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Jai Kumar Verma as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in a temporary capacity, as a direct recruit, with effect from the afternoon of 9th October, 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

The 30th October 1979

No. 10/27/78 Ad. I-22377.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Sada Ram Prabhas as Assistant Director (Data Processing) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, in a temporary capacity, as a direct recruit, with effect from the afternoon of 6 October, 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

P. PADMANABHA

Registrar General, India

## SARDAR VALLABHBHAI PATEL

NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 3rd November 1979

No. 15011/6/79-Estt.—On relief from the Central Bureau of Investigation, Shri L. B. Rao, Dy. Superintendent of Police, CBI/SIC, New Delhi assumed charge of the post of Crime Instructor (Dy. S.P.) in the S.V.P. National Police Academy, Hyderabad, w.e.f. 22nd October, 1979 Forenoon. He will be on deputation to the Academy, for a period of 3 years from the date of joining the Academy, in the first instance, and will draw pay in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with a special pay of Rs. 100/- per month and other allowances as admissible under the Central Government rules.

M. I. S. IYER

Director-in-Charge

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 5th November 1979

No. 3678/A-Admn./130/79.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint Shri J. C. Bhatia, Substantive member of the S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Joint Director of Audit, Defence Services, Eastern Command, Patna, with effect from 15-10-79 (FN), until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK  
Jt. Director of Audit

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 27th October 1979

No. 28012(12)/78/AN-I(JAG).—The President is pleased to appoint the undermentioned officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that service, until further orders, with effect from the date shown against him.

SHRI LAL ZARLIANA—26-9-1979 (FN).

R. L. BAKHSI  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

## COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 28th September 1979

No. 1(4)-A(3)/CPE/79.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri R. L. Bagga, an Accounts officer of the Defence Accounts Dept. & presently on deputation as Research officer in the Commission on Public Expenditure of the Ministry of Finance shall retire from service with effect from the afternoon of 30th September, 1979.

The 5th October 1979

No. 1(3)-A(1)/CPE/79.—On his services having been replaced at the disposal of the Ministry of Finance, Department of Expenditure, Shri K. C. Bhattacharya, S.R.O. in the Com-

mission on Public Expenditure was struck off from the strength of the Commission with effect from the forenoon of 15-7-79.

The 11th October 1979

No. 1(4)-A/CPE/79.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Bagga, a retired Accounts officer of the Defence Accounts Deptt. as Research officer in the Commission on Public Expenditure under the Ministry of Finance, Department of Expenditure in the scale of pay of Rs. 700—1300 with effect from the forenoon of 1st October, 1979 to 31st May, 1980.

No. 1(8)-A/CPE/79.—On transfer from the Department of Science & Technology, Shri V. P. Dhingra, Senior PA. (Grade 'B' of C.S.S.S.) of the said Department is appointed as senior Personal Asstt. (Grade 'B' of C.S.S.S.) in the scale of Rs. 650—1040 in the Commission on Public Expenditure on usual deputation terms with effect from the forenoon of 25th September, 1979, until further orders.

J. N. KAUL  
Under Secy. (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 25th October 1979

No. 52/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. P. Sinha Offg. G.M. ((SG) Level-I/ Subst. G.M. Gr. I retired from service w.e.f. 31-8-79 (AN).

V. K. MEHTA  
ADGOF/EST  
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES  
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 10th October 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1294/79-Admn. (G)/7186.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri S. K. Bhattacharya, ACIO-II, Subsidiary Intelligence Bureau, Calcutta as Controller of Imports and Exports (Category B) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th August, 1979, until further orders.

2. Shri Bhattacharya as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200.

C. S. ARYA  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

Nw Delhi-110011, the 16th October 1979

No. A-19018/218/75-Admn. (G).—Consequent upon his reversion to the Govt. of Orissa, Shri D. P. Bhattacharya, IAS (Orissa-1964) relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (General Administrative Division) in Small Industries Service Institute, Cuttack on the afternoon of 5th September, 1979.

The 17th October 1979

No. 12(751)/72-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri M. Sampangi, Deputy Director (Export Promotion) Small Industries Service Institute, Madras as Director (Gr. I) (Export Promotion) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 30th June, 1979, until further orders.

The 19th October 1979

No. A-19018/359/78-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Dr. Manjit Singh, Scientist 'C' National Metallurgical Laboratory, CSIR, Jamshedpur as Director (Gr. I) (Metallurgical) in the Office of the D.C.S.S.I., New Delhi with effect from the forenoon of 11th October, 1979, until further orders.

No. 12(153)/61-Admn. (G).—Consequent upon his deputation with N.S.I.C., Shri N. R. Lodh relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (Leather/Footwear) in Small Industries Service Institute, Srinagar with effect from the afternoon of 24th September, 1979.

No. A-19018(410)/79-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri Sambhu Nath Das as Assistant Director (Grade I) (Metallurgy) in the Regional Testing Centre, Calcutta, with effect from the forenoon of 27th September, 1979, until further orders.

The 24th October 1979

No. A-19018(416)/79-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri S. C. Saklecha as Assistant Director (Grade I) (Mechanical) in the Branch Small Industries Service Institute, Imphal, with effect from the forenoon of 17th September, 1979, until further orders.

The 26th October 1979

No. 12(21)/61-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri B. V. Gundu Rao, Deputy Director (Mechanical), Small Industries Service Institute, Indore as Director (Gr. II) (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Srinagar on *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of 24th September, 1979.

M. P. GUPTA  
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION  
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 26th September 1979

No. A-15/28(671)/79.—The President is pleased to appoint Shri M. F. Alam, I.R.S., to officiate as Deputy Director (Registration) (Grade I of the Central Secretariat Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 3rd April, 1979, until further orders.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

The 30th October 1979

No. A-1/1(1144)/79.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Paul Xavier, Superintendent to officiate on purely *ad-hoc* basis as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Madras, with effect from the forenoon of the 3rd October, 1979 *vice* Shri K. V. Sivaramakrishnan proceeded on leave.

K. KISHORE  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES  
(DEPARTMENT OF MINES)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta, 16, the 29th October 1979

No. A-32014(9-Lib)/79-19A.—Shri T. Kameswara Rao, Senior Assistant Librarian, is appointed on promotion as Librarian in the same department on pay according to rules

in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad-hoc* basis against leave vacancy *vice* Shri A. R. Chakraborty, Librarian, Southern Region, G.S.I., Hyderabad, proceeded on leave with effect from the after-noon of 11th May '79 to the forenoon of 21st June 1979.

No. A-32014(II-Artist)/79-19A.—Shri G. Venkatramulu, Superintendent (D.O.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Artist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad-hoc* basis against the leave vacancy of Shri R. M. Bhattacharjee, Artist, Southern Region, G.S.I. who proceeded on leave with effect from the forenoon of 23-4-1979 to the after-noon of 12-6-1979.

V. S. KRISHNASWAMY

Director General

#### SURVEY OF INDIA

##### SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 29th October 1979

No. C-5570/718-A.—Shri J. P. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) on *ad-hoc* basis in Central Circle Office, Survey of India, Jabalpur in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 3rd October, 1979 (FN) *vice* Shri N. R. Bose, Establishment and Accounts Officer (on *ad-hoc* basis) retired on superannuation on 30th September, 1979 (AN).

K. L. KHOSLA

Major General

Surveyor General of India

#### ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 17th October 1979

No. F. 70-2/79-Estt/18631.—Shri J. T. Iothinayagam, Senior Zoological Assistant, Marine Biological Station, Zoological Survey of India, Madras, has been appointed to the post of Assistant Zoologist, (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650—1200 in the same Department at the Marine Biological Station, Madras, in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 1st September, 1979 (Forenoon), until further orders.

DR. T. N. ANANTHAKRISHNAN

Director

Zoological Survey of India

#### DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

##### NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING ORGANISATION

Calcutta-700019, the 27th October 1979

No. 35-2/78/Estt.—Sharbashree A. K. Sarkar and Durgadas Saha relinquished charge of the post, of Junior Technical Officer (officiating on *ad-hoc* basis) in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation with effect from the forenoon of 17th and 11th October, 1979 respectively. Sharbashi A. K. Sarkar and Durgadas Saha are appointed as Scientific Officer in the same Organisation on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 17th and 11th October, 1979 respectively.

The 31st October 1979

No. 35-2/78/Estt.—Shri P. K. Adhikari, officiating in the post of Scientific Officer on *ad-hoc* basis, is promoted in the same post in the National Atlas And Thematic Mapping Organisation as per recommendation of the Departmental Pro-

motion Committee with effect from 29-10-79, until further orders.

S. P. DAS GUPTA

Director

#### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 31st October 1979

No. F. 11-9/79-A. 1.—The Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri B. C. Sen, Assistant Archivist (Gr. I) (Genl.) to officiate as Archivist (General) (Class II Gazetted) on purely *ad-hoc* basis with effect from 24th October, 1979 (F.N.) and until further orders.

B. S. KALRA

Administrative Officer

National Archives of India

for Director of Archives

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 29th October 1979

No. 6(110)/62-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri N. N. Pradhan, Programme Executive, All India Radio, Cuttack retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September, 1979.

The 2nd November 1979

No. 4(82)/77-SI.—Consequent on the acceptance of his resignation, Shri R. P. Meena relinquished charge of the post of Programme Executive, All India Radio, Bikaner with effect from the afternoon of 12th October, 1979.

N. K. BHARDWAJ

Deputy Director of Admn.

for Director General

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

##### DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 30th October 1979

No. A. 12025/1/77-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity appoints Shri Samar Kumar Ghosh as Senior Artist in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of 25th October, 1979, until further orders.

J. R. LIKHI

Deputy Director (Administration)

for Director of Advertising & Visual Publicity

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd November 1979

No. A. 35019/1/78(RMLH)Admn. I.—Shri B. P. Pande assumed charge as Welfare Officer, Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 3rd October, 1979, and until further orders.

S. L. KUTHIALA

Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 2nd November 1979

No. A. 19019/10/79 CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Eswara Das to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi on a temporary basis with effect from the forenoon of 3rd October, 1979.

N. N. GHOSH

Dy. Director Admn. (CGHS)

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

## DIRECTORATE OF PURCHASE &amp; STORES

Madras-600 006, the 11th October 1979

No. MRP/200(20)/79 Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Gangadharan Deivasigamani, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the Madras Atomic Power Project—Stores Unit of the Directorate of Purchase & Stores in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 3-9-1979 F.N. until further orders *vice* Shri A. A. Shaik, Assistant Stores Officer transferred to Stores Unit, Tarapore Atomic Power Station.

No. MRP/200(223)/79/Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Nedungad Prabhakaran, a permanent Upper Division Clerk and officiating Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer in a temporary capacity in the Madras Regional Purchase Unit of the Directorate of Purchase & Stores in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 30-7-1979 F.N. until further orders.

S. RANGACHARY  
Purchase Officer

Bombay-400 001, the 22nd October 1979

Ref. No. DPS/2/1(5)/77-Adm./30780.—In continuation of this Directorate notification of even number dated August 21, 1978, Director, Purchase and Stores appoints Shri S. R. Vaidya, temporary Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in the same Directorate for a further period upto June 30, 1978.

C. V. GOPALAKRISHNAN  
Assistant Personnel Officer

## RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 30th October 1979

No. RAPP/Rect/7(9)/79/S/681.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri R. K. Sharma, a permanent Upper Division Clerk of Central Pool of Power Projects Engineering Division and Officiating Assistant Accountant in the Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in Rajasthan Atomic Power Project with effect from the Forenoon of 11th July, 1979 until further orders.

GOPAL SINGH  
Administrative Officer (E)  
for Chief Project Engineer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 29th October 1979

No. AMD-1/7/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G. D. Bansal Section Officer of Controller General of Defence Accounts as Assistant Accounts Officer on deputation in Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of 12th October 1979 until further orders.

The 30th October 1979

No. AMD-1/7/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. B. Banerjee, Section Officer (Accounts) of the Controller General of Defence Accounts as Assistant Accounts Officer on deputation in Atomic Minerals Division with effect from the afternoon of 6th October, 1979 until further orders.

The 31st October 1979

No. AMD-1/6/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. Subramanian Permanent Stenographer in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Superintendent in the Madras Atomic Power Project, as Assistant Personnel Officer in Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of 15th October, 1979 until further orders.

M. S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 31st October 1979

No. HWP/Estt/1/B-88/6165.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shivcharan Herma Hirua, a temporary Lower Division Clerk of Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy and officiating Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Talcher), to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same project, in a temporary capacity, on *ad hoc* basis, with effect from April 23, 1979 (AN) to July 13, 1979 (AN) *vice* Shri P. C. Mathew, Assistant Personnel Officer, granted leave.

No. HWP/Estt/1/M-110/6166.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri D. P. Mathur, a permanent Clerk Grade I and officiating Section Officer (Accounts) of Western Railway who is presently on deputation to Heavy Water Project (Baroda) as Assistant Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer, in the same project, in a temporary capacity, on an *ad hoc* basis, from May 14, 1979 to June 23, 1979 *vice* Shri R. B. Kulkarni, Accounts Officer, granted leave.

R. C. KOTIANKAR  
Sr. Administrative Officer

## MINISTRY OF TOURISM &amp; CIVIL AVIATION

## INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 31 October 1979

No. A. 32014/3/78-E. I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants as Assistant Meteorologists in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against their names and until further orders.

S. No.	Name	Date from which appointed as asstt. Meteorologist	Office of posting
1.	Shri Sista Viswanadham	8-9-1979 (A. N.)	Gauhati (under R. C. Calcutta).
2.	Shri Arun Kumar Mehra (already officiating in short term vacancy w. e. f. 4-5-1979)	21-5-1979	R. C. Bombay
3.	Shri Krishan Lal Kapoor	18-6-1979	R. C. New Delhi.
4.	Shri Radhey Shyam Pareek	27-9-1979	R. C. Bombay.
5.	Shri A. A. Faruqi	27-7-1979	Goa (under R. C. Bombay).
6.	Shri Kishori Lal Bhardwaj	8-10-1979	D. D. G. I., New Delhi.
7.	Shri Satya Sharma Avasthi	4-7-1979	Ahmedabad (under R. C. Bombay).

G. R. GUPTA  
Director  
for Director General of Meteorology

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd November 1979

No. A 32012/9/78-EC.—In partial modification of this Department notification No. A. 32013/9/78-EC dated 12-9-79, the entries at Serial No. 2 thereof are amended to read as under:—

S. No.	Name	Station of posting	Period of continued ad-hoc appointment
2.	Shri H. A. Shetty	A. C. S., Belgaum	Beyond 20-11-79 & upto 31-12-79.

R. N. DAS  
Assistant Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 31st October 1979

No. A. 32031/1/79-EC.—The President is pleased to give proforma promotion to Shri B. D. Gareker, Technical Officer who is at present on foreign assignment to Govt. of Maldives with effect from 26-9-79 (FN).

2. Senior Technical Officers will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Senior

Communication Officer for higher promotion according to the date of their regular appointment in the grade subject to maintenance of inter-se-seniority in the grade of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer and subject to condition that in the case of officers appointed to the Civil Aviation Department on the basis of the Engineering Services Examination their inter-se-seniority in the said Examination for appointment as Technical Officer/Communication Officer will also be maintained.

No. A. 32013/78/79-EC.—The President is pleased to appoint the following three Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier from the date and at the station indicated against each:—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge.
1.	Shri S. K. Das	ACS Agartala	ACS, Calcutta	29-8-79 (FN)
2.	Shri H. S. Gahley	ACS Lucknow	ACS Lucknow	16-9-79 (FN)
3.	Shri H. S. C. Rao	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.	ACS, Bombay	19-9-79 (FN)

No. A. 32014/4/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. V. Patankar, Communication Assistant attached to Aeronautical Communication Station, Ahmedabad to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis w.e.f. 27-9-79 (FN) and to post him in Aeronautical Communication Station, Bombay.

No. A. 38015/7/79-EC.—Shri M. A. Venugopal, Senior Technical Officer in the office of the Director, Radio Const. & Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of office on 9-7-79 (FN) on voluntary retirement in terms of para 4 of Ministry of Home Affairs, Department of Personnel and Administrative Reforms OM. No. 13/1/76-EDP dated 23-5-78.

No. A 32013/1/79-EC.—The President is pleased to appoint the following two technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from 26-9-79 (FN) and to post them at the station indicated against each:—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted
1.	Shri D. Anabalgan	Director, RCD & U, New Delhi.	Director, RCD&U New Delhi.
2.	Shri S. P. Konar	Director, RCD&U New Delhi.	-do-

2. These Senior Technical Officers will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Sr. Comm. Officer for higher promotion according to the date of their regular appointment in the grade subject to maintenance of inter-se seniority in the grade of Sr. Tech Officer/Sr. Comm. Officer and subject to condition that in the case of officers appointed in the civil Aviation Deptt. on the basis of the Engineering Service Examination their inter-se seniority in the said Examination for appointment as Tech. Officer/Comm. Officer will also be maintained

The 2nd November 1979

No. A. 32013/6/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. Anil Kumar, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, New Delhi to the grade of Senior Communication Officer on regular basis with effect from 28-9-1979 (FN) and to post him in the Office of the D.G.C.A. (HQ).

2. Shri P. Anil Kumar will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer, for higher promotion, according to the date of his regular appointments in the grade, subject to maintenance of inter-se seniority in the grade of STO/SCO and subject to condition that in the case of officers appointed in the Civil Aviation Department on the basis of the Engineering Service Examination, their inter-se seniority in the said Examination for appointment as Technical Officer/Communication Officer will also be maintained.

No. A. 32013/4/78-EC.—in continuation of this Department Notification No. A. 32012/4/78-EC dated 30-6-79, the President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of the following two Senior Communication officers for a further period indicated against each:—

Sl. No.	Name	Station of posting	Period of ad hoc sanction continued
1.	Shri R. C. Chitkara	Regional Director, CAD Bombay Airport, Bombay.	Beyond 30-6-79 and upto 17-7-79.
2.	Shri N. B. Mathur	Regional Controller of Communication, Calcutta.	Beyond 26-7-79 and upto 2-9-79.

The 3rd November, 1979

No. A 32014/3/79-EC (Pt): —The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each:—

S. No.	Name	Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri C. P. Juneja	A. C. S. Palam	ACS. Palam	3-9-79 (FN)
2.	Shri D. W. Jacob	A. C. S. Palam	ACS, Palam	5-9-79 (FN)
3.	Shri S. K. Seth	ACS, Mandasaur	ACS, Mandasaur	5-9-79 (FN)
4.	Shri M. Sivasubramaniam	ACS, Madras	ACS, Madras	5-9-79 (FN)
5.	Shri R. Jayraman	ACS, Madras	ACS, Madras	5-9-79 (FN)
6.	Shri P. Y. Joseph	ACS, Nagpur	ACS, Nagpur	5-9-79 (FN)
7.	Shri H. D. Vadhiya	ACS, Bombay	ACS, Bombay	6-9-79 (FN)
8.	Shri D. R. Khadilkar	ACS, Bombay	ACS, Bombay	6-9-79 (FN)

R. N. DAS  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 26th October 1979

No. A-32014/1/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers for a further period of six months i. e. upto the dates, indicated against each or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

S. No.	Name	Period	Station of posting
1.	Shri M. M. Bhardwaj	9-4-80	Delhi Airport (Palam)
2.	Shri K. C. Biswas	8-4-80	Dum Dum.
3.	Shri V. V. Davekar	8-4-80	Ahmedabad.
4.	Shri S. Manian	12-4-80	Tiruchirapalli.
5.	Shri S. L. Biswas	8-4-80	Dum Dum.

No. A-32014/1/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Asstt. Aerodrome Officers for a further period upto 31-3-80 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri C. B. Yadnaik	Bombay Santacruz
2.	Shri A. C. Das	Mangalore.
3.	Shri Inderjit Singh	Kanpur.
4.	Shri G. B. Singh	Santacruz.
5.	Shri J. P. Kapoor	Palam.
6.	Shri A. F. Herbert	Santacruz.
7.	Shri P. M. Dhanraj	Santacruz.

V. V. JOHRI,  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 29th October 1979

No. A. 32013/3/79-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri B. K. Joshi, Scientific Officer in this Department to the post of Senior Scientific Officer on *ad hoc* basis in this Department for a period of six months with effect from 16-10-1979 (Forenoon) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. K. VATSA  
Assistant Director of Administration

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Indore, the 25th October 1979

No. 11/79.—Shri R. D. Malhotra, Superintendent, Central Excise, Group 'B' Dhar in Madhya Pradesh Collectorate, Indore having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of 30th Sept. 1979.

S. K. DHAR  
Collector

Kanpur, the 30th October 1979

No. 14/79.—The following officers of the grade of Superintendent/Administrative Officer, Group 'B' Customs & Central Excise, Kanpur retired from service, on attaining, the age of superannuation with effect from the dates indicated against each:—

S. No.	Name of the officer and post held at the time of retirement.	Date of retirement
1	2	3
	S/Shri	
1.	A. S. Sherwani Supdt. Superintendent Group 'B' M. O. R. Aliganj	31-12-78 A. N.

1	2	3
2.	C. P. Anand, Superintendent Group 'B' Central Excise, Hdqrs. Office Kanpur	30-4-79 A.N.
3.	Dhawan Singh, A. O. Kanpur-1 Div.	30-4-79 A.N.
4.	O. P. Mohan, Superintendent Group 'B' Central Excise, Hdqrs. Office Kanpur	30-6-79 A.N.
5.	T.S. Bisharia, Superintendent, Group 'B' Central Excise, Kanpur Division-II	30-6-79 A.N.
6.	H. S. Mishra, Supdt. C. Excise, Agra	30-6-79 A.N.
7.	Rajpal Singh, Superintendent Group 'B' Central Excise, M. O. R. I. Aligarh	31-7-79 A.N.
8.	S. S. Lehri, Asstt. Chief Accounts Officer, Central Excise Hdqrs. Office, Kanpur	31-7-79 A.N.
9.	P. H. S. Chauhan, Supdt. Group 'B' Central Excise Hdqrs. Office, Kanpur	31-8-79 A.N.
10.	P. N. Banerjee, Supdt. Group 'B' Central Excise, M. C. R. Chhibramau	31-8-79 A.N.
11.	S. S. L. Saxena, Supdt. Group 'B' Central Excise Farrukhabad	31-8-79 A.N.

K. L. REKHI

Collector  
Central Excise, Kanpur

## CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 29th October 1979

No. 2/1979.—Shri U. C. Seth, Assistant Chemical Examiner, Govt. Opium & Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur expired on 10-10-1979 (A.N.).

D. R. GUPTA

Chief Chemist, Central Revenues

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 29th October 1979

No. A-19012/617/76-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission regrets to announce the death of Shri Buta Singh, Extra Assistant Director, Central Water Commission, on the 5th October, 1979.

J. K. SAHA

Under Secy.  
Central Water Commission

## CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 29th October 1979

No. 27-17/79-Estt(M).—Sh. T. S. Narsimhan is appointed as Asstt. Admn. Officer, G.C.S. Group 'B' (Gazetted) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—1B—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad hoc* and temporary basis w.e.f. 22-10-1979 (FN) in the Central Ground Water Board with his Headquarters at Faridabad till further orders.

B. K. BAWEJA

Chief Hydrogeologist &amp; Member

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

## CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 31st October 1979

No. 27(1)/R/71-ECIX (Vol. II).—Dr. G. S. Randhawa, Director of Horticulture of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st October, 1979 (AN).

H. D. SINHA

Dy. Director of Administration

New Delhi, the 5th November 1979

No. 27-F/B(1)/69-FCH.—The President of India has been pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shri T. S. Bajaj, Executive Engineer (Civil), C.P.W.D. to retire from Govt. Service. Accordingly Shri Bajaj retired from Govt. service in the forenoon of 8th November 1979.

S. S. P. RAU

Dy. Director of Administration

## SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 2nd November 1979

No. P(GAZ)185/Accounts.—The following officiating Class-II Officers of Accounts Department of this Railway and confirmed in class-II service of that Department with effect from the date mentioned against each :—

Sl. No.	Name	Confirmed with effect from
1.	Shri V. Chengaiah	27-03-1978
2.	Shri G. Rangachar	10-05-1979
3.	Shri R. S. Mani	01-07-1979

N. NILAKANTA SARMA  
General Manager

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE &amp; COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

## COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Hanumanthanagar Construction Company Private Ltd.*

Bangalore, the 31st October 1979

No. 1794/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Hanumanthanagar Construction Company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI  
Registrar of Companies,  
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Easy Trading and Finance Private Limited*

Ahmedabad, the 6th November 1979

No. 1594/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Easy Trading and Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA  
Registrar of Companies,  
Gujarat

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 18th October 1979

## INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/1/79-80/24360.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125-A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T. Delhi-I, hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on, or assigned to the Income-tax

Officers Salary Circles including Addl. Salary Circles, New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-I-B, New Delhi.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T., Delhi-I also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-I-B to pass such orders as are contemplated in sub-section (2) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 1-11-1979.

F. No. JUR-DLI/I/79-80/24521.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T. Delhi-I, hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on, or assigned to the Income-tax Officers Private Salary Circles, New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-I-C, New Delhi.

2. For the purposes of facilitating the performance of the functions C.I.T. Delhi-I also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-I-C to pass such orders as are contemplated in sub-section (2) of Section 125-A of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 1-11-1979.

M. W. A. KHAN  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-I, New Delhi

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
DELHI-V

New Delhi, the 29th October 1979

INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/V/79-80/25954.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (2) of Section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-V-A shall also perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-V-C, New Delhi.

This notification shall take effect from 29-10-1979.

K. R. RAGHAVAN  
Commissioner of Income-tax,  
Delhi-V, New Delhi

Cochin-682 016, the 24th October 1979

C. No. 1(209)/GL/79-80.—In exercise of the powers conferred on me, I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-II, Ernakulam, hereby abolish the Charge of the Income Tax Officer, E-Ward, Cannanore with effect from the Forenoon of 1-11-1979.

B. J. CHACKO  
Commissioner of Income-tax,  
Kerala-II

**FORM ITNS**

(1) S. L. Nayyar and Smt Vidyavati, 179 Sector 11-A Chandigarh.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Sarbjit Singh (part of) 5 Friends Colony New Delhi.  
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 29th October 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/ii(7)/1048/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Free Hold Bldg-5, Friends, colony situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Free hold Bldg 2090 Sq. yds as the pain attested M/s Firck India Ltd., New Delhi.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.Date : 29-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 7th November 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/II(9)/1050/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. M-44 situated at Plot No. M-44 Greater Kailash-II New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at New Delhi on 21-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Savitri R/o 2/31, Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Kumar Chaudhary C/o 5670, Kucha Khan Chand, Nai Sarak, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. M-44 Measuring 277.5 Sq. Yds in Greater Kailash-II New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 21-2-79.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 7-11-1979

Seal :

## FORM ITNS.

(1) Smt. Sakuntala Devi Killa

(Transferor)

(1) Amardeep Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferees)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 29th October 1979

Ref. No. 619/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Sarat Bose Road Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 9 chittacks together with structures thereon situated at premises No. 1, Sarat Bose Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Calcutta.

Date : 29-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 29th October 1979

Ref. No. 620/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Badrinarayan Agarwal  
Sri Gouri Sankar Agarwal  
Sri Dwarka Prosad Agarwal  
Sri Kailash Bagaria  
Sri Subhas Bagaria  
Sri Ram Nagina Singh.

(Transferor)

- (2) Amardeep Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs, 9 chittacks together with structures thereon situated at premises No. 1, Sarat Bose Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range-IV,  
Calcutta.

Date : 29-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Basant Kumar Tibrewalla  
Shri Ashok Kumar Tibrewalla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Amardeep Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta, the 29th October 1979

Ref. 621/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 22-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 9 chittacks together with structures thereon situated at premises No. 1, Sarat Bose Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Calcutta.

Date : 29-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Abdul Waheb S/o. Late Abdul Kader  
Chandmari, Gauhati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
SHILLONG.

Shillong, the 24th October 1979

Ref. No. A-241/Gan/78-79/696.—Whereas, I, R. N. BARA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 27 and K. P. Patta No. 12 situated at Mouza Jhalukbari, Town Bharalumukh, Gauhati in the dist. of Kamrup.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 19-16-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Ali Ahmed  
2. Shri Altaf Bin Ahmed  
3. Shri Rafique Bin Ahmed  
4. Shri Mustafa Bin Ahmed  
5. Smti. Hurtan Nessa.  
W/o. Shri Ali Ahmed.  
C/o. Messers Janata Binding Centre.  
Panbazar, Gauhati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One Two storied R.C.C. Building measuring an area of 1100 sq. ft. each situated at Santipur, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Shillong.

Date : 24-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Abdul Waheb.  
S/o. Late Abdul Kader.  
Chandmari, Gauhati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG.

Shillong, the 24th October 1979

Ref. No. A-240/Gan/78-79/700.—Whereas, I R. N. BARA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing

No. Dag No. 27 and K. P. Patta No. 12 situated at Mouza Jhalukbari, Town Bharalumukh, Gauhati in the dist. of Kamrup,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 16-2-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Ali Ahmed.  
2. Shri Altaf Bin Ahmed.  
3. Shri Rafique Bin Ahmed.  
4. Shri Mustafa Bin Ahmed.  
5. Smti. Huratan Nessa.  
W/o Shri Ali Ahmed.  
C/o Messers Janata Binding Centre,  
Panbazar, Gauhati-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1(one) Bigha situated at Santipur, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Shillong.

Date : 24-10-1979,  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Nirendra Kumar Dhar, Panbazar, Gauhati,  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) M/S. Upper Assam Plywood Products (P) Ltd.  
C. R. Building, Dibrugarh.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

SHILLONG.

Shillong, the 24th October 1979

Ref. No. A-239/Gan/78-79/704.—Whereas, I, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 215 and K. P. Patta No. 33 situated at Village Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the dist. of Kamrup (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 17-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring One Bigha, One Katha and four Lacha situated at Village Jatia, Mouza Seltela, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Shillong.

Date : 24-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS**(1) Shri Birendra Kumar Dhar, Panbazar, Gauhati.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Upper Assam Plywood Products (P) Ltd. C. R. Building, Dibrugarh.  
(Transferee)**GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG.

Shillong, the 24th October 1979

Ref. No. A-238/Gan/78-79/708.—Whereas I, R. N. BARA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 215 and K. P. Patta No. 33 situated at Village Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the dist. of Kamrup, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 17-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring One Bigha situated at village Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Shillong.

Date : 24-10-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG,

Shillong, the 24th October 1979

Ref. No. A-237/Gan/78-79/712.—Whereas J. R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 215 and K. P. Patta No. 33 situated at Village Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the dist. of Kamrup. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gauhati on 17-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amarendra Dhar, Panbazar, Gauhati. (Transferor)

(2) Upper Assam Plywood Products (P) Ltd, C.R. Building, Dibrugarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring One Bigha situated at village Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Shillong.

Date : 24-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nirendra Kumar Dhar, Panbazar, Gauhati.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Upper Assam Plywood Products (P) Ltd.  
C.R. Building, Dibrugarh.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

SHILLONG

Shillong, the 24th October 1979

Ref. No. A-236/Gan/78-79/716.—Whereas, I. R. N. BARA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 215 and K.P. Patta No. 33.

situated at Village Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the dist. of Kamrup,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 16-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring One Bigha situated at village Jatia, Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Shillong.

Date : 24-10-1979.

Seal :

## FORM TINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/292/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2321, Sector 35-C, Chandigarh situated at Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

34—336GI/79

(1) Cap. Parmatma Singh Sodhi s/o Shri Ram Singh Sodhi, r/o Village Nillewala P.O. Kisana Teh. Zira, Distt. Ferozepur.

(Transferor)

(2) Shri O. P. Bhatia s/o Shri Ram Ditta Mal Bhatia r/o H. No. 1427, Sector 20-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 2321, Sector 35-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered sale deed No. 958 of Feb. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/303/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Timber Depot Building No. 27, Timber Market, situated at Chandigarh in February, 1979 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Feb. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harvinder Singh s/o Shri Mehar Singh, r/o H. No. 109, Sector 28-A Chandigarh through his General Lawful Attorney, Shri Madho Singh s/o Shri Deva Singh, r/o H. No. 201, Sector 16-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Harcharan Kaur w/o Shri Madho Singh, r/o H. No. 201, Sector 16-A, Chandigarh. (Transferee)
- (3) M/s. National Timbers, No. 27, Timber Market, Chandigarh [Person in occupation of the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property as mentioned in the registered deed No. 986 of February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/316/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2½ storeyed shop-cum-flat bearing No. 52, Sector 29-D Chandigarh situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in Feb. 79/March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Darshan Pathak w/o Shri Sohan Lal Pathak, r/o H. No. 2120, Sector 22-C, Chandigarh.
- (2) Shri Om Parkash s/o Shri Hukam Chand and Smt. Krishana Kumari w/o Shri Om Parkash, r/o S.C.F. 52, Sector 29-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storeyed SCF No. 52, Sector 29-D, Chandigarh built over a free hold plot measuring 114 sq. yds.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 1074 of Feb. 79/March, 79 of the Registering Authority, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/307/78-79. —Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 31 kanals 10 marlas situated at Village Maloya U.T. Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narinder Singh s/o Shri Ripudaman Singh, Village Sohana, Tehsil Kharar, Distt Ropar.  
(Transferor)
- (2) Shri Dayal Singh,,  
Rulda Singh ss/o Shri Fattu,  
Shri Dayal Singh, Badev Singh ss/o Shri Babu Singh, Shri Randhir Singh, Ranbir Singh, Ranjodh Singh, Bhim Singh, Jasbir Singh ss/o Shri Arjan Singh, All residents of Village Maloya, U.T. Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 31 kanals 10 marlas situated in Village Maloya, U.T. Chandigarh,

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 1002 of February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/287/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1 share in three storeyed SCO No. 144, Sector 28-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Shri Jai Singh r/o H. No. 210, Sector 16-A, Chandigarh and Shri Sewak Singh s/o Shri Khazan Singh, r/o H. No. 206, Sector 16-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Gurmohan Singh s/o Shri Harman Singh, Smt. Dalip Kaur w/o Shri Gurmohan Singh, Shri Inderpal Singh s/o Gurmohan Singh, Shri Manoj Singh s/o Shri Gurmohan Singh, all residents of H. No. 3015, Sector 28-D, Chandigarh. (Transferee).
- (3) Shri Roshan Lal s/o Shri J. N. Madan, Managing Director, M/s. Electro Sales, SCO No. 144, Sector 28-D, Chandigarh, The Principal, Coop. Training College, National Council for Coop. Training, South Patel Nagar, New Delhi, [Persons in occupation of the property].
- (4) Shri Joginder Singh s/o Shri Jai Singh, Shri Sewak Singh s/o Shri Khazan Singh, r/o 206, Sector 16-A, Chandigarh, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 share in three storey SCO building No. 144, Sector 28-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 939 of February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/296/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. House property No. 57, Sector 9-A, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Ajaib Singh s/o Late Shri Sunder Singh, r/o H. No. 106, Sector 10-A, Chandigarh.  
(Transferors)
- (2) Smt. Bindu Choudhry w/o Shri Jagdish Chander Chaudhry, H. No. 57, Sector 9-A, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 57, Sector 9-A, Chandigarh.

The property as mentioned in the Registration Deed No. 969 of February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/297/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 storeyed building constructed over a free hold corner plot measuring 220.998 sq. yds., bearing No. 3302, Sector 27-D, Chandigarh., situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Tej Bahadur
- (2) Shri Dev Raj Thapar
- (3) Shri Joginder Nath Thapar,  
All sons of Late Shri Amrit Shah Thapar,
- (4) Smt. Goran Devi Alias Smt. Gur Devi wd/o Late Shri Amrit Shah Thapar through her special power of attorney Shri Tej Bahadur Thapar.
- (5) Smt. Kanta Rani w/o Shri Vasdev Mehta,
- (6) Smt. Ved Kumari w/o Shri Acharai Lal Vohra, both through their General Attorney Shri Tej Bahadur Thapar, and
- (7) Smt. Rawel Kumari alias Smt. Sunita Kumari w/o Shri Krishan Lal Kocher through her Gen. attorney Shri Joginder Nath Thapar,  
All residents of H. No. 1270, Sector 22-B, Chandigarh

(Transferor)

- (2) Shri Ram Lal s/o Shri Chiranji Lal and Smt. Jecto w/o Shri Ram Lal residents of H. No. 3302, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferee)

- (3) (1) Shri Rawat Singh, General Merchant (Ground Floor)
- (2) Shri Anand Verma (Ground Floor),
- (3) Shri Vijay Paul Sharma (Ground Floor),
- (4) Shri Ram Ishar Bhagat (First Floor),
- (5) Shri Hari Krishan (first floor),
- (6) Shri Madhav Parkash (first floor),
- (7) Smt. Veero Kaur (first floor),
- (8) Mohinder Nath Sharma (Barsati),  
all residents of H. No. 3302, Sector 27-D, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act in that Chapter.

## THE SCHEDULE

24 storeyed house No. 3302, Sector 27-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 970 of February 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority.Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/294/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 3142/27-D, Chandigarh situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sukhdev Raj Bhasin s/o Shri Ganpat Rai Bhasin,  
r/o H. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Smt. Paramjit Kaur Grewal w/o Shri Manjeetinder Singh Grewal,  
H. No. 256, Sector 21-A, Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) (1) Shri Mangat Singh Pathania,  
r/o H. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.  
(2) Shri D. P. Goyal,  
r/o H. No. 3142/27-D, Chandigarh  
(3) Shri B. K. Sharma,  
r/o H. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.  
(4) Shri Latha Ram  
r/o H. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.  
(5) Shri Radhey Sham  
r/o H. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.  
(6) Shri Kapur Singh  
r/o H. No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3142, Sector 27-D, Chandigarh.

The property as mentioned in the Registration Deed No. 965 of February 1979 of the Registering Authority,

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/304/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 99 Sector 28-A, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

35—336GI/79

(1) Smt. Rattan Prabha w/o Shri S. P. Gupta,  
r/o H. No. 610, Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Atul Sundra and Anuj Sundra minor s/o Late Shri Sudhir Sundra through their mother and natural guardian Smt. Prabha Sundra,  
r/o H. No. 99, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 99, Sector 28-A, Chandigarh.  
(The property as mentioned in the Registration Deed No. 988 of February 79 of the Registering Authority Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/11/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Annexure No. 67, (Plot No. 41), Sector 8-A (Half share) situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Gurdial Singh Brar s/o Shri Jiwan Singh, 160, Sector 11-A, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Shri Jawahar Lal s/o Shri Babu Ram, SCO No. 18, Sector 22-D, Chandigarh.  
(Transferee)
- (4) Shri Jawahar Lal s/o Shri Babu Ram Karta of Jawahar Lal (HUF) SCO No. 18, Sector 22-D, Chandigarh,  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Annexure No. 67 (plot No. 41), Sector 8-A, Chandigarh (Half share).

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 41 of April, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/286/78-79.—Whereas, I. R. \*K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 3279, Sector 15-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Saran Sethi s/o Shri Des Raj Sethi, r/o 466, Sector 37-A, Chandigarh  
(Transferor)
- (2) Shri Satish Chander s/o Ram Saran Dass, r/o 157 Hutton Road, Birmingham (U.K.) through General Attorney of Shri Ram Saran Dass s/o Shri Burbax Ram, r/o H. No. 3279, Sector, 15-D, Chandigarh.  
(Transferee)
- (3) Shri R. K. Nanda of Indian Exposives Ltd., Shri V. P. Munjal of Bradma of Indian, Shri Ram Saran Dass, All resident of H. No. 3279, Sector 15-D, Chandigarh.  
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3279, Sector 15-D, Chandigarh.

The property as mentioned in the Registration Deed No 938 of February, 1979 registered with the Registering Authority, Chandigarh.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. CHD/298/78-79.—Whereas, I R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Annexe building No. 67, Sector 8-A, ( $\frac{1}{2}$  share) situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurdial Singh Brar s/o Shri Jiwan Singh Brar, r/o H. No. 160, Sector 11-A, Chandigarh.  
(Transferor)

(2) Shri Jawahar Lal s/o Late Shri Babu Ram, Karta Jawahar Lal (HUF), r/o SCO No. 18, Sector 22-D, Chandigarh.  
(Transferee)

(4) Shri Jawahar Lal s/o Shri Babu Ram, r/o SCO No. 18, Sector 22-D, Chandigarh.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Annexe No. 67 (Plot No. 41), Sector 8-A, Chandigarh ( $\frac{1}{2}$  share).

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 976 of February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/261/78-79.—Whereas, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop Building No. 1664/5, situated at Bhupindera Road, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Himmat Singh Grewal s/o Lt. Sh. Gurbax Singh Grewal (self) and General Attorney of Smt. Gobinder Kaur wd/o Shri Gurbax Singh, Smt. Manoranjan Kaur, Amrit Kaur ds/o Lt. Shri Gurbax Singh Grewal, r/o 14, Civil Lines, Patiala.  
(Transferor)
- (2) Smt. Ram Murti w/o Shri Sham Lal,  
Smt. Chandan Garg w/o Shri Pawan Kumar,  
residents of Ajit Nagar, Patiala.  
(Transferee)
- (3) Cooperative Consumer Store,  
Shri Jagat Ram, Hotal Wala,  
Mohd. Hafiz,  
r/o H. No. 1664/5, near Pathak No. 22,  
Bhupindera Road, Patiala.  
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop property No. 1664/5, situated on Bhupindera Road, Patiala.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 5633 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/272/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 2 kanals 15 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Harinder Singh, through General Attorney, Shri Hardev Singh Grewal s/o Shri Harcharan Singh, r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala, (Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi w/o Shri Piara Lal, r/o Village Sheron Teh. Sunam, Distt. Sangrur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanals 15 marlas situated in Tripari Saidan, Patiala.

The property as mentioned in the Registration Deed No. 5744 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/247/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7, Nirola Colony near State College, situated at Lehal, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Hakam Singh Dhaliwal s/o Shri Harchand Singh, Dhaliwal, r/o Village Salabatpura, Teh. Rampura Phul, Distt. Bhatinda.

(Transferors)

(2) Shri Jagrup Singh Sidhu s/o Shri Chuhan Singh Sidhu, r/o Village Biggerwal P.O. Sunam, Distt. Sangrur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 7, Nirola Colony, near Punjabi Bagh, near State College, Lehal, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5559 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.)

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/262/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Single Storeyed house No. 7957/5, Raghbir Singh Marg, Near Model Town, Patiala, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prithipal Singh Basoor s/o Shri Jaswant Singh Basoor,  
r/o Raghbir Singh Marg, Bhupindera Road, Patiala.  
(Transferor)

(2) Smt. Seeta Devi w/o Shri Brij Lal s/o Shri Meeri Mal and Ashok Kumar, Pawan Kumar, Rakesh Kumar s/o Shri Brij Lal,  
r/o 7957/5, Raghbir Singh Marg, Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 7957/5, Raghbir Singh Marg Near Model Town, Patiala.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 5640 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/244/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 98, situated in the New Grain Market, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

36—336 GI/79

- (1) (1) Shri Manmohan Singh s/o Hukam Singh and Spl. Attorney of Shri Jai Singh s/o Hira Singh,
- (2) Shri Amar Singh s/o Ram Chand Shri Gurdarshan Singh s/o Shri Hukam Singh,
- 1/o Bazar Sita Ram, Delhi,
- (3) Smt. Dalip Kaur wd/o Shri Hukam Singh, Gurbax Kaur d/o Shri Hukam Singh and (wife of Shri Sawarn Singh),
- (4) Shri Pushpinder Singh s/o Shri Hukam Singh,
- (5) Kanwaljit Kaur d/o Shri Hukam Singh,
- 1/o Sita Ram Bazar, Delhi-6.

(Transferor)

- (2) M/s. Jindal Interprises c/o M/s. Wallaiti Ram Parkash Chand,
- Shop No. 98, New Grain Mandi,
- Sirhind Road, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 98, situated at New Anaj Mandi, Sirhind Road, Patiala.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 5507 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/270/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 5 kanal 2 marlas situated in Tripari Saldan, Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harinder Singh s/o Shri Harcharan Singh, r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.  
(Transferor)
- (2) Shri Subhash Kumar Bansal s/o Shri Ganda Ram, 1553, Purana Gadda Khana, Arya Samaj, Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5 kanal 2marlas situated in Tripari Saldan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 5742 of February 1979, of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/271/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 2 kanals situated in Tripari Saidan, Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Harinder Singh,  
r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala,  
(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Bansal w/o Shri Subhash Kumar Bansal,  
r/o 1553, Purana Gadda Khana, Arya Samaj,  
Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanal situated in Tripari Saidan,  
(The property as mention in the Registration Deed Patiala.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. PTA/236/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 bighas Khata No. 7/14 (Khasra No. 1036/1), situated at Alipur Arain, Tehsil Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ranbir Singh, Sukhwant Singh s/o Shri Karatar Singh,  
r/o Alipur Araiayan, Tehsil Patiala.

(Transferor)

- (2) M/s. Ghana Ram & Sons, New Grain Market, Sirhind Road, Patiala (through Shri Wazir Chand Partner).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas situated at Village Alipur Arain, Tehsil Patiala.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 5414 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. DBS/45/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 12 kanal 15 marlas situated in Village Lohgarh, Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala, situated at Village Lohgarh, Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Joginder Singh s/o Shri Narinder Singh and Special Attorney of S/Shri Suinder Singh, Mohinder Singh, Sukhinder Singh, Rajinder Singh, Jatinder Singh and Tejinder Singh s/o Shri Narinder Singh, r/o Village Dhakauli, Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Jaspal Singh Sethi s/o Shri Sant Singh, House No. 211, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 kanals 15 marlas situated in Village Lohgarh Sub-Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 1021 of February, 1979 of the Registering Authority, Dera Bassi.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. SRD/205/78-79.—Whereas, I, R. K.

MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 5 bighas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harmeet Singh s/o Shri Lachman Singh and Shri Pritpal Singh s/o Shri Harmeet Singh, Village Ajnali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.  
(Transferors)

- (2) Shri Nachhatar Singh etc. s/o Shri Teja Singh, Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 5 bighas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3453 of February, 1979 of the Registering Authority Sirhind).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gurdial Singh s/o Shri Mitu,  
r/o Nabha.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Amar Rice Mills, Nabha, through its partner  
Shri Amar Nath s/o Shri Moti Ram,  
Anaj Mandi, Nabha.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. NBA/104/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanals 6 marlas, situated at Thuhi Road, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Nabha in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 6 marlas situated in Thuhi Road, Nabha.

The property as mentioned in the Registration Deed No. 2401 of February, 1979 of the Registering Officer, Nabha.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. NBA/112/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 40, measuring 277.7/9 sq. yds. situated at New Anaj Mandi, Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Des Raj s/o Shri Bali Ram,  
Mohalla Dozianwala, Nabha.  
(Transferor)
- (2) M/s. Kundan Lal Udho Ram, Commission Agents,  
through Shri Dharam Pal s/o Shri Kundan Lal,  
(Partner),  
r/o Bhawanigarh Tehsil and Distt. Sangrur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 40, situated in New Anaj Mandi, Nabha.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 2587 of February, 1979 of the Registering Officer, Nabha.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. AML/126/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 7 bighas situated at Village Jassran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

37—336GI/79

(1) Shri Baljit Singh s/o Shri Mastu,  
r/o Village Nasrali, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.  
(Transferor)

(2) S/Shri Tara Singh, Labh Singh, Jaswant Singh ss/o  
Shri Amar Singh,  
r/o Kukar Majra, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 bighas situated in Village Jassran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1884 of February, 1979 of the Registering Officer, Amloh.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. AML/129/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 5 bighas 2 biswas, situated at Village Jassran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Baljit Singh s/o Shri Mastu,  
r/o Village Nasrali, Sub-Tehsil Amloh, Distt.  
Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Tara Singh, Labh Singh, Jaswant Singh ss/o  
Shri Amar Singh,  
r/o Village Kukkar Majra, Sub-Teh. Amloh, Distt.  
Patiala,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 5 bighas 2 biswas situated at Village Jassran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1946 of March, 1979 of the Registering Officer, Amloh.)

**R. K. MALHOTRA**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Netar Singh s/o Shri Mastu,  
r/o Village Nasrali, Sub-Tehsil Amloh, Distt.  
Patiala.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Tara Singh, Labh Singh, Jaswant Singh s/o  
Shri Amar Singh,  
r/o Village Kukkar Majra, Sub-Teh. Amloh, Distt.  
Patiala.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. AML/130/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 11 bighas 18 biswas, situated at Village Jassran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala, and more fully described in the scheduled annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Amloh in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11 bighas 18 biswas situated at Village Jassran, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1947 of March, 1979 of the Registering Officer, Amloh.)

R. K. MALHOTRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/234/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/3rd share of house No. B-XX-13, measuring 331-2/3 sq. yards situated at Govt. College Road, Civil Lines Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely—

- (1) Smt. Balbir Kaur w/o Birpal Singh s/o Jagpal Singh,  
r/o Machhiwara Tehsil Samrala Distt. Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sushila Devi w/o Shri Ved Parkash s/o Lala Jagan Nath,  
r/o B-VI-120, Chowk Madhopuri, Ludhiana.  
(Transferee)
- (3) Shri Jagdish Chander s/o Shri Jagan Nath,  
r/o B-XX-13, Govt. College Road, Civil Lines, Ludhiana.  
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of house B-XX-13, measuring 331-2/3, sq. yds. situated Govt. College Road Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4240 of February, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979

Seal :

**FORM ITN—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/224/79-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share of house No. B-XX-13, measuring 331-2/3 sq. yards situated at Govt. College Road, Civil Lines, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Surjit Kaur w/o Amar Pal Singh,  
r/o Machhiwara Tehsil Samrala Distt. Ludhiana.  
(Transferee)
- (2) Shri Padam Kumar s/o Shri Jagan Nath,  
r/o B-VI-120, Chowk Madhopuri, Ludhiana.  
(Transferees)
- (3) Jagdish Chander s/o Jagan Nath,  
r/o B-XX-13, Govt. College Road, Civil Lines,  
Ludhiana.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/3rd share of house No. B-XX-13, measuring 331-2/3, sq. yds. situated on Govt. College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 4217 of February 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

**R. K. MALHOTRA**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/275/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6 share of house property measuring 165.5/6 sq. yards situated at Govt. College Road, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Amarpal Singh,  
r/o Machhiwara Tehsil Samrala Distt. Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Shri Harbans Lal s/o Lala Jagan Nath,  
r/o B-VI-120, Chowk Madhopuri, Ludhiana.  
(Transferor)
- (3) Shri Jagdish Chander s/o Lala Jagan Nath,  
r/o B-XX-13, Govt. College Road, Civil Lines,  
Ludhiana.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share of House measuring 165.5/6 sq. yds. situated on Govt. College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 4561 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/7/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/6th share of H. No. B-XX-13, measuring 165-5/6 sq. yds. situated at Govt. College Road, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Balbir Kaur w/o Shri Birpal Singh,  
s/o Jagpal Singh,  
r/o Machhiwara Tehsil Samrala Distt. Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Shri Harbans Lal s/o Jagan Nath,  
s/o Lala Hargopal,  
r/o B-VI-120, Chowk Madhopuri, Ludhiana.  
(Transferee)
- (3) Shri Jagdish Chander S/o Shri Jagan Nath,  
r/o B-VI-120 Madhopuri, Ludhiana.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share of house No. B-XX-13, measuring 165-5/6 sq. yds. situated on Govt. College Road, Civil Line, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 70 of April, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 11-10-1979  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/217/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated in Taraf Karabara, Gurdev Nagar, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurcharan Kaur d/o Shri Tibrubhuvan Singh, r/o Village Hussainpura, Teh. Ludhiana.  
(Transferor)

- (2) Smt. Satish Bala w/o Shri Sukhdev Singh, r/o Village Jassowal, Teh. Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measure 522 sq. yds. situated in Taraf Karabara Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registration Deed No. 4168 of February, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jagvinder Singh s/o Shri Tirbhuvan Singh,  
r/o Village Hussainpura, Teh. Ludhiana.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Raj Rani w/o Shri Harnak Modgill,  
r/o Village Jessawal, Teh. Ludhiana.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th October 1979

Ref. No. LDH/218/78-79. Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated in Taraf Karabara, Gurdev Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
38—336 GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 528 sq. yds. situated in Taraf Karabara Gurdev Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registration deed No. 4169 of February, 1979 of the Registering Authority Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. KLU/6/78-79.—Whereas, I, R. K.

MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 2,5000/- and bearing

No. Land measuring 9 bighas 2 biswas 10 biswasi with three storeyed building situated at Thawa Kothi Nagar, Kulu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kulu in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sant Paul s/o Shri Swami Dayal alias Karam Chand,  
Thawa Kothi Nagar, Teh. and Distt. Kulu.  
(Transferor)

(2) Smt. Indira Kumari, Mrs. Usha Sarup ds/o Shri H. G. Katyayan,  
c/o Hiranya Gardha Kutbai, Kutbai Nagar Estate, P.O. Nagar, Kulu (H.P.).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas 2 biswas 10 biswasi with three storeyed building situated in Kothi Nagar, Teh. and Distt. Kulu.

The property as mentioned in the registration deed No. 240 of February, 1979 of the Registering Officer, Kulu.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 12-10-1979  
Seal :

**FORM 17NS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. PTA/249/79-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 3 kanals 13 marlas situated Tripari Saidan, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harjit Singh Grewal s/o Shri Hardev Singh Grewal,  
Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Inder Mal s/o Shri Partapa Mal,  
Shri Avtar Singh s/o Shri Dalip Singh,  
r/o Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land measuring 3 kanals 13 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5566 of February 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 12-10-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. PTA/246/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 4 bighas, situated at, Village Alipur Raian, Teh. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Gulzar Singh s/o Shri Pritam Singh,  
(2) Shri Dildar Singh s/o Shri Pritam Singh,  
(3) Smt. Surinder Kaur w/o Shri Ajitpal Singh,  
(4) Shri Pritam Singh s/o Shri Isher Singh,  
(5) Shri Ranvijay Singh s/o Shri Ajitpal Singh,  
(6) Smt. Tejpal Kaur w/o Shri Brindarpal Singh,  
r/o Village Alipur Raian, Teh. Patiala.  
(Transferees)

- (2) (1) Smt. Kirpal Kaur w/o Shri Raj Krishan  
s/o Sardha Ram,  
(2) Shri Rajinder Kumar s/o Shri Raj Krishan,  
s/o Shri Sardha Ram.  
(3) Smt. Ram Murti w/o Shri Sham Lal,  
r/o Godowns building, Alipur Raian, Tehsil  
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 4 bighas situated in Village Alipur Raian, Tehsil Patiala.

The property as mentioned in the registration deed No. 5537 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 12-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. CHD/300/78-79.—Whereas, I, R. K.  
MALHOTRA,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
**Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
ad bearing**No. Residential plot No. 2169, Sector 15-C, situated at  
Chandigarh.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Chandigarh in February, 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Miss Shanti Cameron d/o Shri D. Cameron,  
through Attorney Smt. Mebellelal,  
H. No. 41, Sector 9, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Dr. Ranjit Rai Choudhry,  
H. No. 78, Sector 24-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2169, Sector 15-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registering deed  
No. 983 of February, 1979 of the Registering Officer,  
Chandigarh).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 12-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. AML/113/78-79—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Shop situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed, by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Sher Singh, Hardev Singh ss/o Sewa Singh, r/o Mandi Gobindgarh S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

(2) Shri Om Parkash s/o Shri Amar Chand, c/o M/s. Amar Chand Aggarwal & Sons, Amloh. (Transferee)

(3) M/s. The Amloh Aggarwal Stores, Loha Bazar, Mandi Gobindgarh. [Person in occupation of the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop situated at Loha Bazar, Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the registering deed No. 1769 of February, 1979 of the Registering Officer, Amloh).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 12-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. DBS/33/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 29 bighas 13 biswas situated at Village Kishanpura, Teh. Rajpura Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Narajan Singh s/o Shri Hazara Singh (self) and General Attorney of Shri Sarup Singh s/o Shri Hazara Singh, r/o Kishanpura, Teh. Rajpura (Patiala).

(Transferor)

- (2) S/Shri Karnail Singh, Dilbagh Singh, Sawinder Singh, Baldev Singh ss/o Shri Harnam Singh, r/o H. No. 3746, Sector 22-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 29 bighas 13 biswas situated at Kishanpura, Sub-Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registering deed No. 1058 of February, 1979 of the Registering Officer, Dera Bassi.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 12-10-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. PTA/233 '78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 share in land and kothi, situated at Sanaur Road, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dinesh Kumar s/o Shri Dev Bharat,  
r/o Sanaur Road, Patiala,  
(Transferor)
- (2) Shri Surjit Singh Kohli s/o Shri Sardar Singh Kohli,  
c/o New Suraj Transport,  
Safabadi Gate, Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1 share in land and kothi situated on Sanaur Road, Patiala.

(The property as mentioned in the registering deed No. 5354 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 12-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Sunder Singh,  
r/o H. No. 19-A, T.M. Road, Calcutta.  
(Transferor)

(2) Shri Nar Singh dev Kaushal s/o Shri Dewat Ram  
Kaushal.  
r/o H. No. 295, Sector. 15-A, Chandigarh.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CHD/301/78-79.—Whereas, J. R. K.  
MALHOTRA,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
hereinafter referred to as the 'said Act',

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing No.  
Plot No. 118, Street R, Sec. 15-A, Chandigarh (New No. 53,  
Sector 15-A) situated at Chandigarh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act  
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Chandigarh in February, 1979  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Plot No. 118, Street Q, Sector 15-A, Chandigarh (New  
No. 53, Sector 15-A, Chandigarh).

The property as mentioned in the registration deed  
No. 984 of February, 1979 of the Registering Authority,  
Chandigarh

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 12-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. PTA/226/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 16 kanals situated at Village Galhori Teh. and Distt., Patiala (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maharani Dalip Kaur wd/o Maharaja Bhupinder Singh Patiala General Attorney of S. Som Raj Singh s/o Shri Prithvi Raj Singh of Patiala. (Transferor)
- (2) S. Gurdev Singh s/o Shri Gurdial Singh, 23-B, Model Town, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 kanals situated in Village Galhori Teh. and Distt. Patiala.

The property as mentioned in the registration deed No. 5319 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 12-10-1979

Sent :

FORM ITNS

- (1) Rani Dalip Kaur wd/o Maharaja Bhupinder Singh of Patiala General Attorney of S. Som Raj Singh s/o Shri Prithvi Raj Singh of Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Gurdev Singh Grewal s/o Shri Gurdial Singh, r/o 23-B, Model Town, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th October 1979

Ref. No. PTA/227/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 15 Kanals 14 marlas situated in Village Galhori Teh. and Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 14 marlas situated in Village Galhori Teh. and Distt. Patiala.

The property as mentioned in the registration deed No. 5320 of February, 1979 of the Registering Authority, Patiala.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 12-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Raghuraj Prasad.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Trilok Singh.

(Transferee)

(3) Above transfer.

[Person in occupation of the property].

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 18th September 1979

Ref. No. 19-T/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. two storeyed house 134/229 situated at Mohalla Durvijai Singh Lucknow, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 5-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed house property No. 134/229 situate at Mohalla Durvijai Singh/Bashiratganj, Lucknow, and all the description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1174 of 1979 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Lucknow on 5-2-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 18-9-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Jitendra Kumar Mukerji;  
2. Km. Nirmala Mukherji; &  
3. Km. Prabha Mukerjee

(Transferor)

- (2) Shri Ram Chandra Varma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE.

## LUCKNOW

Lucknow, the 20th September 1979

Ref. No. 137-R/Actq.—Whereas I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/6, J. L. Nehru Road, situated at Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 24-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land which is part of Bunglow No. 4/6, Jawahar Lal Nehru Road, Allahabad admeasuring about 558 Sqm. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 817 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar Allahabad on 24-2-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 20-9-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Salokam Hotels (P) Ltd.,  
329, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Abhey Ram s/o Shri Piare Lal,  
C/o M/s Salokam Hotels (P) Ltd.,  
329, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 19th April 1979

Ref. No. KLK/5/78-79.—Whereas, 1. RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 31 Bigha 3 Biswa situated at village Judila Teh. Kalka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 31 Bigha 3 Biswa at Village Judila and as described in Sale Deed Registration No. 858 dated 26-2-1979 and registered in the office of the registering authority, Kalka.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 24-10-1979  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 1st June 1979

Ref. No. GRG/30/78-79.—Whereas I. RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 107-R situated at New Colony, Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Datt Shakhir  
S/o Shri Malik Nand Lal  
1168, Sector, 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Hemant Kumar Kokcha  
S/O Dr. Har Narain  
17/62 Than Singh Nagar,  
Anand Parvat, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 107-R situated at new colony, Gurgaon and as more fully described in sale deed Registration No. 3957 dated 23-2-1979 and registered in the office of the Registering Authority, Gurgaon.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak,

Date : 1-6-1979

Seal:

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd. October 1979

Ref. No. KLK/7/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 162/7, measuring 420 sq. metres, situated at Panchkula (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Kalka in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Hardev Kaur Sandhu w/o Shri J. S. Sandhu  
(ii) Sh. Amardeep Sandhu s/o Shri J. S. Sandhu  
Residents of House No. 3356/15-D, Chandigarh.  
(Transferor)

(2) Cap. Gurdial Singh Sandhu s/o  
Shri Attar Singh Sandhu,  
R/o House No. 3356/15-D, Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 162/7 situated at Panchkula and as mentioned more in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Kalka at No. 816 dated 14-2-1979.

E. K. KOSHI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 3-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 10th October 1979

Ref. No. BWN/5/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-2 portion of property No. 412 situated at M. C. Circular Road, Bhiwani

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhiwani in February, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—336GIL/79

(1) Shri Swatantar Kumar Gupta s/o  
Shri Jugal Kishore,  
through attorney, Shri Bharat Lal Gupta s/o  
Shri Jugal Kishore Gupta,  
R/o House No. 903, Asha Deep,  
9 Haily Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhagirath Mal  
2. Shri Pawan Kumar  
c/o M/s Bhagirath Mal Pawan Kumar,  
Bichla Bazar, Bhiwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being portion B-2 of Property No. 412 situated on M. C. Circular Road, Bhiwani (near Hansi Gate, Bhiwani) and as mentioned more in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Bhiwani at No. 2352 dated 9-2-1979.

E. K. KOSHI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Date 10-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad,  
r/o Challapally,  
House, at Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Taquiddin Hyder,  
s/o Shaik Mahaboob,  
H. No. 16-8-932/1 at Mallakpet,  
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDRABAD

Hyderabad, the 27th September 1979

Ref. No. RAC. No. 249/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Port 6-3-1111, situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House of M. No. 6-3-1111 together with land area 2670 Sq. yds. situated at Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 708/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 27-9-1979

Seal :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 250/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of of the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-672, situated at Panja gutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Sri S. Nizamuddin Ahmed.  
2. Miss Sania Ahmed,  
3. Miss Salma Ahmed,  
both are minors guardianship of their father  
Sri S. Nizamuddin Ahmed,  
H. No. 6-3-248/3/A-4 at Kakatiyanagar,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Dr. Gazanfer Hussain,  
2. Dr. Amina,  
H. No. 11-5-297 at Red Hills,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. 6-3-672 at Panjagutta, Hyderabad, registered vide Document No. 1130/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 251/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land in, situated at 3-2-1/1 to 3, Kachiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri T. K. M. Chatterjee,  
s/o T. Rangaiah,  
H. No. 5-9-22/42 flat No. 10 at Adarshanagar,  
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Satish Kumar Agarwal,  
(Partner in M/s Kumar Bros. Co.,)  
H. No. 3-4-829/1 at Barkatpura, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land admeasuring 786 Sq. yds. of premises of 3-2-1/1, and 3-2-1/1/1 to 3 at Kachiguda Station Road, Hyderabad, registered vide Document No. 1138/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-10-1979  
Scal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 252/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-674 2/B situated at Road No. 13 Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Y. Vanajakshi,  
2. Smt. R. Radhika,  
3. Kum. Praveena,  
4. Mr. Pramod,  
5. Master Pankaj,  
all residing at 5-8-342 at Chiragali lane,  
Hyderabad.

(Transferors)

- (2) Smt. L. Jaya Prada Reddy,  
H. No. 3-6-235 at Himayatnagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 8-2-674/2/B at Road No. 13 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 414/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-10-1979  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 253/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7 and 8 situated at 6-3-1111, Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Y. Mullikarjuna Prasad,  
r/o Chellapally House,  
Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Zabardust Khan,  
Mrs. Qaderunnisa,  
at 5-9-160 Public Garden Road, Nampally,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land Nos. 7 and 8 in the premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, admeasuring 800 Sq. yds, registered vide Doc. No. 500/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 254/79-80.—Whereas I, K. K. VEER Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 18 situated at Begumpet, Hyderabad and more fully described in the Scheduled annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad,  
at Chellapally House, Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. P. Suryanarayana Raju,  
H. No. 1-2-217/1 at Gaganmahal,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 18 admeasuring 415 Sq. yds in the premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Document No. 536/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-10-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad,  
at Chellapally House, Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Smt. Surwarunnisa,  
H. No. 5-4-86 at M. G. Road,  
Secunderabad.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE,  
HYDRABAD**

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 255/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 5 X 4 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Plot No. 4 and 5 admeasuring 988 Sq. yds. premises No. 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 673/79 office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**K. K. VEER**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 256/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lands in S. Nos. 292, 293, 308, 309, 289/8, 303 to 306, situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

41—336GI/79

- (1) 1. Sri G. Haranadha Rao,  
2. Smt. G. Rani,  
3. Smt. V. Srihari,  
4. Smt. G. Devaki,  
5. Smt. K. Manikamma,  
6. Smt. V. Kalpana,  
12-2-716 at Berban,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) The A.G's Office Co-operative Housing Society Ltd. its Secretary, at A.G's office, Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lands in survey Nos. 292, 293, 308, 309, 289/8, 303 to 306 admeasuring 16.10 Acres situated at Guddimalkapur, Hyderabad, registered vide Doc. No. 704/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 257/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1-10-77, situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt. J. Kumudini Devi,  
2. Sri J. Ramdeve Rao,  
both residing at H. No. 1-10-77 at Begumpet,  
Secunderabad.

(Transferors)

- (2) Mahilya Dhyani Peeth,  
its Secretary, Miss. Saroj Pande,  
H. No. 1-8-702/19 at Nallakunta,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building bearing M. No. 1-10-77 with land measuring 11597 Sq. Mts. situated at Begumpet, Secunderabad, registered vide Doc. No. 458/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 258/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-10-76, situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1979 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri J. Ramdave Rao,  
H. No. 1-10-77 at Begumpet,

(Transferor)

(2) Mahila Dhyan Vidya Peeth,  
its Secretary, Miss. Saroj Pande,  
H. No. 1-8-702/19 at Nallakunta,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Adjoining property No. 1-10-76 at Begumpet, Secunderabad, registered vide Document No. 458/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 8-10-1979

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th October 1979

Ref. No. RAC. No. 259/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 16, situated at 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Y. Mallikarjuna Prasad,  
at Chellapally House, Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Zainath Khatoon,  
w/o Nawab Khaleel,  
H. No. 5-9-160 at Public Garden Road,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 16 admeasuring 610 Sq. yds. in the premises No. 6-3-1111 Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 697/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-10-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 260/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 4 in, situated 6-1-85 Saifabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Khiartabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rani Shankaramma,  
w/o late B. V. Pratap Reddy,  
H. No. 6-1-85 at Saifabad,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri P. Krishna Chowdary,  
s/o Appaiah,  
H. No. I.J. 39 Irrammanzil, Colony,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Block No. 4 in M. No. 6-1-85 admeasuring 500 Sq. Yds situated at Saifabad, Hyderabad, registered vide Doc. No. 337/79 in the office of the Sub-Registrar, Khiartabad.

**K. K. VEER**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 261/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. XVI-8-9-10-11, situated at 1/4th share at Adoni, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adoni on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dharmi Bai w/o Magankal,  
r/o Madhavaram Road, Adoni,  
Kurnool-Dist.

(Transferor)

- (2) 1. Sri B. Hussain Sab,  
2. B. Mahboob Sab,  
3. B. Khaja Hussain Sab,  
all residing at S.K.D. Advani Colony,  
Adony, Kurnool Dist.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share of Ginning factory M. No. XVI-8-9-10, 11 situated at Vengalapuram survey No. 126A, Adoni, Kurnool Distt. registered vide Doc. No. 250/79 in the office of the Sub-Registrar, Adoni.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1979.

Sent :

## FORM ITNS

(1) Sri Bhoormal,  
s/o Maganlal,  
r/o Madhavaram Road, Adoni.

(Transferors)

(2) Sri B. Hussain Saheb,  
s/o Hajab Saheb,  
r/o Srikrishna Devarainagar,  
Adoni.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 262/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ginning Factory, situated at Adoni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adoni on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in Ginning Factory m. No. XVI-8-9-10-11 at Vengalapuram Survey No. 126A Adoni, Kurnool-Dist. registered vide Doc. No. 251/79 in the office of the Sub-Registrar Adoni.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Mittalal s/o Maganlal, Veerchand Advani  
r/o Madavaram Road,  
Adoni.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri B. Mahaboob Saheb,  
r/o Sri Krishna Dewarayanagar,  
Adoni.

(Transferee(s))

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 263/79-80.—Whereas I, K. K. VEER,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
1/4th share in, situated at Ginning Factory Adoni,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Adoni on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/4th share in Ginning Factory, M. No. XVI-8-9-10-11  
at Vengalapuram, Adoni, registered vide Doc. No. 252/79  
in the office of the Sub-Registrar, Adoni.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Chandra Kumar, s/o Maganlalveer,  
r/o Madhawaram Road,  
Adoni.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) B. Khaja Hussain,  
S.K.D. Colony,  
Adoni.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 264/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share in, situated at Ginning Factory, Adoni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adoni on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
45—336GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in Ginning Factory in M. No. XVI-8-9-10-11 at Vengalapuram, Adoni, Kurnool-Dist, registered vide Doc. No. 253/79 in the office of the Sub-Registrar, Adoni.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rayana Pratap,  
H. No. 5-9-92 at Chapal Road,  
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Ved Prakash,  
at Bogulkunta,  
Hyderabad  
(Present Address 5-9-94 at Chapal Road,  
Hyderabad).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 265/79-80.—Whereas I, K. K. VEER,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Port-5-9-94,

situated at Chapal Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in the  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Rear portion of house M. No. 5-9-94, situated at Chapal  
Road, Hyderabad registered vide Doc. No. 1251/79 in the  
office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons namely :—

Date : 10-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 266/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-2-315/317,

situated at Bazar Ghat, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Khairtabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Siraj N. Peer Mohammed,  
2. Zia Peer Mohammed,  
3. Smt. Noshina Raza, w/o Mohd Raza,  
all residing at 11-5-397 at Red Hills,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Doulat Khan,  
s/o Aziz Ahmed Khan,  
H. No. 15-8-513 at Doulat Mansion,  
Begumbazar, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Zia Talkies" including Buildings, furniture, and Electrical fittings, and open land, situated at Bazar Ghat, Hyderabad, registered vide Doc. No. 424/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th October 1979

Ref. No. RAC. No. 267/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 1, situated at 6-1-85 Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Sri B. V. Pratap Reddy,  
s/o Srinivas Reddy,  
6-1-85 at Saifabad,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Venkateshwarlu,  
H. No. 3-6-361/6  
at Himaytnagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of block No. 1, in M. No. 6-1-85 admeasuring 400 Sq. Yds, situated at Saifabad, Hyderabad, registered vide Doc. No. 338/79 in the office of the Sub-Registrar, Khairatabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 268/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 8, situated at 22-7-269/8, Dewan Devdi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Shaw Builders,  
22-7-269/3 at Dewan Devdi,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Haleema Bee,  
w/o Gaffar Bhai,  
H. No. 22-7-439 at Purani Haveli,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 8 in the premises No. 22-7-269/8, situated at Dewan Devdi, Hyderabad, registered vide Doc. No. 381/79 in the office of the Sub-Registrar, Azampura.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 269/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-22/42/5, situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Bharathi Rao,  
8-2-350/5A at Banjara Hills,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s Dhimant Desai & Co.,  
3-6-369/A/5 Street No. 1 at Himayatnagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on the 1st floor bearing M. No. 5-9-22/42/5 at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 800/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Jitender Rao,  
8-2-350/5A at Banjara Hills,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Susheela Harilal Shah,  
H. No. 5-9-22/42/6, 1st floor,  
Adarshnagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 270/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-22/42/6, situated at Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat and a garage on the 1st floor bearing M. No. 5-9-42/6 at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 667/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 271/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 3-2-1/1, situated at Kachiguda, St. Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri S. Ravindranath,  
s/o S. Ramakoteswara Rao,  
Business, r/o Vijayawada-4.

(Transferor)

- (2) Shri Jaikumar Agarwal,  
s/o Shri Kaliram Agarwal,  
P/r in M/s Kumar Bros. & Co.,  
3-4-829/1 at Barkatpura,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot 500 Sq. yds. bearing M. No. 3-2-1/1, 3-2-1/1/1 to 3, situated at Kachiguda Station Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1139/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October, 1979

Ref. No. RAC. No. 272/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/R16-17, situated at Krishna Complex, Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

43—336GI/79

(1) M/s Sri Krishna Construction Co.,  
5-8-612 at Abid Road,  
Hyderabad.

2. Sri Rajkumar s/o Sri Kedarnath,  
3-2-350 Chappal Bazar,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. T. Vijayalakshmi,  
w/o T. Janardhan,  
7-1-67/13 at Amcerpet,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Hall H. No. 4-1-938/R-16 and R-17 in premises No. 4-1-938/R to 20 at Krishna Complex, Tilak Road, Hyderabad, registered vide Doc. No. 643/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 273/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 17-RC, situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Swastic Builders,  
1-2-524/3 at Domalguda,  
Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri Hari Kishan Soni,  
H. No. 14-2-332/1 at Gyan Bagh Colony,  
Hyderabad-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop premises No. R. C. 17 Cellar floor Sugarview Building, at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1210/79 in the office of the Joint Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 29th October 1979

Ref. No. RAC. No. 274/79-80.—Whereas J. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. RC-16, situated at Sagar View Building, Domalguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Swastik Builders,  
1-2-524/3 at Sagar View Building,  
Domalguda,  
Hyderabad,  
(Transferor)
- (2) Sri Harikishan Soni, Advocate,  
14-2-332/1 at Gyan Bagh, Colony,  
Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop premises No. RC-16, Cellar Floor in Sagar view Building, Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1209/79 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date : 11-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 11th October 1979

Ref. No. RAC. No. 275/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open side, situated at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mohd. Shahbuddin,  
H. No. 1-2-482 Domalguda,  
Hyderabad,

(Transferor)

- (2) M/s Sugar Constructions,  
14-C Sagar view Building,  
Domalguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open site 350 Sq. Yds. with old structures, at 1-2-510 to 1-2-523 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 776/79 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) P. Vivekananda Rao,  
H. No. 6-1-69/4/4 at Saifabad,  
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 276/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lands in, S. No. 755, 756, situated at Uppal Kalan, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) The Govt. of India Employees Cooperative House Society, Ltd.,  
its Secretary Sri V. Ramaswamy,  
Scientist, C.C.M.B. Regional Research Lab.,  
Tarnaka, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Survey No. 755 and 756, situated at Uppal Kalan, Hyderabad, total area 3 Acres 32 Guntas, registered vide Doc. No. 1908/79 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad-East.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 15-10-1979  
Seal:

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 277/79-80. Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lands in S. No. 116 situated at Tokata Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Dr. M. Chenna Reddy,  
2. Sri M. Ravinder Reddy,  
3. Sri M. Shashidhar Reddy,  
all residing at Bathkammakunta,  
Secunderabad.

(Transferors)

- (2) Bharat Heavy Electricals Power Projects Division  
Employees Cooperative Housing Society Ltd.,  
at Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 13 Acres 30 Guntas in survey No. 116 at Thokata village, Secunderabad, registered vide Doc. No. 365/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 15-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 278/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16/371, 16/379, situated at Fort Road, Warangal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Warangal on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. "Pingle Industries Pvt. Ltd. Company,  
Represented by its Directors :  
Sri Pingle Vijayapal Reddy,  
R/o Waddepally, Warangal-Tq,  
Warangal-Dist.
2. Sri P. Jagdish Reddy, s/o  
Sri P. Madhusudan Reddy,  
R/o Begumpet, Hyderabad.
- (2) M/s Sri Laxmi Vilas Rice & Oil Mills,  
Fort Road Warangal,  
its partners and represented by the Managing partner, S/Sri Cherukuru Jaya Ramarao,  
1. Cherukuru Jaya Rama Rao,  
R/o Manthana,  
Gannavaram-Tq, Krishna Dist.
2. Potluri Satyakumar,  
r/o Seridentakurru,  
Gudivada-Tq, Krishna-Dist.
3. Potluri China Babu,  
r/o Seridentakurru,  
Guddivada-Tq.,  
Krishna Dist.
4. Kanneganti Vijayalaxmi,  
w/o Yashodhara Rao,  
r/o Kuchipudi Village Tenali-Tq,  
Guntur-Dist.
5. Boppana Bhaskaramba,  
w/o Sri Boppana Seshagiri Rao,  
r/o Fort Road, Warangal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Rice and Oil Mills, situated at Fort Road, Warangal, Survey Nos. 2025 and 2026 within the premises Nos. 16/371 to 16/379, registered vide Document No. 382/79 in the office of the Sub-Registrar, Warangal.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 11-10-1979

Seal :

**FORM INS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 279/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-1-84 to 117 situated at Sitafalmandi Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Gopalakrishna Datar, H.No. 5-1-864 at Sultan Bazar Hyderabad.

(Transferor)

2. S. Dharmalaiah, H. No. 11-1-84 to 117 at Sitafalmandi, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House M.No. 11-1-84 to 117 situated at Sitafalmandi, Secunderabad, registered vide Doc. No. 813/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC.No. 280/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 10-3-806 situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
44—336GI/79

1. Sri G. Rayapu Reddy, S/o Showri Reddy, Hyderabad.  
(Transferor)
2. Sri G. Chinnapu Reddy, S/o Rayapu Reddy, R/o Narasaraopet, Tq., Guntur-Dist.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House M. No. 10-3-806 (247/2RT) situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad, registered vide Doc. No. 342/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 281/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 11 situated at S.No. 32/1 Somajiguda, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Sri Jitender Raj, as Receiver appointed by the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh, H.No. 6-3-1238, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

2. M/s Interfood Pvt. Ltd., Industrial Estate Uppal, Hyderabad. 2. Dhanalakshmi Co-operative Housing Society Ltd., Cubical No. 16, Indoor stadium, Faten Maidan, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 11 admeasuring 934 Sq. Yds. situated in S. No. 32/1 out of premises No. 6-3-1238 at Raj Bhavan Road, Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 478/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 282/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 12, situated at S. No. 32/1 Somajiguda, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Sri Jitender Raj, in the Capacity of a Receiver appointed by the Hon'ble High Court of A.P. 6-3-1238 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

2. 1. Smt. Bimala Devi Sikaria, W/o R. A. Sikaria, 1-2-412/2B Gaganmahal Road, Hyderabad.
2. Dhanalakshmi Co-operative Housing Society Ltd., Cubical No. 16 Indoor Stadium, Fateh Maidan, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 12 admeasuring 1166 Sq. Yds. situated in S. No. 32/1 out of premises No. 6-3-1238, at Raj Bhavan Road, Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 413/79 in the office of the Khairtabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 283/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot of land, situated at P.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. S/Sri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3. E. H. Chenoy, all residing at H.No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

2. Sri Vikas P. Deshpande, 2-4-83/1 Ramgopalpet, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 838 Sq. Yds. back side of Bungalow M.No. 134, Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Document No. 303/79 in the office of the Sub-registrar Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979.  
Seal :

FORM NO. IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 1284/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot of land 882 Sq. Yds, situated at P.G. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. S/Sri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3. E. B. Chenoy, all three residing at H.No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

2. Sri B. Nalini Kant, 5-2-309 Hyder Basti, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 882 Sq. Yds. in the premises No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 304/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 285/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated at 134-P.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. S/Sri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3. E. H. Chenoy, all residing at 134 Prenderghast Road, Secunderabad. (Transferor)
2. Sri P. Deepak, 62/A at M. G. Road, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 834.33 Sq. Yds. in the premises of H. No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 397/79 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 286/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land situated at in 134-P.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S/Sri R. H. Chenoy,  
2. J. H. Chenoy,  
E. M. Chenoy,  
All residing at 134-Prenderghast Road, Secunderabad.  
(Transferor)
2. Smt. Anguri Devi Agarwal, 46-Krishna Nagar Colony  
Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land admeasuring 326 Sq. Yds. in the premises No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 298/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 287/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot of land, situated at in 134-Prenderghast Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. S/Sri J. H. Chenoy, 2. R. H. Chenoy, 3. E. H. Chenoy, all residing at 134-Prenderghast Road, Secunderabad. (Transferor)

2. Sri T. Srinivasulu & Nethi Rangiah, H.No. 5-2-363 at Hyderbasti. Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land measuring 574 Sq. Yds. in the premises No. 134 at Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 299/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 288/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land, situated at in 134-Prenderghast Road, Secunderabad situated at Ashoka Pillar Road, II Block, Jayanagar, Banga- (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Feb-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
45—336GI/79

1. S/Shri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3 E. H. Chenoy,  
all residing at H. No. 134 Prenderghast Road,  
Secunderabad.  
(Transferor)
2. Sri Himanshu Raj Parikh, 1-1-530 at Golconda Cross  
Road, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 332 Sq. Yds. in the premises No. 134 Prenderghast Road Secunderabad, registered vide Doc. No. 300/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 289/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open plot of land, situated at 134-Prenderghast Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. S/Sri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3. E. H. Chenoy, all residing at H. No. 134-Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

2. Smt. Nirmal Vishindass, H. No. 7112/35 at Kalasiguda, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land 257 Sq. Yds. in the premises No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 301/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th October 1979

Ref. No. RAC. No. 290/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land, situated at 134-P.G. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. S/Sri R. H. Chenoy, 2. J. H. Chenoy, 3. E. H. Chenoy, all residing at 134-Prenderghast Road, Secunderabad. (Transferor)
2. Smt. Najama Aziz, 250/B, Ramgopalpet, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot of land in the premises No. 134 at Prenderghast Road, Secunderabad, measuring 278 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 302/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 301/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land, situated at S. No. 200 to 203 Macharam-Villg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Sri Syed Azam, 2-2-22 at Ameberpet, Hyderabad.  
(Transferor)

2. M/s. Ramakrishna Cine studios, at Bakaram, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land in Survey Nos. 200 to 203, 197/1, 198, 199, 204, 206/1, 206/2 total area 7 Acs, 29 Guntas, situated at Nacharam, Village, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1109/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 302/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land in S.No. 67 situated at Peerjadiguda Hyderabad-E. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. P. N. Vijayalakshmi Devi, 1-294 at Tarnaka, Secunderabad-17.

(Transferor)

2. Smt. M. Ravindera Reddy, 2. Sri M. Shashidhar Reddy, S/o of Dr. M. Chenna Reddy, R/o Tarnaka, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Survey No. 67 situated at Peerjadiguda, village, Hyderabad-E. total area 7 Acs 35 Guntas, registered vide Doc. No. 1203/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

1. Sri T. Ramaiah Chowdary, R/o Tarnaka, Sec-bad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri Gadde Surya Venkata Satyanarayana, 2. Gadde  
Veera Venkata Satyanageswara Rao, R/o Manepally  
Villg. Rajgole-Tq, East Godavari-Dist.  
(Present residing at Begumpet, Hyderabad).  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 303/79-80.—Whereas, I. K. K. VEER being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land in situated at S. No. 64, 63 Peerzadiguda, Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land of 6 Acres in s.No. 64 and 63 at Peerzadiguda Village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 1204/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

1. Sri T. Ramaiah Chowdary, R/o Tarnaka, Hyderabad.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-  
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)2. Smt. Kameswari, V. W/o V. R. K. Paramahansa,  
R/o Himayatnagar, Hyderabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 304/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Land S.No. 63 situated at Peersadiguda Villg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land of 5 Acre in survey No. 63 situated at Peersadiguda Village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 1205/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-10-1979.

Sign :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 305/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lands in S. No. situated at 61 at Peerzadiguda, Villg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. Sri T. Ramaiah Chowdary, R/o Tarnaka, Hyderabad. (Transferor)
2. Smt. M. Savithri Devi, W/o Dr. M. Channa Reddy, R/o Rarnaka, Secunderabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 4 Acs. in survey No. 61 situated at peerzadiguda, village, Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 1266/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-10-1979.  
Seal :

**FORM ITNS**

1. Sri B. Padmanabha Rao, 496 at Hardikarbagh, Hyderabad-29.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

2. Mrs. S. Nalini Devi, 1-84 at Tarnaka, Secunderabad, (Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 306/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 1-80 situated at Habsiguda, Grampanchyat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-East on February, 1979

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
46—336GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 1-69 at Habsiguda, Gram Panchayat, survey No. 19/B measuring 677.25 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2011/79 in the office of the Sub-Registrar East, Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref No. RAC. No. 307/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-2-262/263, situated at S.P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri Yadgar Fariddoon Sohrabji Chenoy,  
26-Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Mydam Kishan Rao, 10-2-262/263 at East Maredpally Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2790 Sq. Mts. in premises No. 10-2-262/263 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 251/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Rama Rao Macherla, H. No. 6-3-1218/6 at Begumpet, Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

(2) M/s National Lodge, Opposite Secunderabad Railway Station, Secunderabad.

(Transferee)

Hyderabad, the 16th October 1979

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 308/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9-4-44, 44/1, 44/2 situated at Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Secunderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Premises No. 5601, (New No. 9-4-44, 44/1, and 44/2) Opposite to Secunderabad Railway Station, Secunderabad, registered vide Doc. No. 311/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 309/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-8-153/1 situated at P. G. Road, Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri J. Vikram Dev Rao, H. No. 1-10-77 at Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Shashi Rekha Yennu, H. No. 1-5-127 at Kandozhi Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Eastern half house M. No. 1-8-153/1 on plot of No. 142/A admeasuring 306 Sq. Mts situated at Prenderghast Road, Secunderabad, registered Doc. No. 452/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Minocheher H. Chenoy, H. No. 1-7-264 S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s Emerald Builders, C/o Smt. Sharda, partner, C/o Totaram Sagarlal, &amp; Sons, at Abid Road, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 310/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-7-264, situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1-7-264 situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 327/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. 291/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Open Plot situated at P'Ghast Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. H. Chenoy,  
2. Shri J. H. Chenoy,  
3. Shri E. H. Chenoy,  
134 Prenderghast Road, Secunderabad. (Transferors)
- (2) Shri Gobind Ram, H. No. 7-1-394/1., Maruthi Street, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open Plot of land measuring 337 Sq. Yards on the back side of Bangulow at 134 Prenderghast Road, Secunderabad. Registered Vide Doc. No. 305/79. in the office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. 292/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot situated at P' Ghast Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S/Shri R. H. Chenoy.  
2. J. H. Cheroy.  
3. E. H. Chenoy.  
134, Prenderghast Road, Secunderabad.  
(Transferors)
- (2) Shri Satyanarayana Agarwal,  
46, Krishna Nagar Colony, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 330 Sq. yards on the back side of Bangalow No. 134 Prenderghast Road, Secunderabad.

Registered Vide Doc. No. 306/79. in the office of the Sub Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Competent Authority,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 293/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot situated at P Ghast Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri R. H. Chenoy,  
2. Shri J. H. Chenoy  
3. Shri E. H. Chenoy  
134, Prenderghast Road, Secunderabad. (Transferors)
- (2) Smt. R. Sudha,  
5-2-2361, Hyderbasti, Secunderabad. (Transferees)

Objections if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 581 Sq. Yards on the back side of Bungalow No. 134, Prenderghast Road, Secunderabad. Registered Vide Doc. No. 336/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 294/79-80.—Whereas I. K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot situated at P' ghash Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri R. H. Chenoy.  
2. Shri J. H. Chenoy  
3. Shri E. H. Chenoy.  
134, Prenderghast Road, Secunderabad.  
(Transferor)

(2) Shri Pradeep Bhai Gaglani,  
5-2-361, Hyderbasti, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 486.8 Sq. metres on the back side of Bungalow No. 134, Prenderghast Road, Secunderabad. Registered Vide Doc. No. 337/79, in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri R. H. Chenoy.  
2. Shri J. H. Cehnoy  
3. Shri E. H. Chenoy  
134, Prenderghast Road, Secunderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 295/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Plot situated at P' ghash Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot of land on the back side of Bungalow at 134, Prenderghast Road, Secunderabad, Registered Vide Doc. No. 338/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 296/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Plot situated at P' ghash Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri H. Chenoy,  
2. J. H. Chenoy  
3. E. H. Chenoy,  
134, Prenderghast Road, Secunderabad,  
(Transferor)
- (2) Shri D. J. Parikh,  
12, Paigah Apartments  
Sardar Patel Road, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land on the back side of bungalow at No. 134, Prenderghast Road, Secunderabad. Registered Vide Doc. No. 340/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri S. Eshwar Reddy, R/O S.No. 157/7 (Part) Thokatta (Newt Sikh Vil) Secunderabad Contonment.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Raghava Coop. House Building Society Ltd., T.A.B. No. 68. By its President Shri G. N. Bal Reddy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 297/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port Agr. Land situated at Thokatta Hyderabad Urban, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One acre of agricultural Land bearing a portion of S. No. 157/7 Thokatta Hyderabad Urban Taluk, (Sec.bad Contonment).

Registered Vide Doc. No. 384/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 298/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 603 situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Raja Ram Karan,  
M/s. Uma Karan & Tej Karan, 8-2-547, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Dunga Ramnathan & Mr. R. Nagraj  
Flat No. 603, Kala Mansion, S. D. Road,  
Secunderabad 500003, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 603, Kala Mansion, S. D. Road, Secunderabad.  
Registered Vide Doc. No. 388/79 in office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Hyderabad.

Date : 16-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri B. Rajamouli, Ramkote, Hyderabad.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Y. Ambama,  
Maruthy Veedhi, Secunderabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 299/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Mudgi No. 63 situated at S. D. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Mugi No. 63 (Ground Floor) 30 Sq. Yards at S. D. Road, Secunderabad, Registered Vide Doc. No. 433/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS**(1) Smt. Pritam Kaur, W/o Shri Ujagar Singh  
Opp. Bata, R. P. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri S. Yousuf Mohiuddin Khadri S/o Shri Mir  
Khadri, H. No. 97, Marredpally,  
Secunderabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 300/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Secunderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

Open land Plot No. 8, 355 Sq. Yards. At 43, S. D. Road, Secunderabad, Registered Vide Doc. No. 300/-79-80 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

**K. K. VEER**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979.  
Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 311/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. Kalappa, H. No. 3-5-872 at Hyderguda, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Reva Rekhra & others, R/o Begumpet, Hyderabad-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land admeasuring 680 Sq. Lds. situated at Begumpet, Hyderabad registered vide Doc. No. 242/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 312/79-80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 145 situated at & 162 at Malkajgiri, and more fully described in the Schedule annexed hereto), is been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Hyderabad on February 1979

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
48—336GI/79

- (1) S/Shri 1. Manda Lakshmaiah,  
2. Manda Pedda Mahab,  
3. Manda Chinna Malliah,  
4. Manda Narsimha,  
5. M. Shankariah,  
6. M. Sreeramuloo,  
7. Gotla Rajaiah, all residing at Malkajgiri-Villg. Urban-Tq. Hyderabad. Dist.

(Transferors)

- (2) Smt. Kamalamma W/o Pulla Reddy, R/o Neredmet (Hamlet) Malkajgiri Village, Hyderabad. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in Survey No. 145 and 162 situated at Malkajgiri village, Urban Tq, Hyderabad. Dist. 3 Acs 30 guntas, registered vide Doc. No. 705/79-80 registered in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 16-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 17th October 1979

Ref. No. 313/1979-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri lands situated at Achavelli Village Medchal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Lalloo Naran S/o Naran Patel  
(2) Mrs Mani Ben W/o Lallo Naran  
(3) Manubhai L. Naran  
(4) Naran Govind Patel,  
102, Marredpally, Secunderabad. (Transferors)
2. (1) Mrs. Najma Shah.  
(2) Paryez Shah C/o B. D. SHAH  
(3) Munnawar Shah S/o B. D. Shah, 1-10-72/10  
Begumpet, Hyd. A.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands S.No. 313-B.	7 Ac. 16. gs.
S.No. 313-A.	7 Ac. 15. gs.
Situated at Achavelli	—, 312 5 „ 23 „
Village, Medical.	—, 313/1 1 „ 00 „
Total	21 „ 14 „

Registered vide Doc. No. 306/79. in the office of the Sub Registrar Medchal.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 17-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Yadgar Fariddoon Sohrabji Chenoy,  
26-Marredpally, Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ampro Charity Trust, Osmanshahi Road,  
Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th October 1979

Ref. No. RAC.No. 314/79.80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant land situated at Marredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 6593 Sq metres in premises bearing No. 10-2-262/263 Marredpally, Secunderabad., Registered vide Doc. No. 360/79 in the office of the Sub Registrar, Secunderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Date : 17-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC.No. 315/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 1-1-69 situated at Bakaram, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. A. Ammannamma, W/o Sri A. Ranga Reddy, H. No. 16/1600 at Rammurthynagar, Nellore.  
(Transferor)

(2) Sri Y. S. Ravinderanath Reddy, R/o Pulivendla Cuddapah—Dist.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of premises No. 1-1-69 situated at Bakaram, Musheerabad, admeasuring 800 Sq. Yds. Hyderabad, registered vide Doc. No. 689/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. A. Bharatireddy, W/o Sri Gopalakrishna Reddy, 16/1600 at Ramamurthinagar, Nellore.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri Y. S. Vivekananda Reddy, R/o Pulivendla Cuddapah—Dist.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 16th October 1979

Ref. No. RAC. No. 316/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-1-69 Port situated at Bakaram, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Part of premises No. 1-1-68 situated at Bakaram, Musheerabad, Hyderabad, measuring 736 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 688/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. Gopala Krishna Reddy,  
Kapu Street, Nellore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Y. Rajesekhar Reddy,  
23-C(i) S.R. Palli Station Road Cuddapah.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 17th October 1979

Ref. No. RAC. No. 317/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-1-61 to 67 situated at Bakaram Musheerabad, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February, 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such, transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot of land and dilapidated structures in premises No. 1-1-61 to 1-1-67, (805 Sq. Metres at Charminar Cross Road, Bakaram, Hyd., Registered vide Doc-No. 687/79 in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 17th October 1979

Ref. No. RAC, No. 318/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at S. No. 9/1/I Saroonagar, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on Feb. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :—

- (1) Smt. Aziz Fatcema, H. No. 22-1-320 at Aziz Bagh, Sultanpura, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) A.P.S.F.B. Employees Co-operative Housing Society its Secretary Sri K. Gangadhar, R/o Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 9/1/I situated at Saroonagar village, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1438/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East, Total Area 6 Acres.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 17-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 319/79.80.—Whereas, I K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 1 (mpl. No. 6.3.674/1) situated at Begumpet Road, Panjagutta, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Premji Lalji, S/o Lalji Meghji, Panjagutta, Hyderabad,  
(Transferor)
- (2) Sri Santoshlal, S/o Shri Mathadin  
3-4-856/1, Begumpet Road, Panjagutta,  
Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1 bearing Mpl No. 6-3-674/1 admeasuring 1000 Sq Yds. Situated at Begumpet Road, Panjagutta, Hyderabad, Registered Vide Doc. No. 779/79 in the office of the Sub Registrar Hyderabad. A.P.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Date : 18-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 320/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Humayunagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

49—336GI/79

(1) Smt. Saikumari, H. No. 10-5-64/12/2 at Sreram-nagar Masab Tank, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Dr. Qumar Husaini Ansari, H. No. 10-5-576 Red Hills, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land 927.34 Sq. Mets. situated at Humayunagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 583/79 in the office of the Sub-Registrar Khairabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Date : 18-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC.No. 321/79.80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12-2-713 situated at Nanalnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri N. Renuka Rao, Plot No. 37,  
Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) S/Shri 1. Gajanand Gupta, 2. Nandkishore Goel,  
3. Vijaykumar Goel, 4. Nirmalkumar Gupta H. No.  
12-2-713 Nanalnagar, Hyderabad. A.P.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 12-2-713 with open land appurtenant thereto, at Nanalnagar, Hyderabad, Registered Vide Doc. No. 1174/79., in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Date : 18-10-1979  
Seal :

FORM ITNS— —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 322/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part 8-2-696/697 at Banjara Hills Road No. 12, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on Feb 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Mani Dara Chenai, 8-2-696/697 Road, No. 12 Banjara Hills, Hyderabad. (C/o Murthy & Co., C.A. at Basheerbagh, Hyd).

(Transferor)

(2) Sri Dodla Sesha Reddy, & others, R/o Ramamurthy-nagar, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building M. No. 8-2-696, 697 at Road No. 12 Banjara Hills Hyderabad, registered vide Doc. No. 419/79 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 18-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 323/79-80.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-696/697 situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on Feb-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mani Dara Chenai, H. No. 8-2-696/697 Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad. (Murty & Co., C.A., Basheerbagh, Hyderabad.) (Transferor)
- (2) Sri D. Chenchurami Reddy, & others, 8-2-696/697 at Banjara Hills Road No. 12, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building bearing M. No. 8-2-696 and 697 at Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad, registered vide Doc. No. 420/79 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 18-10-1979  
Seal :

**FORM FINS**

(1) Shri Narotham Nensi S/o. Shri Nensi,  
Flat No. 141-142. Valabh Apartments Warden  
Road, Bombay.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC No. 324/79-80.—Whereas I, K. K. VEER,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 3-4-760/1 situated at Barkatpura, Hyderabad.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Hyderabad, in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(2) Shri Khimiji Nensi S/o Nensi  
Smt. Shanti W/o Shri Khimiji.,  
H. No. 3-4-760/1., Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 3-4-760/1. Barkatpura, Hyderabad admeasuring  
997 Sq. Yards, Registered vide Doc. No. 893/79 in the  
office of the Sub Registrar, Hyderabad.

**K. K. VEER,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10-1979.

Seal :

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 325/79-80.—Whereas I. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-8-580 situated at Azamabad Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bankatlal Agarwal S/o Sri Mirzamalji  
Shri Radhakishan Agarwal S/o Bankatlal Agarwal,  
1-8-580, Azamabad, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) M/s. Agarwal Industries, Represented by Shri  
Anisudh Pershad, 1-8-526 Azamabad, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing No. 1-8-580 at Azamabad, Hyderabad admeasuring 2638 Sq. Mtrs., Registered Vide Doc. No. 934/79. in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dr. K. Hanmanth Rao,  
H. No. 3-5-1141, Ramkote, Hyderabad. A.P.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

(2) 1. Shri Harlal Pawar,  
2. Ratanlal Pawar.  
3. Bajranglal.  
4. Dr. Bheemraj Pawar.  
5. Poonamchand pawar,  
6. Srinivas pawar.  
7. Smt. Bali Bai Pawar.  
H. No. 4-2-323, Moti Singh Galli, 8-chatarbaj pawar  
Sultan Bazar, Hyderabad. A.P.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 326/79-80.—Whereas I, K. K. VEER,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 3,3,44 & 45 Premises situated at Kachiguda, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and or;

## THE SCHEDULE

Premises bearing Nos 3-3-44 and 3-3-45 Kachiguda,  
Hyderabad. admeasuring 1959 Sq. Yards., Registered Vide  
Doc. No. 1046/79 in the office of the Sub Registrar Hydera-  
bad. A.P.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 18-10-1979.  
Seal :

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 327/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. Portn. 1-1-385 situated at Bakaram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Symala Industries Corporation (P) Ltd., Through its Managing Director, Shri K. Appa Rao, 1-1-385, Gandhinagar, Bakaram, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Shri P. Gopaldas S/o Shri Tikamdas, H.No. 1-1-385/4A, Gandhinagar, Bakaram Hyderabad, A.P.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of premises No. 1-1-385 At Bakaram, Hyderabad A. P. admeasuring 620 Sq.-Yards., Registered Vide Doc. No. 1993/79 in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Y. Nagendra Rao, 3-6-758, 13th Street,  
Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 328/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-758 situated at Himayatnagar Hyderabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
50—336 GI/79

- (2) Smt. A. Satyamma, W/o Sr. Purshotham Rao,  
2. Smt. A. Swarnamala, W/o Sri Dayanand Rao,  
3. Smt. A. Premala, W/o Madhusudhan,  
4. A. Venkateswara Rao, all residing at  
H. No. 3-6-758 13th Street, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later; .
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 3-6-758 at 13th Street, Himayatnagar, Hyderabad, measuring 956 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1090/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10 1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC 329/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-2-700 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairatabad on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Mohsin Bind Mohd.,  
10-2-6, Makhtar Manzil, A.C. Guards, Hyd.  
(ii) Sultanunnisa Begum,  
10-2-6, Makhtar Manzil, A.C. Guards, Hyd.  
(iii) Omer Bin Mohammed,  
by G.P.A., Mohd. Riasat Ali Khan, 20-5-258/1  
Quasipura Hyd.

(Transferor)

- (2) Smt. D. Sukanya Kamalakar, w/o D. Kamalakar  
Reddy H.No. 8-2-700, Banjara hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being premises No. 8-2-700 situated at road No. 12, Banjara hills, Hyderabad registered through document No. 394 of 1979 at S.R.O., Khairatabad, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Mariam Begum, W/o late Moulavi Syed.  
H.No. 3-6-433 at Himayatnagar, Hyderabad.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri Dayalal S. Bhada S/o Sri Shamji Bhada,  
3-6-433 sy at Himayatnagar, Hyderabad.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.**

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. 330/79-80.—K. K. VEER,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. Port. 3-6-433 situated at Himayatnagar Hyderabad.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Hyderabad, on February 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property, and I have reason to be-  
lieve that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in the  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act  
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Portion of House No. 3-6-433 at Himayatnagar, Hyderabad,  
registered vide Doc. No. 1180/79 in the office of the Jt. Sub-  
Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 18-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Mariam Begum, H. No. 3-6-433 Himayatnagar Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Navinchandra Shanji Bhada, H.No. 3-6-433 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 18th October 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC No. 331/79-80 —Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port. 3-6-433 situated at Himayatnagar Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion of the house M. No. 3-6-433 at Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1179/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-10-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Haji Mohd. Basheeruddin, H. No. 1-1-299 at Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Aktarunnisa Rafat, Sultana, W/o Sri Tahwar Ali, H. No. 4-1-123612/1 at King Koti Road, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 332/79-80—Whereas J. K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-1236/21 situated at King Koti, R. Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (5 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M.No. 4-1-1236/2/1 at King Koti Road, Hyderabad, measuring 186 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 882/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10-1979,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 333/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-81. Premises.

situated at Fatch Sultan Lane, Nampally, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Commercial Contract Corporation,  
20-4-1183, Lad Bazar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) T. Radha Devi W/o Shri T. Nageswara Rao,  
12-2-458/10 Mahdipatnam, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises bearing No. 5-8-81, Fatch Sultan Lane, Nampally, Hyderabad., Registered Vide Doc. No. 676/79. in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC No. 334/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-759/2 first floor flat situated at Barkatpura, Hyd., and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on February, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri B. V. Suresh,  
S/o Shri Raghvender Rao  
H. No. 5-8-52, Nampally Station Road, Hyderabad. A.P.

(Transferor)

(2) Shri H. V. R. Iyengar, Retired Govt. Servant  
H. No. 3-4-759/2 Suryodaya Building,  
Barkatpura, Hyderabad. A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First Floor flat bearing No. 3-4-759/2 Barkatpura, Hyderabad. Admeasuring 146 Sq. Yards., Registered Vide Doc. No. 633/79 in the office of the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Aef. No. RAC. No. 335/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-3-51 open plot No. 5&66 to 72, Raghunath Bagh, Sultan Bazar, Hyd. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vidya Gowri Mehta, W/o Shri Moolchand Mehta II. No. 5-1-896/14, Pulli Bawli, Opp Osmania Medical College, Hyderabad, A.P.  
(Transferor)

(2) Ramula Ben Sanghavi W/o Shri Arvinde Bhai Sanghavi, H. No. 4-1-10, Tilak Road, Hyderabad A.P.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open Plot No. 5 in the premises No. 4-3-51 and 66 to 72 Situated at Raghunath Bagh, Sultan Bazar, Hyderabad. Admeasuring 382 Sq. Yards., Registered Vide Doc. No. 647/79 in the office the Sub Registrar, Hyderabad.

K. K. VEER  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10-1979.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.**

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC No. 336/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-117 & situated at 4-1-117/1 at Kareemnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kareemnagar, on February 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

51—336G1/79

- (1) Smt. Badarunnisa W/o Hameed Hussian,  
25-Eadibarazar, Kumarwdi, Hyderabad.  
2. Atya Talat W/o Syed Shah Noorulhuq House  
hold, Chatta Bazar, Hyderabad. (H. No. 22-8-582),  
(Transferor)

- (2) Shri Ranga Rao S/o Shri Venkat subbaiah,  
R/o of Karimnagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Houses bearing Nos 4-1-117 and 4-1-117/1, Samaram Mohalla, Karimnagar. admeasuring 860 Sq. Metres., Registered Vide Doc. No. 589/78 in the office of the Sub Registrar, Karimnagar.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 337/79-780.—Whereas, I, K. K. VEER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-4-101, situated at Gowliguda St. Banswada Dist. N. Bad, Bad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Banswada on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) U. Gangappa, R/o Ibrahimpet, Vilg. Nizamabad.
2. Naganath Rao, R/o Birkur-Villg. Banswada. Tq, NZB.
3. Bheem Shastri, R/o Banswada-Tq. Nizamabad.
4. D. Ramulu,
5. B. Ramikishan,
6. B. Hanumandlu, both R/o Gandivate, Yellareddy, Tq. NZB.
7. N. Ratnakumar, —do—
8. Ramchander, R/o Manwath, Post. Manwath.
9. R. Kinga Reddy, R/o Banswada,
10. Suryanarayana,
11. J. Sunder Ramaiah,
12. T. Gangaram, all residing at Banswada.

(Transferor)

- (2) 1. M/s N. Premela Bai, W/o N. Rajaian, R/o Banswada,
2. K. S. Narender Nath
3. K. Vidya Sagar, all residing at Banswada-town, Nizamabad. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Sri Raja Rajeshwari Talkies, "Building No. 1-4-101 measuring 17558 Sq. Fts. situated at Ist ward 4th Block Gowliguda St. Banswada town, Nizamabad-Dist. registered vide Doc. No. 206/79 in the office of the Sub-Registrar Banswada.

K. K. VEER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10-1979,  
Seal :

**FORM ITNS—**

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 18th October 1979

Ref. No. RAC. No. 338/79-80.—Whereas I, K. K. VEER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rice Mill situated at Yella Reddy, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yellareddy, on February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Nagulamma Girmaiah, S/o Gundaiah, R/o Banswada, Nizamabad, Dist.  
2. Nagulagama Balrajaiah, S/o Venkaiah, R/o Banswada, Nizamabad, Dist.  
(Transferor)

- (2) Sri G. Ramlingam S/o Rajaiah, Represented for M/s Vijay Mills, H No. 2-5-81 at Yellareddy, Nizamabad, Dist.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building bearing M. No. 2-5-81 Known as "M/s Sri Venkateshwaru Rice Mill, at Yellareddy, Nizamabad, Dist. registered vide Doc. No. 209/79 in the office of the Sub-Registrar Yellareddy.

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 18-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31d October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL./1340/79-80.—Whereas, I K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 21st February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri. Dosabhai, S/o Meharbanji, Khambhata, Bhatapara, Distt. Raipur.  
(Transferor)
- (2) Smt. Rajnish Sagar, W/o Sardar Sagar Singh, Near Sahu Saw Mill, Paudri Tarai, Raipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House with open land situated at Pandri Tarai, Distt. Raipur.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-10-1979.  
Seal :

FORM I.T.N.S.— —

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1341/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. House situated at Jabalpur, (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 7th February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kalawati, W/o late Shri Rajgopal Yadav, House No. 1189, Madan Mahal, Jabalpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Pritam Singh Kopoor, S/o Late Shri Kartar Singh, 855, Madan Mahal, Jabalpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double-storeyed building bearing House No. 855/C-1 to C-4, Madan Mahal Ward No. 30, Jabalpur (Part of Khasra No. 73, Plot No. 5/2 measuring 3250 sq. ft.).

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE**

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1342/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Jabalpur, situated at Nanjappa road, Bangalore (Dn. No. 62) (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 4th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chunnalal, S/o Shri Shivji Shah, Napier Town, Jabalpur through Shri Bhawanji Shah, S/o Shri Rauji Shah, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) S. R. M. Foundation of India, Shankaracharya Nagar, Rishikesh, through Shri Anand Prakash Shrivastav, S/o Shri J. P. Shrivastava, Ram Niwas, Beohar Bagh, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agri. land at Village Mangeli N.B. No. 666, P.H. No. 44 measuring 13.860 hectare Tehsil & Distt. Jabalpur.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1343/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Mangeli, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 4th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandrakant, S/o Shri Shamji Shah, through Shri Bhawanji Shah, S/o Rajji Shah, Napied Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Sanstha S.R.M. Foundation of India, Shankaracharya Nagar, Richikesh, through Shri Anand Prakash Shrivastava, S/o J. P. Shrivastava, Ram Niwas, Rechar Bagh, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land N.B. 666, P.H. No. 44 situated at village Mangeli, Teh. & Distt. Jabalpur Rakba 7.823 hectare.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-10-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhawanji Shah So Shri Rauji Shah, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanstha S.R.M. Foundation of India, Shankaracharya Nagar, Rishikesh, through Secretary, Anand Prakash Shrivastava, S/o Shri J. P. Shrivastava, Ram Niwas, Bechar Bagh, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1344/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Mangeli, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 4th May 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

## THE SCHEDULE

Land Rakba 8.143 Hectares N.B. No. 666, P.H. No. 44, situated at Village Mangeli, Teh. & Distt. Jabalpur.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-10-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gulabchand, S/o Shri Bhawanji Shah, 281, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanatha S.R.M. Foundation of India, Shankaracharya Nagar, Rishikesh through Secretary Anand Prakash Shrivastava, S/o Shri J. P. Shrivastava, Ram Niwas, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1345/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Mangeli, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 4th May 1979, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

## THE SCHEDULE

Land 45.07 acres N.B. No. 666, P.H. No. 44 situated at Vill. Mangeli, Teh. & Distt. Jabalpur.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

52—336GI/79

Date : 3-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE**

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1346/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Bldg. & land situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Indore on 21st February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. Kamladevi Gosalia, Rajkot;  
2. Shri Gunvantlal R. Parikh, 66, Jaora Compound, Indore;  
3. Shri Girdharilal Sharma, Bozanquet Market, Indore.

(Transferor)

- (2) F. S. Kerr & Co., Pvt. Ltd., 127 M.G. Rd. Bombay and Choudhary Industrial Investment (MP) Pvt. Ltd., A.B. Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Bldg. known as 'Sudaeshan Kirpa', bearing No. 12/2, Ravindranath Tagore Marg, Indore, with open land area 25298 sqt.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-10-1979.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Devendrakumar, S/o Lalaram Prasadrai Sud and Dr. Dayakishan Sud, S/o Mushtakrai Sud, 4, Pratap Nagar, Indore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (2) Smt. Ishwaribai, W/o Dayaldasji & Smt. Bhagwani Bai, W/o Shri Chandji, 161, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1347/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26th February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot area 9300 sft. No. 3-4A, Pratap Nagar, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1348/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 24th March 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Manoharkunwar, W/o Thakur Sahab Mahendrasingh, Vill. Sarwan, Distt. Ratlam.

(Transferor)

- (2) Shri Vijendrakumar, S/o Shri Sundersingh Jain, Tripoliya Darwaja, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 14,887.50 sft. on State High-way No. 31, Nemuch-Mhow Road, Ratlam.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Rani Sharma, W/o Omprakash Sharma Prem Nagar Colony Road, Gwalior.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ghanshyamdas S/o Gopichand Kukreja and Smt. Poonam, W/o Ghanshyamdas Kukreja, 65, Prem Nagar Colony, Gwalior.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 6th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1349/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 20th February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed house on Rakba 2960 Sq. ft. at 65, Prem-nagar Colony, Gwalior.

K. K. ROY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 6th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1350/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ratlam, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 16th February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ravikumar, S/o Wardhmanji Dajaria, Rambag, Rituvan, Ratlam. (Transferor)
- (2) Shri Mahendrakumar, S/o Surajmalji Mehta, 17, Rambag Rituvan, Ratlam. (Transferee)

Objections if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storced house on Rakba 5005 sft. at 17, Rambag, 'Rituvan' Ratlam.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-10-1979.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE**

Bhopal, the 6th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1351/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 6th February 1979, apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Haripriya, W/o V. K. Pandit, Bharti Bhawan, 79, S. B. Road, Khar, Bombay through Shri Gir-dharilal, S/o Dalchand Sharma, Basant Niwas, Race Course Road, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar S/o Mangilal 20, Santha Bazar, Indore at present at 8/8, New Palasia (IIC), Indore. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House on Plot No. 814 on Rakba 4210 sft. at II-C, 8/8, New Palasia, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 6th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1352/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 12th February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhanwarlalji S/o Baldeoji Dagdi, 50, Radha Nagar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramlal S/o Firandmalji Meghani, 117, Jai-rampur, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed pacca house on Rakba 2600 sft. at Plot No. 105, Gopal Bag Colony, Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 6-10-1979.

Local :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1353/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 14th February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri 1. Mumtaj Hussain, S/o Jawwar Hussain and 2. Ahmad Ali, S/o Kurban Hussain, Aliganj, Bhopal,

(Transferor)

- (2) S/Shri 1. Pradeep Kumar, 2. Sanjay Kumar 3. Jitendrakumar and 4. Sanjeev Kumar, S/o Jawaharlal Shahu, through guardian Smt. Saraswatidevi (Mother), Barkhed, Ward No. 25, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed house on Rakba 1024 sft. at Ward No. 25, Barkhed, Bajariya, Bhopal.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1354/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House and Plot situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 21st February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vithal S/o Tundiraj Jaolikar, Retd. Jt. Director of Economic and Statistics Directorate, Bhopal. (Transferor)
- (2) Shri Jagat Prakash, S/o Punjabilal Jain, Executive Engineer, Irrigation, 93/67, 1250 Quarters, Bhopal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 117 with a constructed house on Rakba 4000 sqt. at E-5 Sector, Shahpura, Bhopal.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Basantlal, S/o Phoolchandji Manawat 14,  
Land Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

(2) Smt. Ramkunwarbai, W/o Rampalji Baheti, 3,  
Pipali Bazar, Indore.

(Transferee)

Bhopal, the 9th October 1979

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1355/79-80.—Whereas, I,  
K. K. ROY,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. House situated at Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Indore on 27th February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Four storeyed house on Rakba 618 sq. ft. at 206, M.G.  
Marg (Gorakund), Indore.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 9-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1356/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land situated at Kalyanpur, Teh. Hazur, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 21st February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Saiyad Hasan Ali, S/o Ibrahim, Peergate, Bhopal.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Khemabai, Wd/o Baldeosingh;  
2. S/Shri Mayaram,  
3. Mohanlal,  
4. Mannulal, sons of Shri Baldeosingh;  
5. Bhawarlal (Minor), S/o Mannulal;  
6. Deepchand, S/o Mohanlal,  
7. Smt. Jankibai, W/o Khachera and  
8. Shri Kamalsingh, S/o Mohanlal, Kotra Sultana-  
bad, Bhopad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land, Kh. No. 31/2, 36, 37, 38, 60 and 237/31, total Rakba 50 acre 72 dec. at Kalyanpur, Teh. Hazur.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 9th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1357/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land and House situated at Bilaspur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 6th February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Ms. Chaudhari Ram Chimanlal, Khaparganj, Bilaspur through partners 1. Anand 2. Ashok Kumar, S/o Chimanlal 3. Smt. Sabhrawa Devi, Wd/o late Chimanlal; 4. Shri Mukeshkumar, S/o Ramsharan Das Panjabi.

(Transferor)

(2) Ms. Shri Kishan Subhashchand & Co., Torwa, Bilaspur through partner Shri Subhashchand Agrawal, S/o Shri Kishanji, Torwa, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 0.129 hectare Halka No. 109, Plot No. 5 with constructed godown and two rooms on it, situated at Sarkanda, Bilaspur.

K. K. ROY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Balwant Kaur, W/o late Sardar Budh Singh, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pradeep Godbole, S/o Shri Sitaram Balkrishna Godbole, West Niwadganj Ward, Jabalpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 10th October 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1358/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 8th February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Three storeyed house bearing No. 237/A-2 on part of plot No. 897 situated at Subhash Nagar, Jabalpur.

K. K. ROY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1979.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1359/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. House situated at Jabalpur, (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 8th February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Balyant Kaur, Wo Late Sardar Budh Singh, Napier Town, Jabalpur.  
(Transferor)
- (2) Smt. Meen Devi Rai, W/o Shri K. R. Rai, 738 Napier Town, Jabalpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three-storeyed house on Plot No. 897 bearing House No. 237/A-4 situated at Subhash Nagar, Jabalpur.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 10-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1360/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 8th February 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Balwant Kaur, W/o late Sardar Budh Singh, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Malti Mala Pathiya, D/o Shri Valaprasadji Pethiya, Saikheda, Tah. Gadarwara, Distt., Narsingpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three-storeyed house No. 237/A-1 on part of plot No. 897 situated at Subhash Nagar, Distt. Jabalpur.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 10-10-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bharat Kumar and Girish Kumar s/o Shri Hirabhai and Smt. Lalita Bai w/o Shri Hirabhai r/o Surat (Gujarat).

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash Chand s/o Shri Rajmal Jian, r/o 173 Laxmibai Nagar, Ujjain.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 18th October 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/79-80/1361.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ujjain on 12-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house No. 1/936, Khirwadkar Marg, Ujjain.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1979.

Seal :

**FORM ITNS—**

Shri Bharat Kumar, Girish Kumar s/o Shri Hirabhai and Smt. Lalita Bai w/o Shri Hirabhai r/o Surat (Gujarat).

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Narendra Kumar s/o Shri Babulal Jain r/o Daulatganj, Ujjain.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE**

Bhopal, the 18th October 1979

Ref. No. IAC/BPL/ACQ/79-80/1362.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ujjain on 12-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Part of house No. 1/936, Khirwadkar Marg, Ujjain.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 18-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Shri Bharat Kumar, Girish Kumar s/o Hirabhai and Smt. Lalita Bai w/o Shri Hirabhai r/o Suraj (Gujarat).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manoj Kumar s/o Shri Babulal Jain r/o Madhav Nagar, Ujjain.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 18th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1363.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Ujjain, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 12-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house No. 1/936, Khirwardkar, Marg, Ujjain.

K. K. ROY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 18-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,

Kakinada, the 6th July 1979

Ref. No. 896.—Whereas I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Duggirala, Guntur Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Duggirala on 3-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shrimati Nimmagadda Padmavathi, w/o Hanumantha Rao  
(ii) Shri Nimmagadda Sudhakar,  
(iii) Shri Nimmagadda Kumar, sons of Shri Hanumantha Rao  
(iv) Nimmagadda Sailaja, d/o Shri Hanumantha, Rao, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) Shri Kumbhampati Nageswara Rao, s/o Sambaiah, Duggirala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 61/79 registered before the S.R.O. Duggirala on 3-2-1979.

B. V. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range (I/C)  
Kakinada

Date : 6-7-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. Acq. File 904.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(Land) situated at Mungada, East Godavari District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908),\* in the office of the Registering Officer at Ambajipeta on 27-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Bachu Venkatanarayanamurthy,  
s/o Mallayya, Uccbili,  
Kothapeta, Tq.

(Transferors)

- (2) Sri Kumpatla Veeravenkata  
Satyanarayana, S/o Subbarao,  
Munjavaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 237 dated 27-2-79 registered before the S.R.O. Ambajipeta.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, I/c, Kakinada

Date : 7-8-1979  
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. Acq. File No. 905.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.— situated at Mungada, Kothapeta Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambajipeta on 24-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Batchu Venkatanarayanamurthy,  
s/o Mallayya,  
Uchili, Kothapeta Tq.

(Transferor)

(2) Sri Kumpatla Naga Prāsada Rao,  
s/o Subba Rao, Munjavaram  
East Godavari District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule of the property as per the registered document No. 235 dated 24-2-1979 registered before the S.R.O. Ambajipeta.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, I/c, Kakinada

Date : 7-8-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 31st August 1979

Ref. No. Acq. File No. 911.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Revenue Ward No. 8, situated at Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

—Vijayawada on 9-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

- (1) Sh. Vemuri Sundara Lakshmi Narasimha Rao, Advocate;  
3-6-547/211, Himayatnagar, Hyderabad-27.  
(Transferor)
- (2) M/s Annapurna Enterprises, By Managing Partner Sri Veeramachaneni Venkataratnam,  
5-4-730 Station Road,  
Nampally, Hyderabad-500001.  
(Transferee)
- (3) M/s. Bezwada Medical Stores,  
Besant Road, Gandhinagar,  
Vijayawada.  
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 759 registered before the S.R.O. Vijayawada on 9-2-1979.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 31-8-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 912.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49-11-4A Situated at Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 24-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Sri P. Jagadiswara Ramprasad,  
(ii) Sri P. Sudhakar,  
New Colony, Visakhapatnam.

(Transferors)

- (2) Smt. Vankayala Bangaruthalli,  
w/o Ramaswamy Gupta,  
D. No. 49-11-4A, Lalithanagar,  
Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 790/79 dated 24-2-1979 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) (i) Sri P. Jagadiswara Ramprasad  
(ii) Sri P. Sudhakar.  
New Colony, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 913.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49-11-4A, situated at Lalithanagaram, Visakhapatnam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Visakhapatnam on during February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) (i) Vankayala Appa Aao,  
(ii) V. Venkatrao,  
(iii) V. Narayanamurthy,  
sons of Ramaswamy Gupta,  
Lalithanagaram, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 917/79 dated February 1979 registered before the S.R.O. Visakhapatnam.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. D. V. Jaganadha Rao,  
Pithapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) (i) Smt. Muppana Satyavathi,  
s/o China Veerabhadra Rao,  
(ii) Sri Somaraju,  
Peddapuram, E.G. District.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 914.—Whereas, J. K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Ward No. 8, Pithapuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram on 19-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 158/79 dated 19-2-1979 registered before the S.R.O. Pithapuram.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 915.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 8, situated at Pithapuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram on 12-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri D. V. K. Surya Rao,  
Stuartpata, Pithapuram.

(Transferor)

- (2) (i) Smt. Muppana Satyavathai,  
(ii) s/o China Veerabhadra Rao,  
Peddapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 149/79 dated 12-2-1979 registered before the S.R.O. Pethapuram.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 916.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ward No. 5, situated at Pithapuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram on 8-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Damera Madhava Rao,  
s/o Sitaramaswamy,  
Stuartpeta, Pithapuram.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Muppana Satyavathi,  
(ii) Sri Muppana Somaraju,  
Peddapuram.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 148/79 dated 7-2-1979 registered before the S.R.O. Pethapuram.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-9-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sri D. V. Rama Rao,  
Gaganmahal Colony,  
Domalaguda, Hyderabad-29.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

(2) Smt. Muppana Satyavathi,  
Sri Muppana Somaraju,  
Peddapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 917.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 5, situated at Pithapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pithapuram on 3-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule of the property as per the registered document No. 93/79 dated 3-2-1979 registered before the S.R.O. Pithapuram.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 922.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/121, situated at Chirala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chirala on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Panchagnala Krishnamurthy,  
s/o Srikrishnaiah,  
Prop. Gajanana Automobiles,  
Trunk Road, Ongola.

(Transferor)

(2) Smt. Chidella Mahalaxmammu,  
w/o Shri Nagendrudu, Cloth Merchant,  
Chirala, Prakasam Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 271/79 dated February 1979 registered before the S.R.O. Cheerda.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada

Date : 6-9-1979  
Seal .

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th September 1979

Ref. No. 923.—Whereas I, K. SUBHA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-50-51 situated at Brodipet, 6th line, 14th Cross Road, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on during February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gogineni Chinnammayi, w/o  
G. V. Chowdhary,  
Chairman, A. P. Mining Corporation,  
6-3-569 Somajiguda,  
Hyderabad.

(Transferors)

(2) M. Krishna Rao,  
s/o Venkatasubbarao,  
Trustee, Bank Officers Education Trust,  
Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 400/79 dated February, 1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-9-1979  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 924.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Eluru Road, Guntur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 22-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Somu Laxmi Ramaratnam,  
w/o Ramakoteswara Rao,  
Kothaeta, Guntur. (Transferor)
- (2) Sri Julluri Pulla Rao,  
s/o Venkataratnam, Secretary,  
Guntur Ghee Merchants Chaliyendra Sangam,  
Pata Guntur, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule of the property as per the registered document No. 823/79 dated 22-2-1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 925.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Opp. Fish Market, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

56—336GI/79

(1) Smt. Somu Laxmi Ramaratnam,  
w/o Ramakoteswara Rao,  
Kothapeta, Guntur.

(Transferor)

(2) Smt. Juluri Danalaxmi,  
w/o Pulla Rao,  
Eluru Road, Pata Guntur,  
Guntur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 822/79 dated 22-2-1979 registered before the S.R.O. Guntur.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 926.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.W. 8 situated at Municipal Ward No. 18, Besant Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 27-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Andhra Prabha Ltd.  
Pooranandam Street, Vijayawada.  
(Transferor)
- (2) (i) Chinta Venkarathnam,  
s/o Veeraiah,  
Kaleswara Rao Market,  
Vijayawada.  
(ii) Ilapurapu Venkaiah,  
s/o Ramaiah,  
Rundalpeta, Vijayawada.  
(iii) Devisetty Venkata Durgu Prasad,  
s/o Narayana Rao,  
Punnamathota, Vijayawada-10.  
(iv) Taduru Bala Gowd,  
s/o Bala Gowd,  
Himayatnagar, Hyderabad.  
(v) Bunta Bimlroy, s/o  
Balaiah,  
Hyderabad.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1152/79 dated 27-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979  
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Chagarlamudi Gandhi,  
s/o Punnaiah,  
Lakshmi Motor Stores,  
Prakasam Road, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Ulamanchilli Siva Panchaksharamma,  
w/o Late Lakshmaiah,  
Godavarru Village,  
Vijayawada Tq.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 927.—Whereas I, K. SUBHA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32-2-10/15,

situated at near Jammichettu Mogulrajpuram, Vijayawada (and more fully described in the scheduled annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Vijayawada on 19-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1000/79 dated 19-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 928.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32-2-10/15, situated at near Jammichettu Mogulrajapuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 21-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Chagarlamudi Gandhi,  
s/o Punnaiah,  
Lakshmi Motor Stores, Prakasam Road,  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Edupuganti Navaraju  
Minor by Guardian mother Arunakumari,  
w/o Shri Sivamurthy, Advocate,  
Labbipeta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1038/79 dated 21-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 929.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33-23-11, situated at Krishnarao street, Kasturbaipet, Vijayawada-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 22-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Garapati Vijayakumar,  
s/o Venkaiah, Kasturbaipeta,  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Posani Pattabhirama Rao,  
s/o Subba Rao,  
Krishna Rao Street, Mastanbaipeta,  
Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1055/79, dated 22-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Rcf. No. 931.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Andhra Ratna Road, Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Sri Tadikonda Venkata Sriramamurthy,  
8, Kodambakkam High Road,  
Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Yeduguri Sandinti George Reddy,  
Pulivendla Post, Cuddapah District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 993/79 dated 22-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 930.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-2-32, situated at Andhra Ratna Road, Gandhinagar, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 22-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Tadikonda Radhakrishna Rao,  
8, Kodambakkam High Road,  
Nungambakkam, Madras-34. (Transferor)

(2) Sri Bollareddy Kumar Koti Reddy,  
Ganapavaram, Mylavaram Sub district,  
Vijayawada Tq. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 992/79 dated 22-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA**

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 932.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29-30-4, situated at Tobacco Barans Street, Suryaraopeta, Vijayawada-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 1-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Srungavarapu Seshamamba,  
w/o Ramabrahmam,  
C/o Kohinoor Optical Store,  
Samarang Chouk,  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Cherkuri Kusuma Kumari,  
w/o Raja Rao,  
29-30-4, Tobacco Barans Street,  
Suryaraopeta,  
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule of the property as per the registered document No. 507/79 dated 1-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 933.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at 31-9-34, Kakani Road, Maruthinagar Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Vijayawada on 19-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
57—336GI/79

(1) Smt. Sripathi Padmavathi,  
w/o Sri Varaha Narasimha Rao,  
Chodavarapuvari Lane,  
Buckinghampetta,  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Kosaraju Vijayalakshmi  
w/o Ramachandra Rao,  
(ii) Smt. Kosaraju Vani,  
w/o Subbas Chandra Bose,  
Maruthinagar,  
Bagyalakshmi Industries, 31-9-34,  
Vijayawada.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1008/79 dated 19-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979

Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 934.—Whereas I, K. SUBBA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sambamurthy road and Andhra Ratna Road Junction, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Vijayawada on February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Sri Krishna Enterprises,  
D. No. 21, New Door No. 4,  
Connon Smith Road, Madras-600 086.

(Transferor)

(2) M/s Sudhakar Litho Printers,  
Gandhinagar, Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 488/79 dated February, 1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 938.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Kaleswararao Road & Dasurivari street Junction, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Polavarapu Varalakshmi,  
w/o Late Krishnamurthy,  
Punadipadu,  
Vijayawada Tq.

(Transferor)

- (2) Dr. K. Vasumathi,  
w/o Dr. K. Pattabhiramaih,  
Ramachandrarao Road, Suryaraopeta,  
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1143/79 dated 28-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 937.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. .... situated at Kaleswara Rao Road and Dasarivari Street Junction, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, at 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Vijayawada on 28-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Polavarapu Varalakshmi,  
w/o Late Krishnamurthy,  
Punadipadu,  
Vijayawada Tq. (Transferor)
- (2) Dr. Kamineni Pattabhiramaiah,  
s/o Suryanarayana,  
Ramachandrarao Road, Suryaraopeta,  
Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1089/79 dated 28-2-1979 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 936.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37-1-140 situated at Ward No. 5, Ongole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ongole During February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Kunujula Venkateswara Reddy,  
(ii) K. Venkata Reddy, Minors by  
(iii) K. Sreenivasulu Reddy, Guardian  
(iv) K. Vijaya Bhaskara Reddy Venkateswara Reddy,  
(v) Smt. Rajyalaxmi, Bunder Road, Ongole. (Transferors)
- (2) Sri Sama Audisesha Rao, s/o Bhavanarayana, South Bazaar, Ongole. (Transferee)
- (3) M/s Chandrika Agencies, Cycle Dealers, Ongole. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 242/79 dated February, 1979 registered before the S.R.O. Ongole.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th September 1979

Ref. No. 935.—Whereas I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No..... situated at Nelladripuram, Hamlet of Kaddiadda village, T.P. Gudem Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadepalligudem on 28-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Sri Penumarthi Viswanadham,  
s/o Ramanadham,  
(ii) Duggina Venkataramanna,  
s/o Venkataramanna,  
Allampuram Post Tadepalligudem Tq.  
West Godavari District.  
(Transferors)
- (2) Shri Bolla Rambabu,  
s/o Sarveswara Rao,  
Kommugudem,  
T.P. Gudem Tq., West Godavari District.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 543 dated 28-2-1979 registered before the S.R.O. Tadepalligudem.

K. SUBBA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 7-9-1979

Send :

FORM ITNS—

(1) Shri Balwant Singh Nag R/o S. 23 Panchshile Park  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) K. D. Somaia Kanta Sh. K. D. Somaia Huf R/o  
111/B Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 29th October 1979

No. IAC/Acq-I/SR-III/1(21)/1014/78-79.—Whereas I,  
MISS ANJANI OZAbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo S-23 situated at Panchshila, Park New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 5-2-1979,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the 'said Act'  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 500 sq. yds. with building servant room & garage S  
23 Panch Sheel-Park, New Delhi, more specifically described  
in the instrument of transfer registered on 5-2-79.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Delhi/New Delhi.

Date : 29-10-1979

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

## COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION

MAY, 1980

New Delhi, the 24th November, 1979

No. F.8/5/79-E.I(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 4th May, 1980 for admission to the under mentioned courses :—

<i>Name of the Course</i>	<i>Approximate No. of Vacancies</i>
---------------------------	-------------------------------------

Indian Military Academy, Dehra Dun (70th Course commencing in January, 1981)	120
--	-----

[Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders]

Naval Academy, Cochin (Course commencing in January, 1981)	60
	(Incl. 20 for Naval Aviation)

Officers' Training School Madras (33rd course commencing in May, 1981)	160
--	-----

NOTE I: NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders may also compete for the vacancies in the Naval Academy and Short Service Commission (Non-Technical) Courses, but since there is no reservation of vacancies for them in these courses, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in these Courses. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination to reach the Commission's office by 31st December, 1980.

"To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 12 months on the last date for receipt of applications in the Commission's Office."

NOTE II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admissions to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Training School, are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE: THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum

## 3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality

A candidate must either be—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not however, be necessary, in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School, as the case may be, subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) Age limits, sex and marital status :—

- (i) For I.M.A. and Naval Academy: Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1959 and not later than 1st January, 1962 are only eligible.
- (ii) For Officers' Training School—Male candidates (married or un-married) born not earlier than 2nd January 1958 and not later than 1st January 1962 are only eligible.

NOTE: Date of births as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational Qualifications :—Degree or a recognised University or equivalent. Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Commission's office by the following date failing which their candidature will stand cancelled :—

- (i) For admission to I.M.A. & Naval Academy—on or before the 31st December, 1980.
- (ii) For admission to Officers' Training School—on or before 4th April, 1981.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE I: Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

NOTE II: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled

NOTE III: Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applica-

tions from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

4. **FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.**—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. **REMISSION OF FEE.**—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

6. **HOW TO APPLY.**—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination May 1980 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters, N.C.C. Directorates and Naval Establishments.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. **LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE :—**

- (i) From candidates in India 21st January, 1980.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 4th February, 1980.

8. **DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.**

(A) *By all candidates :—*

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador, or Representative abroad

as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (iv) Three self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. x 27.5 cms.

(B) *By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—*

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) *By candidates claiming remission of fee :—*

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a *bona fide* displaced person/repatriate—

(a) *Displaced person from erstwhile East Pakistan :*

- (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranaya Project or of Relief Camps in various States

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in this district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) *Repatriates from Sri Lanka :*  
High Commission for India in Sri Lanka.

(c) *Repatriate from Burma :*  
Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

(D) *By NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A. Course.*

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing) examination.

9. **REFUND OF FEE.**—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

- (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
- (ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination November, 1979 and is recommended for ad-

mission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination May, 1980 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th October, 1980.

**10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS.**—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

**11. RESULT OF APPLICATION.**—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

**12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.**—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

**13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.**—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
  - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
    - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them,
    - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
  - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

**14. Original Certificate—Submission of.**—Candidates who qualify for interview on the results of the written examination

will be required to submit original certificates in support of their age and educational qualification etc. to the Commission soon after the declaration of the results of the written examination.

**15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.**—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

**16. CHANGE OF ADDRESS.**—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS. A.G.'S BRANCH RTG. 6(SP)(e)(ii) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

**17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.**—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters. A.G.'s Branch RTG 6(SP)(e)(ii) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles :

- (a) Passport size photographs in white shirt—6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season)
- (c) Two pairs of white shirts and shorts
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks
- (e) Two pairs of trousers and shirts
- (f) Fountain Pen, Ink and pencils
- (g) Boot polish and white blanco
- (h) One mosquito net.

**18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.**—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in August/September, 1980 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in December 1980/January 1981.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

**19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.**—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy, Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

**20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY.**—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY.**—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy, candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy.

**22. INTELLIGENCE TEST—INFORMATION ABOUT.**—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Service Selection Boards.

The book is a priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

**23. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS OF PREVIOUS EXAMINATIONS—INFORMATION ABOUT.**

With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Combined Defence Services Examination, May 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto Combined Defence Services Examination held in November, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

R. S. AHLUWALIA,  
Deputy Secretary

## APPENDIX I

(The scheme, standard syllabus of the examination)

### A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The Competitive examination comprises :—

- (a) Written examination as shown in para 2 below ;
- (b) Interview for intelligence and personality test (*vide* Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

(a) For admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1	2	3
<b>Compulsory</b>		
1. English . . . . .	2 Hours	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics . . . . .	2 Hours	100

**Optional : —Any one of the following**

Subject	Code No.	Time allowed	Maximum Marks
1	2	3	4
Physics . . . . .	01	2 Hours	150
Chemistry . . . . .	02	2 Hours	150
Mathematics . . . . .	03	2 Hours	150
Botany . . . . .	04	2 Hours	150
Zoology . . . . .	05	2 Hours	150
Geology . . . . .	06	2 Hours	150
Geography . . . . .	07	2 Hours	150
English Literature . . . . .	08	2 Hours	150
Indian History . . . . .	09	2 Hours	150
General Economics . . . . .	10	2 Hours	150
Political Science . . . . .	11	2 Hours	150
Sociology . . . . .	12	2 Hours	150
Psychology . . . . .	13	2 Hours	150

(d) For Admission to Naval Academy :

Subject	Time allowed	Maximum marks
1	2	3
<b>Compulsory</b>		
1. English . . . . .	2 Hrs.	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hrs.	100
<b>Optional</b>		
*3. Elementary Mathematics or Elementary Physics . . . . .	2 Hrs.	100
*4. Mathematics or Physics . . . . .	2 Hrs.	150

\*Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th paper and Candidates offering Elementary Physics will take Mathematics as their 4th paper.

(e) For Admission to Officers Training School

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English . . . . .	2 Hours	100
2. General Knowledge . . . . .	2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 450, 450 and 200 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Training School.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

## B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

### STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

### SYLLABUS ENGLISH

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

### GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

### ELEMENTARY MATHEMATICS

#### Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

#### Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language

and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

### Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when  $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$ .

Value of  $\sin x$ ,  $\cos x$  and  $\tan x$ , for  $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$  and  $90^\circ$ .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

### Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

### Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

### Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

### ELEMENTARY PHYSICS

(a) *Mensuration*.—Units of measurement; CGS and MKS units. Scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.

(b) *Mechanics of Solids*.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane, Screw and Gears. Friction angle of friction, coefficient of friction. Work, Power and energy, Potential and kinetic energy.

(c) *Properties of fluids*.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of floatation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. Air pumps.

(d) *Heat*.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles' Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.

(e) *Light*.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion.

(f) *Sound*.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.

(g) *Magnetism & Electricity*.—Laws of Magnetism. Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law. P.D. Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Comparison of EMF's. Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating; Electromagnetic induction, Faraday's Laws; Basic AC & DC-generator.

### PHYSICS (Code—01)

#### 1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws

of mechanics; Rotational motion; Gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum. Plasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

#### 2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion, Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure, temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats; Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

#### 3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Van der Waal's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

#### 4. Light

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light interference.

#### 5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

#### 6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons. Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

### CHEMISTRY (Code—02)

#### 1. Inorganic Chemistry

Electronic configuration of elements. Aufbau Principle Periodic classification of elements; Atomic number. Transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity. Nuclear fission and fusion.

Electronics Theory of valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Warner's theory of coordination compounds. Electronic configuration of complexes involved in the common metallurgical and analytical operations.

Oxidation states and oxidation number. Common oxidising and reducing agents. Ionic equations.

Lewis and Bronsted theories of acids and Bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification. Principles of extraction, isolation (and metallurgy) on important element.

Structures of hydrogen peroxide, diborane, aluminium phloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorus, chlorine and sulphur.

Inert gases; Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemical analysis.

Outlines of the manufacture of Sodium carbonate, sodium hydroxide, ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilizers.

## 2. Organic Chemistry :

Modern concepts of covalent bonding. Electron displacements—Inductive, mesomeric and hyperconjugative effects. Resonance and its application to organic chemistry. Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum as a source of organic compounds. Simple derivatives of aliphatic compounds. Alcohols, Aldehydes, ketones, acids, halides, esters ether, acid anhydrides chlorides and amides. Monobasic hydroxy ketonic and amino acids. Organometallic compounds and acetoacetic esters. Tartaric, citric, maleic and fumaric acids. Carbohydrates classification and general reaction. Glucose, fructose and sucrose.

Stereochemistry : Optical and geometrical isomerism. Concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives : Toluene, xylenes, phenols, halides nitro and amino compounds. Benzoic salicylic, cinnamic, mandelic and sulphonic acids. Aromatic aldehydes and ketones. Diazo azo and hydrazo compounds. Aromatic substitution. Naphthalene, pyridine and quinoline.

## 3. Physical Chemistry :

Kinetic theory of gases and gas laws. Maxwell's law of distribution of velocities. Van der Waal's equation. Law of corresponding states. Liquefaction of gases. Specific heats of gases. Ratio of  $C_p/C_v$ .

Thermodynamics. The first law of thermodynamics, Isothermal and adiabatic expansion, Enthalpy. Heat capacities. Thermochemistry—heats of reaction, formation, solution and combustion. Calculation of bond energies. Kirchhoff equation.

Criteria for spontaneous change. Second Law of Thermodynamics. Entropy. Free energy. Criteria of Chemical equilibrium.

Solutions. Osmotic pressure, Lowering of vapour pressures, depression of freezing point elevation of boiling point. Determination of molecular weights in solution. Association and dissociation of solutes.

Chemical equilibria. Law of mass action and its application to homogeneous and heterogeneous equilibria. Le Chatelier principle. Influence of temperature on chemical equilibrium.

Electrochemistry : Faraday's laws of electrolysis conductivity of an electrolyte; equivalent conductivity and its variation with dilution; solubility of sparingly soluble salts; electrolytic dissociation. Ostwald's dilution law; anomaly of strong electrolytes; solubility product; strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogen ion concentration; buffer action theory of indicators.

Reversible cells. Standard hydrogen and calomel Electrodes. Electrode and red exopotentials. Concentration cells. Determination of pH. Transport number. Ionic product of water Potentiometric titrations.

Chemical Kinetics, Molecularity and order of a reaction. First order and second order reactions. Determination of order of a reaction temperature coefficients and energy of activation. Collision theory of reaction rates. Activated complex theory.

Phase rule : Explanation of the terms involved. Application to one and two component systems. Distribution law.

Colloids : General nature of Colloidal solutions and their classification; general methods of preparation and properties of colloids. Coagulation. Protective action and gold number Absorption.

Catalysis Homogeneous and heterogeneous catalysis Promoters Poisoning.

Photochemistry. Laws of photochemistry. Simple numerical problems.

## MATHEMATICS (Code—03)

### 1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

### 2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix; inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

### 3. Analytical Geometry

#### Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

#### Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

### 4. Calculus and Differential Equation

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal, subtangent, subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope : Partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus—Standard methods of integration. Reimann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

### 5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium or coplanar and concurrent forces. Moments. Couples. Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane. (Virtual work (two dimensions)).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—Binomial distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting form simple application; Poisson distribution,—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics, Sampling distribution and

standard error. Simple application of the normal,  $t$ ,  $\chi^2$  and  $F$  distributions to testing of significance of difference of means.

**Note :—**Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any of the two topics.

#### BOTANY (Code—04)

1. *Survey of the plant Kingdom.*—Differences between animals and plants; Characteristics of living organism: unicellular and multicellular organism: Viruses: basis of the division of the plant kingdom.

2. *Morphology.*—(i) Unicellular plants—cell, its structure and contents: division and multiplication of cell.

(ii) *Multicellular plants.*—Differentiation of the body of non-vascular plants and vascular plants: external and internal morphology of vascular plants.

3. *Life history.*—Of at least one member of the following categories of plants:—Bacteria, Cyanophyceae, Chlorophyceae, Phaeophyceae, Rhodophyceae, Phycomycetes, Ascomycetes, Basidiomycetes, Liverworts, Mosses, Pteridophytes, Gymnosperms and Angiosperms.

4. *Taxonomy.*—Principles of classification, principal systems of classification of angiosperms: distinctive features and economic importance of the following families:—

Graminae, Scitamineae, Palmaceae, Liliaceae, Orchidaceae, Moraceae, Loranthaceae, Magnoliaceae, Lauraceae, Cruciferae, Rosaceae, Leguminosae, Rutaceae, Meliaceae, Euphorbiaceae, Anacardiaceae, Malvaceae, Apocynaceae, Asclepiadaceae, Dimerocarpaceae, Mirtaceae, Umbelliferae, Labiatae, Solanaceae, Rubiaceae, Cucurbitaceae, Vervaceae and Compositae.

5. *Plant Physiology.*—Autotrophy, heterotrophy. Intake of water and nutrients, transpiration, photosynthesis, mineral nutrition, respiration, growth, reproduction: plants-animal relation, symbiosis, parasitism, enzymes, auxins, hormones, photoperiodism.

6. *Plant Pathology.*—Cause and cure of plant diseases. Disease organisms. Viruses, deficiency disease; Disease resistance.

7. *Plant Ecology.*—The basic facts relating to ecology and plant geography with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.

8. *General Biology.*—Cytology, genetics, plant breeding, Mendelism, hybrid vigour, Mutation, evolution.

9. *Economic Botany.*—Economic uses of plants, especially flowering plants in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruits, sugar and starches, oilseeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.

10. *History of Botany.*—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

#### ZOOLOGY (Code—05)

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure habits and life-history of the following non-chordate types:

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liverfluke, tapeworm, roundworm, earth worm, leech, cockroach, housefly, mosquito, scorpion, fresh water mussel, pond snail and starfish (external characters only).

Economic importance of insects, Bionomics and life-history of the following insects; termitelocust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordate up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types.

Branchiostoma, Scolidon; frog; Uromastix or any other lizard (skeleton of Varanus) pigeon (Skeleton of fowl); and rabbit; rat or squirrel.

Elementary knowledge of the history and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit. Endocrine glands and their functions.

Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution, variations heredity, adaptation; recapitulation hypothesis; Mendelian inheritance; asexual and sexual modes of reproduction; parthenogenesis; metamorphosis alteration of generations.

Ecological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna.

Wild life of India including poisonous and non-poisonous snakes; game birds.

#### GEOLOGY (Code—06)

##### 1. General Geology:

Origin age and interior of the Earth, different geological agencies and their effects on topography, weathering and erosion; Soil types, their classification and soil groups of India, Physiographic sub-division of India. Vegetation and topography. Volcanoes, earthquakes, mountain diastrophism.

##### 2. Structural Geology:

Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks, Dip, strike and slopes; folds faults and unconformities including their effects on outcrops Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

##### 3. Crystallography and Mineralogy:

Elementary knowledge of crystal symmetry. Laws of Crystallography. Crystal habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration, occurrence and commercial uses.

##### 4. Economic Geology:

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

##### 5. Petrology:

Elementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

##### 6. Stratigraphy:

Principles of Stratigraphy; lithological and chronological sub-division of geological record. Outstanding feature of Indian Stratigraphy.

##### 7. Palaeontology:

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animals and plant fossils.

#### GEOGRAPHY (Code—07)

(i) *Elementary Geomorphology.*—Origin of the solar system and the earth, landforms, land sculpture, elementary geology, rocks and soil formation.

(ii) *Climatology.*—Climate and its elements, temperature, pressure, humidity, wind system elementary knowledge of cyclones anti-cyclones precipitation, types of rain.

(iii) *Oceanography.*—Distribution of land and water, movements of ocean-water, tides, currents, salinity, deposits of the ocean beds.

(iv) *Plant Geography.*—Types of vegetation, their relation to geographical environment, forests, grasslands, deserts, major natural regions.

(v) *Human Geography.*—Man in environment races of mankind, man's activities and distribution of population.

(vi) *Economic Geography.*—Principal vegetable, animal and mineral products, their distribution and geographical background principal industries and their localisation; international trade in raw material, food-stuffs and manufactured goods.

(vii) *Regional Geography.*—India in detail and the U.S.A., the U.K., the U.S.S.R., China, Japan, South-East Asia, the Middle East, Sri Lanka, Burma and Pakistan in outline.

**ENGLISH LITERATURE (Code—08)**

Candidates will be expected to show a general knowledge of the history of English literature from the time of Spenser to the end of the reign of Queen Victoria with special reference to the works of the following authors :—

Shakespeare, Milton, Johnson, Dickens, Wordsworth, Keats, Carlyle, Tennyson and Hardy.

**INDIAN HISTORY (Code—09)**

India from 1600 to the establishment of Indian Republic, including the constitutional developments during this period.

NOTE.—In this subject candidates should be acquainted with geography in its relation to history. When a fixed date is given for the beginning of the period candidates will be expected to know in general outline how the initial position was reached.

**GENERAL ECONOMICS (Code—10)**

Candidates will be expected to have a knowledge of economic theory and should be prepared both to illustrate theory by facts and to analyse facts by the help of theory. Some knowledge of the economic history of India and of England and of economic conditions in these countries will be expected.

**POLITICAL SCIENCE (Code—11)**

Candidates will be expected to show a knowledge of political theory and its history, political theory being understood to mean not only the theory of legislation but also the general theory of the State. Questions may also be set on constitutional forms (Representative Government, Federalism etc.) and Public Administration. Central and Local. Candidates will be expected to have knowledge of the origin and development of existing institutions.

**SOCIOLOGY (Code—12)**

Nature and Scope of Sociology; Study of Society; Sociology and its relation to other Social Sciences.

Basic concepts Status and Role; Primary and Secondary Groups; Social institutions; Social structure; Social control and Deviant behaviour; Social Conflict; Social Change.

Basic Social Structures and Institutions; Marriages; Family and Kinship; Political Institutions; Religious Institutions Social stratification—Caste, Class and Race.

Environment, society and culture.

Sociology of India; Caste and Casteism; Family and Kinship; Village community; Social change in modern India.

**PSYCHOLOGY (Code—13)****General Psychology**

Definition and subject-matter of Psychology; methods of Psychology; Concept of adjustment and behaviour mechanism; Physiological basis of behaviour; (a) receptors—visual and auditory; (b) general idea of the nervous system; (c) effectors;—muscles and glands.

Factors in human development—heredity and environment, maturation and learning.

Motivation and emotion—their nature, kind and development.

Perception and its nature; Perception of form; colour and space.

Learning : its nature, conditioning, insight and trial and error.

Memory and forgetting—factors effecting the processes; efficient methods of memorising.

Thinking and reasoning.

Intelligence and abilities—their nature and measurement.

Personality—nature, determinants and measurement.

**Abnormal Psychology**

Abnormal behaviour—its concept and causes.

Frustration and conflicts; defence mechanisms.

Forms of psychological disorders—neurotic, psychotic, personality and psychophysiological disorders.

General idea of treatment of mental disorders—psychotherapy.

**Social Psychology**

Group processes; individual and the group; leadership morale and crowd behaviour.

Propaganda and psychological warfare.

**INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST**

In addition, to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

**APPENDIX II**

(Physical Standards or Admission to the Academy/School)

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE, ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy or the School. The mere fact that medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to anyone. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates are advised in their own interest that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

1. To be passed fit for admission to the Academy/School a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

2. It will, however, be ensured that—

- (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformations or obesity;
- (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE 1.—A candidate with a rudimentary cervical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

NOTE 2.—X-ray spine will be taken to exclude maldevelopments.

- (c) there is no impediment of speech;
- (d) there is no malformation of the head or deformity from fracture or depression of the bones of the skull;

- (e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis media or evidence of radical or modified radical mastoid operation;

NOTE: A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

- (f) there is no disease of bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;

NOTE: A small asymptomatic traumatic perforation of the nasal septum would not be a cause for outright rejection. But such cases will be referred to the Adviser in Otolaryngology for examination and opinion.

- (g) there are no enlarged glands in the neck and other parts of the body and that thyroid gland is normal;

NOTE: Scars of operations for the removal of tuberculosis glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding 5 years and the chest is clinically and radiologically clear.

- (h) there is no disease of the throat palate, tonsils or gums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joint;

NOTE: Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.

- (i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;

- (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;

- (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen;

- (l) there is no inguinal hernia or tendency thereto;

NOTE: (1) Inguinal hernia (unoperated) will be a cause for rejection.

- (2) Those who have been operated for hernia may be declared medically fit provided:

- (i) One year has elapsed since operation. Documentary proof to this effect is to be produced by the candidate.

- (ii) General tone of the abdominal musculature is good.

- (iii) There has been no recurrence of the hernia or complication thereto concerned with the operation.

- (m) there is no hydrocele or definite Varicocele or any other disease or defect of the genital organs;

N.B.—(i) A candidate who has been operated for hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis.

- (ii) Undescended intra abdominal testicle on one side should not be a bar to acceptance provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the undescended testicle. Undescended testis retained in the inguinal canal or the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.

- (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;

- (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria or Albuminuria will be rejected;

- (p) there is no disease of the skin unless temporary or trivial scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection;

- (q) there is no active latent or congenital venereal disease;

- (r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted;

- (s) there is no squint or morbid condition of the eyes or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrent;

- (t) there is no active trachoma or its complication and sequelae.

NOTE—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

### 3. Standards for Height, Weight and Chest Measurement—

#### (a) Height—

- (i) The height of a candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels, and not on the toes or outer sides of the feet.

He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres. decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

- (ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cm. (157 cm. for the Navy) except in the case of Gorkha, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height in correlation table at (b)(i) below may be reduced by 5.0 cm. The minimum height of naval candidates from MANIPUR, NEFA, MEGHALAYA, TRIPURA, MIZORAM AND NAGALAND may also be reduced by 5 cm. and 2 cm. in the case of candidates from LACCADIVES.

#### (b) Weight—

- (i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with underpants only. In recording weight fraction of  $\frac{1}{2}$  kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance:—

Age last birth day	Height without shoes	Weight	
		Average Minimum	Average Maximum
Years	Centimeters	Kgs.	Kgs.
17 to 18	157.5 & under 165.0	43.5	55.0
	165.0 & under 172.5	48.0	59.5
	172.5 & under 183.0	52.5	64.0
	183.0 & upwards	57.0	—
19	160.0 & under 165.0	44.5	56.0
	165.0 & under 172.5	49.0	60.5
	172.5 & under 178.0	53.5	65.0
	178.0 & under 183.0	58.0	69.0
	183.0 & upwards	62.5	—
20 & upwards	160.0 & under 165.0	45.5	56.5
	165.0 & under 172.5	50.0	61.0
	172.5 & under 178.0	54.5	66.0
	178.0 & under 183.0	59.0	70.5
	183.0 & upwards	63.0	—

## HEIGHT AND WEIGHT STANDARDS

For Navy only

Height in Centimetres	Age		
	18 years	20 years	22 years
	Weight in Kilograms		
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

- (ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table is, therefore, only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent ( $\pm 6$  kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The overweight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are underweight, the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest*.—The chest should be well-developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the sides. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansion of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cm. thus 84/89 and 86/91 etc.

In recording the measurements, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

"X-Ray" of chest is compulsory.

## 4. Dental Condition—

It should be ensured that sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

- (a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw—

- (i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd pre-molar and under developed 3rd molar—1 point each.
- (ii) 1st and 2nd molar and fully developed 3rd molar 2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

- (b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw—

- (i) any 4 of the 6 anteriors.
- (ii) any 6 of the 10 posteriors.

NOTE.—Candidate for direct commission and technical graduates, with well fitting dentures will, however, be accepted for commission.

- (c) Candidate suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea in such that in the opinion of the dental officer it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

## 5. Visual Standard (Army)

	Better eye	Worse eye
Distant vision (corrected)	6/6	6/18

Myopia of not more than—3.5 D including astigmatism  
Manifest Hypermetropia of not more than +3.5D including astigmatism.

NOTE 1. Fundi and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or chorio-retina to be present suggesting progressive myopia.
3. Should have good binocular vision, fusion faculty and full field of vision in both eyes.
4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptré in any one meridian.

## Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

## Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective State), defined below will be declared Unfit:—

CP-3 (Defective Safe)—Candidates should be able to recognise white, signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metres or read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

## Visual Standard (Navy)

## (a) Visual Acuity

Standard I	Better eye	Worse eye
	V-6/6	V-6/9

## Distant Vision

Correctable to 6/6

Navy (i)—Visual standard I. No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering and Electrical Branches up to 6/18, 6/36 correctable to 6/6 both eyes with glasses.

## (ii) Special requirements:

Normally Cadets/Direct entry officers for all Branches of the Navy will not be tested for Della Caca for Night Vision acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the medical board proceedings:—

"I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family, and I do not suffer from it".

Signature of the candidate  
Countersignature of the Medical Officer

## Heterophoria

Limits of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent must not exceed:—

## (a) At 6 metres—

Exophoria 8 prism dioptres  
Esophoria 8 prism dioptres  
Hyperphoria 1 prism dioptre

## (b) At 30 cms—

Esophoria 6 prism dioptres Exophoria 16 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptre	Executed	level
Limits of hypermetropia (under homotropiae)		Better Eyes
Hypermetropia . . . . .	1.5 dioptres	
Simple Hypermetropic Astigmatism . . . . .	0.75 dioptre	
Compound Hypermetropic Astigmatism	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 0.75 dioptre may be due to astigmatism.	
	Worse-Eyes	
Hypermetropia . . . . .	2.5 dioptres	
Simple Hypermetropic Astigmatism . . . . .	1.5 dioptres	
Compound Hypermetropic Astigmatism	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptres of which not more than 1.0 dioptre may be due to astigmatism.	

## 6. Hearing Standard—

Hearing will be tested by speech test. Where required audiometric records will also be taken.

- (a) *Speech test*.—The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 609.5 cm. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.
- (b) *Audiometric record*.—The candidate will have no loss of hearing in either ear at frequencies 128 to 4096 cycles per second. Audiometry reading between plus 10 and minus 10. (Not applicable to Navy.

## APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

## (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.

## 1. Before the candidate joins the Indian Military Academy—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment any injury received as aforesaid or otherwise;
- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be

borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all source are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his district who will, with his recommendation, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidates finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—

(a) Pocket allowance for the five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00

(b) For items of clothing and equipment.—Rs. 800.00  
Total : Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them:—

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00.

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy:—

(1) **PARSHUKAM BHADU PATWARDHAN** Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL** Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition, to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—

(a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or

(b) if he is not granted a commission, refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government, be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

#### Training :

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

#### 11. Terms and Conditions of Service

##### (i) PAY

Rank	Pay scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut . . . . .	750—790	Lt. Colonel (Time scale)	1800 fixed
Lieut . . . . .	830—950	Colonel	1950—2175
Captain . . . . .	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major . . . . .	1450—1800	Maj General	2500—125/2-2750
Lt. Colonel (By selection)	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.

##### (ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

##### (iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances—

- Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- Separation allowance : Married officers posted to non-family station are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- Outfit Allowance—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

##### (iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

##### (v) PROMOTION

###### (a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

###### by time scale

Lt. . . . .	2 years of Commissioned Service
Capt. . . . .	6 years of Commissioned Service
Major . . . . .	13 years of Commissioned Service
Lt. Col. from Major . . . . .	25 years of Commissioned Service

(if not promoted by Selection).

###### by selection

Lt. Col . . . . .	16 years of Commissioned Service
Col. . . . .	20 years of Commissioned Service
Brigadier . . . . .	23 years of Commissioned Service
Major Gen. . . . .	25 years of Commissioned Service
Lt. Gen. . . . .	28 years of Commissioned Service
Gen. . . . .	No restriction

###### (b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks, on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :

Captain . . . . .	3 years
Major . . . . .	5 years
Lt. Colonel . . . . .	6-1/2 years
Colonel . . . . .	8-1/2 years
Brigadier . . . . .	12 years
Major General . . . . .	20 years
Lt. General . . . . .	25 years

#### (B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.

1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.

##### (1) Candidates not applying for government financial aid :

(i) Pocket allowance for five months @ Rs. 45.00 per month . . . . .	Rs. 225.00
(ii) For items of clothing and equipment . . . . .	Rs. 460.00
Total . . . . .	Rs. 685.00

##### (2) Candidates applying for Government financial aid :

(i) Pocket allowance for two months, @ Rs. 45.00 per month . . . . .	Rs. 90.00
(ii) For items of clothing and equipment . . . . .	Rs. 460.00
Total . . . . .	Rs. 550.00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as (a) Cadets Training including afloat training

for 6 months . . . . .	1 year
(b) Midshipmen afloat Training . . . . .	6 months
(c) Acting Sub-Lieutenant Technical Courses . . . . .	12 months
(d) Sub-lieutenants . . . . .	

A minimum period of 6 months at sea is essential to obtain a watch-keeping certificate.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expense while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 450 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will, with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi :

Provided, that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they

simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 500 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance, they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—

(a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

### 3. PAY AND ALLOWANCES

#### (a) PAY

Rank	Pay Scale
	General Service
1	2
Midshipman	Rs. 560
Ag. Sub Lieut.	Rs. 750
Sub. Lieut.	Rs. 830—870
Lieut.	Rs. 1100—1450
Lieut. Cdr.	Rs. 1450—1800
Commander (by Selection)	Rs. 1750—1950
Commander (by time Scale)	Rs. 1900 fixed

1	2
Captain	Rs. 1950—2400 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain).
Rear Admiral	Rs. 2500-125/2-2750
Vice Admiral	Rs. 3000.

#### (b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances :—

(i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted officers from time to time.

(ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.

(iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.

(iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible to—

(i) married officers serving in non-family station; and

(ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.

(v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.

NOTE I :—In addition certain special concessions like hard-lying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

NOTE II :—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

#### 4. PROMOTION

##### (a) By time scale

Midshipmen to Ag. Sub.

Lieut. . . . . 1/2 years

Ag. Sub. Lieut. to sub.

Lieut. . . . . 1 year

Sub. Lieut. to Lieut. . . 3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture of seniority).

Lieut. to Lieut. Cdr. . . 8 Years seniority as Lieut.

Lieut. Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection) . . 24 years (reckonable commissioned service).

##### (b) By selection

Lieut. Cdr. to Cdr. . . 2-8 years seniority as Lieut. Cdr.

Cdr. to Capt. . . . 4 years seniority as Cde.

Capt. to Rear Admiral and above . . . No service restriction.

#### 5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOTE.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

#### (C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS.

1. Before the candidate joins the Officers Training School, Madras—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment or any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

3. While the cost of training, including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking, etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 450 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—

- |  |                   |
|--|-------------------|
| (a) Pocket allowance for ten months at Rs. 55.00 per month | Rs. 550.00        |
| (b) For items of clothing and equipment.                   | Rs. 500.00        |
|  | Total Rs. 1050.00 |

Out of the amount mentioned above, the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ cost of training, missing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

## 9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt from the date of successful completion of training.

## 10. Terms and conditions of Service

### (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

### (b) Posting

Personnel granted Short Service Commissions are liable to serve anywhere in India and abroad.

### (c) Tenure of appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

### (d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay for 2/Lt and Lieut, are:—

Second Lieut.	Rs. 750—790 p.m.
Lieut.	Rs. 830—950 p.m.
Plus other allowances as laid down for regular officers	

(e) *Leave*: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 *ibid*.

(f) *Termination of Commission*: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory, or
- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) if his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or Course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

### (g) Pensionary benefits

- (i) These are under consideration.
- (ii) SSC officers on expiry of their five years' term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

### (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of the five years Short Service Commission or extension thereof, they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) *Miscellaneous*: All other terms and conditions of service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

## APPENDIX IV

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri \_\_\_\_\_ son of Shri \_\_\_\_\_ of village/town\* \_\_\_\_\_ in District/Division\* \_\_\_\_\_ of the State/Union Territory\* \_\_\_\_\_ belongs to the Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under :—  
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*.

2. Shri \_\_\_\_\_ and/or\* his family ordinarily reside(s) in village/town\* \_\_\_\_\_ of \_\_\_\_\_ District/Division\* of the State/Union Territory\* of \_\_\_\_\_  
Signature.....

\*\*Designation.....

State/Union Territory\*.....  
(with seal of office)

Place.....

Date.....

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

## APPENDIX V

## CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

## A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called on 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

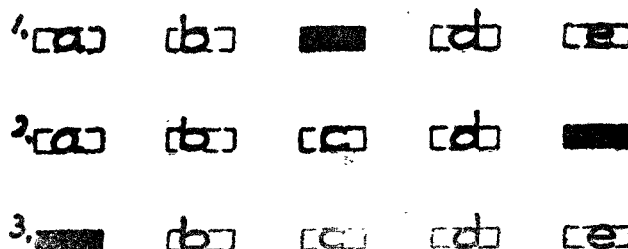
## B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c.....etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end) In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

## C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangle on the answer sheet.



It is important that—

1. You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

## D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
2. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. You ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST

**BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.  
YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU  
VIOLATE THIS RULE.**

5. Write clearly in ink the name of the examination test, your Roll No. Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

#### **H. SPECIAL INSTRUCTIONS**

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your *pen*. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are *not* allowed to bring the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

#### **F. SOME USEFUL HINTS**

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your *time* as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will be calculated only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

#### **G. CONCLUSION OF TEST**

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and

wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are *not* allowed to take the Test Booklet and the answer sheet of the examination Hall.

#### **SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)**

- Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
  - the successors of Asoka were all weak.
  - there was partition of the Empire after Asoka.
  - the northern frontier was not guarded effectively.
  - there was economic bankruptcy during post-Asoka era.
- In a parliamentary form of Government.
  - the Legislature is responsible to the Judiciary.
  - the Legislature is responsible to the Executive.
  - the Executive is responsible to the Legislature.
  - the Judiciary is responsible to the Legislature.
  - the Executive is responsible to the Judiciary.
- The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to :
  - facilitate development.
  - prevent disciplinary problems.
  - provide relief from the usual class room work.
  - allow choice in the educational programme.
- The nearest planet to the Sun is :
  - Venus
  - Mars
  - Jupiter
  - Mercury
- Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?
  - the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes flood.
  - the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
  - the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
  - the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.